Nijanand App

४ सागर

Nijanand App

आठों सागर आठ जिमी के

ये पच्चीस पक्ष हैं धामधनी के

Nijanand App

आठों सागर आठ जिमी के

ये पच्चीस पक्ष हैं धामधनी के

Nijanand App

नूर, दधि, मधु, सर्वरस यह चार सागर श्री राजजी की तरफ से माने जाते हैं।

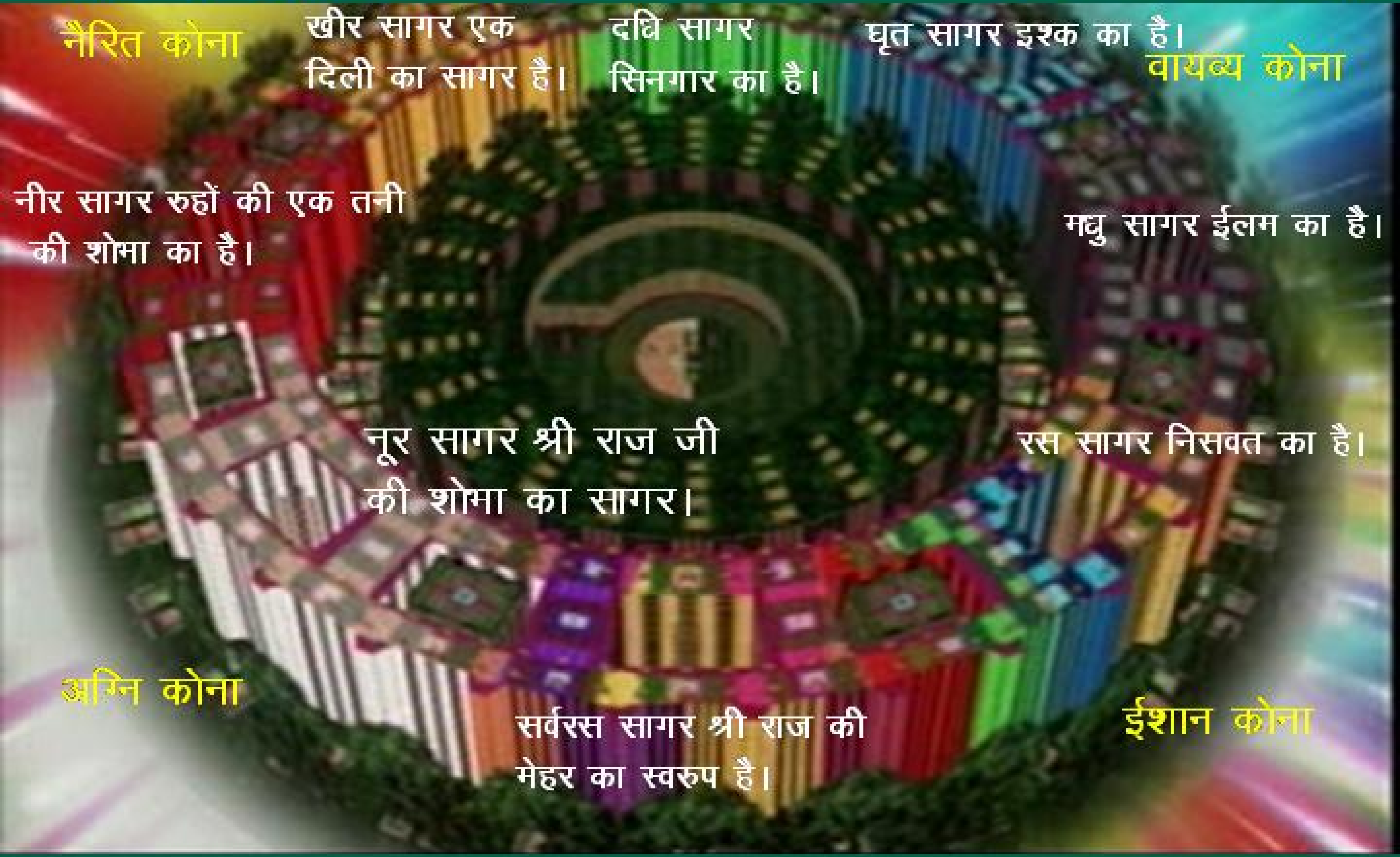

नीर, खीर, घृत, रस यह चार सागर श्री श्यामा जी की तरफ से माने जाते हैं।

Nijanand App

आठों सागर में श्री राज जी के अपरम्पार लाड और गुझ भेद भरे पड़े हैं।

जिसे श्रीराजजी अपनी मेहर की दृष्टि में लेते हैं, उसको ही बख्शीश करते हैं।

Nijanand App

24 हांस का मोहोल

Nijanand App

रंगमहल के दक्षिण में हौजकौसर और

हौजकौसर के दक्षिण में 24 हांस का मोहोल आया है।

Nijanand App

24 हांस के मोहोल की 5 भोम छठी चांदनी आई है।

Nijanand App

जमीन से भोम भर ऊँचे चबूतरे पर 14000 मन्दिर

की गृद में इस मोहोल की शोभा आई है।

Nijanand App

भोम भर की सीढ़ियों को चढ़ कर चबूतरे पर एक 250 मन्दिर की रौंस की परिक्रमा आई है।

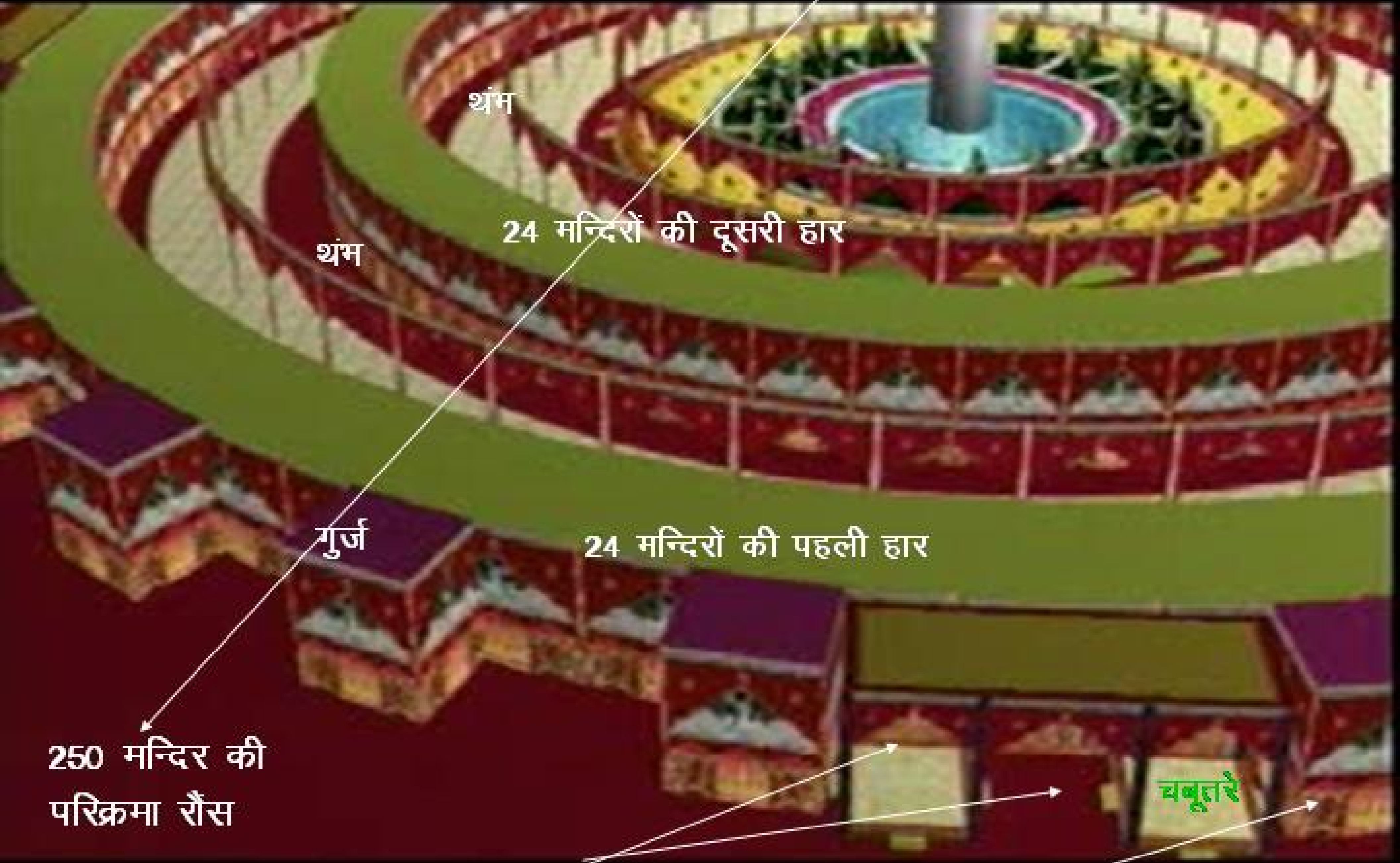

मोहोल के चार बड़े दरवाजे चारों दिशा में आये हैं, उनके बाहर दाये
बायें एक एक चबूतरे की शोभा आई है। साथ में 24 गुर्जों की शोभा भी आई है।

Nijanand App

24 मन्दिरों की पहली हार को पार करके फिर एक थंभो की हार और 2 गलियों को पार करके 24 मन्दिरों की दूसरी हार को पार

करके फिर एक थंभो की हार और 2 गलियों को पार करके एक कमर भर का ऊँचा चबूतरा शोभित है।

Nijanand App

चबूतरे के किनारे पर थंभ, मध्य में पानी का कुण्ड है जिसमें एक पानी का स्तून है

जो छठी चांदनी में जाकर खुलता है। कुण्ड के बाहर बगीचों की शोभा आई है।
जो चबूतरे से कमर भर नीचे आये हैं। 5 मोम तक सारी शोभा ऐसे ही गई है।

Nijanand App

छठी चांदनी पर मध्य में पानी का स्तून जो नीचे से आ रहा था

वोह खुल कर चेहेबच्चा बन जाता है,आगे बगीचों और नहरों की शोभा आई है

Nijanand App

चेहेबच्चे में से 25 फव्वारे निकलते हैं 24 फव्वारे तो सीधा 24 गुर्जों के ऊपर चांदनी पर कुण्ड बने हैं

उनमें गिरते हैं और बीच का फव्वारा सीधा ऊपर उठ कर नीचे चेहेबच्चे में ही गिरता है।

Nijanand App

24 कुण्डों का पानी 6 भोम नीचे जो भोमभर के चबूतरे के साथ कुण्ड बने हैं

उनमें झरनों के रूप में गिरता है और इन्हीं 24 कुण्डों से 24 नहरें निकलती हैं।

Nijanand App

Nijanand App

नहरों के किनारों पर दो भोम के मोहोल आये हैं।

जो 24 हांस के मोहोल के चारों तरफ घूमे हैं।

Nijanand App

जहाँ दो नहरें आपस में कटती हैं वहाँ चेहेबच्चे की शोभा इस प्रकार से आई है।

चेहेबच्चे के चारों तरफ मोहोलों की शोभा देखते ही बनती है।

Nijanand App

24 कुण्डों का पानी 6 भोम नीचे जो भोमभर के चबूतरे के साथ कुण्ड बने हैं

उनमें झरनों के रूप में गिरता है और इन्हीं 24 कुण्डों से 24 नहरें निकलती हैं।

Nijanand App

नहरों के किनारों पर दो भोम के मोहोल आये हैं

जो 24 हांस के मोहोल के चारों तरफ घूमे हैं।

Nijanand App

शुक्ल पक्ष की तेरस 13 को श्री राजस्यामा जी सब सखियों के

साथ यहाँ पर आकर आनन्द विहार की लीला करते है।

Nijanand App

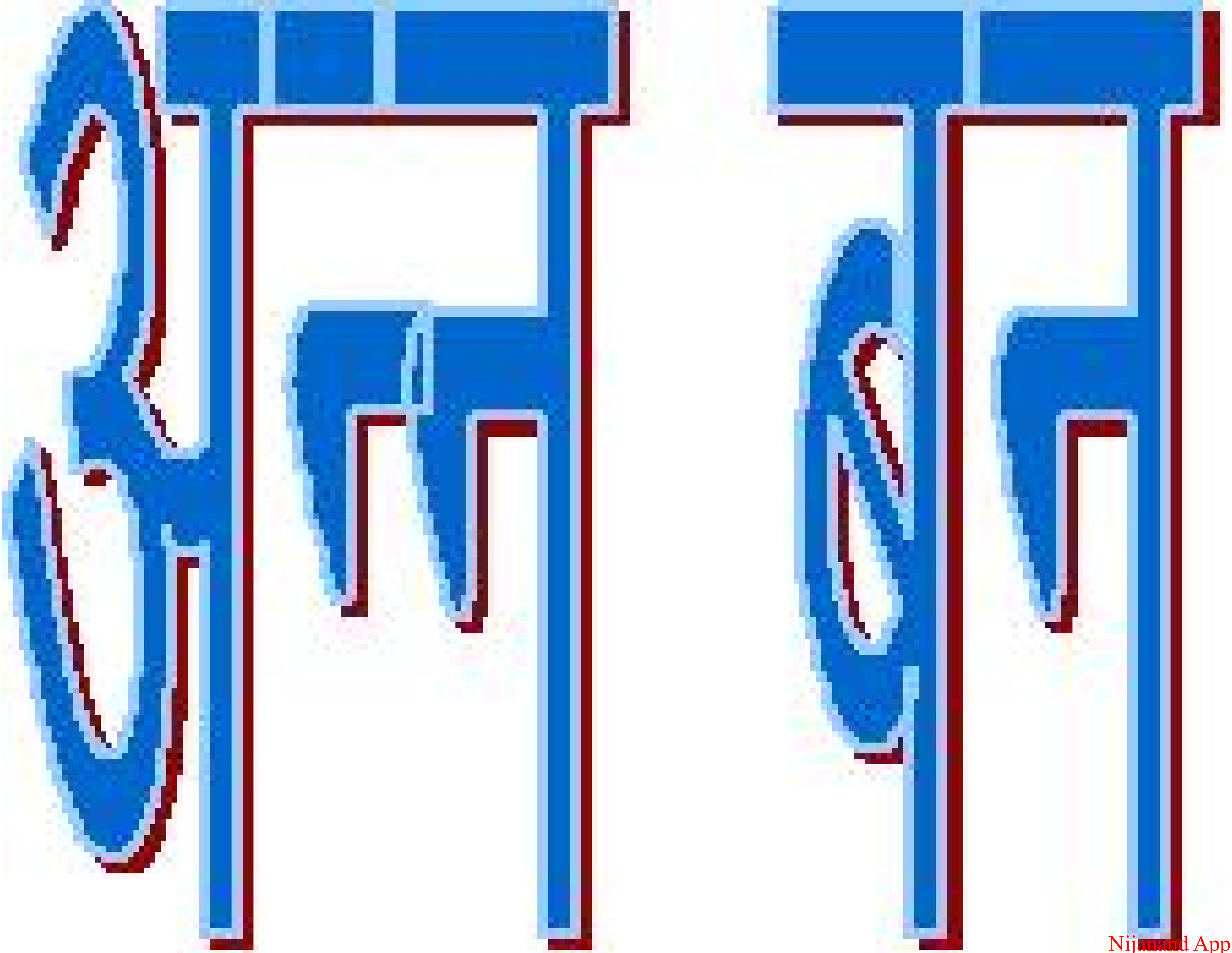

रंगमहल की पश्चिम दिशा में फूलबाग के साथ लगता हुआ अन्नवन आया है

यह भी 1500 मन्दिर का ही लम्बा चौड़ा आया है।

Nijanand App

10 की 10 हारें आने से इसके 100 भाग बनते हैं जिसमें तरह तरह के खेत खलिहान आये हैं

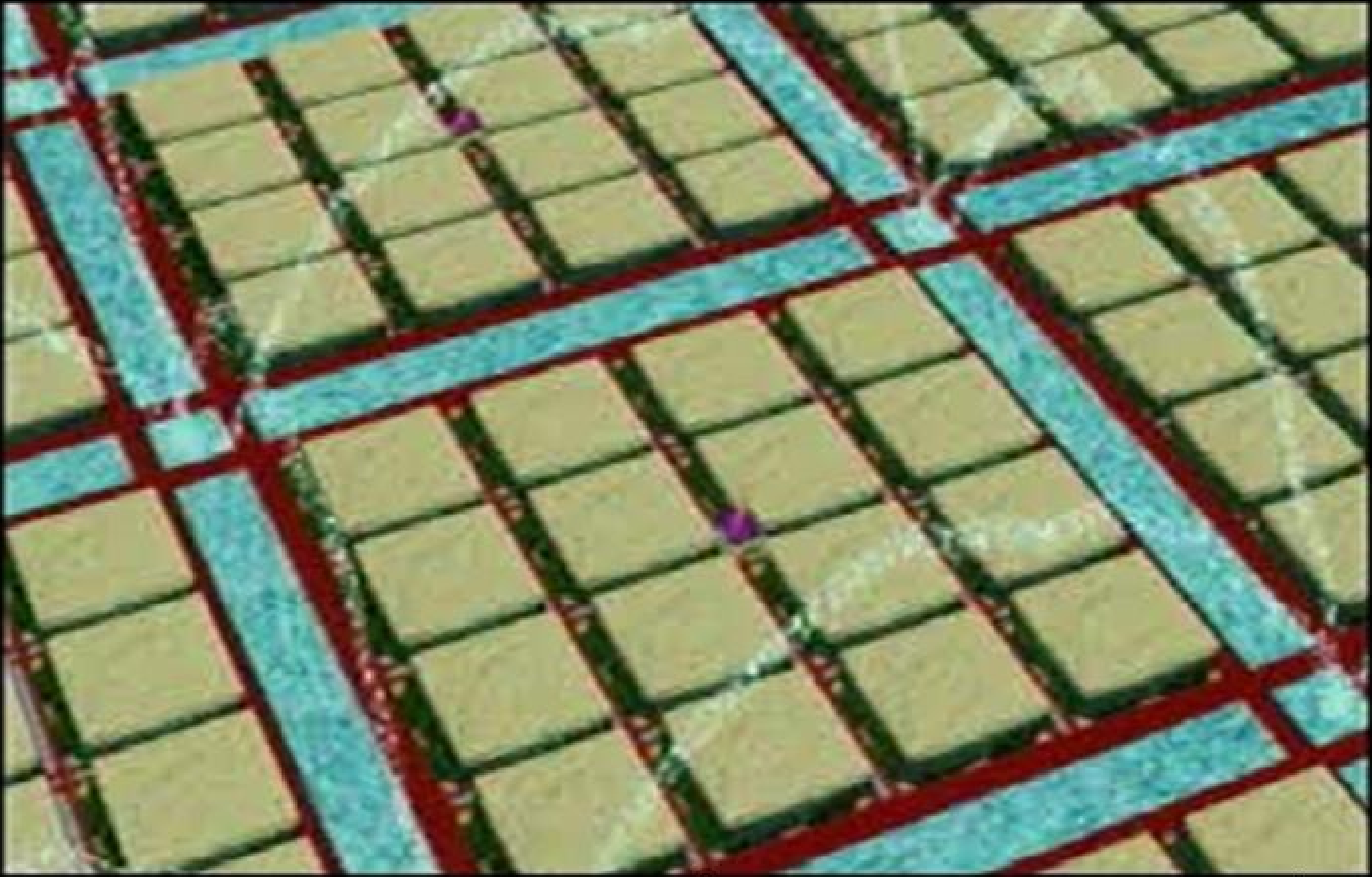

जिसमें तरह तरह की साग तरकारी और कई प्रकार के मेवा के भी बन हैं।

Nijanand App

हरेक बगीचे के मध्य में जो चेहेबच्चा आया है उस पर चार कोनों में चार

थम्भ और गुम्मट कलश ध्वजा पताका बहुत शोभा बिखेर रहे हैं।

Nijanand App

रंगमहल की पश्चिम दिशा में अन्नबन के साथ लगता हुआ दूबदुलिचा
आया है यह भी 1500 मन्दिर का ही लम्बा चौड़ा आया है।

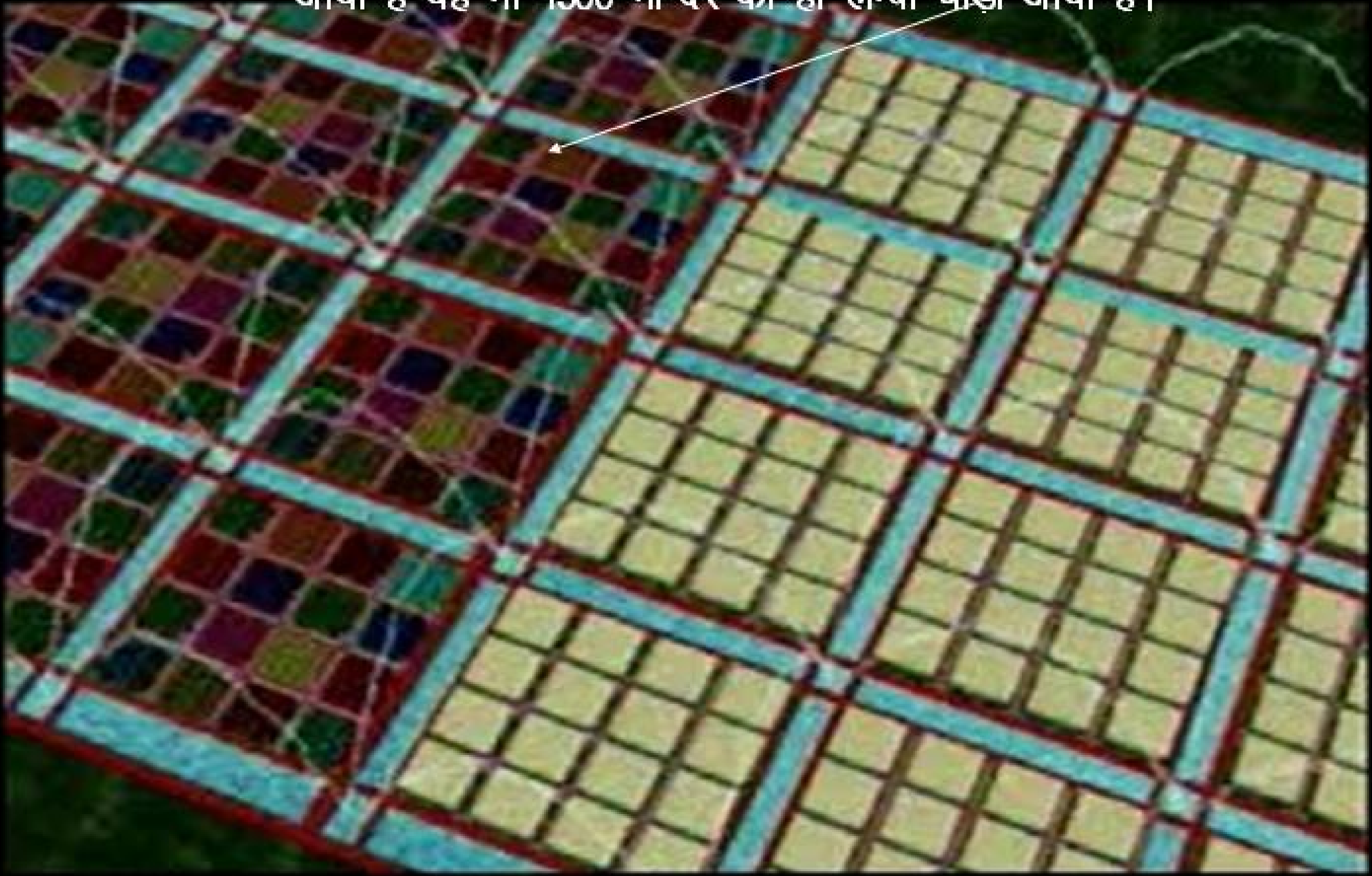

अन्नवन और दूबदुलिचा में फूलबाग की तरह ही सब नहरों और फव्वारों की शोभा आई है।

Nijanand App

10 की 10 हारें आने से इसमें 100 बगीचे बनते हैं जिसमें तरह तरह के रंगों की घास बिछी है

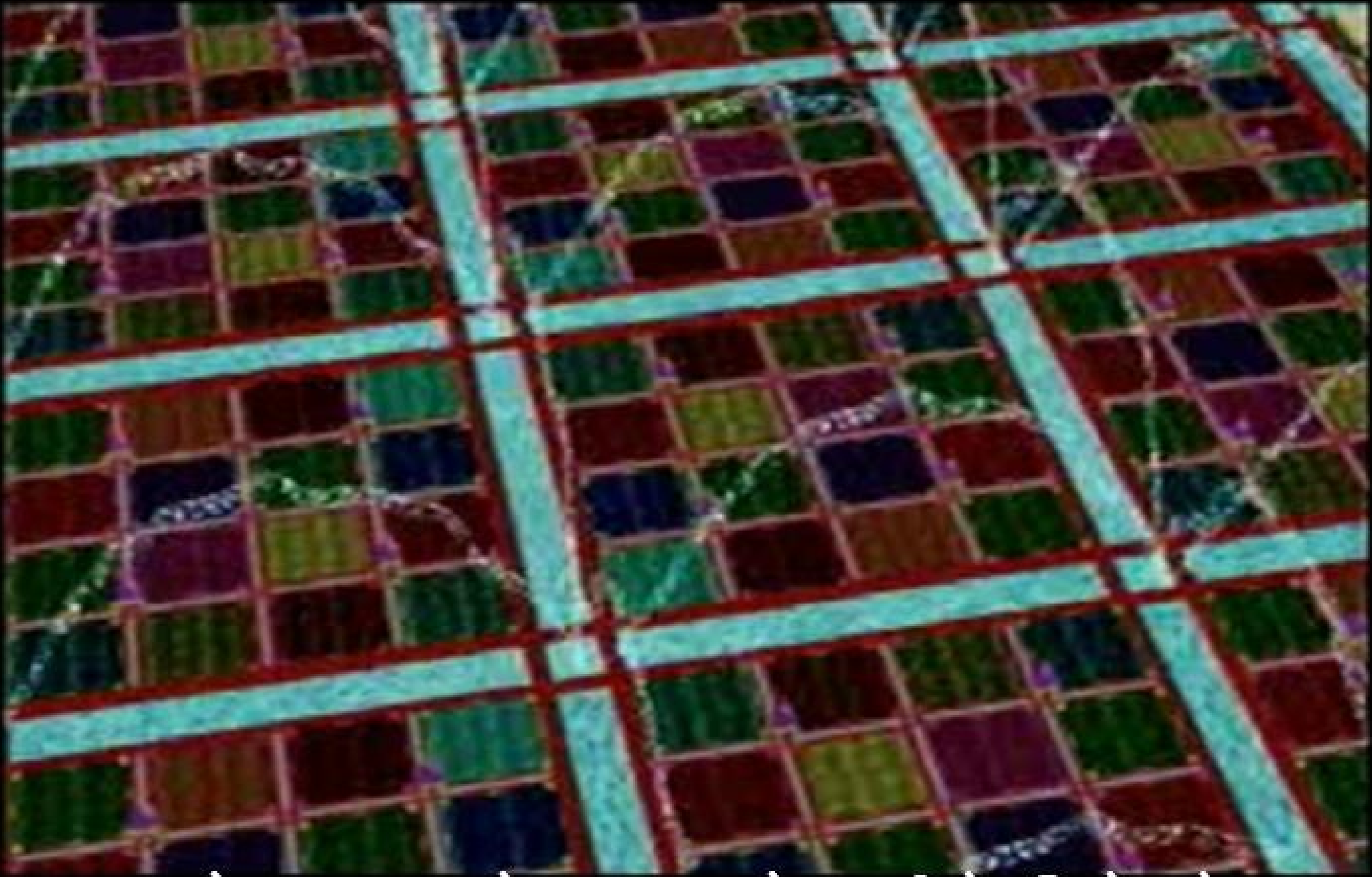

मानो बहुत सारे सुन्दर से गलीचे बिछे हों।

Nijanand App

हरेक बगीचे के मध्य में चेहेबच्चे आये है उस पर चार कोनों में चार थम्भ

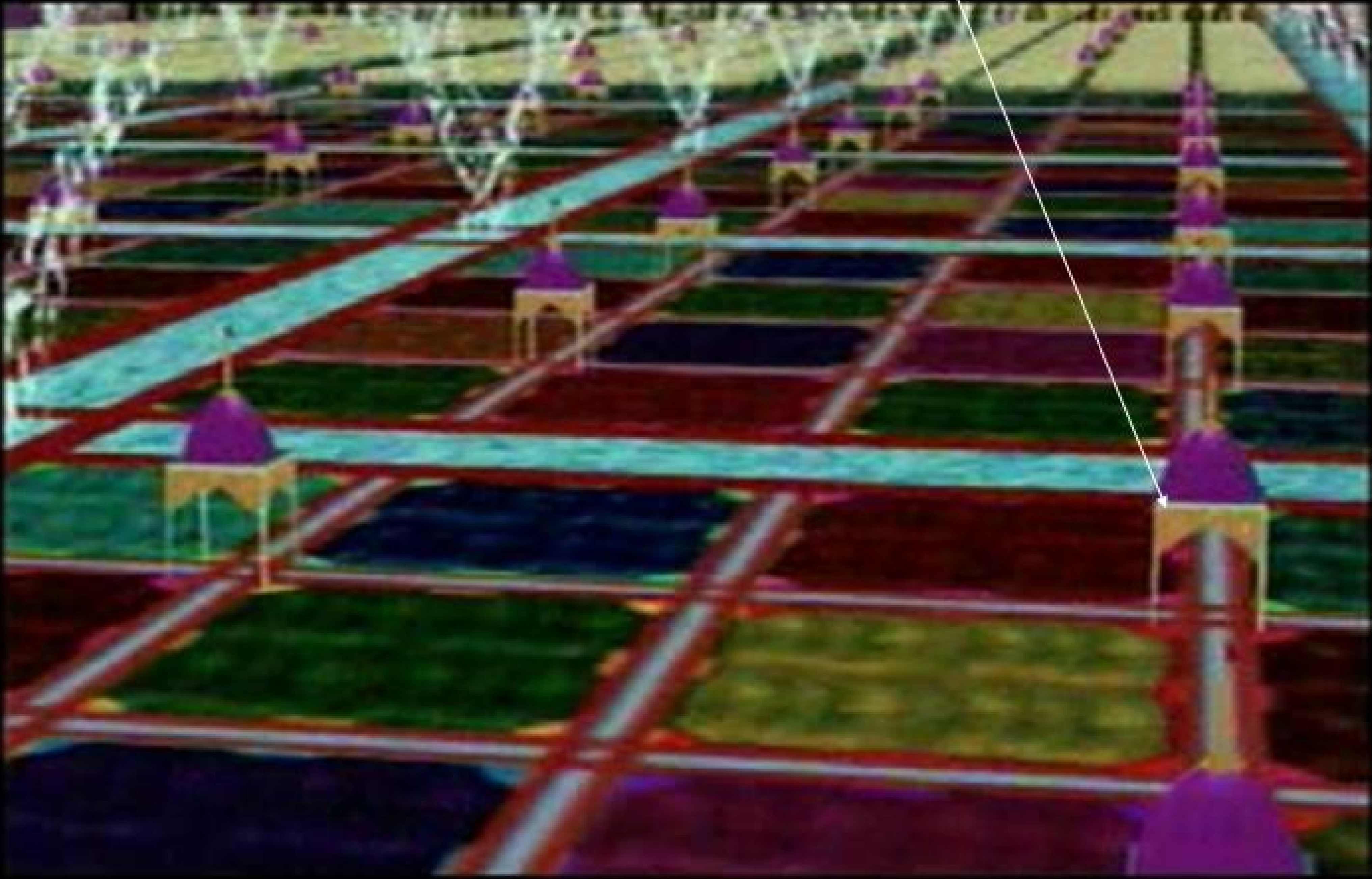

और गुम्मट कलश ध्वजा पताका बहुत शोभा बिखेर रहे हैं।

Nijanand App

बड़ी रांग

Nijanand App

छोटी रांग के आगे बड़ी रांग की शोभा आई है।

बडी़ रांग में 8 सागर और 8 जमीन की शोभा आई है।

हरेक सागर में एक जमीन और एक सागर आया है।

Nijanand App

जहां छोटी रांग की चौथी हवेली की हार खत्म होती है।

उसी के आगे 1200 कोस की एक चौड़ी रौंस चारों तरफ घूमी है।

इसी रौंस के आगे एक हवेली 2 करोड़ 88 लाख कोस की चौड़ी आई है

Nijanand App

इस एक हवेली में 12000 की 12000 हारें और हवेलियों की आई हैं।
इन सबकी 12000 मोम की ऊँचाई आई है।

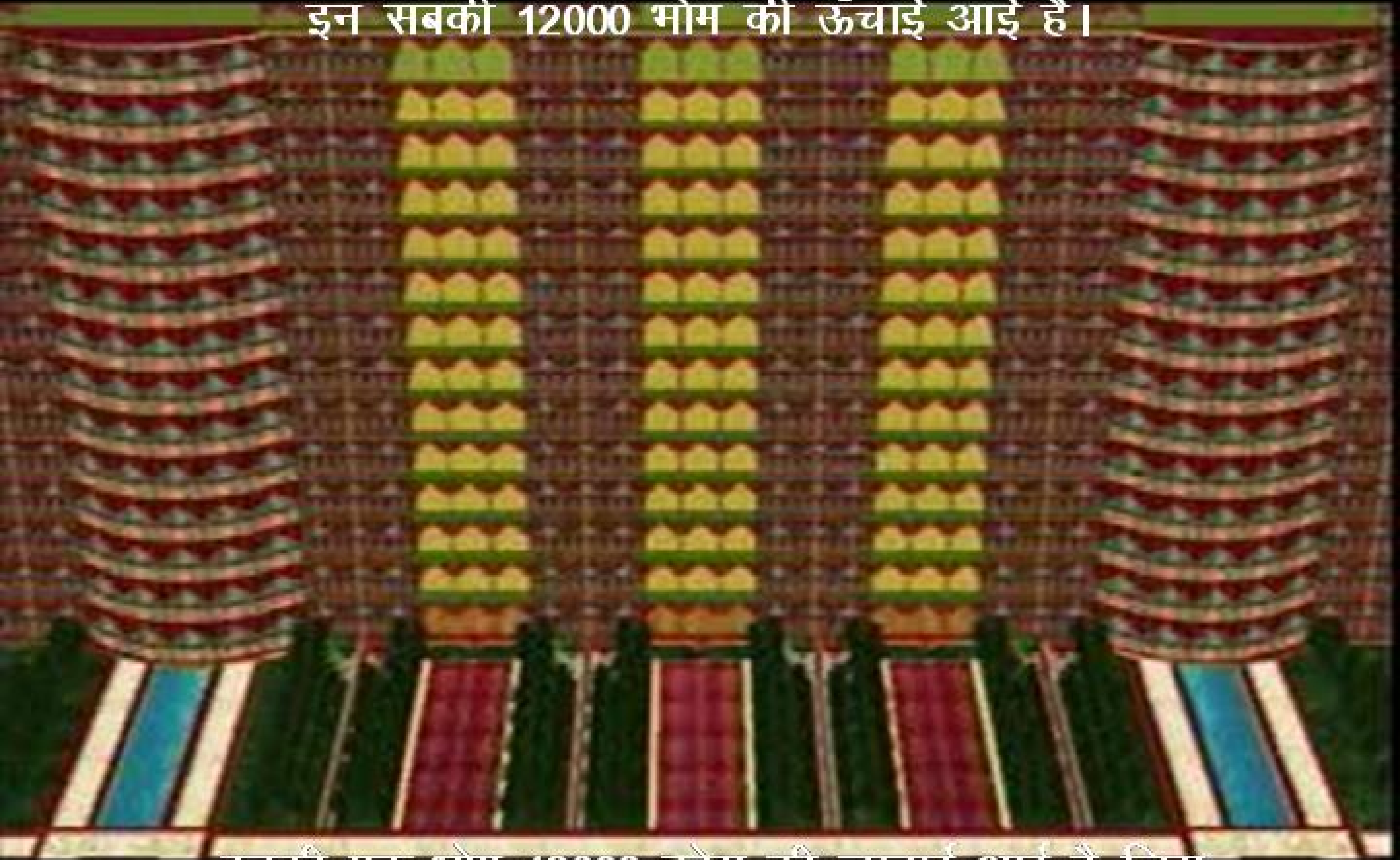

इनकी एक मोम 12000 कोस की लम्बाई आई है जिस
कारण एक मोम में एक एक कोस की 12000 मोमें और आई हैं।

Nijanand App

Nijanand App

हरेक हवेली के सामने 1400 कोस का चौड़ा

और 4 लाख कोस लम्बा एक बगीचा आया है
जिसमें द्वार के आगे एक चांदनी चौक है

Nijanand App

हरेक हवेली के सामने 1400 कोस का चौड़ा और

4 लाख कोस की लम्बी त्रिपोलियों के आगे रौंस की शोभा आई है।

Nijanand App

रौंस के आगे समुद्र की कमरभर ऊँची रौंस आई है।

समुद्र के एक तरफ 24000 घाटों की शोभा आई है।

Nijanand App

हवेली और समुद्र के बीच में एक तरफ 12000 बगीचों की शोभा है।

समुद्र की एक दिशा की तरफ हवेली के 24000 गुर्ज,
12000 दरवाजे, 12000चांदनी चौक की शोभा है।

Nijanand App

समुद्र के चारों कोनों पर 4लाख कोस के चार चौक नूर भरी रेती के आये हैं।

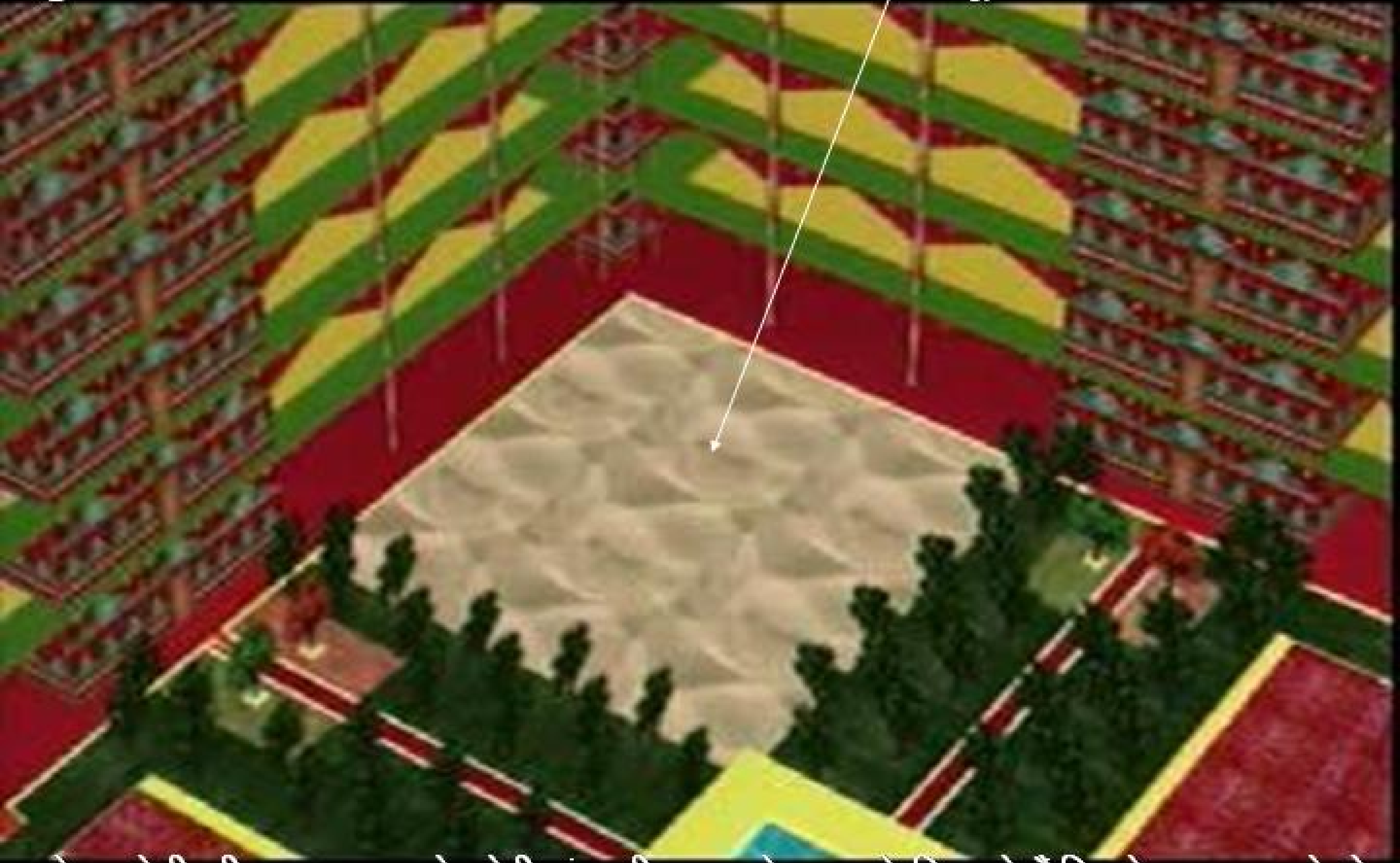

हरेक हवेली की तरफ सागर से छोटी रांग की तरफ दो घड़नाले निकलते हैं,जिनसे एक घड़नाले से पानी सारे परमधाम में जाता है और दूसरे से वापिस समुद्र में आता है।

Nijanand App

एक सागर के चारों ओर चार बड़ी हवेलियों की शोभा है।

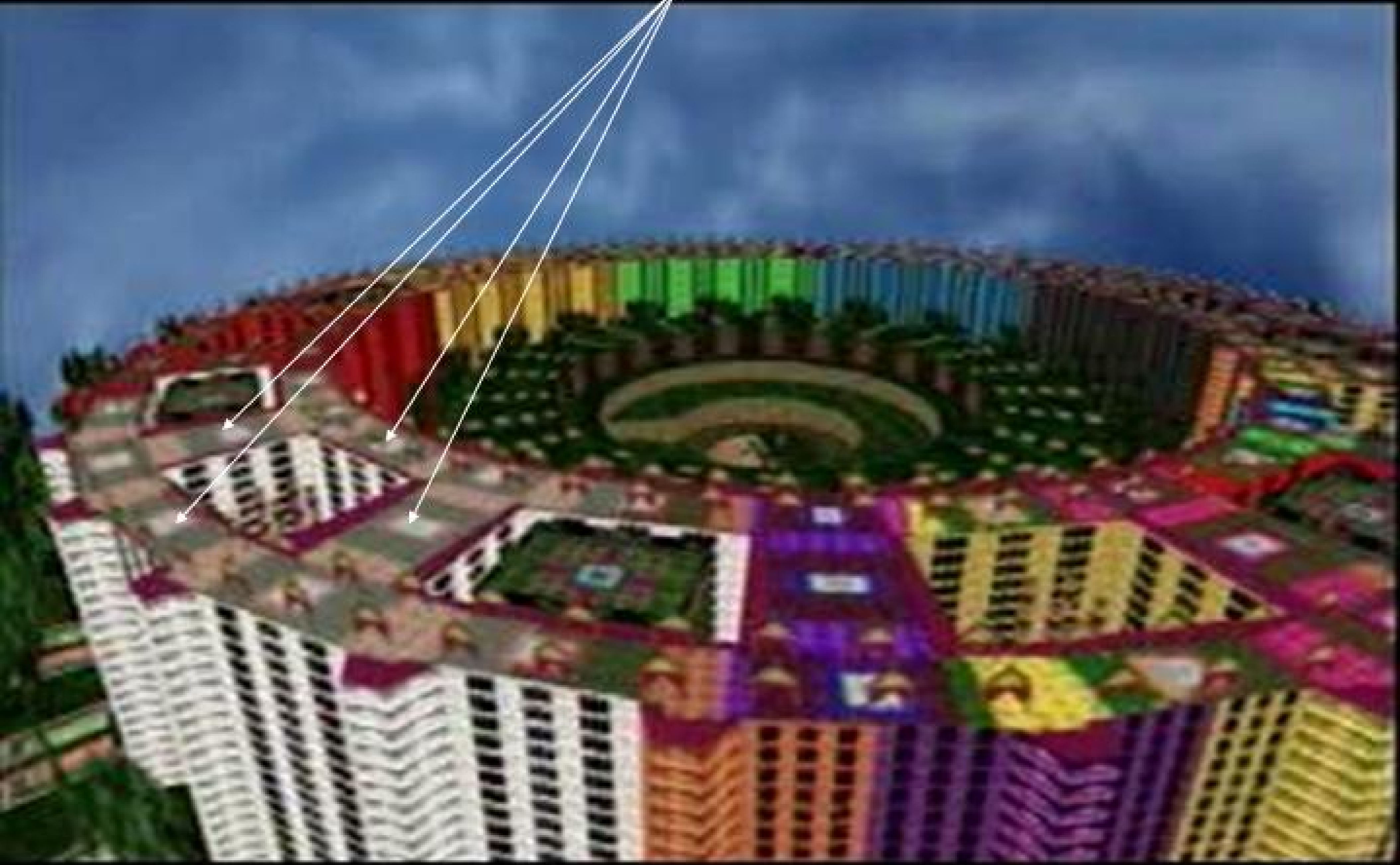

Nijanand App

एक सागर की गृद 16 करोड़ कोस की आई है। सागर के मध्य के तीसरे हिस्से में 12000 की 12000 हारें टापू मोहोलों की आईं हैं।

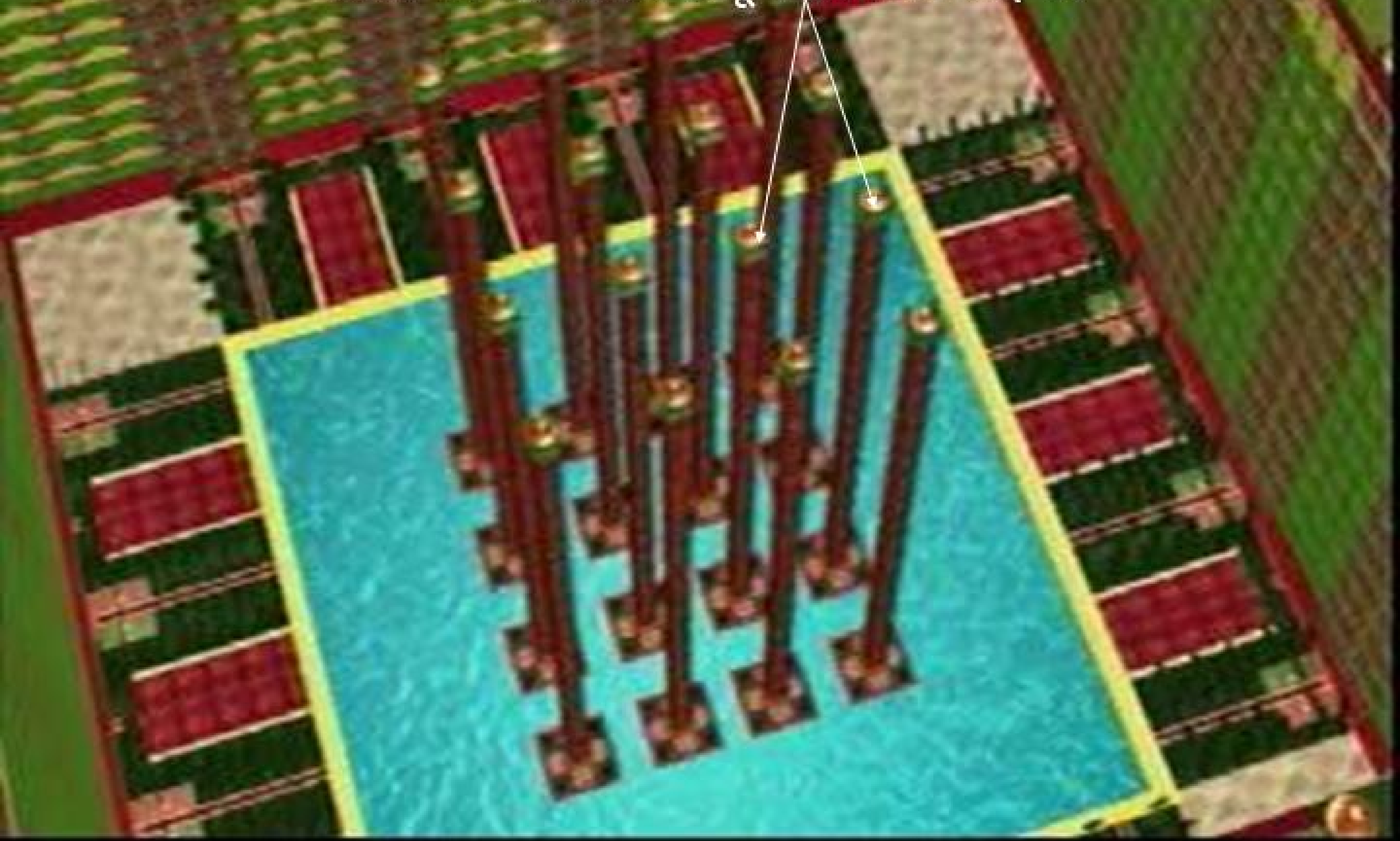

400 कोस में एक टापू फिर 400 कोस में जल सारी शोभा ऐसे ही आई है।

Nijanand App

टापू के मध्य के तीसरे भाग में एक भोमभर का ऊँचा चबूतरा आया है। बाकी में वनों की शोभा आई है।

चबूतरे के चारों ओर 8 बगीचे आये है। चार दिशा के बगीचो मे चार चांदनी चौक आये है।

Nijanand App

चबूतरे पर रौंस को छोड़कर आगे मध्य में एक हवेली की शोभा है।

इसकी ऊँचाई 12000 भोम की है एक भोम में 12000 छोटी भोमें भी आई हैं।

Nijanand App

हवेली के अन्दर दो हार मन्दिरों के बीच में दो थंभों की हारें आई हैं। इसके आगे 12000 मोहोलों की 12000 हारें आई हैं।

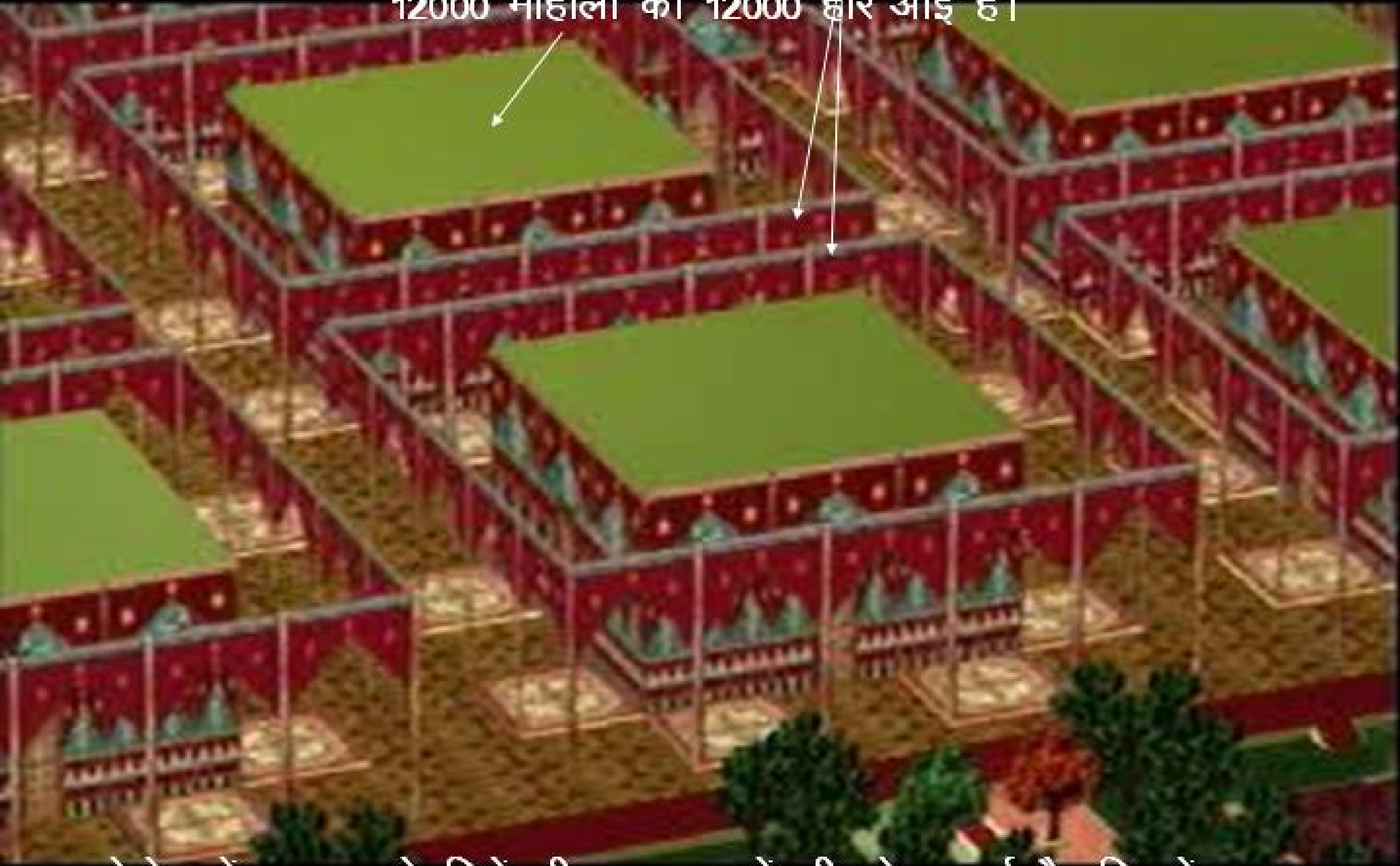

एक मोहोल में 12000 कोठरियों की 12000 हारों की शोभा आई है। जिसमें अनन्त बाग बगीचे नहरें चेहेबच्चों की शोभा है।

Nijanand App

चांदनी के मध्य के तीसरे हिस्से में एक कमरभर ऊँचा चबूतरा आया है इसपर सिंहासन, कुर्सियों की सारी जोगवाई आई है।

चबूतरे के चारों तरफ बगीचों,नहरों की सारी शोभा आई है।

Nijanand App

आगे इसको घेर करके चारों ओर भोमभर की ऊँची दीवार परिकरमा के वास्ते आई है।

चारों दिशा से भोम भर की सीढ़ी उतरी है।

Nijanand App

दीवार के बाहरी तरफ कमानें, कंगूरों के बीच बहुत सुन्दर कांगरी आई है

जिस पर ध्वजा,पताका,घूंघरूओं की सारी शोभा आई है।

Nijanand App

दो सागरों में एक जमीन की शोभा है। सागर और जमीन की सारी शोभा में कोई अन्तर नहीं है

बस जहां सागर आया है उस जगह पर सागर नहीं जमीन आई है।

Nijanand App

Nijanand App

इस महाहवेली के अन्दर दो हार मन्दिरों के बीच में दो थंभों की हारें आई हैं।

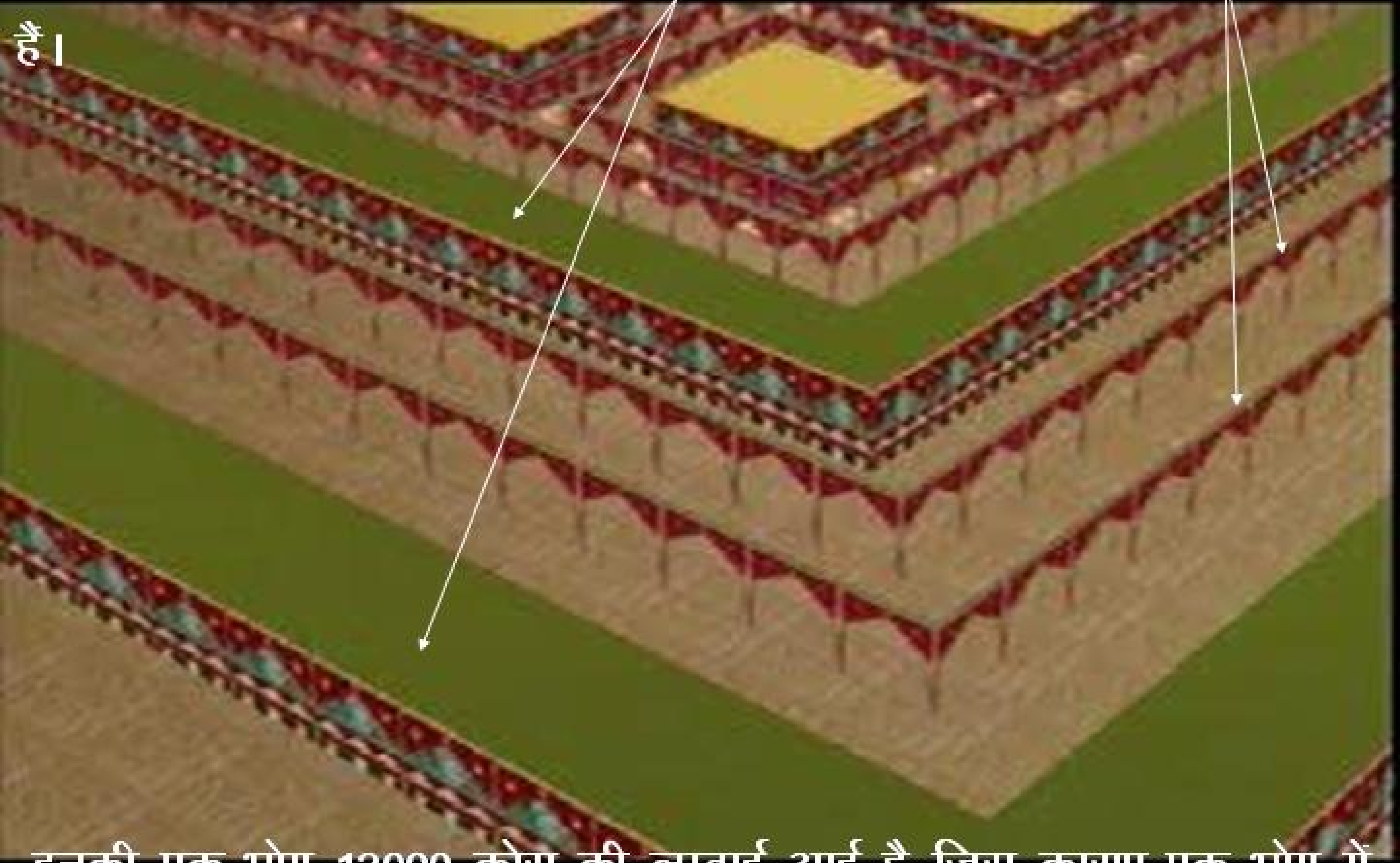

इनकी एक मोम 12000 कोस की लम्बाई आई है जिस कारण एक मोम में एक एक कोस की 12000 मोमें और आई हैं।

Nijanand App

इसके आगे 12000 हवेलियों की 12000 हारें आई हैं। एक हवेली में 12000 मोहोलों की 12000 हारों की शोभा आई है। जिसमें अनन्त बाग बगीचे नहरें चेहेबच्चों की शोभा है।

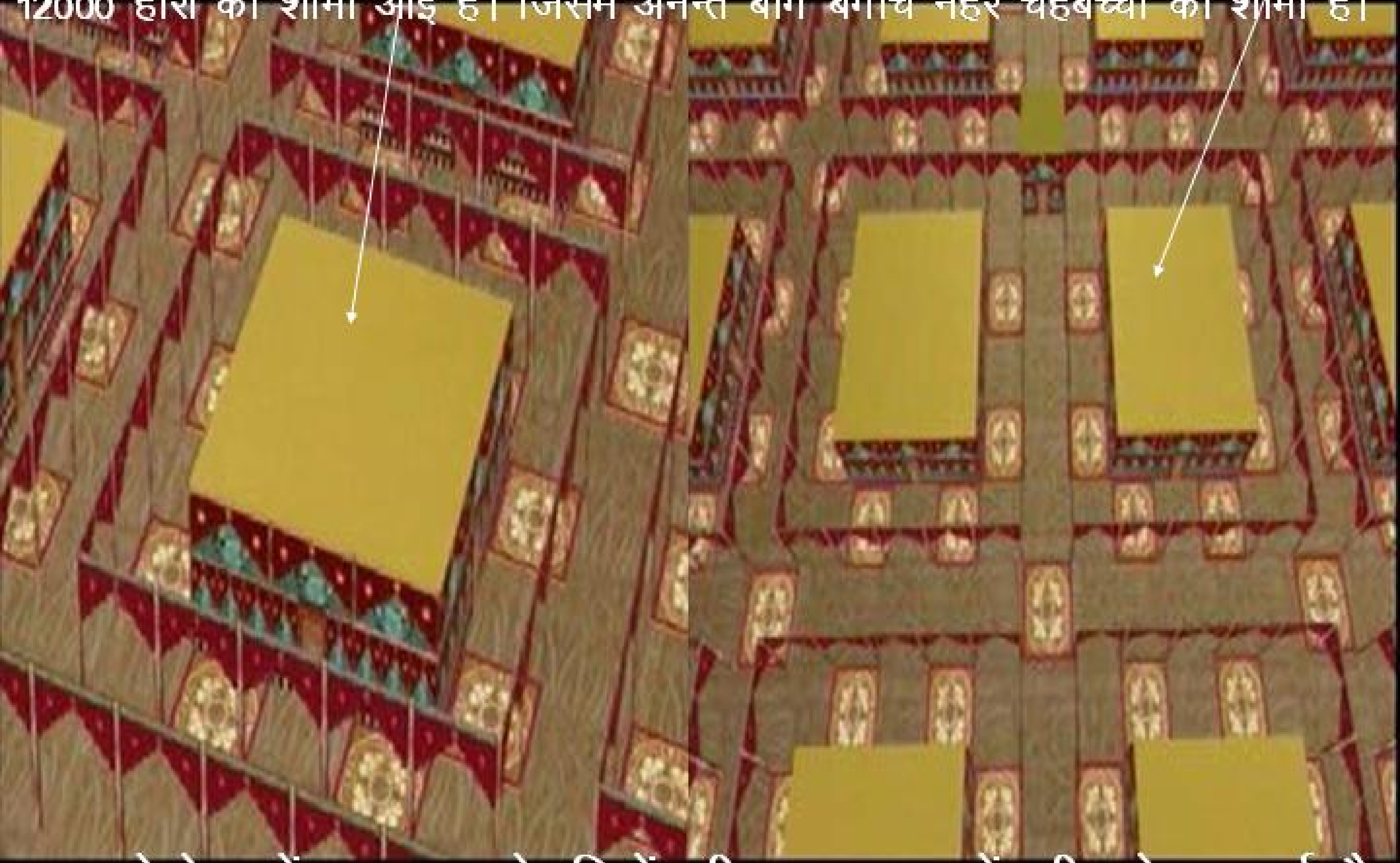

एक मोहोल में 12000 कोठरियों की 12000 हारों की शोभा आई है।

Nijanand App

इन हवेलीयों की चांदनी पर माणिक पहाड़ की तरह सारी शोभा आई है। चांदनी के तीसरे हिस्से में मोसमर का चौरस चबूतरा आया है।

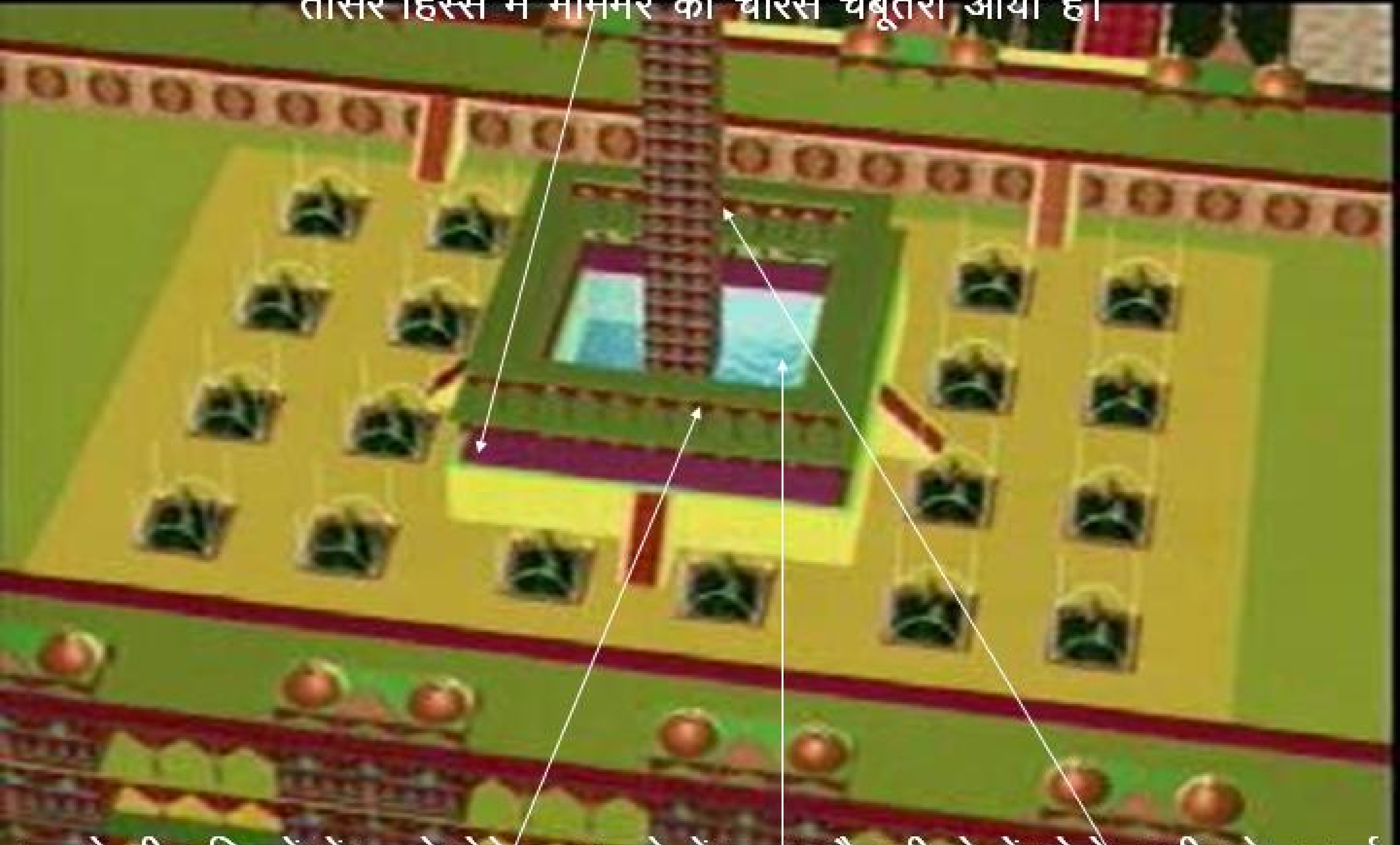

इसके तीन हिस्सों में पहले देहेलान दूसरे में ताल और तीसरे में मोहोल की शोभा आई है। देहेलान में चार थंभों की हारें आई हैं

Nijanand App

बीच वाली दो हारें दो मोम की हैं बाकी एक एक मोम की। ताल मोमभर गहरा आया है।

आगे तीसरे हिस्से में मोहोलों की एक दिशा में 12000 हवेलीयों की शोभा है
जिसकी ऊँचाई 20 मोम तक गई है।

Nijanand App

हवेलीयों के आगे बाग बगीचे नहरों के आगे मध्य में कमरभर ऊँचे चबूतरे पर एक बड़ा जलस्तम्भ आया है जो 20 भोम का ऊँचा गया है।

चांदनी पर मध्य में एक कमरभर का ऊँचा चबूतरा आया है नीचे से जो स्तम्भ आया है वोह इसी चबूतरे पर आकर फूटता है जो कुण्ड की शोभा लिए हुए है।

Nijanand App

चबूतरे के नीचे बाग बगीचे फिर आगे मोममर की ऊँची दीवार परिकरमा के वास्ते उठी है।

सारी शोभा टापूमोहोलों की चांदनी जैसी है।

Nijanand App

किनार पर कांगरी कंगुरे गुम्मट ध्वजा पताका की सारी शोभा

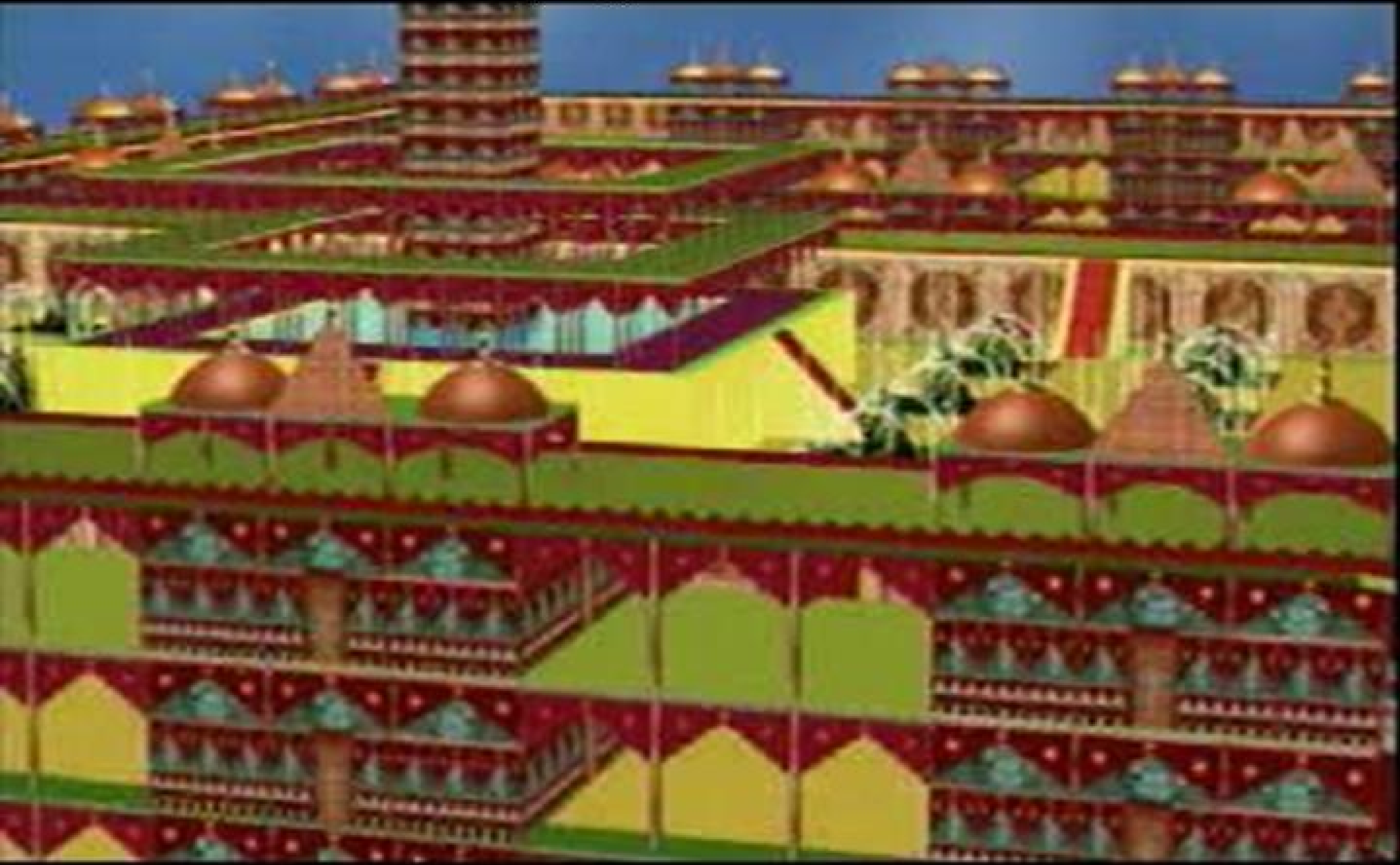

Nijanand App

जमीन की चांदनी की शोभा

Nijanand App

इस तरह से 8 सागर और 8 जमीन की शोभ आई है।

Nijanand App

बड़ो वन

Nijanand App

रंगमहल के उत्तर में लाल चबूतरा के

सामने उत्तर में बड़ोवन के वृक्ष आये हैं।

Nijanand App

इन वृक्षों की 10 भोम के बराबर एक ही भोम आई है। इनकी डालें रंगमहल

की चांदनी पर भी जाती हैं। इन वृक्षों के थड़ों में ही सीढ़ियाँ ऊपर चढ़ने के लिए जाती हैं।

Nijanand App

रंगमहल की हरेक भोम का छज्जा इन वृक्षों के छज्जों से जुड़ा हुआ है। जहाँ दो

वृक्षों की मेहराबें मिलती हैं वहीं पर हिंडोला आया है। हरेक चौक में चार हाथ की ताली पड़ती है।

Nijanand App

41 वृक्षों की 41 हारें आने से इसमें 40 अखाड़े या चौक बनते है जिसमें पशु पक्षी

तरह तरह के खेल तमाशेकरके श्री राजस्यामा जी और सब सखियों को रिझाते है

Nijanand App

लाल चबूतरा के उत्तर में बड़ोवन की 17 वृक्षों की हारों तक तो रंगमहल जितनी ही ऊँचाई आई है

उससे आगे ऊँचाई 250 मोम तक गई है। फिर आगे मधुवन की
ऊँचाई 500 और महावन की ऊँचाई 1000 मोम तक गई है।

Nijanand App

सब वृक्षों की शोभा बटपीपल की चौकी की तरह ही आई है। एक बगीचे में कमरभर ऊँचे चबूतरे पर एक पेड़ और बगीचे के

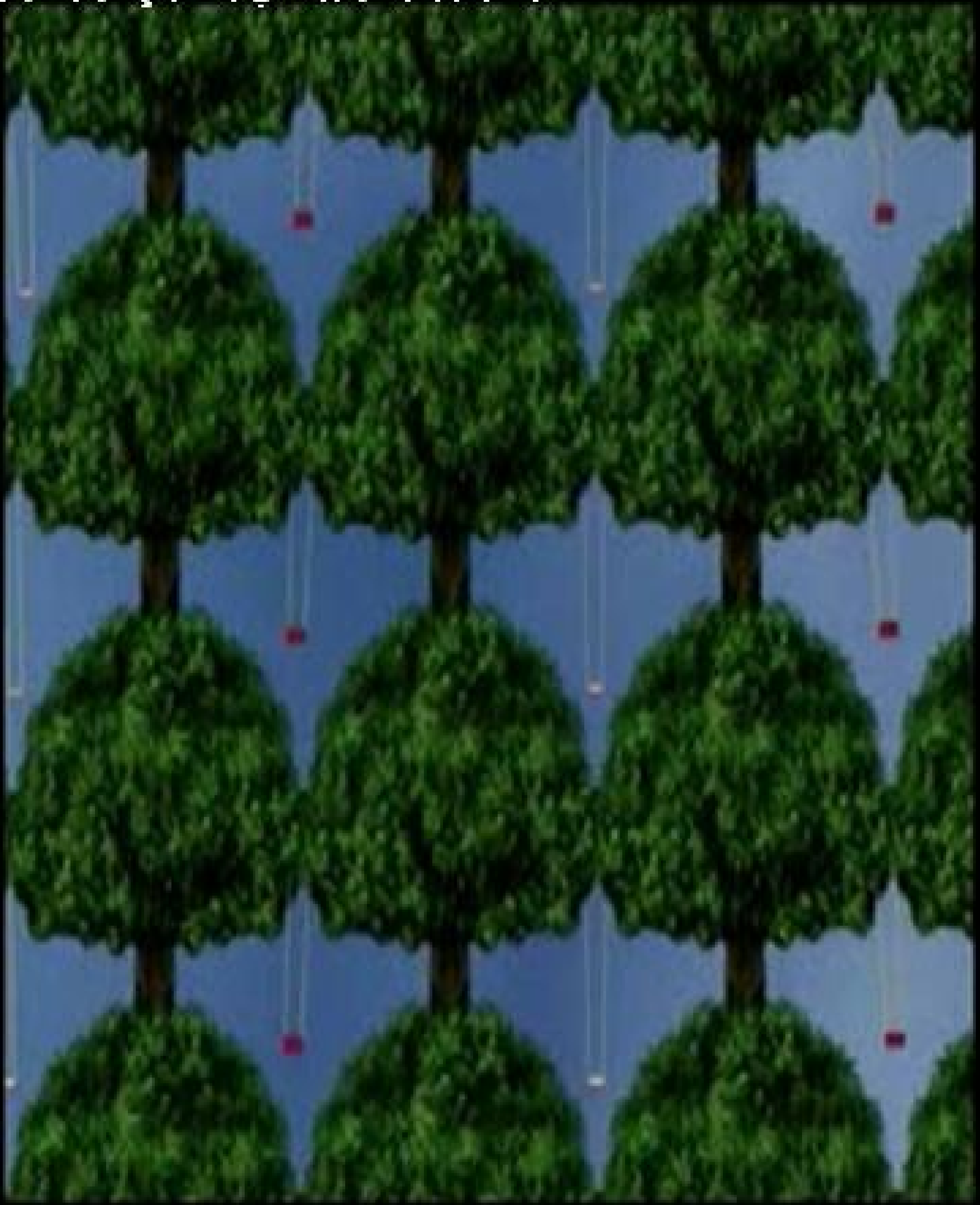

चारों तरफ नहरें, मेहराबों में झूले, वृक्षों के थड़ों में ही ऊपर जाने के लिए सीढ़ियाँ आई हैं।

Nijanand App

महावन की 1000 भोम आई है इस वन की शोभा भी मधुवन जैसी ही आई है।

श्री राजस्यामा जी सब सखियों समेत कृष्णपक्ष की आठवी को यहाँ आते हैं
और तरह तरह की आन्नद की लीलायें करके झूला झूलते हैं।

Nijanand App

रंगमहल की उत्तर दिशा में ईशान कोना के साथ लगता हुआ ताड़वन आया है।

ताड़वन पूर्व से पश्चिम 300 मन्दिर का चौड़ा और 510 मन्दिर का लम्बा उत्तर से दक्षिण आया है

Nijanand App

लाल चबूतरा के पूर्व में जो 10 हांस यानि कि 300 मन्दिर आये हैं उसके साथ और बड़ोवन की पूर्वी सन्ध में ताड़वन शोभा ले रहा है।

लाल चबूतरा के पूर्व में 40 मन्दिर की दूरी में ताड़वन की हद में खड़ोकली आई है।

Nijanand App

ताड़वन में कुल 170 बगीचे आये हैं।

बगीचे के किनारे पर ताड़ के पेड़ आये हैं जो एक भोम के 10 भोम बराबर के ऊँचे हैं।

Nijanand App

ताड़वन के वृक्ष रंगमहल की नौमी भोम तक जाते हैं।

क्योंकि रंगमहल पहले ही एक भोमभर चबूतरे पर खड़ा है।

Nijanand App

श्री राजस्यामा जी सब सखियों समेत कृष्णपक्ष की सातमी को यहाँ आते है

और तरह तरह की आन्नद की लीलायें करके झूला झूलते हैं।

Nijanand App

वढ़ो वन

Nijanand App

रंगमहल के उत्तर में लाल चबूतरा के

सामने उत्तर में बड़ोवन के वृक्ष आये हैं।

Nijanand App

इन वृक्षों की 10 भोम के बराबर एक ही भोम आई है। इनकी डालें रंगमहल

की चांदनी पर भी जाती हैं। इन वृक्षों के थड़ों में ही सीढ़ियाँ ऊपर चढ़ने के लिए जाती हैं।

Nijanand App

रंगमहल की हरेक भोम का छज्जा इन वृक्षों के छज्जों से जुड़ा हुआ है। जहाँ दो

वृक्षों की मेहराबें मिलती हैं वहीं पर हिंडोला आया है। हरेक चौंक में चार हाथ की ताली पड़ती है।

Nijanand App

41 वृक्षों की 41 हारें आने से इसमें 40 अखाड़े या चौक बनते है जिसमें पशु पक्षी

तरह तरह के खेल तमाशेकरके श्री राजस्यामा जी और सब सखियों को रिझाते है

Nijanand App

लाल चबूतरा के उत्तर में बड़ोवन की 17 वृक्षों की हारों तक तो रंगमहल जितनी ही ऊँचाई आई है

उससे आगे ऊँचाई 250 भोम तक गई है। फिर आगे मधुवन की ऊँचाई 500 और महावन की ऊँचाई 1000 भोम तक गई है।

Nijanand App

सब वृक्षों की शोभा बटपीपल की चौकी की तरह ही आई है। एक बगीचे में कमरभर ऊँचे चबूतरे पर एक पेड़ और बगीचे के

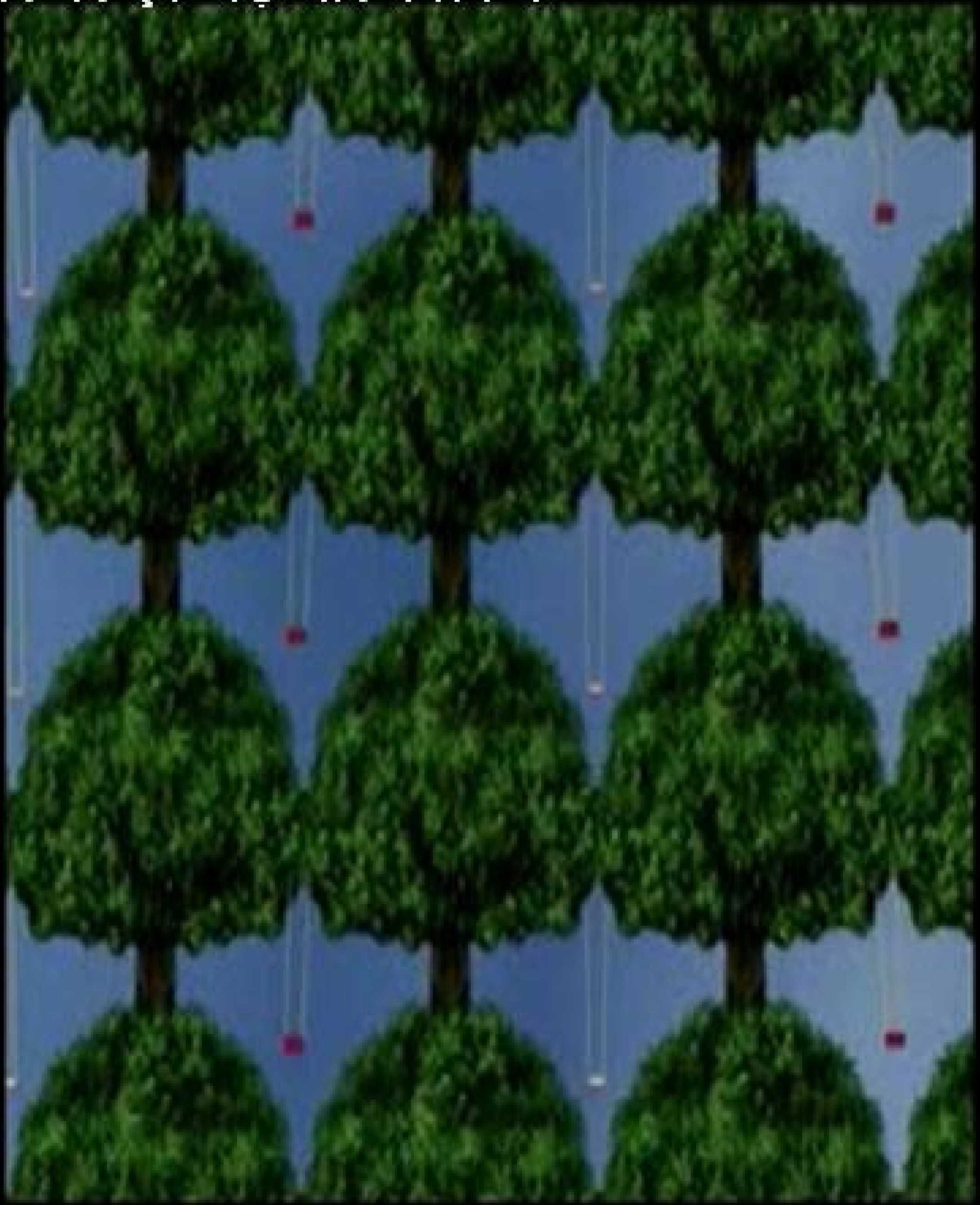

चारों तरफ नहरें, मेहराबों में झूले, वृक्षों के थड़ों में ही ऊपर जाने के लिए सीढ़ियाँ आई हैं।

Nijanand App

महावन की 1000 भोम आई है इस वन की शोभा भी मधुवन जैसी ही आई है।

श्री राजस्यामा जी सब सखियों समेत कृष्णपक्ष की आठवी को यहाँ आते हैं
और तरह तरह की आनन्द की लीलायें करके झूला झूलते हैं।

Nijanand App

रंगमहल की उत्तर दिशा में ईशान कोना के साथ लगता हुआ ताड़वन आया है।

ताड़वन पूर्व से पश्चिम 300 मन्दिर का चौड़ा और 510 मन्दिर का लम्बा उत्तर से दक्षिण आया है

Nijanand App

लाल चबूतरा के पूर्व में जो 10 हांस यानि कि 300 मन्दिर आये है
उसके साथ और बड़ोवन की पूर्वी सन्ध में ताड़वन शोभा ले रहा है।

लाल चबूतरा के पूर्व में 40 मन्दिर की दूरी में ताड़वन की हद में खड़ोकली आई है।

Nijanand App

ताड़वन में कुल 170 बगीचे आये हैं।

बगीचे के किनारे पर ताड़ के पेड़ आये हैं जो एक भोम के 10 भोम बराबर के ऊँचे हैं।

Nijanand App

ताड़वन के वृक्ष रंगमहल की नौमी भोम तक जाते हैं।

क्योंकि रंगमहल पहले ही एक भोमभर चबूतरे पर खड़ा है।

Nijanand App

श्री राजस्यामा जी सब सखियों समेत कृष्णपक्ष की सातमी को यहाँ आते है

और तरह तरह की आन्नद की लीलायें करके झूला झूलते हैं।

Nijanand App

बन की नहीं

Nijanand App

माणिक पहाड़ की दक्षिण दिशा में वन की नहरों की शोभा आई है।

सारी जोगवाई जवेरों की नहरों के समान है। यहाँ अनन्त वृक्षों की अनन्त हारें हैं।

Nijanand App

चार नहरों के बीच में एक चौक आया है जिसके मध्य में एक 400 कोस का लम्बा चौड़ा चबूतरा शोभायमान है

सीढ़ियों की जगह छोड़ कर बाकी में कठेड़ा आया है। मध्य में बहुत विशाल एक पेड़ की शोभा है।

Nijanand App

इसकी एक भोम में माणिक पहाड़ की एक हवेली जितना विस्तार आया है

जिसमें अनन्त बगीचे,चेहेबच्चे, मोहोल, मन्दिर और कोठरियों की शोभा आई है

Nijanand App

पेड़ की ऊँचाई 5 मोम की है पर एक मोम 12000 मोम के बराबर आई है।

नीचे से एक भोम का केवल थड़ ही आया है।

जिसमें अन्दर जाने के लिए दरवाजे और ऊपर जाने के लिए सीढ़ियों की शोभा आई है।

Nijanand App

एक विशाल वृक्ष की दूसरे विशाल वृक्ष से 1200 कोस की दूरी आई है।

Nijanand App

चबूतरे के नीचे बगीचों छोटी नहरों चेहेबच्चों पुलों आदि की सारी शोभा आई है

Nijanand App

श्री राजस्यामा जी सब सखियों सहित यहाँ शुक्लपक्ष की दसवीं को आकर लीला करते हैं।

Nijanand App

Nijanand App

वट पीपल की चौकी

Nijanand App

बट के पुल के साथ ही जल रौंस और वन रौंस

की 500 मन्दिर की जगह पर एक चबूतरा आया है

Nijanand App

चबूतरे पर बट का वृक्ष आया है

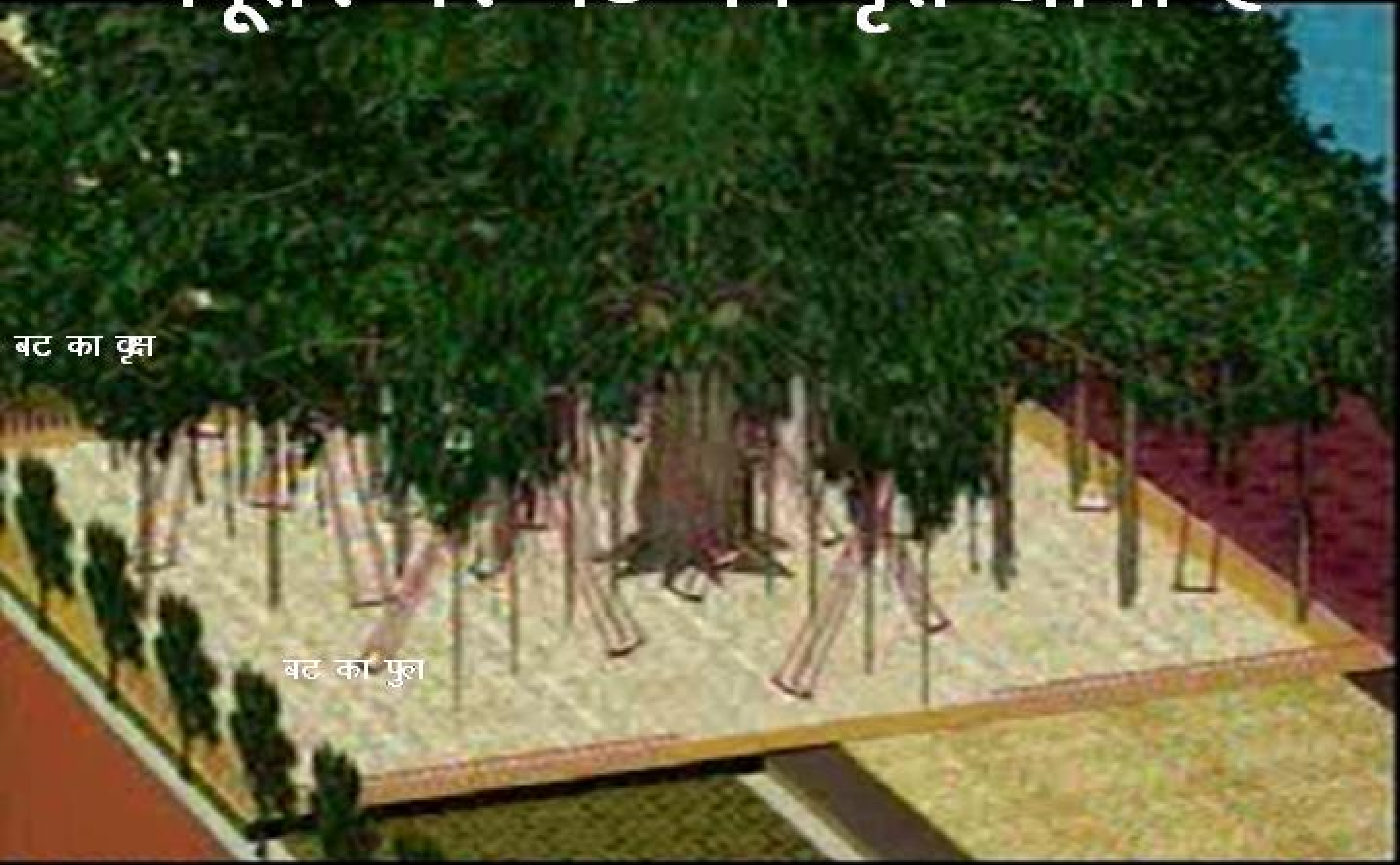

Nijanand App

इसकी पांच भोम छठी चांदनी आई है इसकी हरेक भोम में झूले

लगे हैं जिन्हें बड़वाईयां भी कहते हैं।

Nijanand App

रंगमहल के अग्नि कोना से नैरित कोना के बीच दक्षिण दिशा में बट पीपल की चौंकी आई है।

बट पीपल की चौंकी 1500 मन्दिर की लम्बी और 500 मन्दिर की चौड़ी बड़ी ही सुन्दर आई है

Nijanand App

5वृक्षों की 15 हारें आने से कुल 75 चौकों में 75 वृक्षों की शोभा आई है।

एक बट का फिर एक पीपल का ऐसे सब वृक्षों की शोभा है।

Nijanand App

इसकी 4 भोम और 5 वीं चांदनी है

जहाँ पर मेहराबें मिलती हैं वहीं पर झूला भी आया है
इसी प्रकार सभी भोमों में झूले आये हैं।

Nijanand App

हरेक चौक के चारों तरफ चार नहरों की शोभा है।

चौक के बीच में कमरभर ऊंचे चबूतरे पर वृक्ष शोभायमान हैं।

Nijanand App

जहाँ चार नहरों का मिलन होता है वहीं

चेहेबच्चे के ऊपर चार हिंडोलों की ताली पड़ती है।

Nijanand App

यहाँ पर श्री राजस्यामा जी सब रुहों के साथ हिंडोलों में झूलते हैं

और तरह तरह के लाड श्री राज जी सबको देते हैं।

Nijanand App

चांदनी चौक

Nijanand App

अमृतवन की पश्चिम दिशा में बीच में और रंगमहल के पूर्व में 166 मन्दिर

का लम्बा चौड़ा चांदनी चौक परमधाम की जमीन से कमरभर ऊँचा आया है।

Nijanand App

चांदनी चौंक में उत्तर में 33 मन्दिर के कमरमर चबूतरे पर लाल रंग का

एक वृक्ष आया है इसी प्रकार दक्षिण में हरे रंग का वृक्ष शोभा ले रहा है।

Nijanand App

चांदनी चौक के पश्चिम से भोम भर की

100 सीढ़ियाँ 20 चाँदे रंगमहल के चबूतरे के मुख्यद्वार तक गए हैं।

Nijanand App

5 सीढ़ियों के बाद एक लम्बी वाली जो सीढ़ी आती है उसे चाँदा कहते है।

सीढ़ियों में अति सुन्दर गिलम बिछी हुई है और किनारे पर परकोटा आया है।

Nijanand App

सीढ़ियाँ चढ़ कर हम दो मन्दिर के लम्बे चौड़े चौक में मुख्यद्वार के बाहर खड़े हो गए।

उत्तर और दक्षिण में दो चबूतरे कमरभर ऊँचे 4–4
मन्दिर के लम्बे और 2 मन्दिर के चौड़े शोभायमान हैं।

Nijanand App

4 मन्दिर का उत्तर का चबूतरा,2 मन्दिर का चौक और 4 मन्दिर का दक्षिण का चबूतरा।

यह 10 मन्दिरों का एक हांस है। चबूतरों के पूर्व में पांच थंभ आये हैं और पश्चिम में भी पांच अक्सी थंभ शोभा ले रहे

Nijanand App

बीच में मुख्यद्वार के सामने सफेद रंग के थंभ दो भोम तक ऊँचे गए हैं।

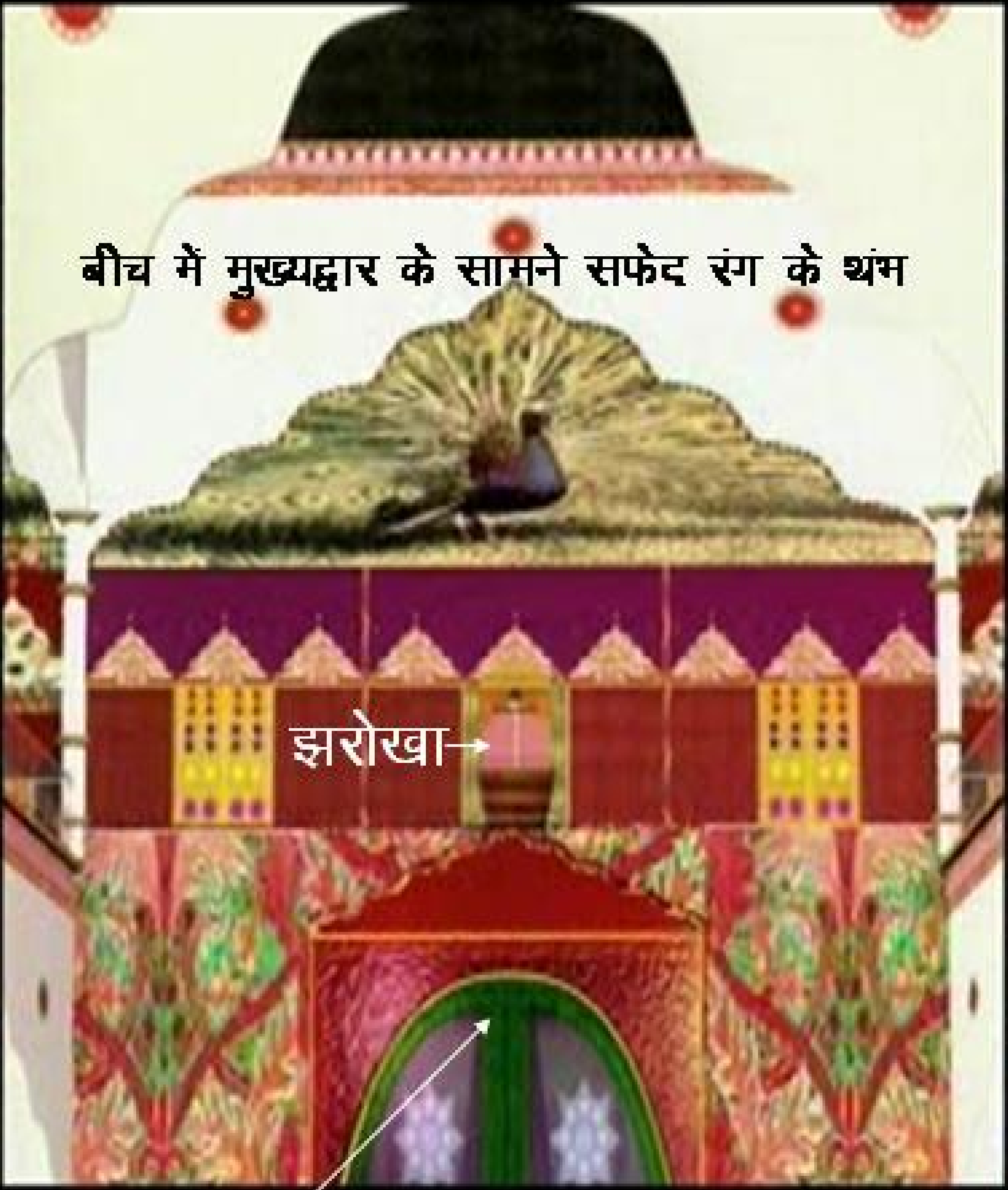

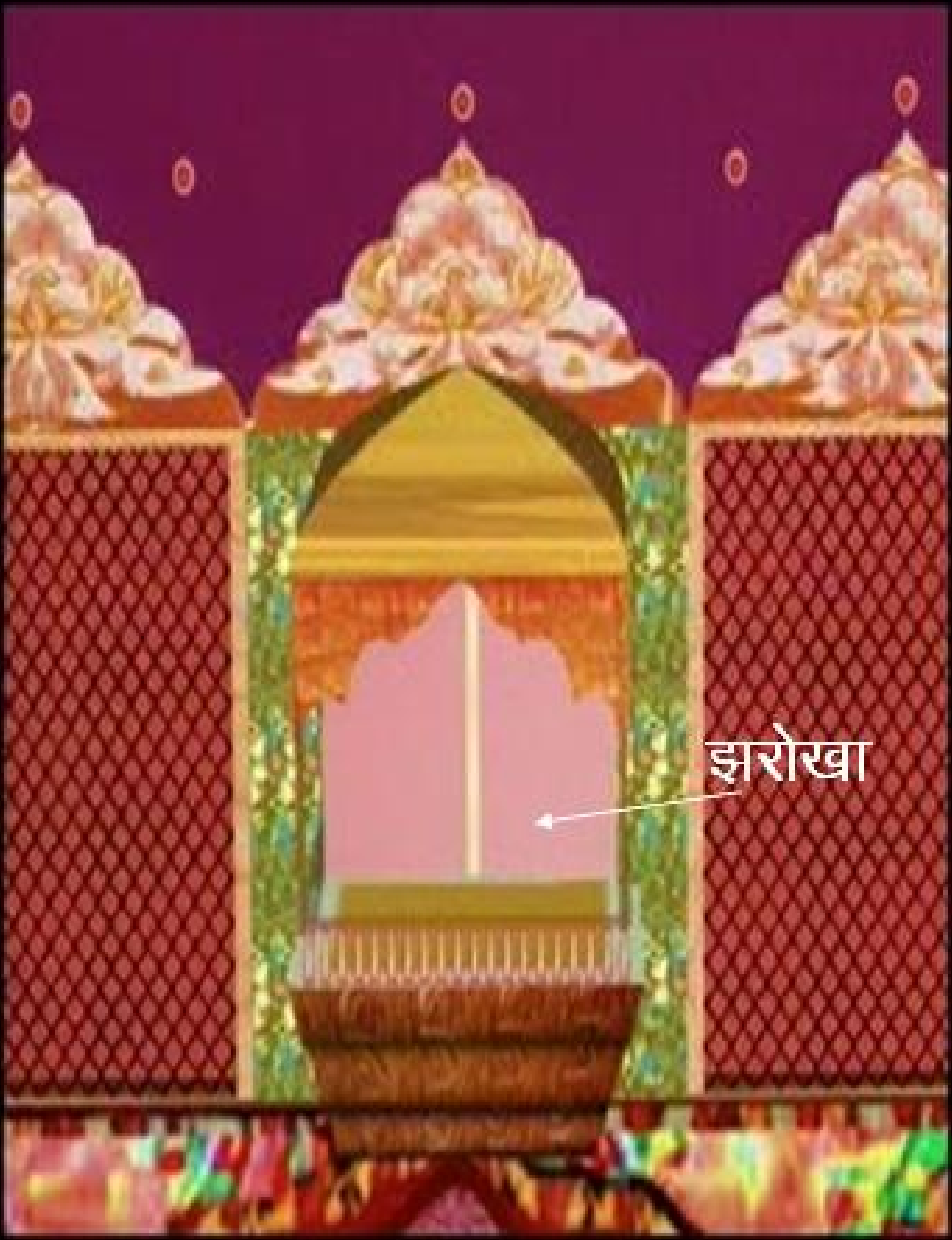

मुख्यद्वार के ठीक ऊपर एक झरोखा आया है जो दूसरी भोम का है।

Nijanand App

आगे का चबूतरा और उसके 10 थमों की शोभा ऊपर 9भोम तक गई है

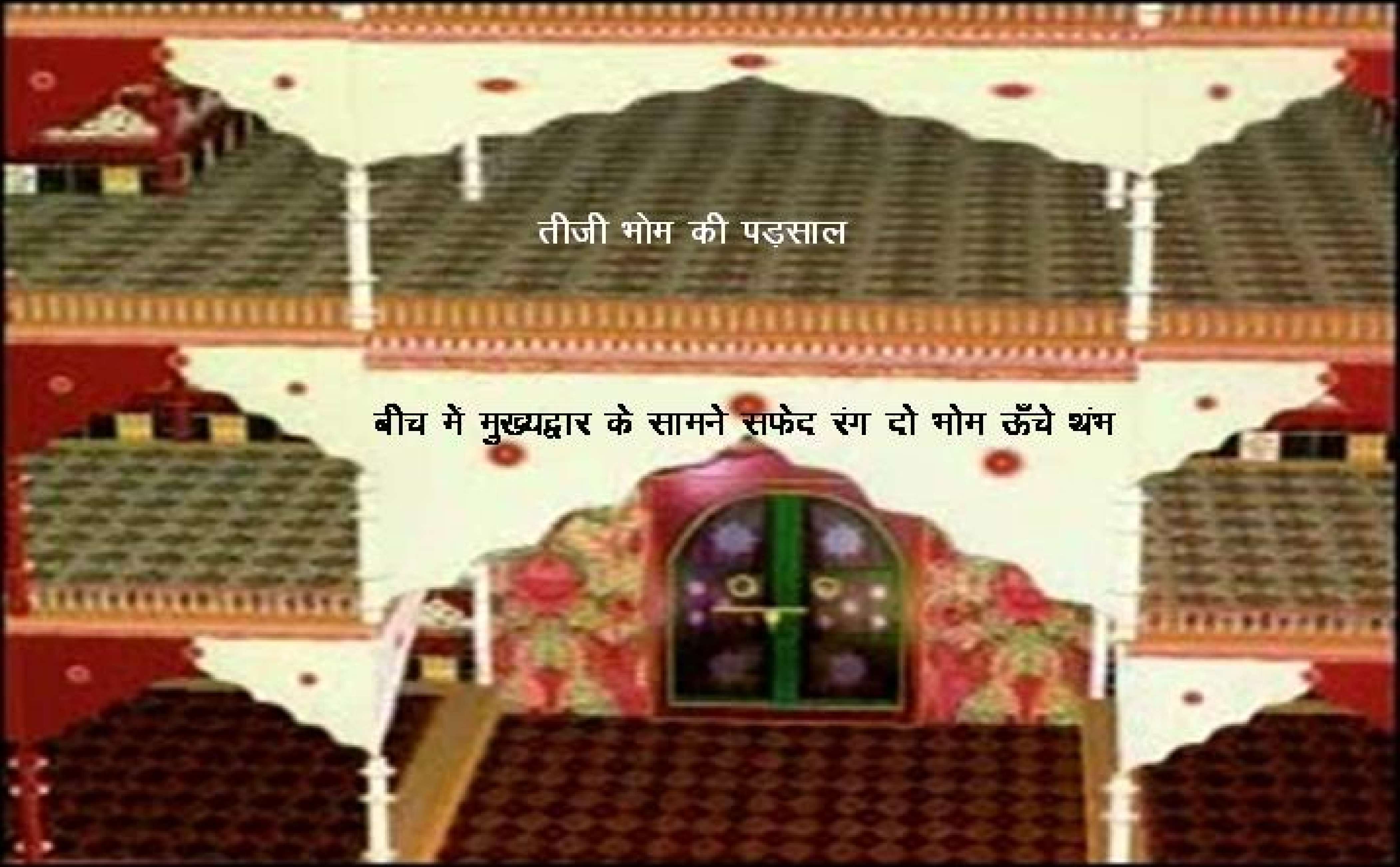

Nijanand App

रंगमहल के मुख्यद्वार के साथ जो 6000 मन्दिरों की पहली हार आई है
उन मन्दिरों की बाहरी दीवार की शोभा अति सुन्दर है।

एक मन्दिर की बाहरी दीवार में एक बड़ी अक्सी मेहराब, उसके नीचे तीन और फिर उसके नीचे नौ अक्सी मेहराबों की शोभा आई है। जिसके नीचे दो दरवाजे और एक झरोखा आया है।

Nijanand App

मन्दिरों के अन्दर हर प्रकार की चीजें और साजो सामान आया है

Nijanand App

छोटी जांग

Nijanand App

वन की नहरों के आगे छोटी रांग की चार हार

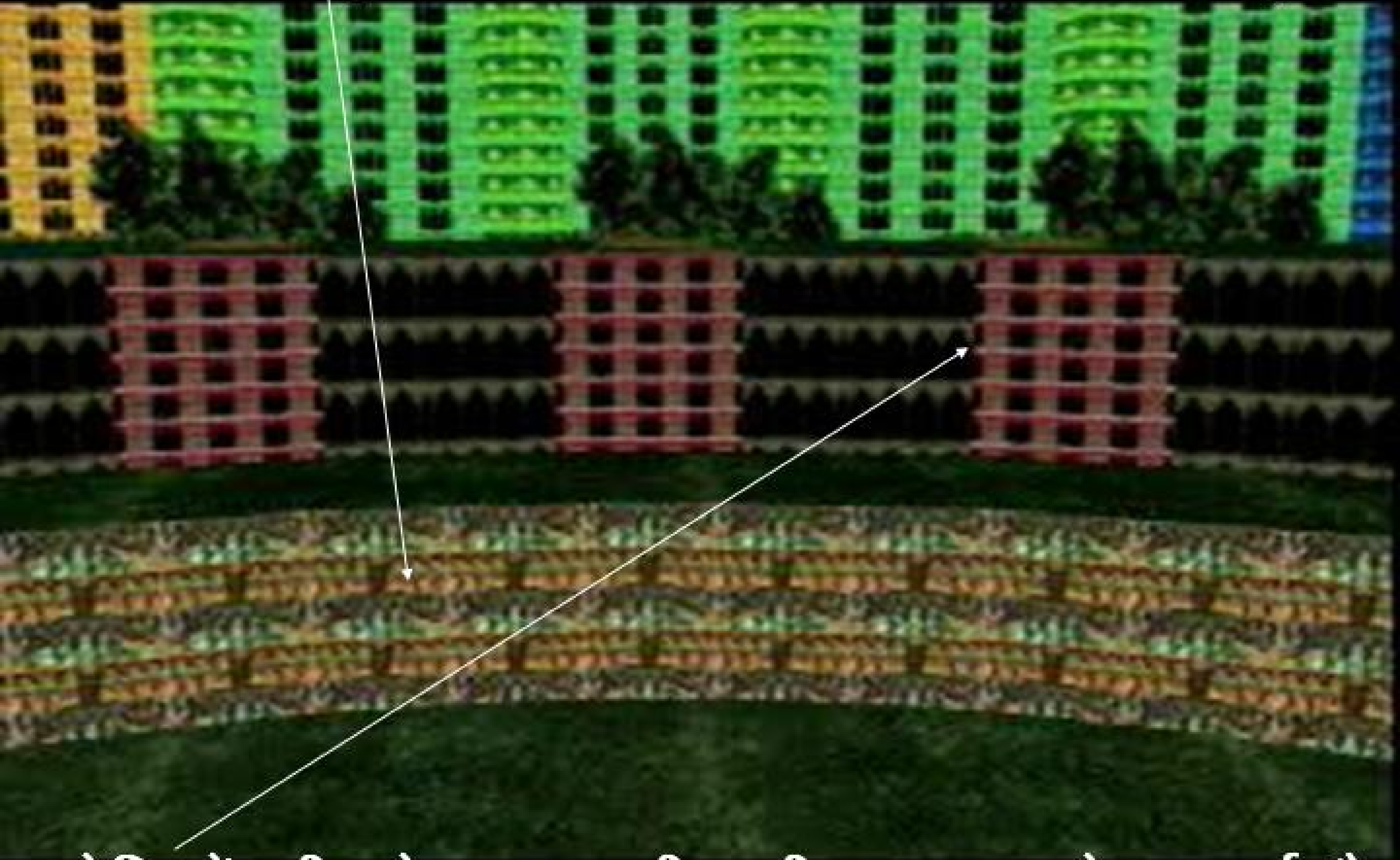

हवेलियों की गोल हार की बड़ी अनुपम शोभा आई है।

Nijanand App

जवेरों की नहरों के आगे वन की नहरें फिर

वन की नहरों के आगे छोटी रांग की शोभा आई है।

Nijanand App

वन की नहरों के साथ लग कर एक बड़ी नहर 400 कोस की चौड़ाई में घूमी है।

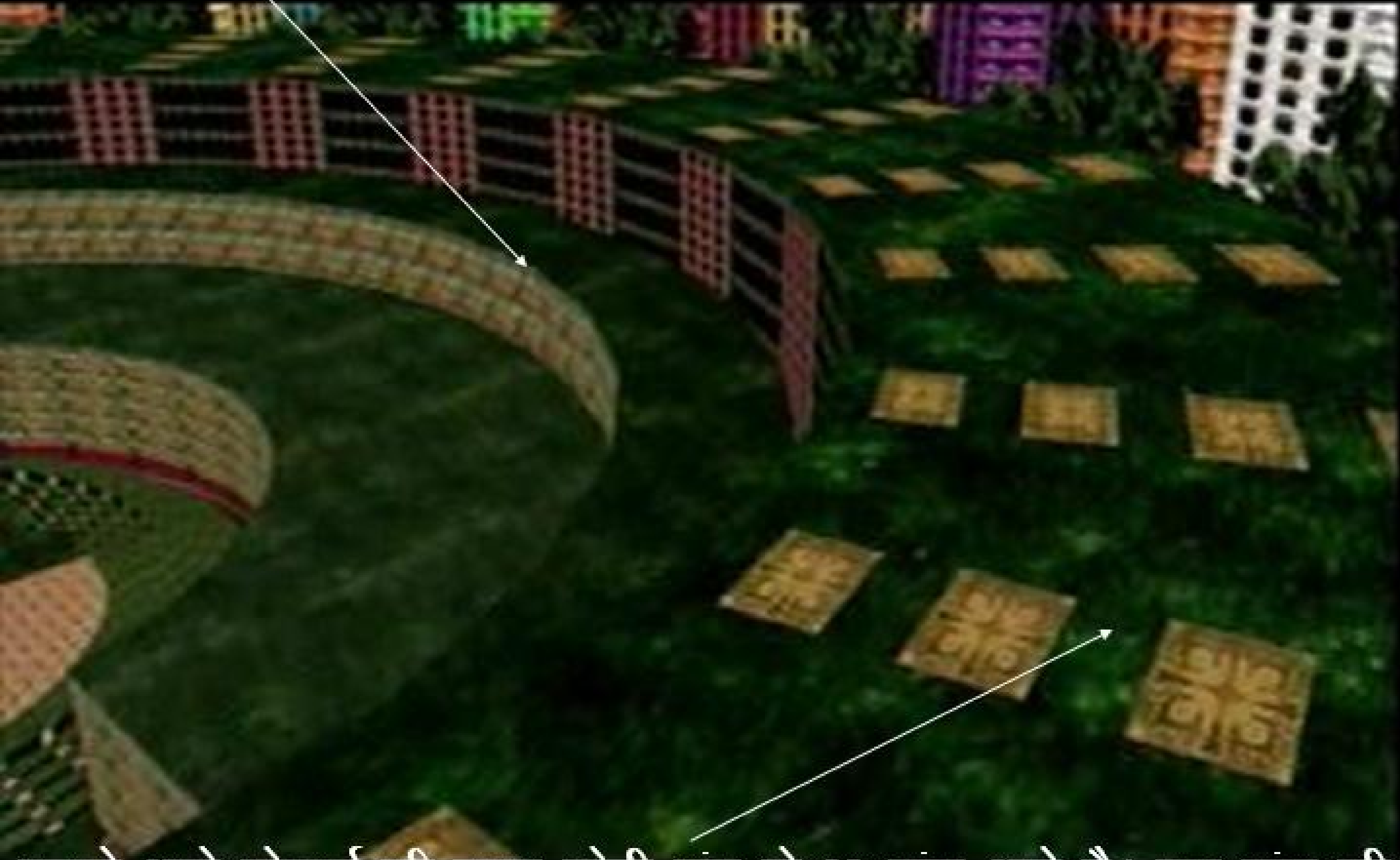

उससे आगे गोलाई की तरफ छोटी रांग के 32 हांस आये है। एक हांस की लम्बाई गोलाई में 6562500 कोस की आई है।

Nijanand App

चार नहरों के बीच एक चौंक आया है। ऐसे गोलाई में 32 चौंक

और चौड़ाई में 5 नहरों की सन्ध में 4 चौंकों की शोभा आई है।

Nijanand App

चौक के मध्य में तीसरे हिस्से में एक भोमभर का चबूतरा उठा है कठेड़े को छोड़ कर चारों तरफ से भोमभर की सीढ़ियां उतरती हैं।

कठेड़े के आगे 400 कोस की रौंस चारों ओर फिरी है।

Nijanand App

रौंस के आगे एक बड़ी हवेली की शोभा आई है। मुख्यद्वार से अन्दर जाने पर अन्दर 12000 हवेलियों की 12000 हारें और आई हैं

थंभों गलियों चौकों की सारी शोभा रंगमहल जैसी ही आई है।

Nijanand App

यह हवेलियाँ 5 भोम की आई हैं

पर एक भोम 12000 भोम के बराबर आई है।

Nijanand App

एक हवेली में कई मोहोल, मोहोलों में कई मन्दिर,

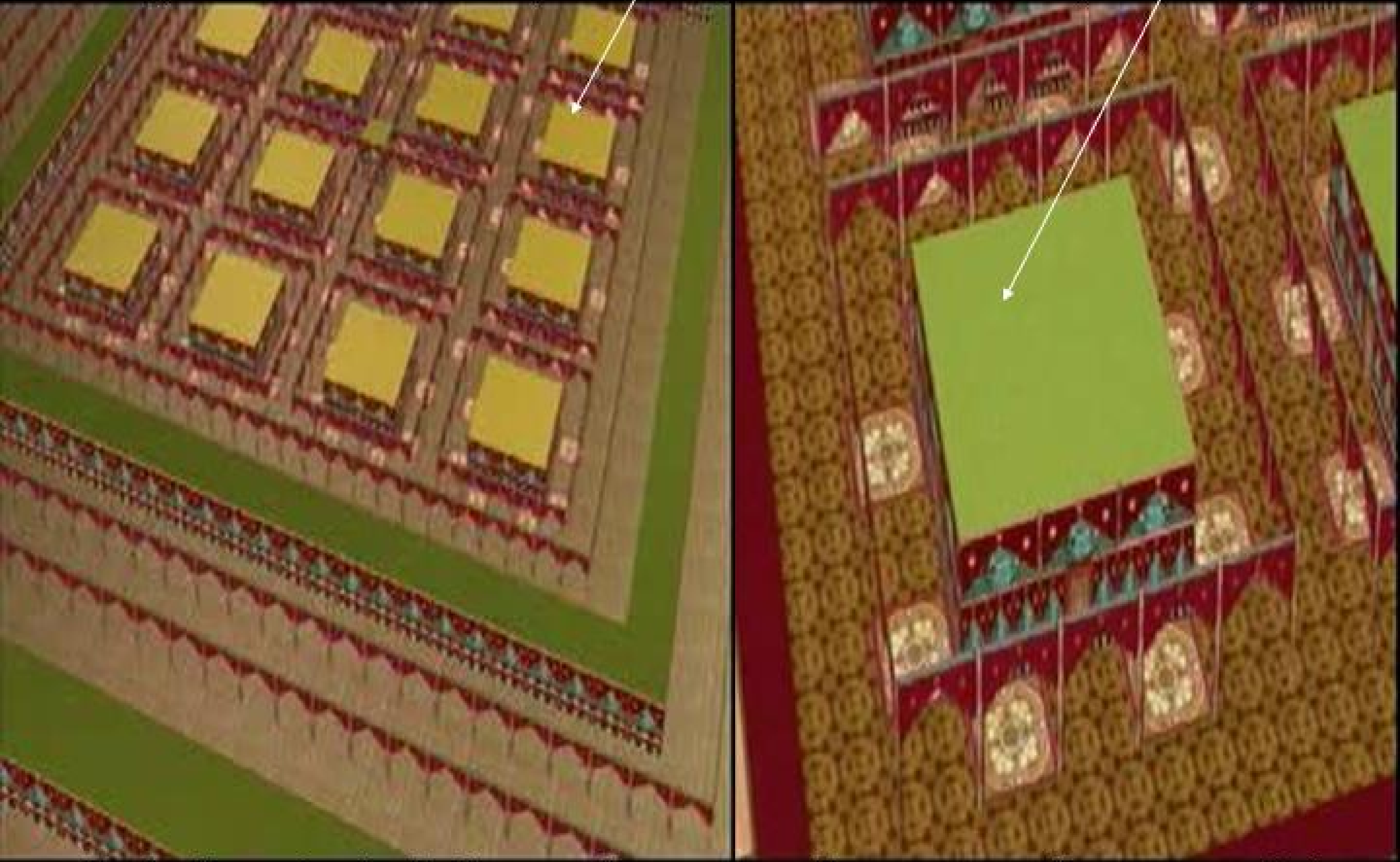

मन्दिरों में कई कोठरियों की शोभा सब माणिक पहाड़ जैसी ही आई है।

Nijanand App

एक हवेली के बाहर 8 बगीचों की शोभा आई है चार दिशा के चार बगीचों

में 4 चांदनी चौक आये हैं इनमें दो दो चबूतरे लाल और हरे वृक्ष के रंगमहल की भान्ति ही आये हैं।

Nijanand App

बगीचों के बीच 60000 मोम की ऊँची हवेली की शोभा देखते ही बनती है ऐसे ही

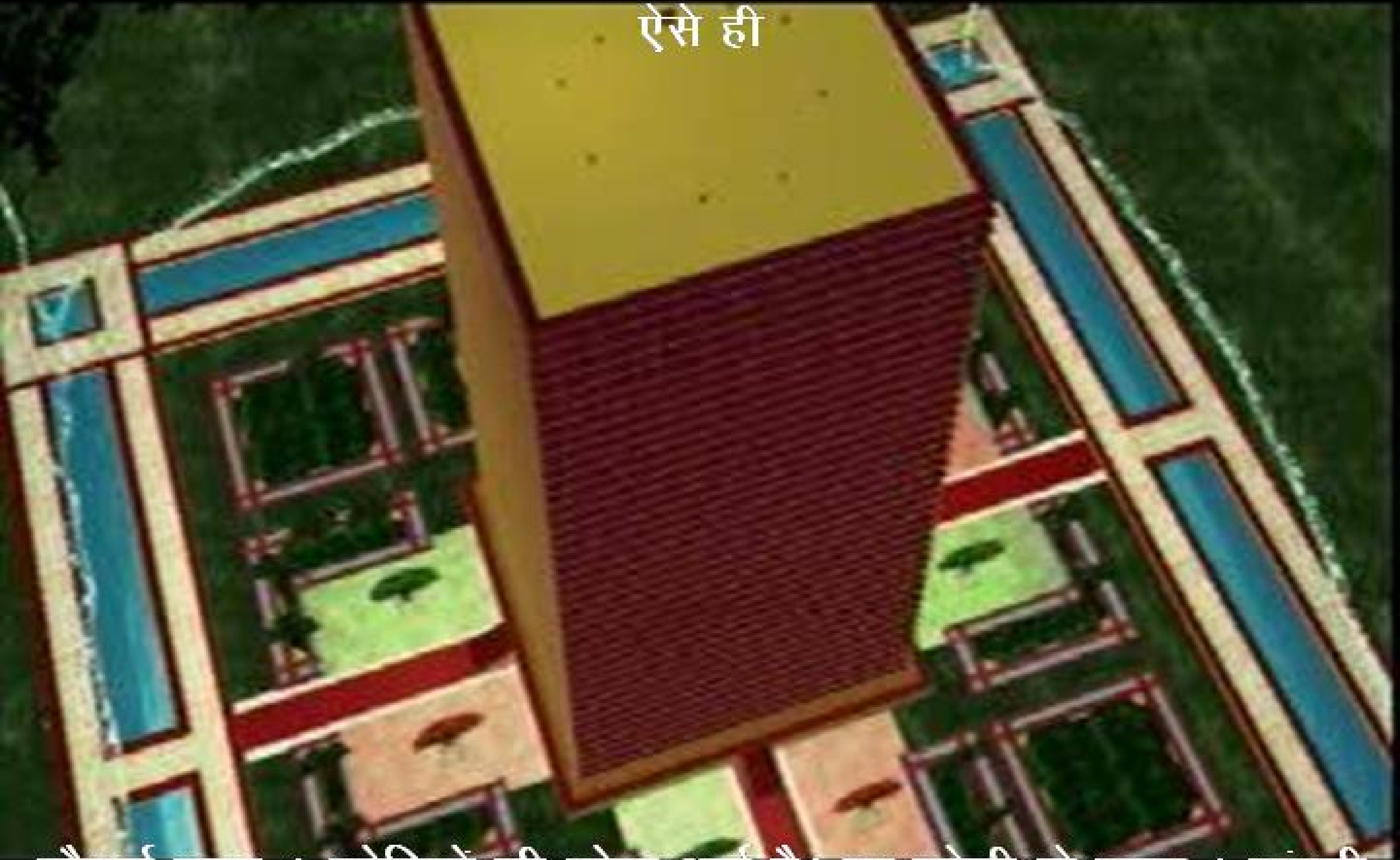

चौड़ाई तरफ 4 हवेलियों की शोभा आई है। हर हवेली के बाहर 4 चांदनी चौक आये हैं।

Nijanand App

चांदनी पर सिंहासन कुर्सियों की सारी शोभा आई है श्री राजस्यामा जी

शुक्लपक्ष की नौमी को सब सखियों के साथ
छोटी रांग में आकर अपनी आनन्द की लीला करते हैं।

Nijanand App

फुल नुर बाग

Nijanand App

फूलबाग और नूरबाग के सब बगीचों में तरह तरह के फूलों के वृक्ष आये है।

जो सारे परमधाम के वायुमंडल को सुगन्धित कर रहे हैं।

Nijanand App

रंगमहल की पश्चिम दिशा में चबूतरा की रौंस के साथ लगता हुआ

फूलबाग आया है यह 1500 मन्दिर का लम्बा चौड़ा बराबर आया है।

Nijanand App

10 की 10हारें आने से कुल 100 बगीचे शोभायमान हैं,

हरेक बगीचे के चारों तरफ नहरें आई हैं।

एक एक बगीचे में फिर 16–16 छोटे बगीचे आये हैं इन बगीचों को भी छोटी नहरों ने चारों ओर से घेर रखा है।

Nijanand App

फूलबाग के नैरित और वायव्य कोना में

भी बड़े चेहेबच्चे शोभा ले रहे है।

एक एक बगीचे में फिर 16 छोटे बगीचे आये है

इन बगीचों को भी छोटी नहरों ने चारों ओर से घेर रखा है।

Nijanand App

नूरबाग ठीक फूलबाग के नीचे शोभायमान है इसकी सारी बनावट फूलबाग के समान ही आई है

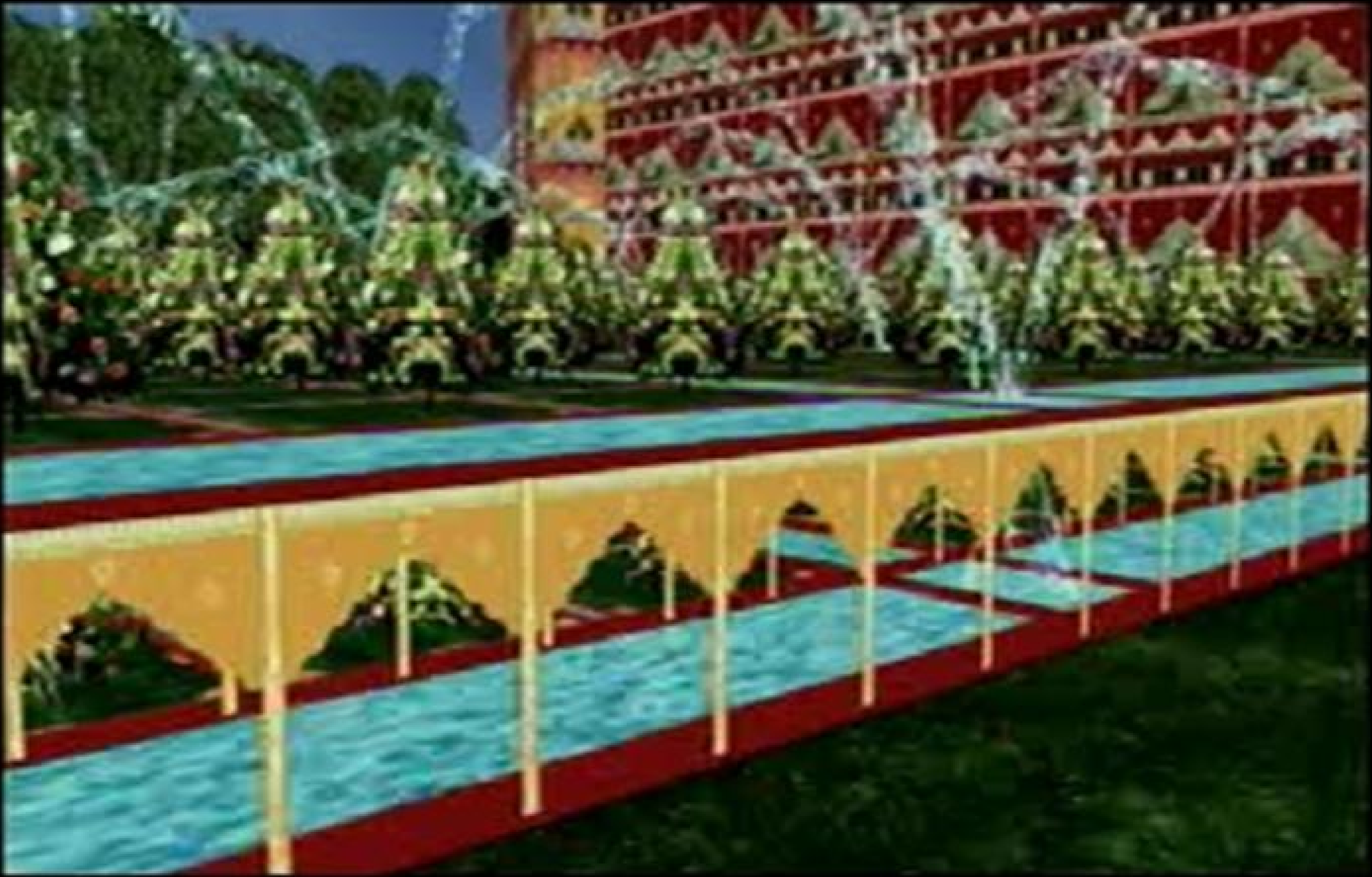

यूं भी कह सकते हैं कि नूरबाग की चांदनी पर फूलबाग आया है।

Nijanand App

नूरबाग में जाने के लिए रंगमहल की पश्चिम की चबूतरे

की रौस के मन्दिरों की दीवारों में से हरेक हांस से सीढ़ीयां नीचे उतरती है।

Nijanand App

नूरबाग में फर्क सिर्फ इतना ही है कि इसमें नहरों के साथ जो रौंस आई है

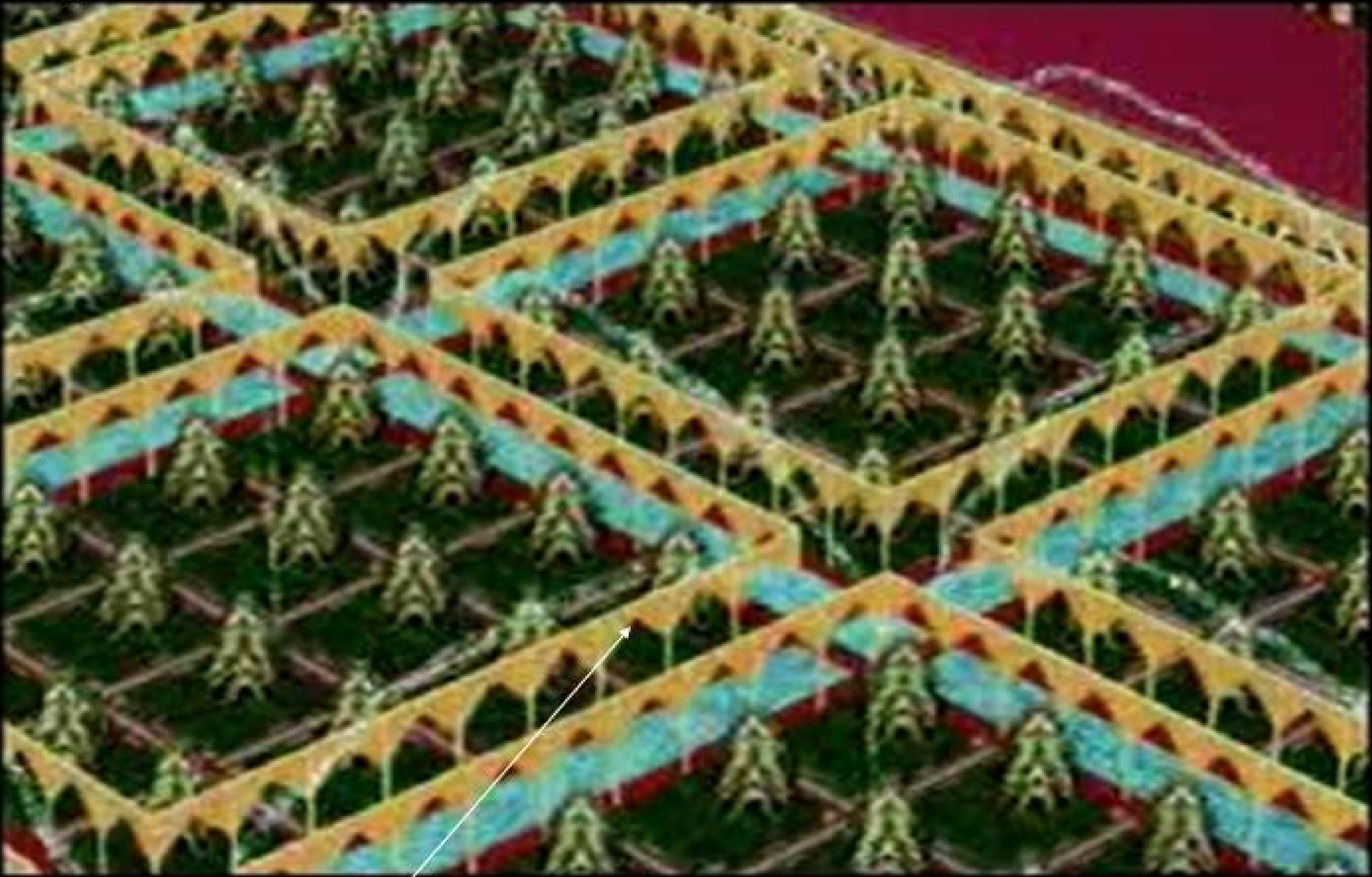

उनमें नूरी थम्भ शोभा ले रहे हैं। जिसके ऊपर फूलबाग आया है

Nijanand App

नूरबाग के सभी बगीचों, नहरों, और फव्वारों की शोभा भी एक समान ही आई है।

नूरबाग की एक ही भोम है और यह परमधाम की जमीन पर ही बना है

Nijanand App

हौज कौसर

Nijanand App

हौज कौसर ताल रंगमहल की दक्षिण दिशा में शोभायमान है। श्री जमुना जी पुखराज पहाड़ से

निकल कर दक्षिण को मरोड़ खाकर केलपुल से, फिर पाटघाट से होती हुई बटपुल से, फिर पश्चिम की ओर मरोड़ खाती हुई सीधी हौजकौसर ताल में समा जाती है।

Nijanand App

श्री जमुना जी के दोनों मोड़ों पर हिंडोलों की शोभा आई है।

चार देहुरियों की मेहराबों में चार हिंडोले श्रीजमुनाजी के ऊपर झूलते हैं

Nijanand App

श्रीजमुनाजी मरोड़ से पश्चिम दिशा को हौजकौसर

ताल में सोलह देहुरि के घाट से होते हुए, चार घड़नालों से होते हुए सीधी ताल में समा जाती है।

Nijanand App

हौजकौसर ताल 21333 मन्दिर का लम्बा चौड़ा आया है

इसकी गृद 64000 मन्दिर की है। इसके 128 हांस आये हैं।

Nijanand App

हौजकौसर में चारों दिशा में चार घाट शोभा ले रहे हैं।

पूर्व में 16 देहुरि का घाट, पश्चिम में झुण्ड का घाट, उत्तर में 9 देहुरि का घाट और दक्षिण में 13 देहुरि का घाट आया है।

Nijanand App

हौजकौसर को समझने के लिए इसके 6 भाग समझने पड़ेंगे।

वन रौंस के साथ ढलकती पाल, फिर संक्रमणिक सीढ़ीयां, आगे चौरस पाल, फिर ताल की रौंस आगे ताल और ताल में टापू मोहोल।

Nijanand App

हौजकौसर में सबसे पहले 500 मन्दिर की ढलकती पाल, 250 मन्दिर

की संक्रमणिक सीढ़ीयां,1000 मन्दिर की चौरस पाल आई है। ढलकती पाल पर दो वृक्षों की हार आई है

Nijanand App

दो वृक्षों की हार के आगे संक्रमणिक सीढ़ीयां आई हैं।

संक्रमणिक सीढ़ीयों के आगे चौरस पाल आई है। आगे ताल है

Nijanand App

चौरस पाल पर 128 हांस में वृक्षों की 3 हारें 5 भोम ऊँची आई हैं।
तीन वृक्षों के बीच में मेहराबों में झूले लटक रहे हैं।

वृक्षों की दो हारों के बीच में एक देहुरि 250 मन्दिर की लम्बी चौड़ी आई है।

Nijanand App

दो हांसो के मध्य में देहुरि आई है। दो देहुरियों में वृक्षों की हार आती है
और दो वृक्षों की हार में एक देहुरि की शोभा आई है।

देहुरियों के आगे एक बड़ा सा चांदा आया है जिसके दोनों तरफ सीढ़ियाँ नीचे उतरती हैं।

Nijanand App

देहुरियों के आगे एक बड़ा सा 250 मन्दिर का चांदा आया है जिसके दोनों तरफ सीढ़ियाँ नीचे उतरती हैं। जहाँ सीढ़ियाँ उतरती हैं

वहाँ चार थम्भों के ऊपर छत कलश, ध्वजा, पताका की शोभा आई है।
चांदे के ठीक नीचे अन्दर मन्दिरों में जाने के लिए हरेक हांस में रास्ता आया है।

Nijanand App

सीढ़ियों के आगे कमर भर नीचे 500 मन्दिर की ताल की रौस आई है।

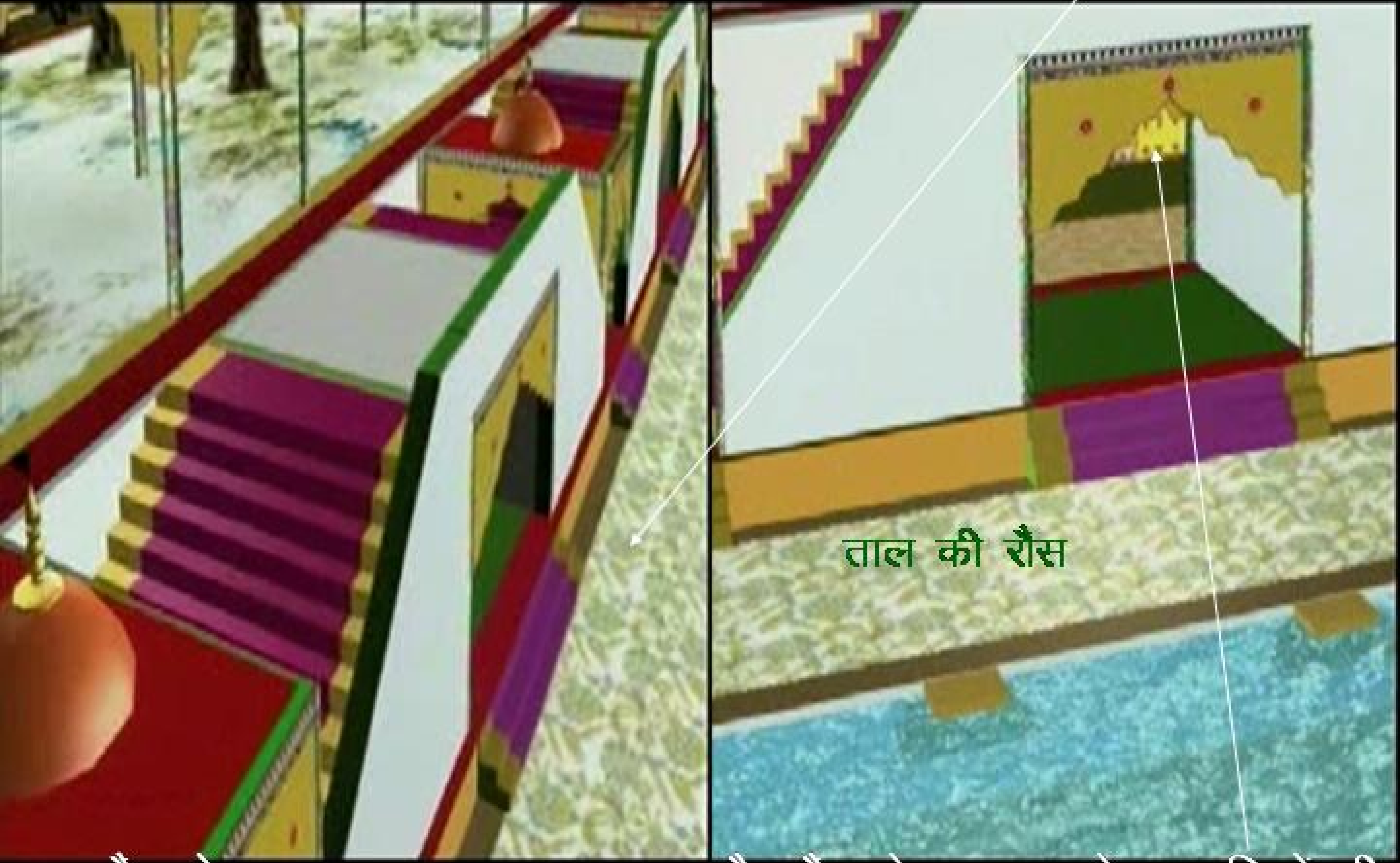

इस रौस से हाथ लगता हुआ जल आया है। रौस से अन्दर जाने पर मन्दिरों की हार आई है।

Nijanand App

सीढ़ीयों की तरफ से एक मन्दिरों की हार, आगे 125–125 मन्दिरों की तीन गलियों में दो थंभों की हारें आई हैं जिसमें झूले लटक रहे है और इनकी चार हाथ की ताली पड़ती है, आगे फिर 125 मन्दिर में

दूसरी मन्दिर की हार आई है,आगे 125 मन्दिर में फिर एक गली की शोभा आई है जिसके आगे हरेक हांस में द्वार आया है जिससे कमर भर नीचे उतर कर ताल की रौंस पर जाते हैं।

Nijanand App

पाल के नीचे दो मन्दिरों की हार और

दो थंभों की हार, तीन गलियों की शोभा आई है।

Nijanand App

झूलों में चार हाथ की ताली पड़ती है। मन्दिरों की हार की लम्बाई 250 मन्दिर की और 125 मन्दिर की चौड़ाई आई है।

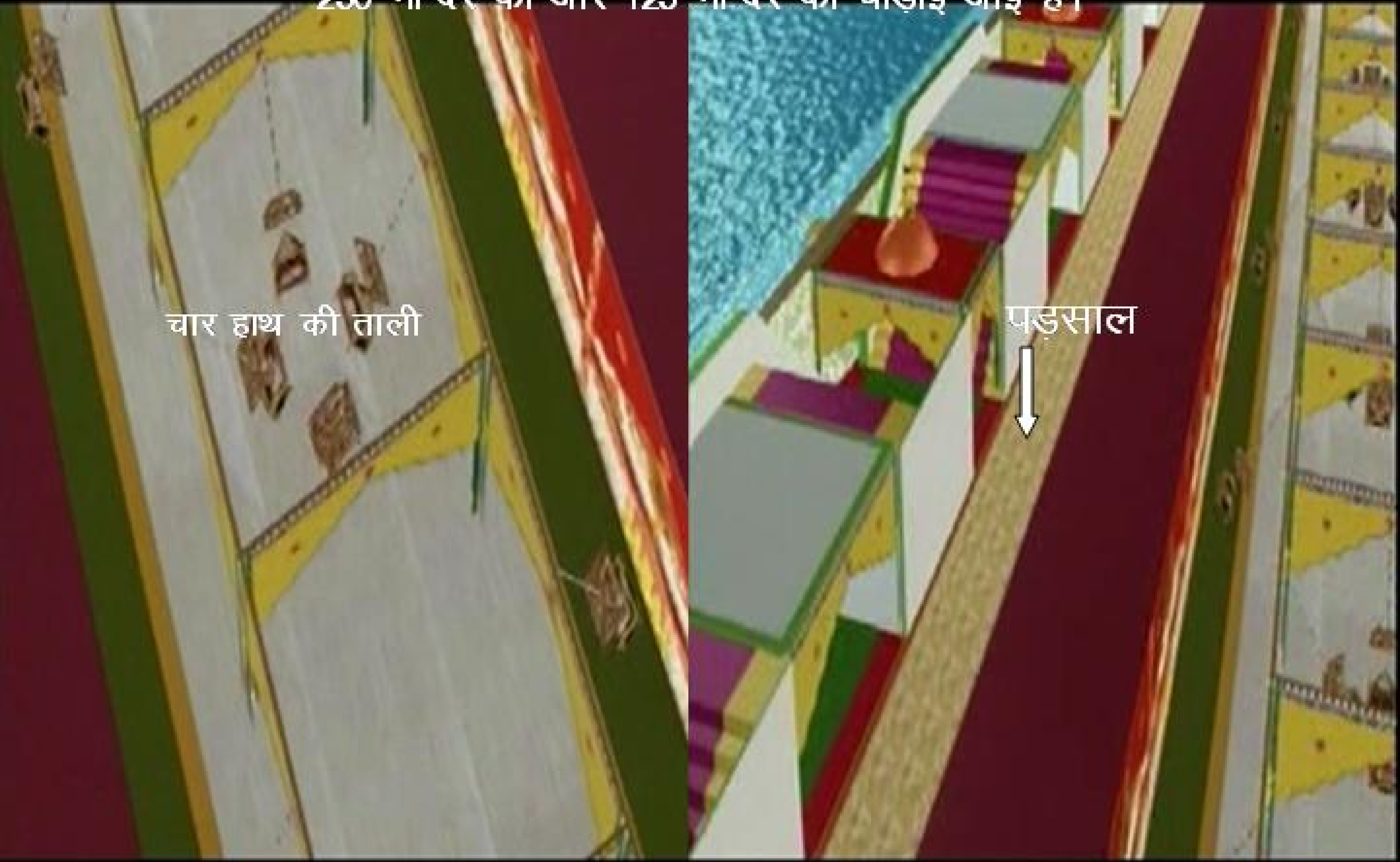

दूसरी मन्दिरों की हार के आगे 125 मन्दिर की पड़साल आई है।

Nijanand App

हौज कौसर की चारों दिशाओं में चार घाट शोभायमान हैं।

पूर्व में 16 देहुरि का,पश्चिम में झुंड का, उत्तर में 9 देहुरि का और दक्षिण में 13 देहुरि का घाट आया है।

Nijanand App

पूर्व में 16 देहुरि के घाट की शोभा आई है, रौंस की जमीन से एक मोम नीचे जल की जमीन है, उसी जमीन से 9 थंभों की 5

हारें आने से 44 थंभ आये हैं जिस पर रौंस के साथ आगे चबूतरा बना है।
बीच वाला थंभ नहीं है क्योंकि वहाँ कुंड की शोभा आई है।

Nijanand App

इन 44 थंभों के ऊपर 7 की 5 हारें थंभों की आने से 34 थंभों की शोभा आई है

बीच में 250 मन्दिर के लंबे चौड़े कुंड के वास्ते थंभ नहीं आया है।

Nijanand App

थंभों के दोनों बाजू दो बड़ी मेहराबें आई हैं

जिनमें अन्दर जाने के लिए दो दो दरवाजे शोभा दे रहे हैं।

Nijanand App

34 थंभों के ऊपर पाल के मध्य में कमरभर ऊँचे चबूतरे पर 5की 5हारें थंभों की आई है

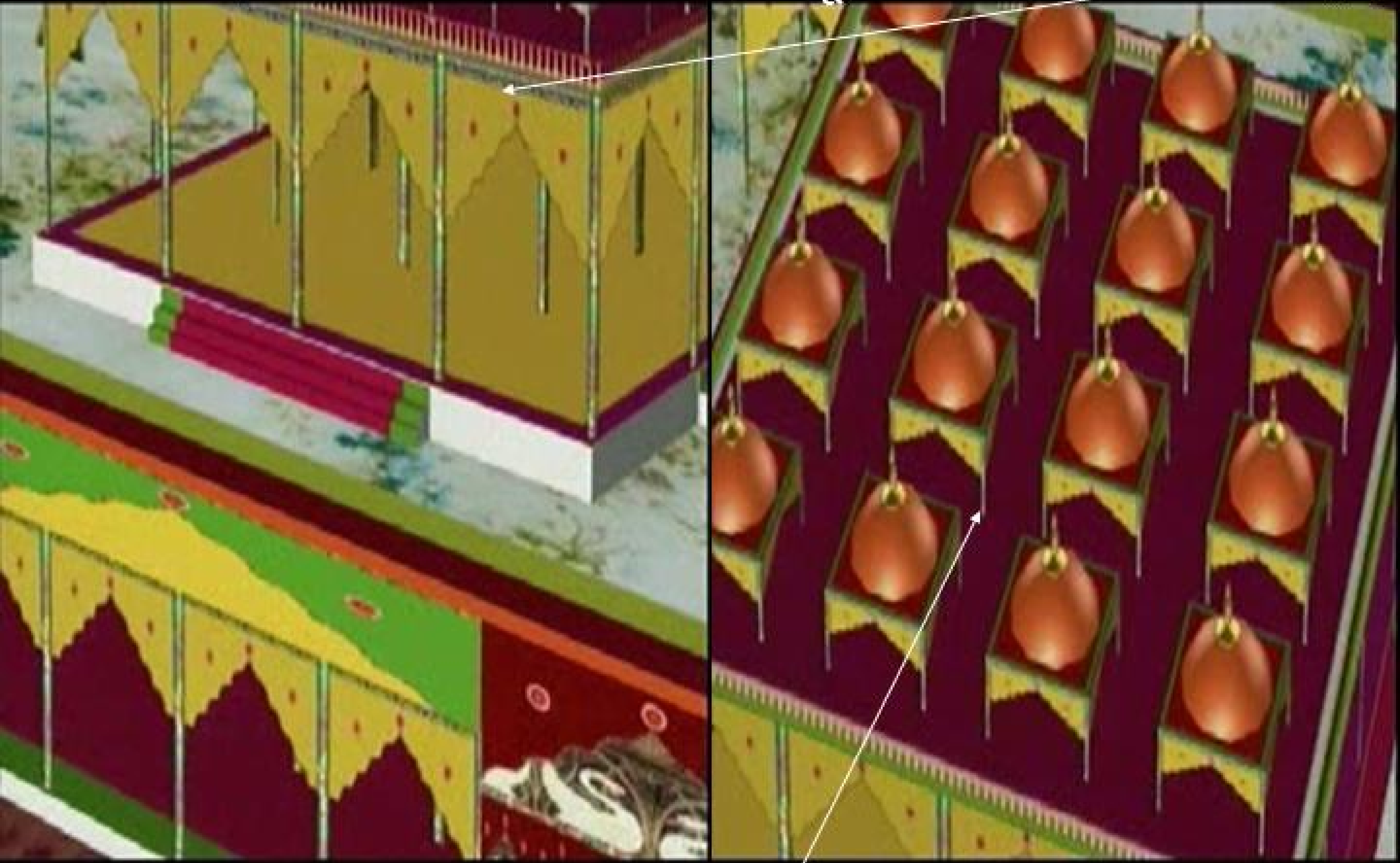

जिस की चांदनी पर 16देहुरियों के ऊपर कलश ध्वजा पताका की शोभा अकथनीय है।

Nijanand App

उत्तर में संक्रमणिक सीढ़ीयों के साथ लगते हुए 500 मन्दिर का लम्बा और 250 मन्दिर का चौड़ा चबूतरा कमरभर ऊँचा आया है।

इस पर 8 थंभ आये है। इनकी छत पर 9 देहुरियों की शोभा आई है, ऊपर कलश ध्वजा पताका की शोभा देखने योग्य है।

Nijanand App

घाट के दक्षिण तरफ 250 मन्दिर की पड़साल आई है,

पड़साल से दोनों देहुरियों के मध्य में से होकर तालाब की तरफ भोम भर की सीढ़ियाँ चौरस

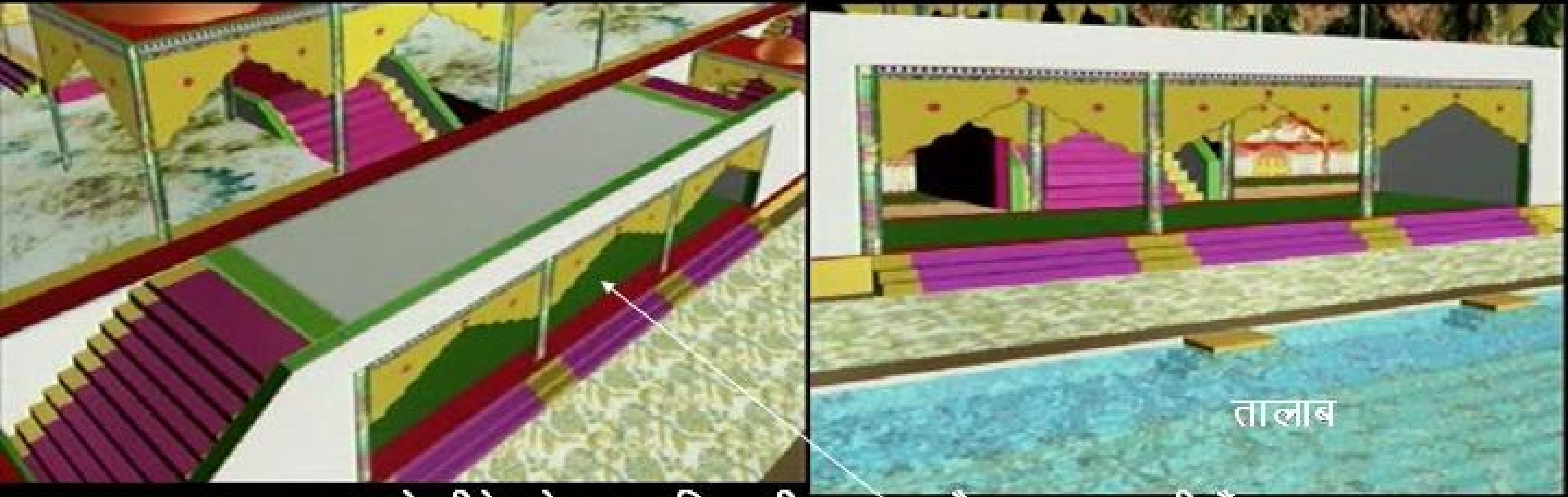

पाल के नीचे जो 125 मन्दिर की पड़साल है उस पर उतरी हैं।

Nijanand App

दक्षिण में 13 देहुरि का घाट भी संक्रमणिक सीढ़ीयों के साथ लगते हुए 500 मन्दिर का लम्बा और 250 मन्दिर का चौड़ा चबूतरा कमरभर ऊँचा आया है।

इस पर 8 थंभ आये है। इनकी छत पर 13 देहुरियों की शोभा आई है।
बाकि पड़साल और सीढ़ीयों की सारी शोभा 9 देहुरि के घाट जैसी ही आई है।

Nijanand App

पश्चिम में ढलकती पाल जो वन रौंस से कमर भर ऊँची आई है
इन दोनों के किनारे पर दो चबूतरे 250 मन्दिर के लम्बे चौड़े

आये हैं।चबूतरे के किनार पर चार थंभ ऊपर छत, उस
पर गुम्मट, कलश, ध्वजा–पताका सब अपार शोभा बिखेर रहे हैं।

Nijanand App

पश्चिम में सीढ़ीयां चढकर चौरस पाल पर वन रौंस की सीध में 2 चबूतरे 250 मन्दिर के लम्बे चौड़े कमरभर ऊँचे आये हैं, जिसके चारों ओर से सीढ़ियाँ निकली हैं

और चबूतरा के किनार पर कठेड़ा शोभित है। चबूतरे के चारों कोनों में चार थंभ आये हैं इनके थंभों के बीच में 125 मन्दिर का दरवाजा आया है, बाकि जगह पर दीवारें हैं।

Nijanand App

दोनों चबूतरों की 8 और बीच की 2 मेहराबें मिलाकर कुल 10 मेहराबों की

और 8 दीवारों की शोभा आई है,ऐसे ही यह शोभा 5 भोम तक बराबर गई है और छठी चांदनी आई है।

Nijanand App

घाट के पूर्वी तरफ 250 मन्दिर की पड़साल आई है। पड़साल से
दोनों देहुरियों के मध्य में से होकर तालाब

की तरफ मोम भर की सीढ़ियाँ चौरस पाल के नीचे जो 125 मन्दिर की पड़साल है उस पर उतरी हैं।

Nijanand App

श्री युगलस्वरूप सब सखियों के साथ शुक्लपक्ष की चौदस को

यहाँ आकर कई प्रकार कर आनन्द की लीलाऐं करते हैं।

Nijanand App

ताल के मध्य में 6000 मन्दिर का लम्बा चौड़ा और 16000 मन्दिर की गृद में टापू मोहोल आया है। पहले 125 मन्दिर की चौड़ी पाल आई है जिसके किनारे से कमरभर नीचे 64 जगह से तीन सीढ़ी नीचे

जल चबूतरे पर उतरी है बाकि रौस में कठेड़ा शोभा ले रहा है। रौस से आगे कमरभर ऊँचा एक गोल चबूतरा आया है। चबूतरे पर भी 250 मन्दिर की एक रौस आई है जिसके किनारे पर कठेड़ा और 64 जगह से तीन सीढ़ी नीचे वाली रौस पर उतरी है।

Nijanand App

250 मन्दिर की रौंस के आगे पहली 60 मन्दिरों की हार 64 पहल में आई है। चारों दिशा में चार दरवाजे अपने साथ दायें

बायें दो चबूतरे लिए हुए अपनी आभा बिखेर रहे हैं। 60 मन्दिरों के दरवाजे के दायें बायें 60 गुर्ज आये हैं।

Nijanand App

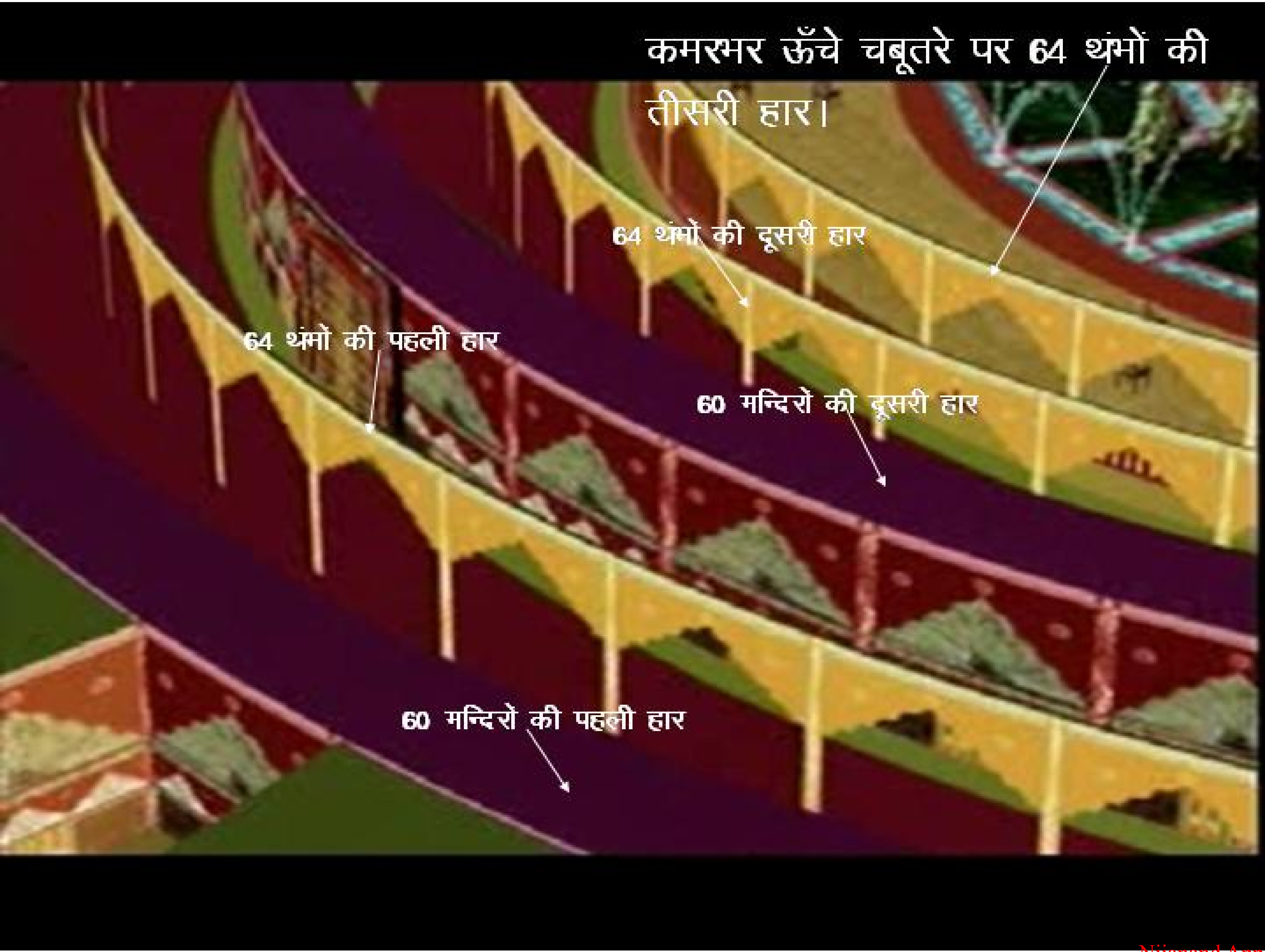

Nijanand App

चबूतरे से कमरभर नीचे 625 मन्दिर के बगीचों की शोभा आई है
उससे आगे 1250 मन्दिर में कुण्ड आया है।

कुण्ड सिर्फ नीचे ही है ऊपर की भोमों में चबूतरे गोल हैं और ऊपर से नीचे देख सकते हैं।

Nijanand App

टापू मोहोल की तीन भोम चौथी चांदनी आयी है।

चांदनी के मध्य में 3750 मन्दिर का लम्बा चौड़ा गोल चबूतरा आया है,इस पर 6000 कुर्सियों की और एक सिहांसन की शोभा आई है, श्री राजस्यामा जी सब सखियों सहित सुदि चौदस को चांदनी पर आते हैं।

Nijanand App

एक गुर्ज की चांदनी पर 200 कुर्सियों के आने से 60 गुर्जों की 12000 कुर्सियों की शोभा आई है।

सारे हौजकौसर की ताल समेत और टापूमोहोल समेत एक ही हीरे से सारी शोभा बनी है।

Nijanand App

जवेरों की नहरें

Nijanand App

24 हांस के मोहोल के दक्षिण में जवेरों की नहरों की शोभा आई है। यह सारी कुंज निकुंज,

पश्चिम की चौगान,

बड़ोवन, पुखराज पहाड़, अक्षरधाम को घेर करके वापिस दक्षिण में आकर मिली है। इसकी

कुल परिक्रमा 6225000 कोस की होती है।

Nijanand App

कुंज निकुंज के दक्षिण में महानद आता है उसके आगे दूसरा महानद 50000 कोस की दूरी पर आता है जिस कारण बीच में दस नहरों के आने से 9 चौक बनते है। पहले

में 4 मोम की हवेली, दूसरे में 8 मोम की तीसरे में 16 की, चौथे में 32 मोम की पांचवे में 64 मोम का हवेली आयी है। इसी प्रकार आगे छठी, सातमी, आठमी और नौंवे चौक में क्रमश: 32,16, 8, 4 मोम की हवेली की शोभा आई है।

Nijanand App

जवेरों की या वन की नहरों का खड़ा नमूना

Nijanand App

सबसे पहले 4 मोम की हवेली आती है उसके बाद 8 मोम
की हवेली आती है। ऐसे ही ऊपरा ऊपर सीढ़ी की भान्ति नजारा

देखने को मिलता है। शुक्ल पक्ष की बारस 12 को श्री राजस्यामा जी
सब सखियों के साथ यहाँ पर आकर आनन्द विहार की लीला करते है।

Nijanand App

4 पहल का मोहोल चौक के बीचोबीच एक मोम भर के ऊँचे चबूतरे पर शोभायमान है। चबूतरे पर 400 कोस की रौंस छोड़ कर 4 पहल की हवेली गोल आई है। चार दिशाओं में 4 दरवाजे आये हैं।

इन दरवाजों के दायें बायें 8–8 मोहोल आये हैं। दो दरवाजों के बीच में 200 कोस का एक गुर्ज आया है जिससे 4 गुर्जों की शोभा बनती है। इसीलिए यह 4 पहल का मोहोल कहलाता है।

Nijanand App

जवेरों की नहरो की सारी हवेलीयों की शोभा 24 हांस के मोहोल जैसी ही आई है।

फर्क सिर्फ गिनती का ही आता है।

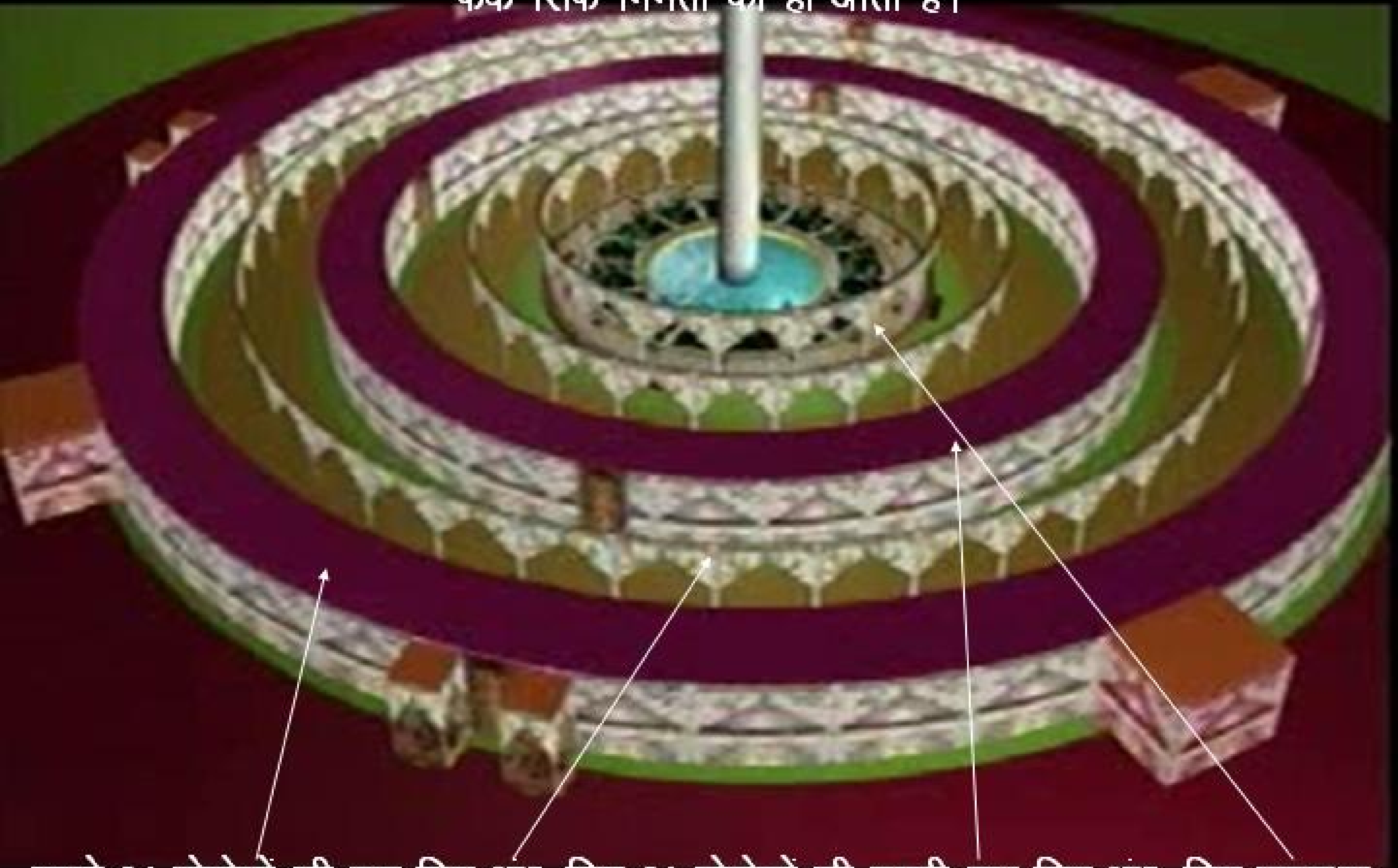

पहले 64 मोहोलों की हार फिर थंभ, फिर 64 मोहोलों की दूसरी हार फिर थंभ, फिर कमरभर चबूतरा, उसके मध्य में कुण्ड,पानी का बड़ा स्तून, बगीचे सब शोभा आई है।

Nijanand App

Nijanand App

कमरभर चबूतरा, उसके मध्य में कुण्ड,पानी का बड़ा स्तून, बगीचे सब शोभा आई है।

Nijanand App

एक मोहोल 900 कोस का लम्बा चौड़ा आया है।

चारों तरफ 28 मन्दिर और 4 दरवाजों की शोभा आई है। दरवाजों के

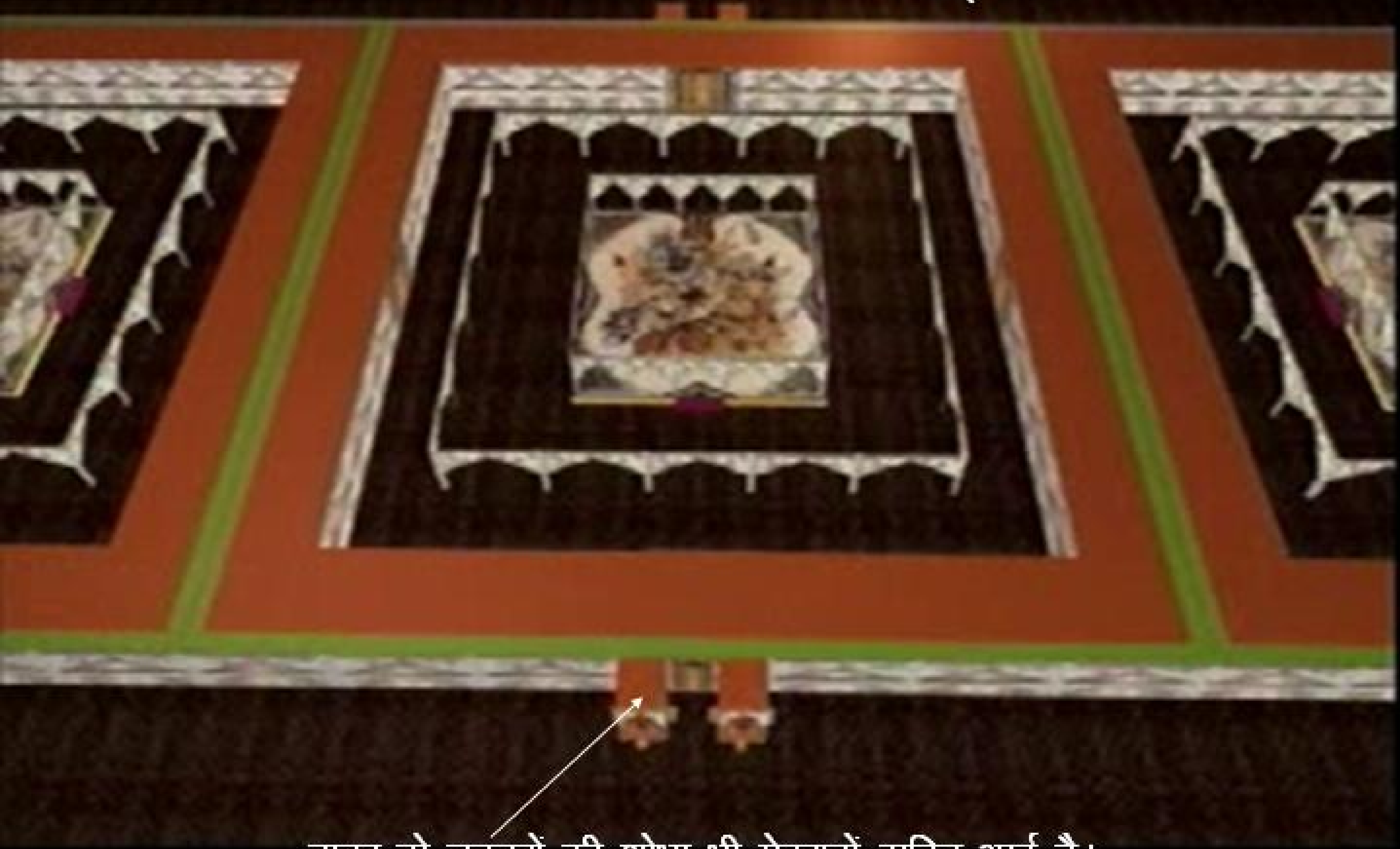

बाहर दो चबूतरों की शोभा भी मेहराबों सहित आई है।

दरवाजे को पार कर एक थंभों की हार को पार करके कमर भर का चबूतरा उठा है।

Nijanand App

चबूतरे के किनार पर थंभों की शोभा आई है

बीच में अति सुन्दर गिलम बिछी हुई है जिस पर सिंहासन और कुर्सियों की शोभा भी आई है।

Nijanand App

चांदनी की शोमा मी 24 हांस के मोहोल जैसी ही आई है। फर्क है तो बस गिनती का चांदनी के मध्य में स्तून खुलकर चेहेबच्चा बन गया है जिसमें से 5 फव्वारे निकलते हैं चार तो जो चार गुर्जों की

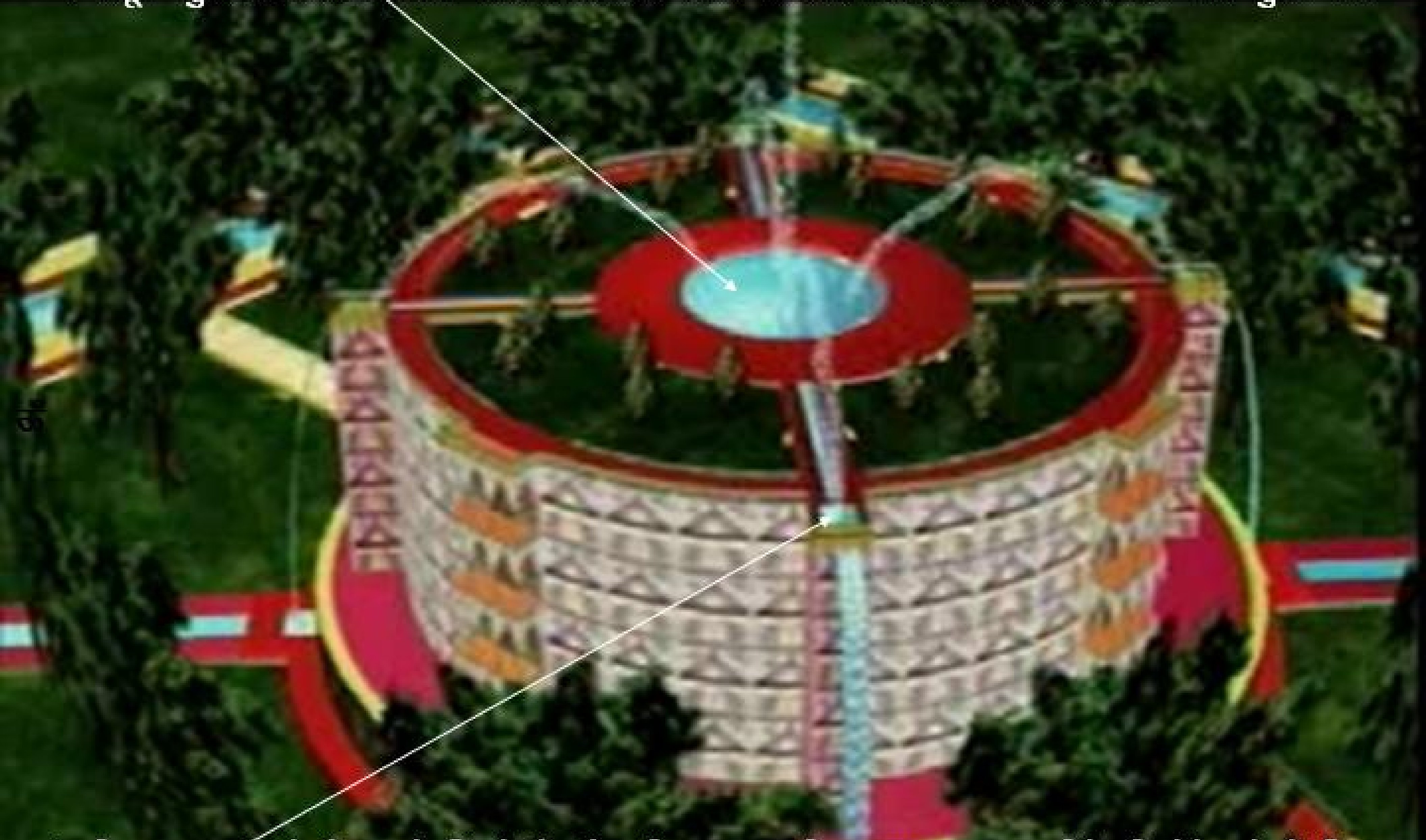

चांदनी पर कुण्ड बने हैं उसमें गिरते हैं और बीच वाला सीधा ऊपर जाकर नीचे ही चेहेबच्चे में गिरता है,कुण्डों से पानी झरने के रूप में 5 भोम नीचे जमीन के कुण्डों में गिरता है और यहीं से चार नहरें निकलती हैं

Nijanand App

4 पहल के मोहोल में चार नहरें निकलती हैं।

Nijanand App

ऐसे ही 8, 16, 32, 64 पहल के मोहोलों की सारी शोभा आई है

Nijanand App

8 में 8, 16 में 16, 32 में 32,और 64 में 64 गुर्ज,

कुण्ड, नहरों और फव्वारों की सारी शोभा आई है।

Nijanand App

फव्वारों से कुण्ड में गिरता पानी

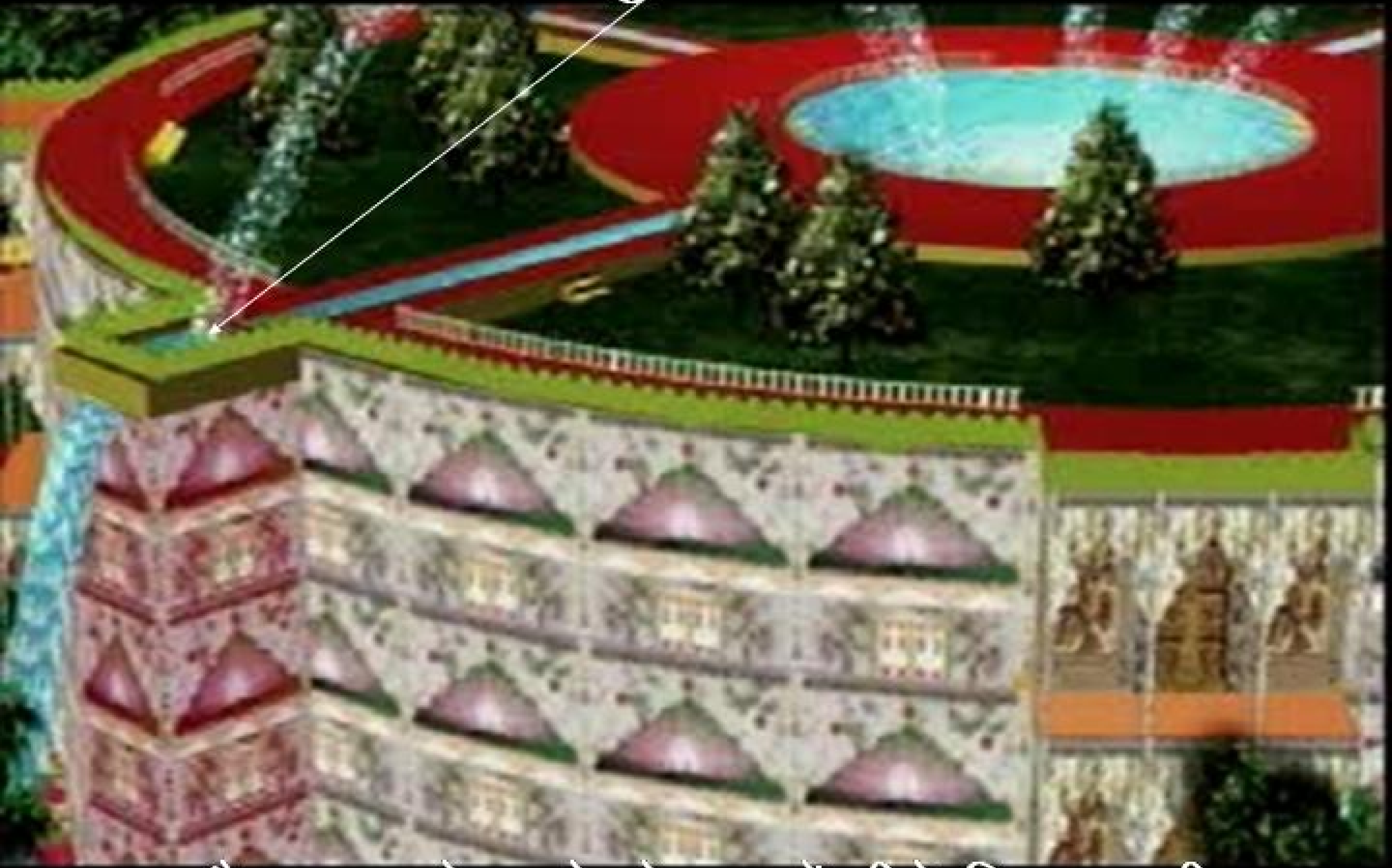

और कुण्ड से झरने के रूप में नीचे गिरता पानी

Nijanand App

कोल बट का पुल

Nijanand App

Nijanand App

केलपुल ईशान कोना में रंगमहल की उत्तर पूर्व दिशा में आया है

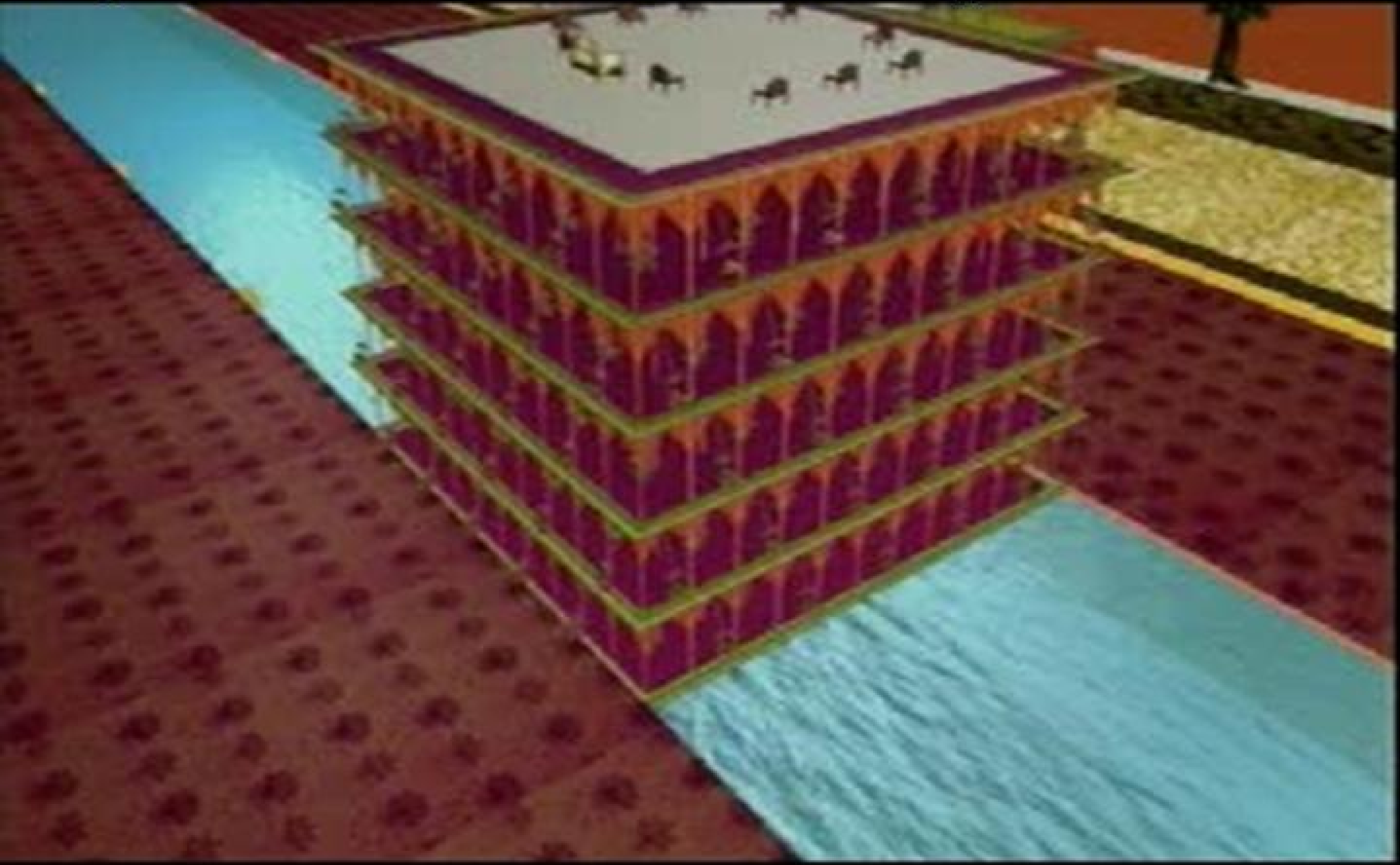

केल पुल 500 मन्दिर का लम्बा चौड़ा/पांच भोम छठी चांदनी/मेहराबों में झूले

Nijanand App

जल में 11–11 थंभों की 11 हारें आने से 10 घड़नालों से होकर श्री जमुना जी निकलती है

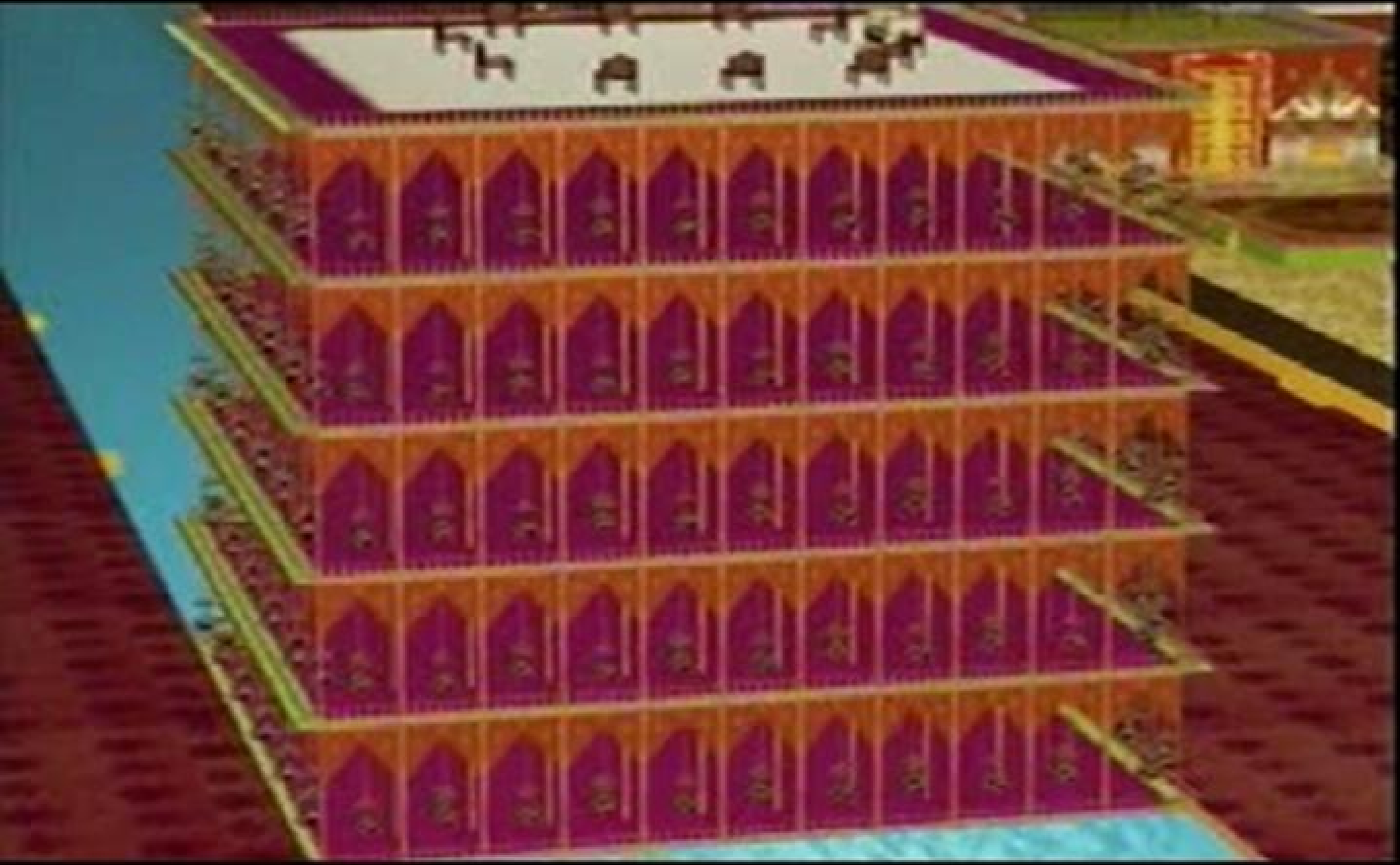

हरेक भोम में 100 चौक हैं और 50–50 मन्दिर के छज्जे हरेक भोम में बाहेर निकले हुए हैं।

Nijanand App

बट का पुल अग्नि कोना में रंगमहल के दक्षिणपूर्वी दिशा में आया है

इसकी सारी बनावट केलपुल के समान ही आई है

Nijanand App

कुंज निकुंज

Nijanand App

जवेरों की नहरों के बीच में अक्षरधाम और रंगमहल की दक्षिण में सारे

कुंज निकुंज की शोभा आई है और सारे उत्तर में वनों की शोभा आई है

Nijanand App

कुंज की शोभा चौरस मोहोल की आई है

और निकुंज की गोल शोभा है।

Nijanand App

एक कमरभर के चबूतरे पर रौंस को छोड़कर चौरस मोहोल की शोभा आई है।

मध्य में दरवाजा दायें बायें 41—41 मन्दिर आये हैं।

Nijanand App

दरवाजे को पार कर एक थंभों की हार आई है उसके आगे कमरभर सीढ़ी नीचे उतर कर बगीचों की शोभा आई है। जिसमें नहरें, फव्वारे, चेहेबच्चे सबकी शोभा आई है।

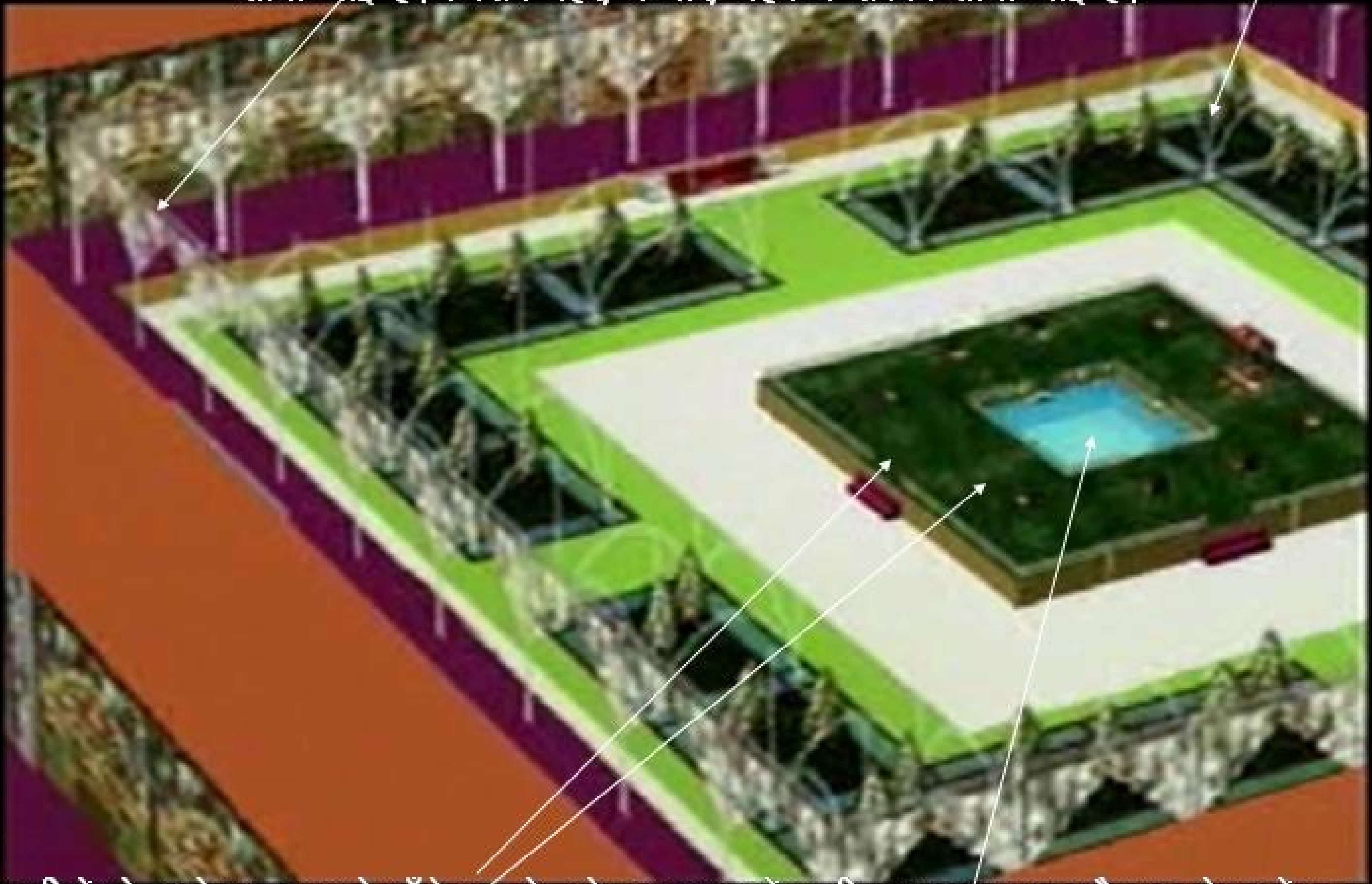

बगीचों के आगे कमरभर के ऊँचे चबूतरे के मध्य भाग मे पानी का कुण्ड आया है। इसके चारों तरफ रौंस फिरी है। रौंस पर गिलम सिंहासन कुर्सियों की सारी जोगवाई आई है।

Nijanand App

निकुंज की सारी शोभा भी कुंज जैसी ही आई है फर्क है
तो सिर्फ चौरस और गोल मन्दिरों का

साथ में कुंज ऊपर से ढंपे आये हैं जबकि निकुंज ऊपर से खुले हैं।
इनकी दो भोम तीसरी चांदनी आई है।

Nijanand App

मध्य वाले कुण्ड से आठ दिशाओं में आठ नहरें निकलती हैं जो मन्दिरों के नीचे से होते हुए

बाहर आती हैं। हरेक कुंज या निकुंज को आठ नहरों ने घेर रखा है। नहरों की पाल पर मन्दिरों की भी शोभा भी दो भोम की आई है।

Nijanand App

आठ नहरों के आने से कुंज और निकुंज के बीच में एक चौंक

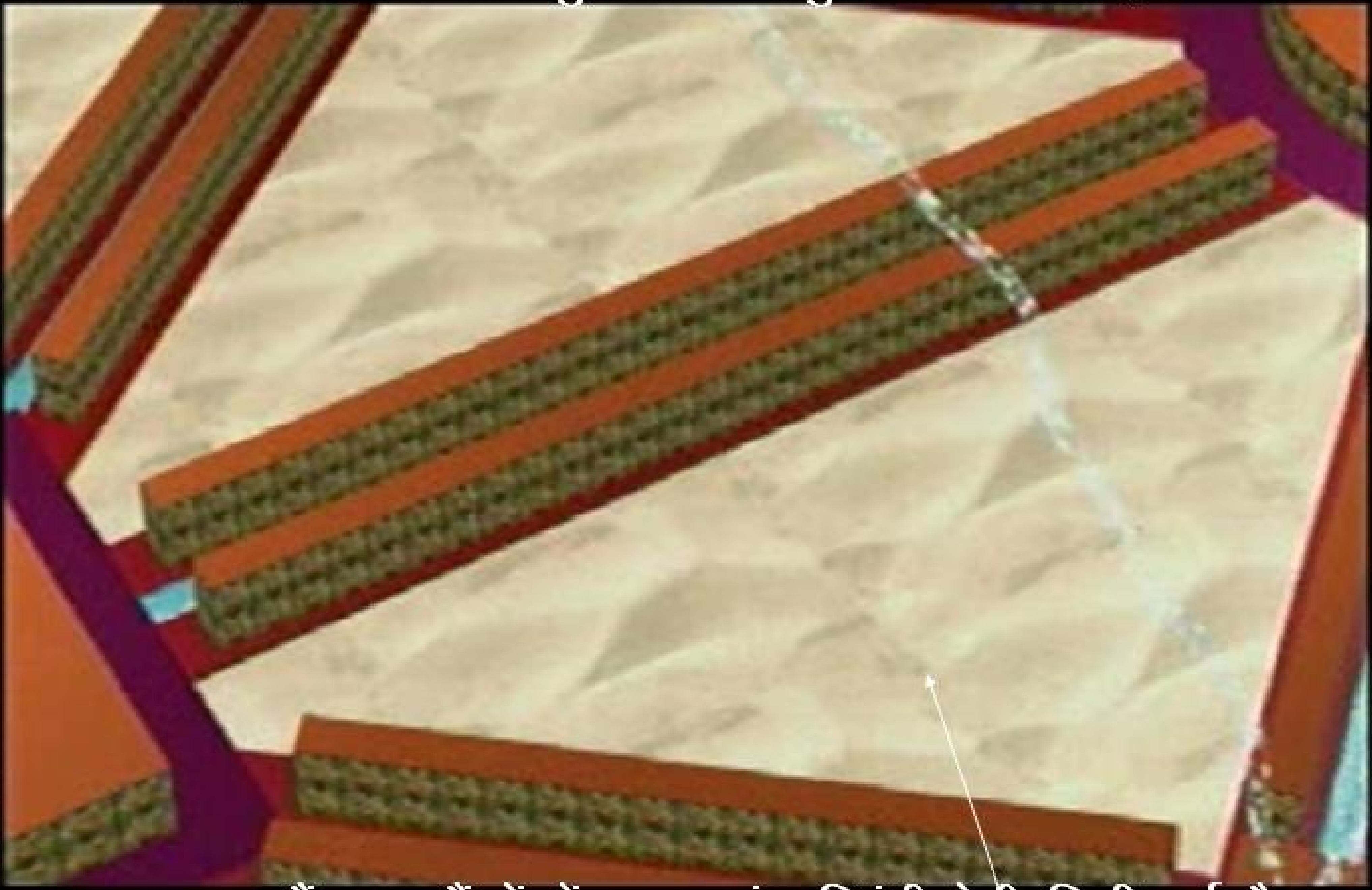

बन जाता हैं इन चौंकों में सुन्दर रंग बिरंगी रेती बिछी हुई है।

Nijanand App

श्री राजस्यामा जी सब सखियों सहित कृष्णपक्ष की तीज को

यहाँ आकर कई तरह की दौड़ कर छूने की और हांसविनोद की लीलायें करते हैं।

Nijanand App

लाल चबूतरा

Nijanand App

रंगमहल के वायव्य कोना से ईशान कोना तक 1200 मन्दिर का लम्बा

और 30 मन्दिर का चौड़ी जगह में लाल चबूतरा शोभायमान है।

Nijanand App

हरेक 30 मन्दिर की दूरी पर अलग अलग रंगों की गिलम बिछी हुई है। जिस पर सिंघासन और कुर्सियाँ शोभायमान है।

लाल चबूतरा के पूर्व में हरेक 30 मन्दिर के हांस के मध्य में एक मन्दिर का चौड़ा चबूतरा आया है जिसके दायें बायें 100 सीढ़ीयां नीचे उतरने के लिए आई हैं।

Nijanand App

हरेक हांस के मध्य में सिंघासन के दाये बाये 3000,3000कुर्सियाँ शोभा ले रही है

जिस पर श्री राजस्यामा जी और सब रुहें बैठ कर पशु पक्षियों की लीला का आन्नद लेते हैं।

Nijanand App

लाल चबूतरा के सामने बड़ोवन के वृक्ष शोभा ले रहें हैं जिसमें तरह

तरह के जानवर नए नए खेल दिखाकर सबको रिझाते हैं।

Nijanand App

माणिक पहाड

Nijanand App

रंगभवन की दक्षिण दिशा में हौजकौसर के भी

दक्षिण में जवेरों की नहरों में माणिक पहाड़ की शोभा आई है।

Nijanand App

महानद की गृद 7 करोड़ 20 लाख कोस का है।

इसी महानद से 12000तालाबों की 12000हारें आई हैं,जो माणिक पहाड़ तक गई हैं,

Nijanand App

चारों तरफ घेर कर महानद आया है जिसके मध्य में ताल और ताल के दोनों तरफ एक हांस की चौड़ी पाल आई है जिसपर दो स्तम्भों

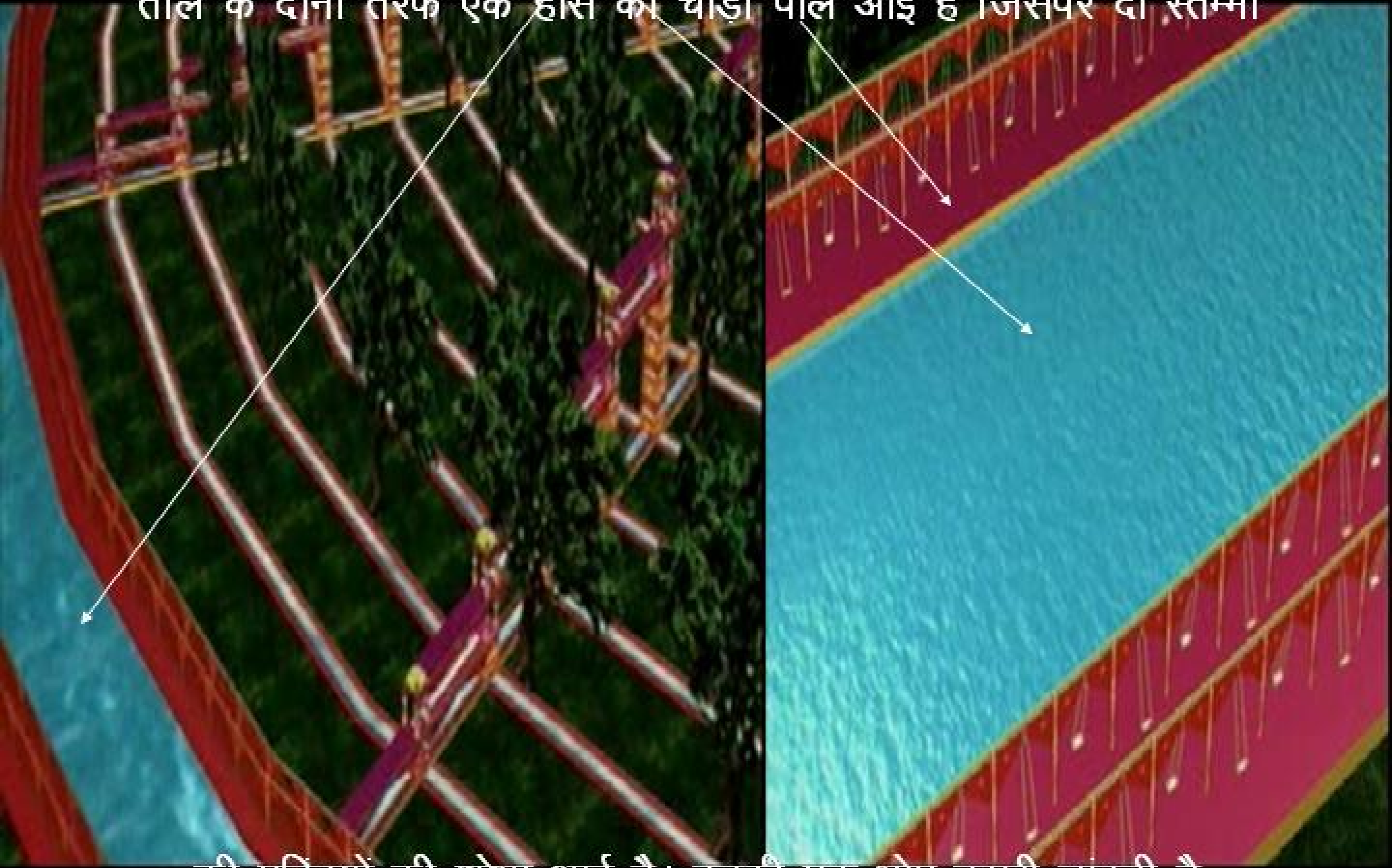

की पंक्तियों की शोभा आई है। इनकी एक भोम दूसरी चांदनी है स्तम्भों की महराबों में चार हिण्डोलों की ताली पड़ती है।

Nijanand App

जहां दो तालाब कटते हैं,वहीं पर मोहोलों की शोभा आई है,मोहोलों की 5भोम छठी चांदनी आई है। माणिक पहाड़ की तरफ से

मोहोलों की चांदनी के थंभों की ऊँचाई महानद की तरफ एक एक भोम कम होती गई

Nijanand App

माणिक पहाड़ के साथ लगती तालाबों की हार में जो मोहोल बने हैं,
उनकी चांदनी के स्तम्भों की

ऊँचाई माणिक पहाड़ की चांदनी से एक भोम नीचे आई है। आगे तालाबों की हरेक हार में स्तम्भों की ऊँचाई एक भोम कम होती गई है।

Nijanand App

मोहोलों की चांदनी पर 4कोनों में 4थंभ आये हैं जिसकी मेहराब में महाबिलंद हिण्डोला आया

है जिसमें श्री राजस्यामा जी सब सखियों सहित इकट्ठे बैठ कर झूला झूलते हैं और कोई हिण्डोला खाली नहीं रहता।

Nijanand App

तालाबों की हारों के मध्य में एक 12000 हांस का भोम भर का चबूतरा उठा है।चबूतरे के किनार पर 400 कोस की रौंस के आगे 12000 हांस मन्दिर की एक मोटी दीवार 12000 भोम तक गई है

चार दिशाओं में चार बड़े दरवाजों की शोभा आई है दरवाजों के दायें बायें दो चबूतरे आये हैं। जिसके आगे से भोम भर की सीढ़ियां नीचे उतरती हैं।

Nijanand App

मन्दिरी दीवार में रौस पर 12000 गुर्जों की शोभा आई है जो 12000 मोम तक गई है।

दो गुर्जों के बीच में एक दरवाजा आया है जिसके अन्दर जाने पर दो थंभों की हारें आई हैं।

Nijanand App

बड़े दरवाजे से अन्दर दो थंभों की हार के आगे 12000 हवेलीयों की 12000 हारें आई है। दरवाजे के आगे पहले चौरस फिर गोल ऐसे 6000 चौरस 6000 गोल हवेलियों की शोभा आई है। चार गोल में एक चौरस हवेली और

चार चौरस में एक गोल हवेली की शोभा है। दो हवेलियों के मध्य में दो थंभों की हारें आई है चार हवेलियों के मध्य में एक चेहेबच्चे की शोभा आई है। थंभों की मोटाई इतनी है कि उनके अन्दर भी मोहलातें चेहेबच्चे नहरें बगीचे सब शोभा आई है।

Nijanand App

एक हवेली 300 कोस की लम्बी चौड़ी है,इसमें चारों तरफ 12000 मोहोल है एक मोहोल में 12000 मन्दिर हैं और एक मन्दिर में 12000 कोठरियों की शोभा आई है। सबकी अन्दरूनी शोभा हवेली के जैसे ही आई है।

दरवाजे के आगे थंभों की हार फिर कमर भर नीचे बगीचा आगे फिर कमरभर ऊँचे चबूतरे के किनार पर थंभो की मेहराबों में झूले आये हैं चबूतरे के मध्य में फिर कमरभर नीचे बगीचों की शोभा आई है ऐसे सारी शोभा 12000 भोम तक ऊँची बराबर गई है।

Nijanand App

गोल हवेलियों की शोभा भी चौरस हवेलियों जैसी ही आई है फर्क सिर्फ इतना है

कि यहां सब गोल शोभा है गोल हवेली,गोल मन्दिर, गोल कोठरी, गोल चबूतरे।

Nijanand App

12000 हवलियों को पार करके कमरभर नीचे उतर कर रौंस को पार करके बगीचों की शोभा

आई है फिर रौंस से कमरभर ऊँचे आने पर एक

12000हांस का भोमभर का चबूतरा ऊँचा आया है।

Nijanand App

चबूतरे के किनार पर कठेड़े के आगे रौंस है रौंस से आगे 12000 माणिक मोहोलों की एक हार

आई है। हरेक होस में गुर्ज और गुर्जों के अन्दर त्रिपोलियों की शोभा आई है।

Nijanand App

मोहोलों को पार करके आगे भोमभर की सीढ़ियां नीचे उतर कर एक विशाल बगीचे की शोभा है जिसे पार करके फिर भोम भर का एक गोल मध्य में चबूतरा आया है।

किनार पर थंभों की हारों में हिण्डोले 11980 भोम के ऊँचे गये हैं। फिर आगे कमरभर नीचे बगीचों से होते हुए, कमरभर ऊँची रौंस पर पानी का एक विशाल जलस्तम्भ 12000 भोम का ऊँचा आया है।

Nijanand App

जलस्तम्भ से चारों ओर से फव्वारे निकलते हैं। माणिक मोहोलों से 11980 भोम के बाद

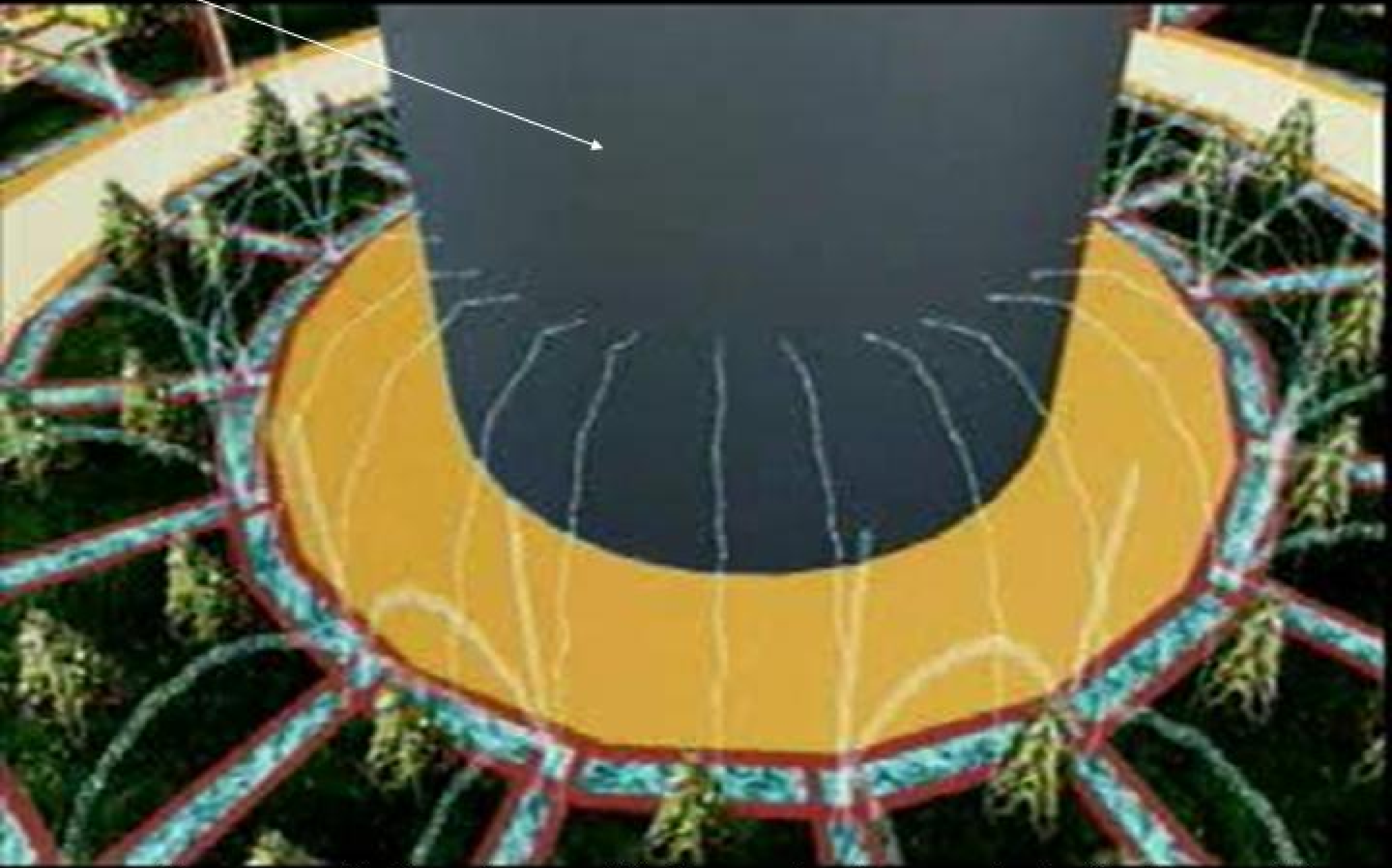

स्तम्भ की तरफ छज्जे निकलने शुरू होते हैं। 20 भोम के बाद चांदनी की शोभा आई है।

Nijanand App

माणिक पहाड़ की चांदनी के मध्य में एक मोममर का ऊँचा गोल चबूतरा आया है जिस पर टापू मोहोल की शोभा है।

बाकि चबूतरे के नीचे बागबगीचों की शोभा आई है। 12000 हवेलियों के ऊपर 12000 बगीचे और दो थभों की हारों के ऊपर नहर आई है।

Nijanand App

टापू मोहोल की 20 भोम की ऊँचाई आई है।

21वीं चांदनी के मध्य में स्तून जो नीचे से आ रहा था वोह खुला है उसको बगीचों ने घेर रखा है बाहरी तरफ सिंहासन और कुर्सियों की शोभा आई है।

Nijanand App

चांदनी के मध्य मे मोममर के ऊँचे चबूतरे के किनारे पर कठेड़े के आगे रौस पर 4 थंमो की हार आई है मध्य वाले थंमो की ऊँचाई 2मोम की और आजू बाजू वाने थंमो की एक ही मोम की ऊँचाई आई है।

आगे ताल के मध्य में चबूतरे पर रौस फिरी है उसके आगे 12000 हांस में 12000 टापूमोहोल आये है। चारों दिशा में चार दरवाजे सुशोभित है।

Nijanand App

टापू मोहोल के चबूतरे के नीचे 12000 जालीद्वार

आये हैं जिनसे नीचे तालाबों में पानी गिरता है।

Nijanand App

पानी नहरों में होता हुआ चांदनी के किनार तक जाता है।

जहां नहरें आपस में कटती हैं वहां चेहबच्चे के चार कोनों से चार थंभ उठते हैं जिस पर छत आई है। इनकी मेहराबों में झूले लगे हैं।

Nijanand App

नहरों का पानी चांदनी के किनार पर जो गुर्जों की चांदनी आई है उसमें से होकर एक भोम नीचे जो मोहोलों के ऊपर महाबिलंद हिण्डोलों की छत

पर नहर आई है उसमें झरने के रूप में जाता है।इस प्रकार पानी आगे एक एक भोम नीचे झरने के रूप में जाता हुआ महानद में मिल जाता है।

Nijanand App

झरने के रूप में जाता पानी

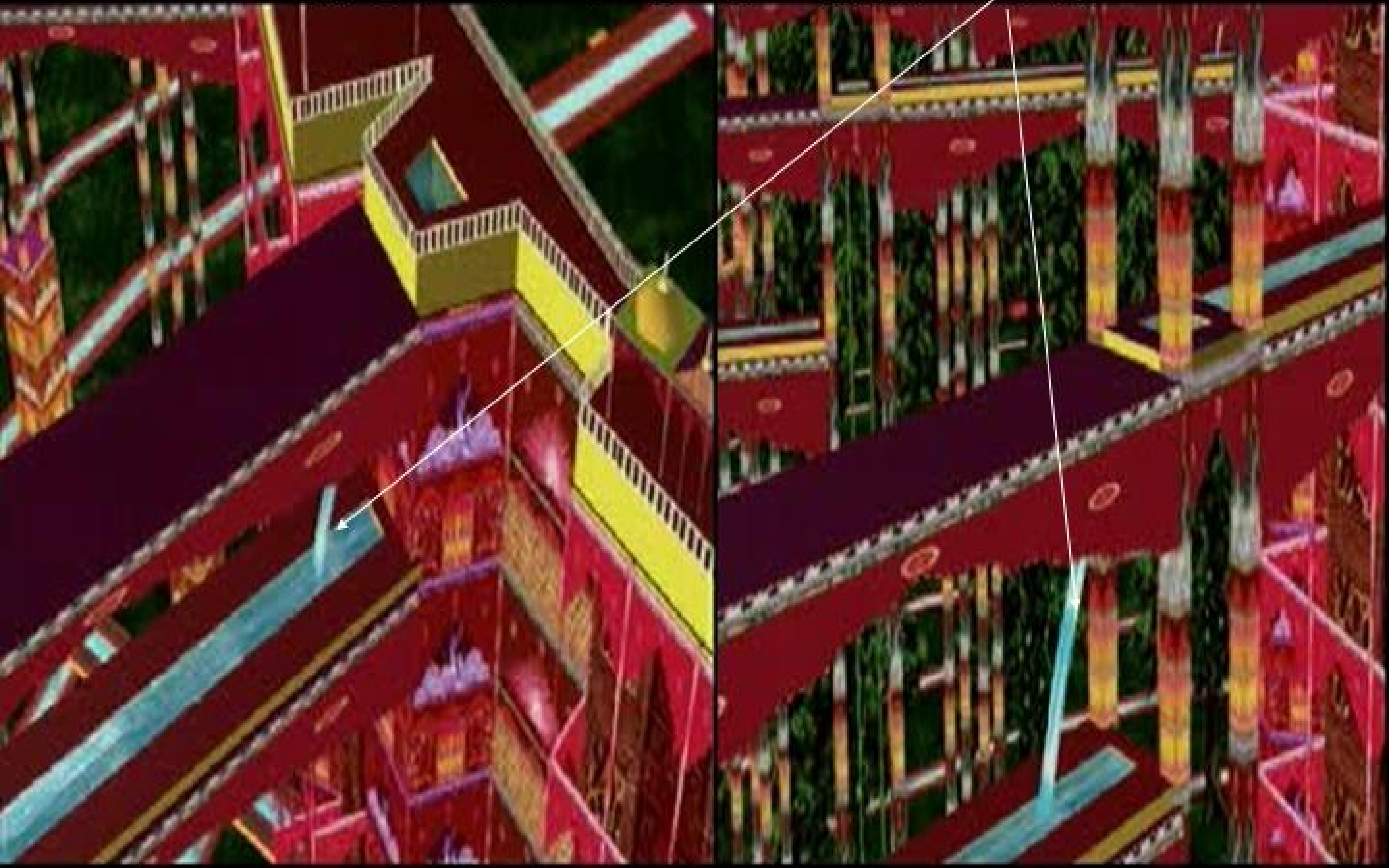

Nijanand App

चांदनी से एक भोम नीचे जाता पानी

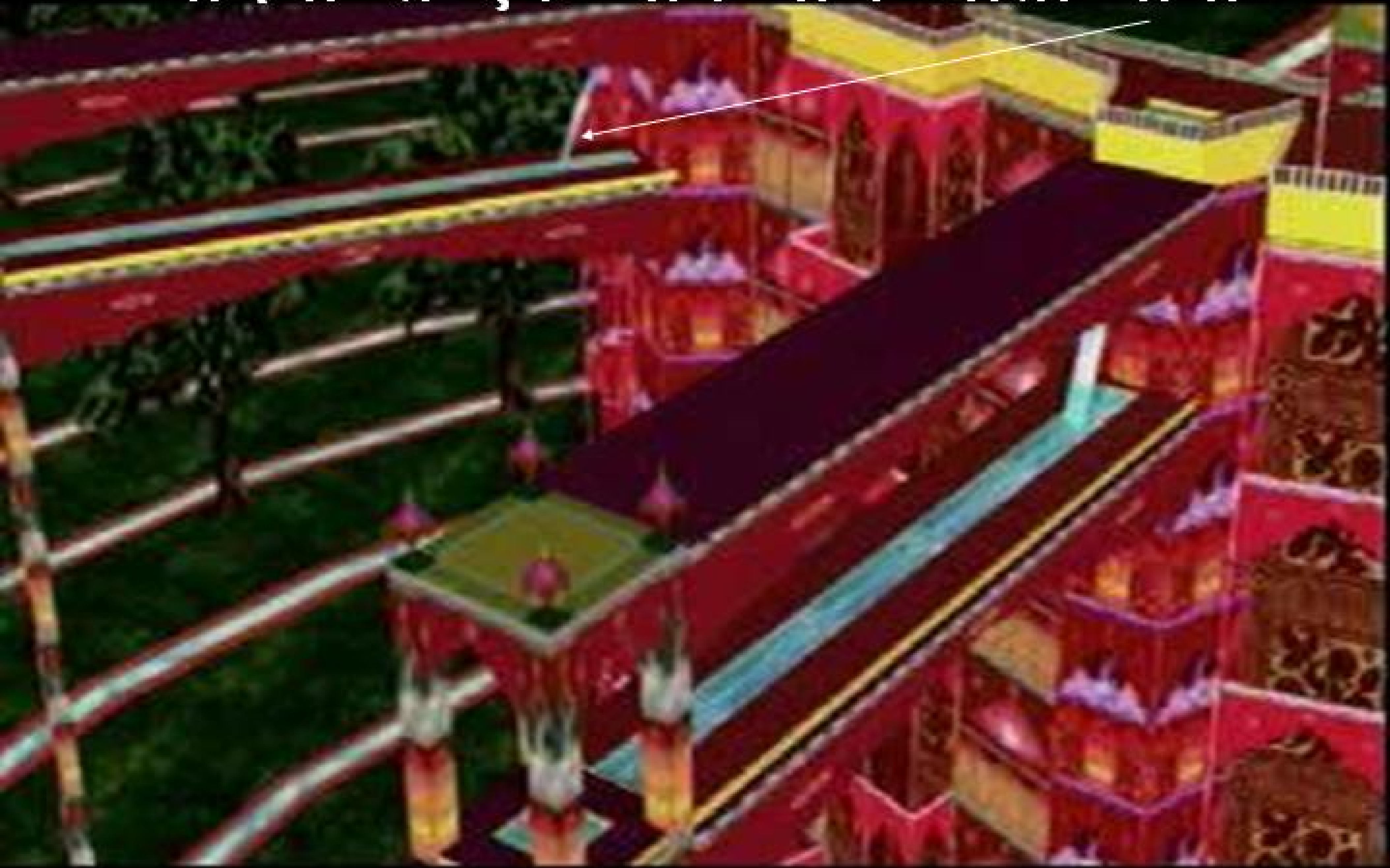

Nijanand App

इस प्रकार से सारे माणिक पहाड़ की शोभा आई है।

Nijanand App

पाट घाट

Nijanand App

पाट का घाट श्री जमुना जी में

150 मन्दिर का लम्बा चौड़ा चबूतरा ठीक अमृतवन के सामने और रंगमहल की पूर्व में आया है।

Nijanand App

श्री जमुना जी में 16 थंभों के ऊपर पाट घाट शोभायमान है। घाट के ऊपर 12 थंभ आये हैं।

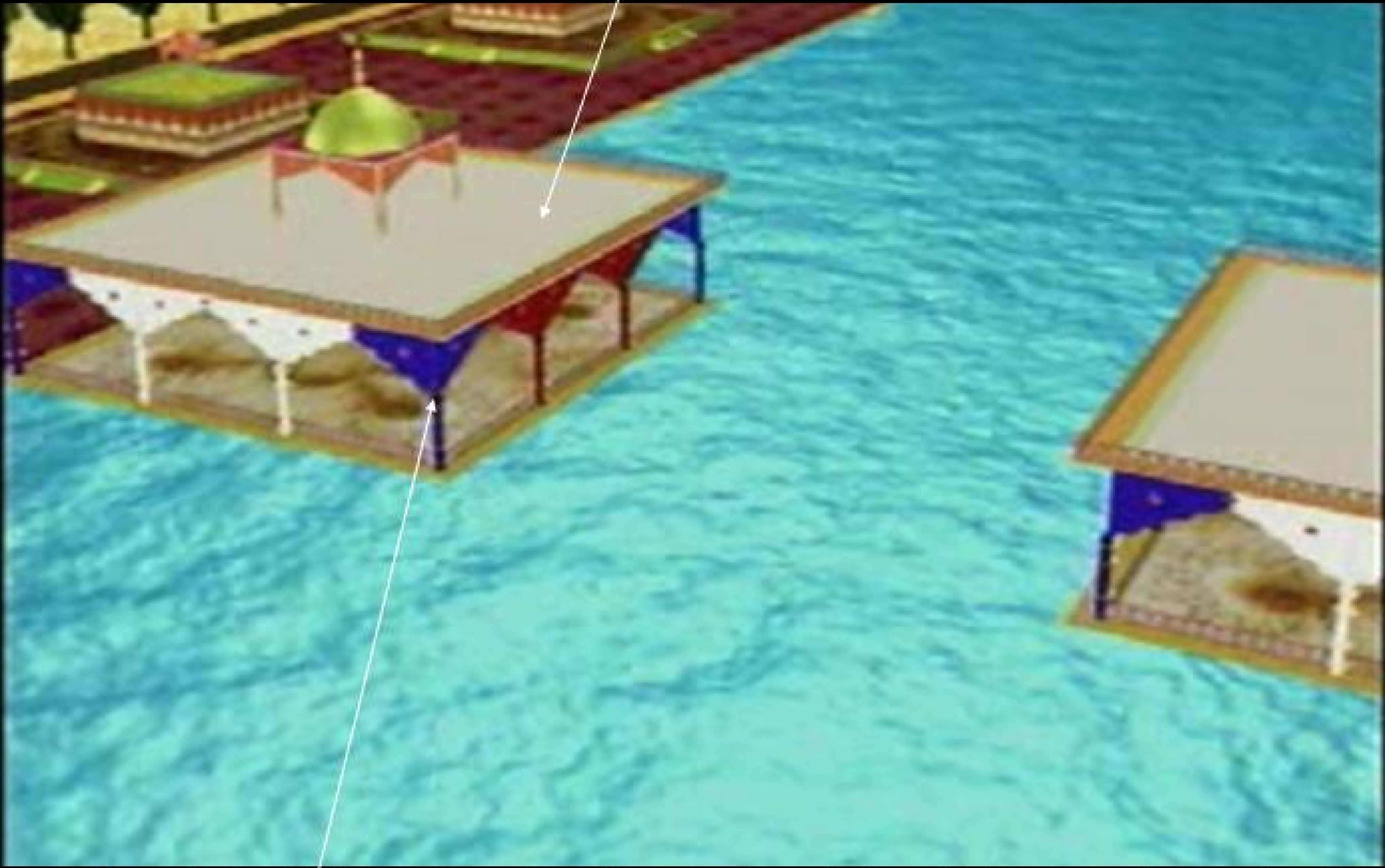

चारों कोनों में नीलवी के थंभ,दक्षिण की तरफ बीच में हीरे के और पूर्व की ओर बीच में माणिक रंग के थंभ शोभा ले रहे हैं।

Nijanand App

पाटघाट के पश्चिम की ओर अमृतवन के सामने हरे रंग के थंभ शोभा ले रहे हैं।

छत पर चार थंभों के ऊपर गुम्मटी और कलश शोभायमान है।

Nijanand App

उत्तर में पीले रंग के थंभ शोभा ले रहे हैं। किनारों पर कठेड़ा आया है।

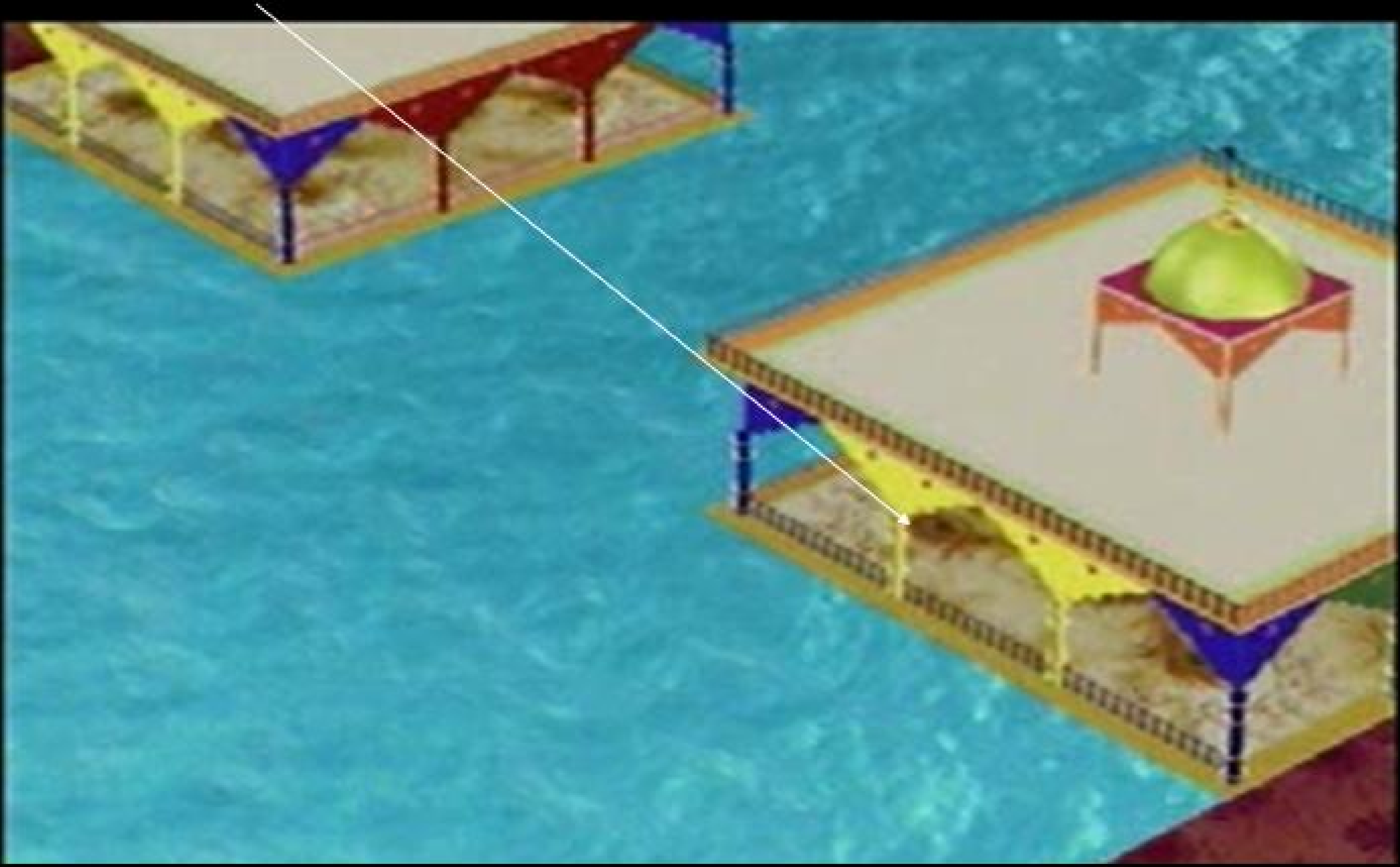

यहीं पर रुहें और श्री युगलस्वरुप स्नान करके तरह तरह के आन्नद विलास के सुख लेते हैं।

Nijanand App

फरामोशी से जागने के बाद हम सबने यहीं इसी पाटघाट में स्नान कर अपने पिया जी के

साथ देहुरीयों में सिनगार करके आनन्द विहार कर अपने धनी को रिझाकर इश्क पाना है।

Nijanand App

पाटघाट से सीधा पश्चिम को मुख करके जल रौंस,फिर पाल,

फिर वन रौस और फिर पुखराजी रौंस को पार करते हुए

Nijanand App

फिर वन रौस और फिर पुखराजी रौंस को पार करते हुए

अमृतवन के बीचोंबीच से गुजरते हुए हम चांदनी चौंक में पहुँच जायेंगे।

Nijanand App

पश्चिम की चौगान

Nijanand App

दूबदुलीचा के पश्चिम में पश्चिम की चौगान 4500 मन्दिर की

चौड़ी पूर्व से पश्चिम और 9000 मन्दिर की लम्बी उत्तर से दक्षिण आई है।

Nijanand App

चौगान की अति सुन्दर रेती ऐसे चमक रही है मानो हीरे, माणिक बिखरे पड़े हों।

चौगान में बड़े ही सुन्दर चौक बने हुए हैं।

Nijanand App

श्री राजस्यामा जी सब सखियों और पशु पक्षियों के संग अपना

पूरा लश्कर लेकर कृष्णपक्ष की पांचवी को यहाँ आते हैं।

Nijanand App

चौगान के चौकों में कई तरह के खेल तमाशे होते हैं

जैसे दौड़ना, कूदना, उड़ना, लड़ना, भमरियां खाना, गुलाटियां मारना।

Nijanand App

पुखराज पहाड़

Nijanand App

रंगमहल की उत्तर दिशा में बड़ोवन के

आगे विशाल पुखराज पहाड़ की शोभा आई है।

Nijanand App

पुखराज पहाड़ सारा पीले रंग का आया है।

Nijanand App

परमधाम की जमीन से भोमभर का एक गोल चबूतरा 1000 हांस का उठा है जिसमें हांस हांस

पर भोमभर की सीढ़ियाँ उतरती हैं। चबूतरे के किनार पर कठेड़े की शोभा है

Nijanand App

दो सीढ़ियों के बीच में एक दरवाजा नीचे पुखराज की तरहटी में जाने के वास्ते आया है

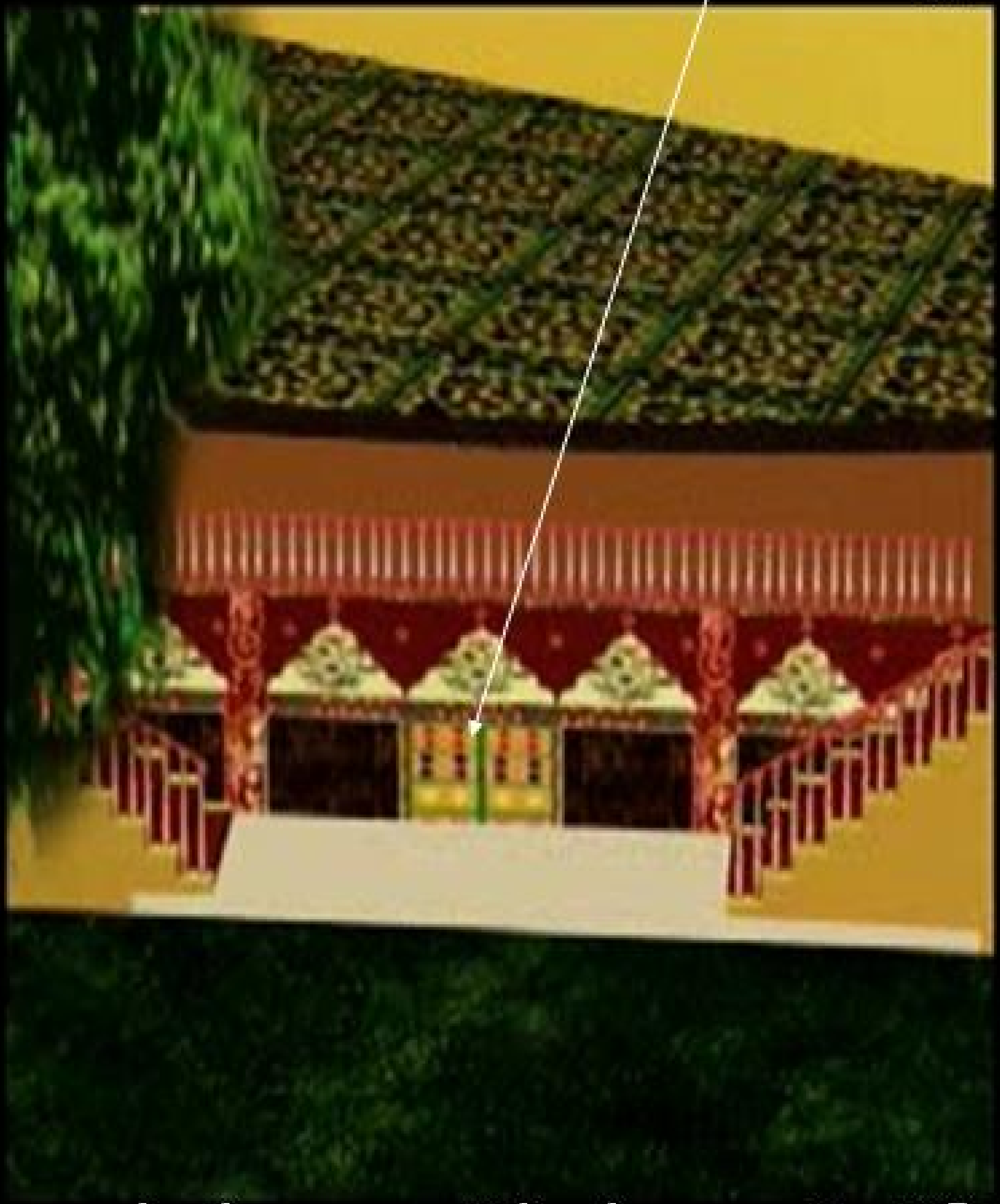

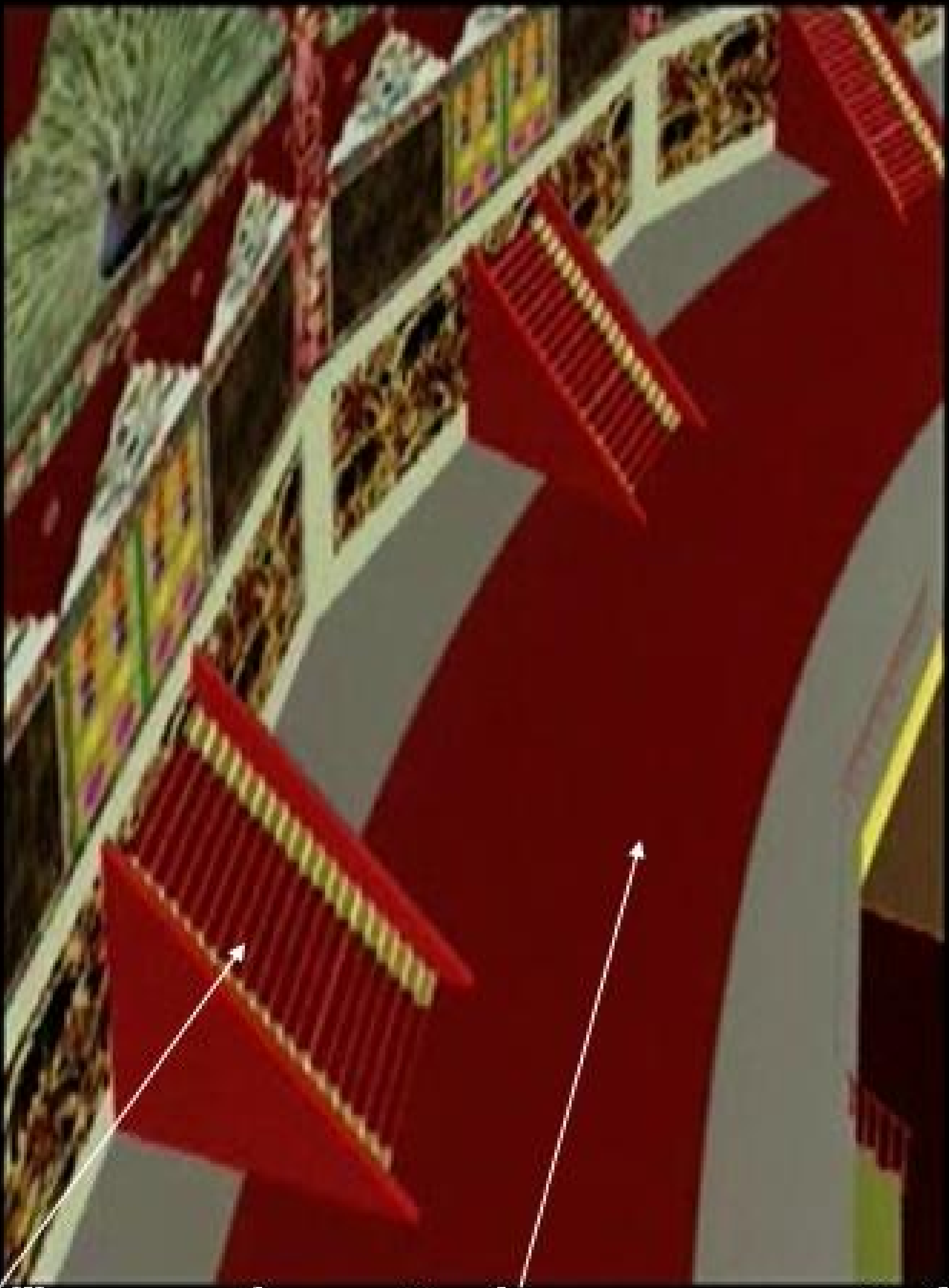

दरवाजे के अन्दर नीचे मोममर की सीढ़ियाँ 400 कोस की रौंस पर उतरती हैं

Nijanand App

रौस के आगे कमरभर नीचे उतर कर 400 कोस की बगीचों की रौंस आई है आगे गोलाई में 1000 की चौड़ाई में 52 हारें बगीचों की आई है।

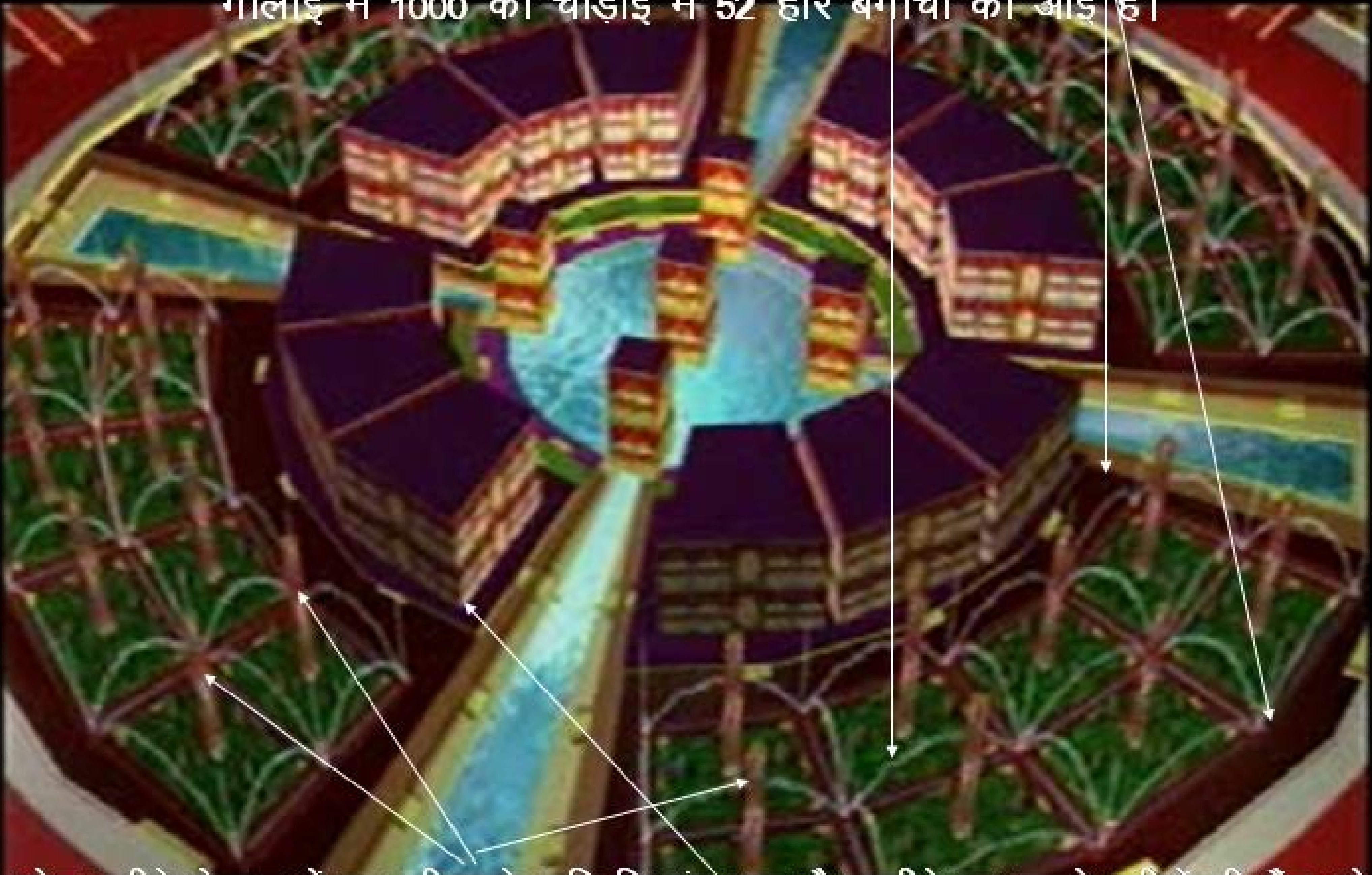

हरेक बगीचे के मध्य में एक फीलपाये यानि कि थंभ आया है। बगीचे पार करके बगीचों की रौंस को पार करके फिर कमरभर ऊँची पाल की रौंस 400 कोस की चौड़ी आई है।

Nijanand App

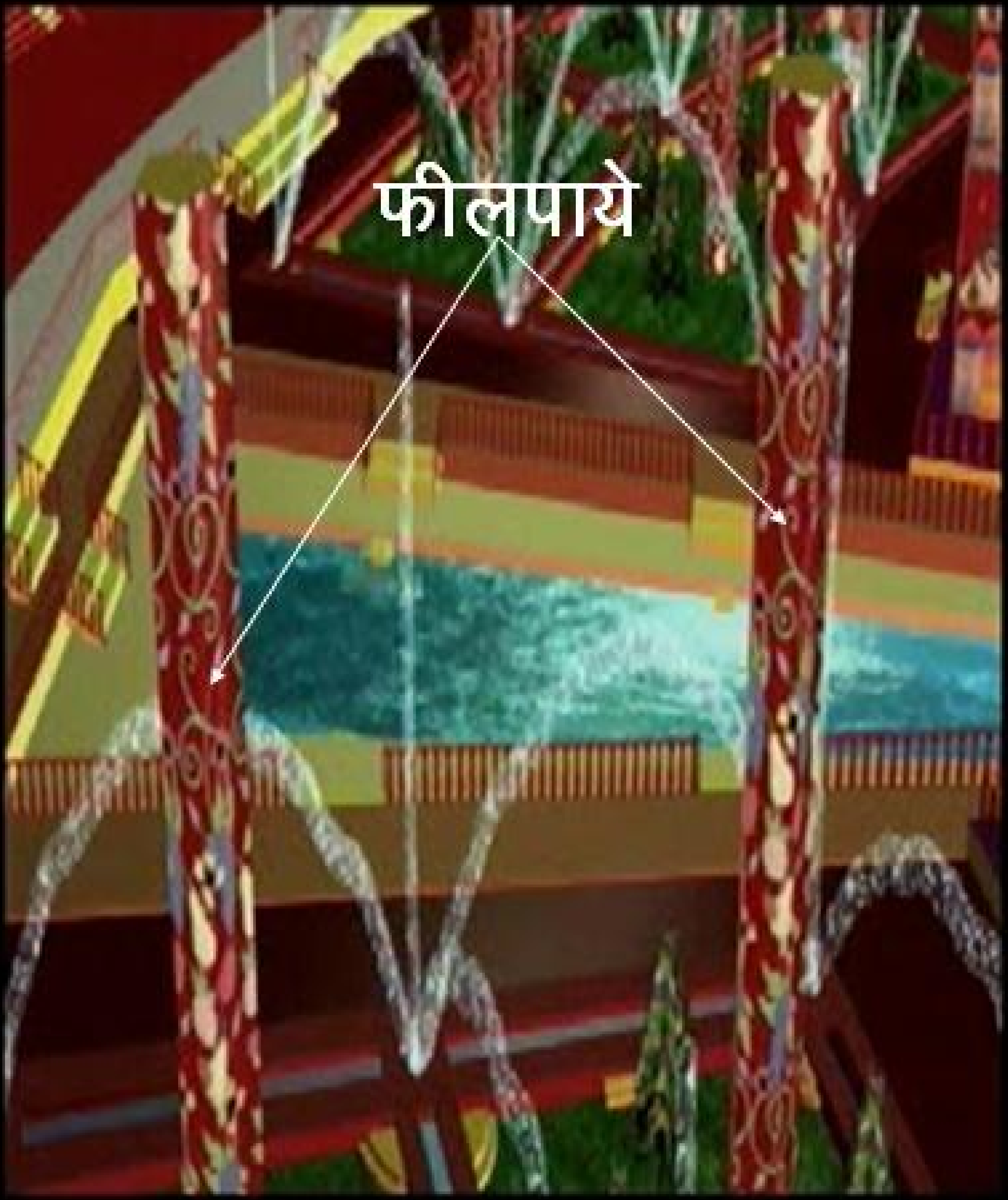

Nijanand App

दो मोहोलों के बीच दो थंभों कर हारें और तीन गलियों के त्रिपोलियों की शोभा आई है

Nijanand App

Nijanand App

मोहलातों की रौंस को पार करके कमरभर नीचे 400 कोस की ताल की पाल आई है,

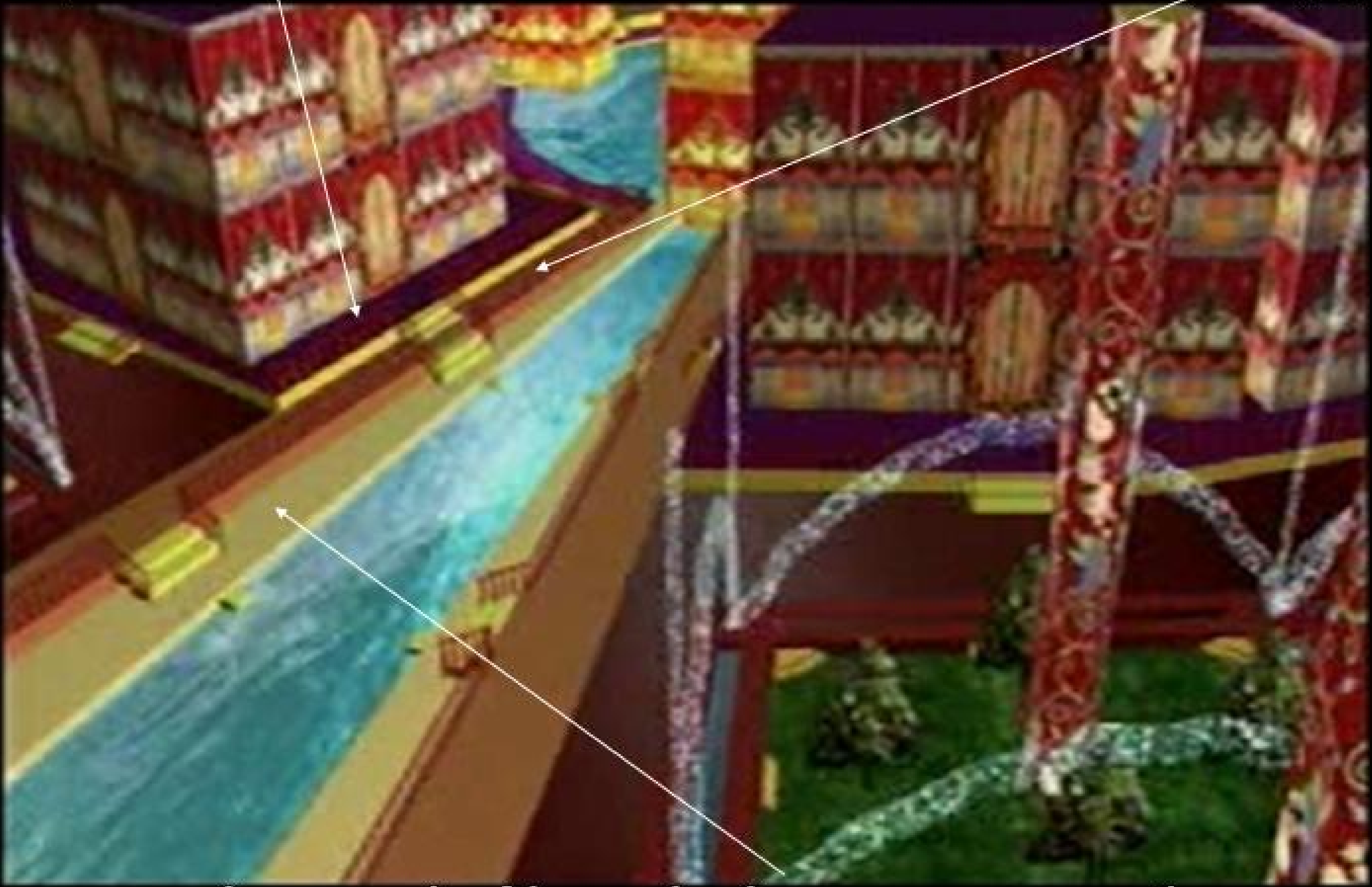

आगे कमरभर और नीचे 250 कोस में ताल का चबूतरा आया है।

Nijanand App

बीच में 44000 कोस में खजाने के ताल की शोभा आई है।
तरहटी के सब मोहोलों की और फीलपायों की ऊँचाई दो भोम की आई है।

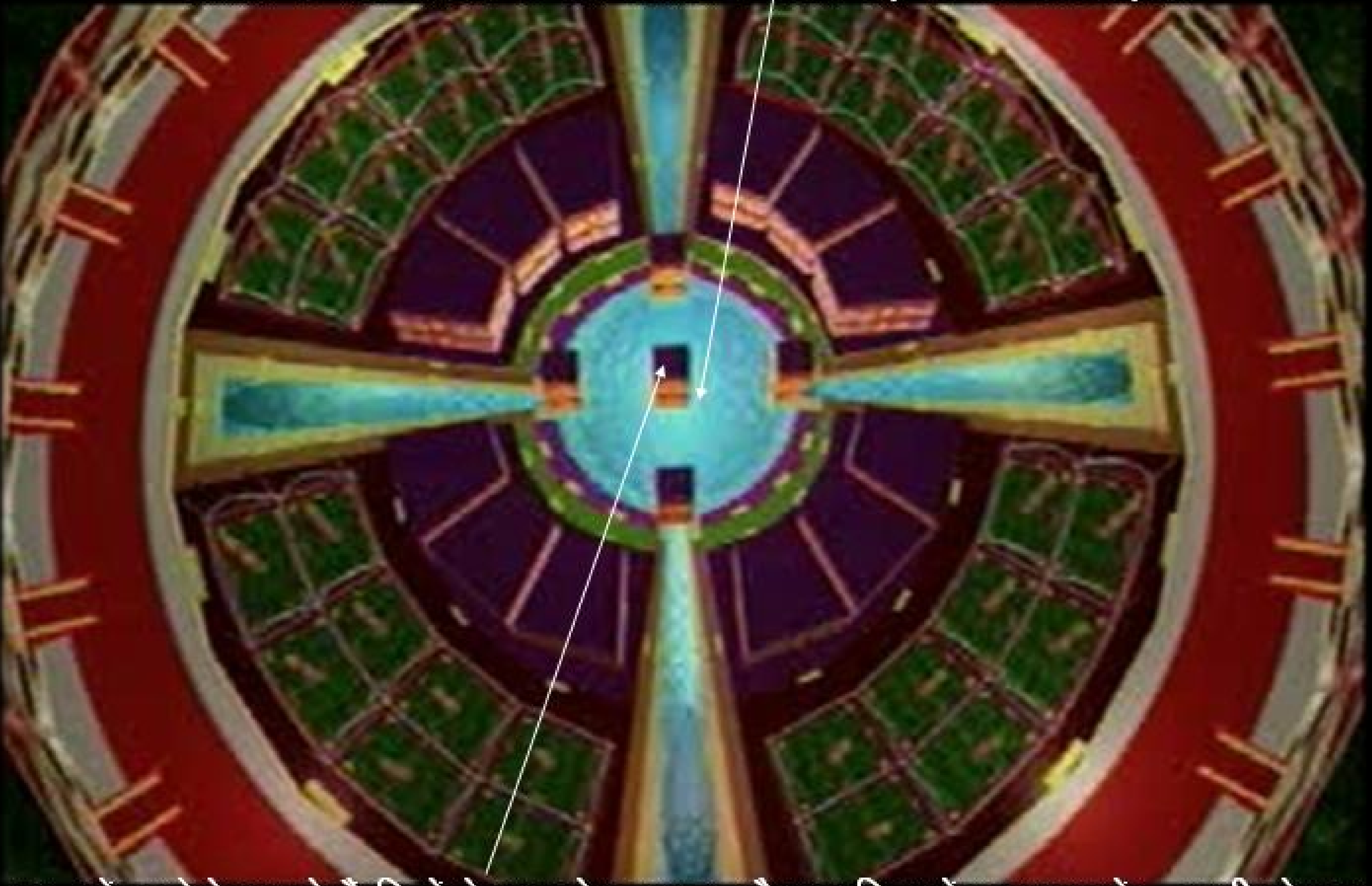

ताल में 5 मोहोल आये हैं जिन्हें पेड़ करके कहा गया है।चार दिशा में एक मध्य में। तरहटी के सब मोहोलों की और फीलपायों की ऊँचाई दो भोम की आई है।

Nijanand App

एक पेड़ की शोभाः—ताल में से थंम उठते हैं जिसपर 900 कोस का चबूतरा बना। चबूतरे पर 250 कोस की रौंस के आगे 400 कोस में एक हवेली की शोभा आई है। हवेली की चार दिशा में चार

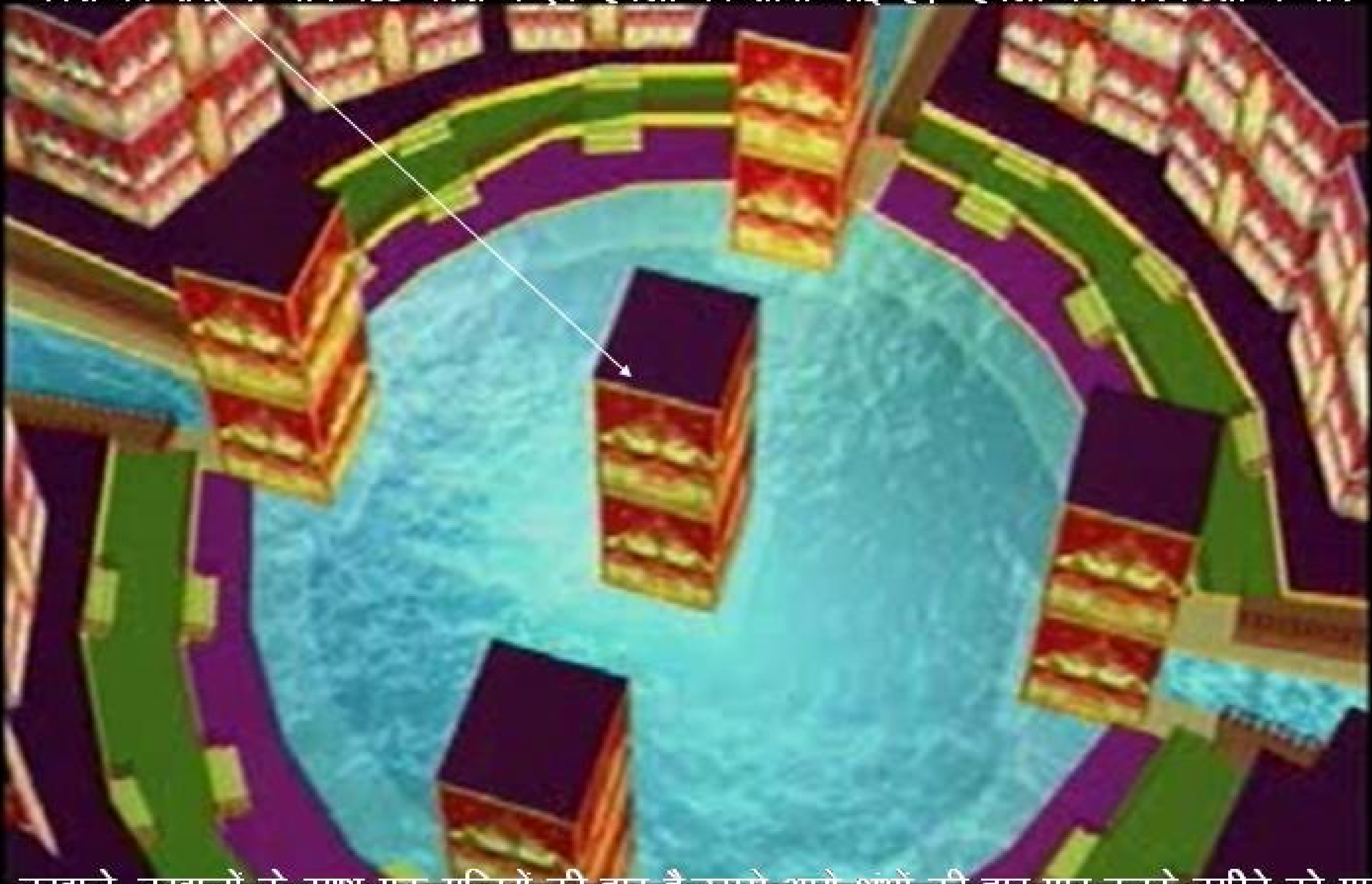

दरवाजे, दरवाजों के साथ एक मन्दिरों की हार है,उससे आगे थंभों की हार पार करके बगीचे को पार करके कमरमर के ऊँचे चबूतरे के किनार पर थंभ और बीच में गिलम,सिंहासन कुर्सियों कर सारी शोभा है

Nijanand App

आइए अब पुखराज के चबूतरे पर चलते हैं यह 1000 हांस का गोल और 133333 कोस का लम्बा चौड़ा आया है। मध्य के

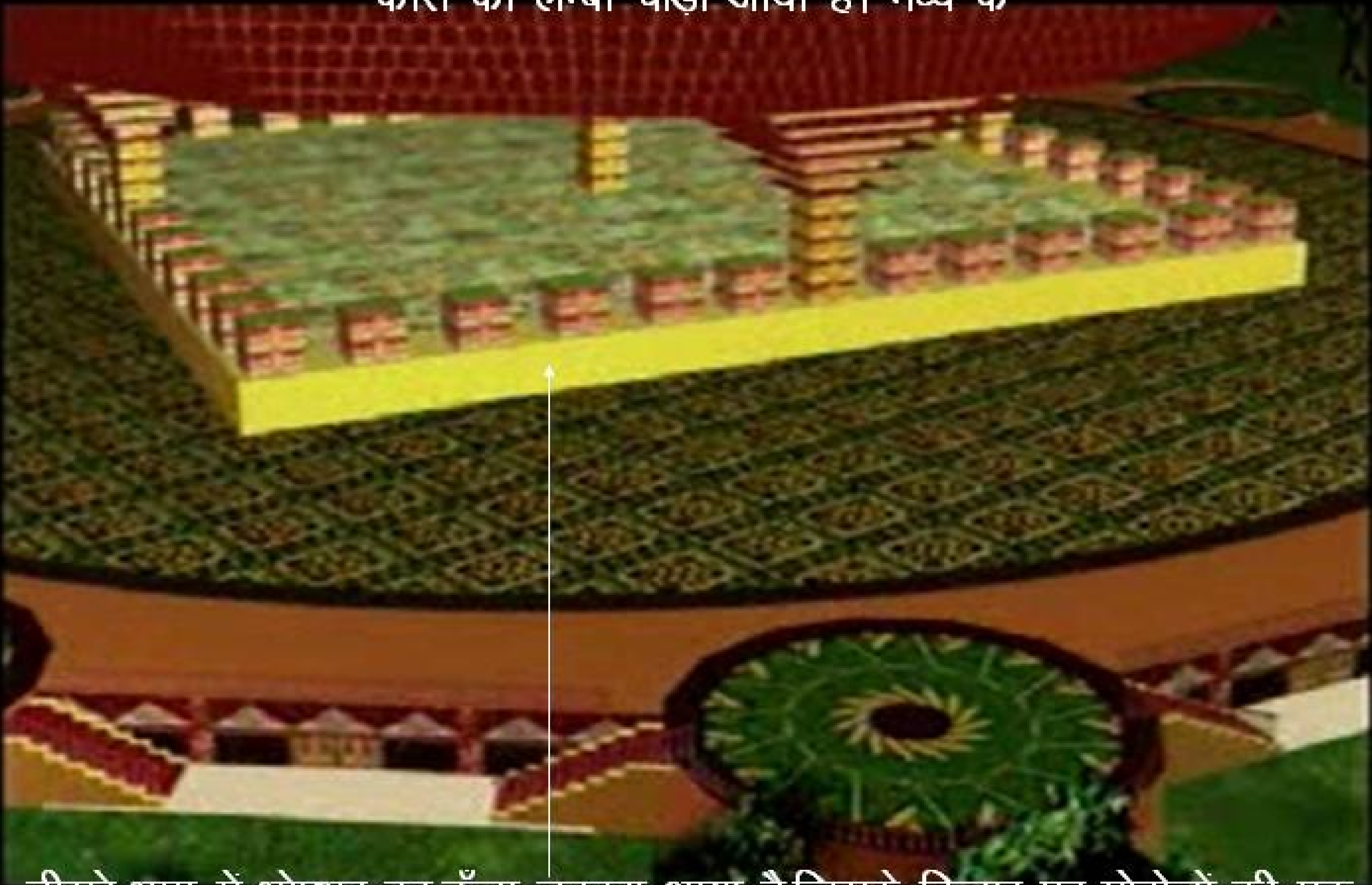

तीसरे भाग में भोम्मर का ऊँचा चबूतरा आया है,जिसके किनार पर मोहोलों की एक हार आई है,

Nijanand App

जो नीचे 5 पेड़ तरहटी में आये थे वोह यहीं बाहर इस चबूतरे पर आये हैं।

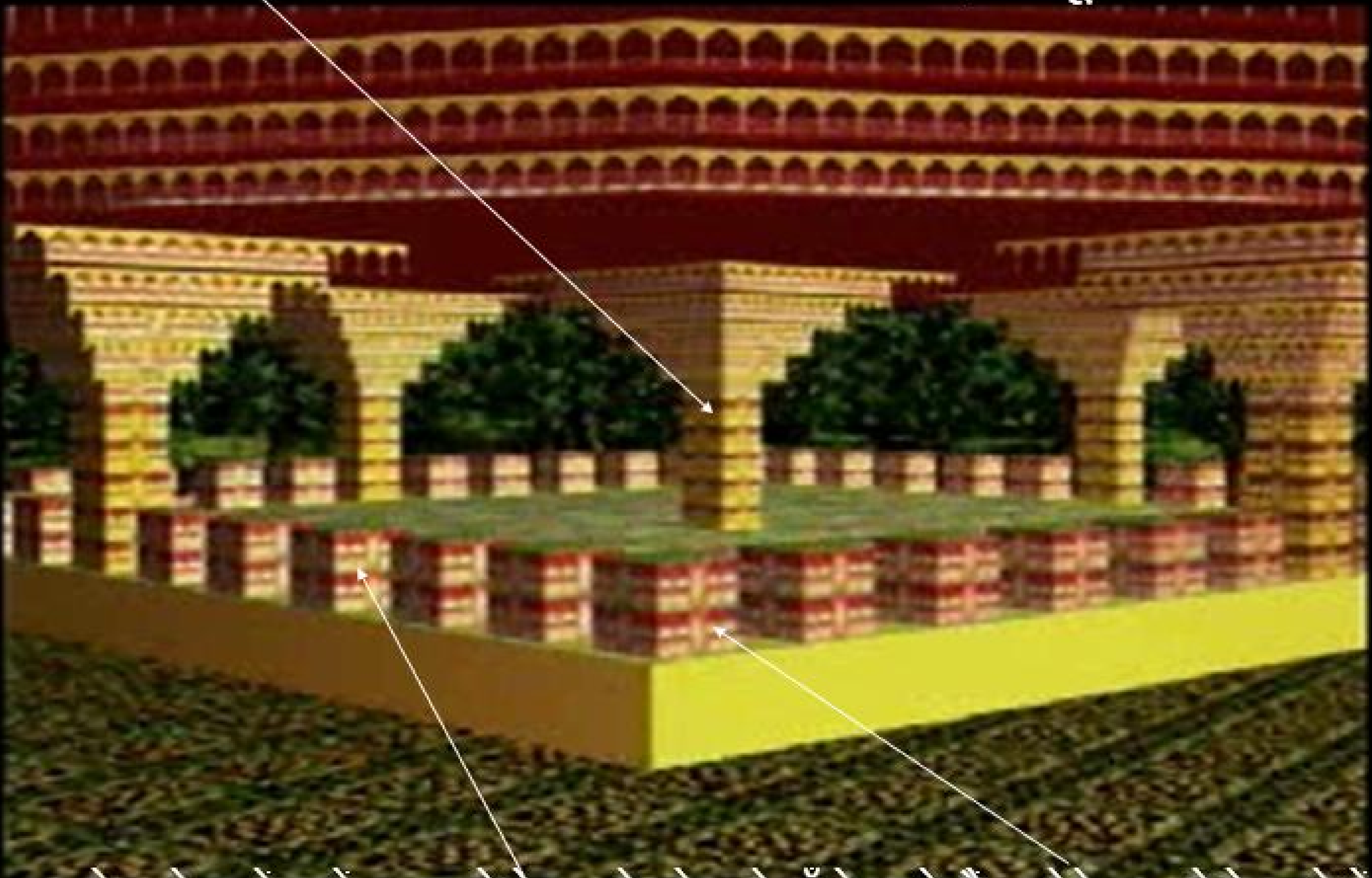

एक पेड़ के दायें बायें 6–6 मोहोल दो भोम के ऊँचे आये हैं। कोने का मोहोल दोनों तरफ से एक ही गिना जाएगा।

Nijanand App

5 पेड़ों की 5 भोम के ऊपर छठी भोम से छज्जे निकलने शुरू होते हैं।

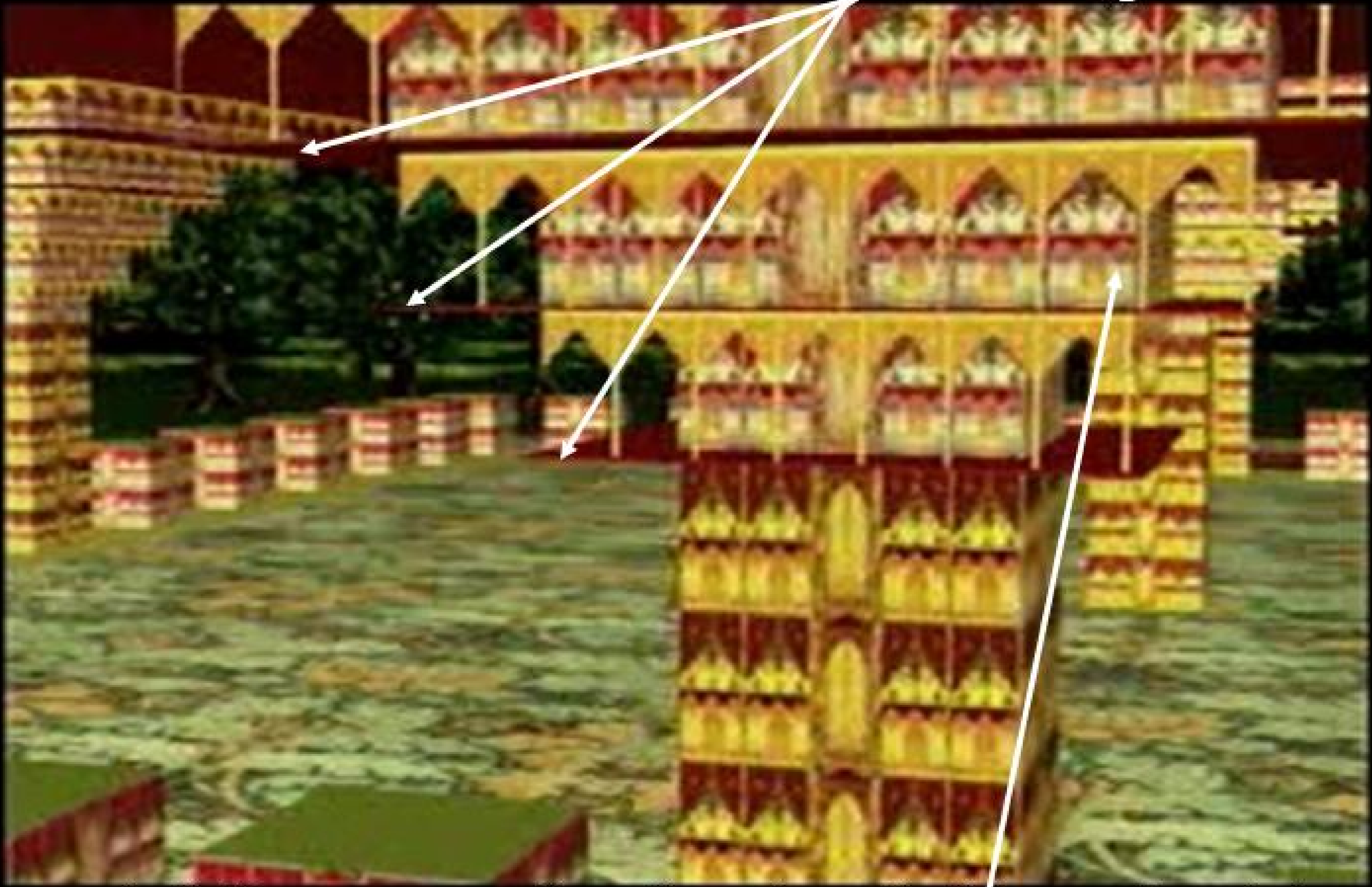

छज्जे के किनार पर थंभ और कठेड़ा और आगे मोहोल बनते जाते हैं।

Nijanand App

250 भोम तक छज्जे निकलते गये हैं उससे आगे सब एक सार हो गया है।

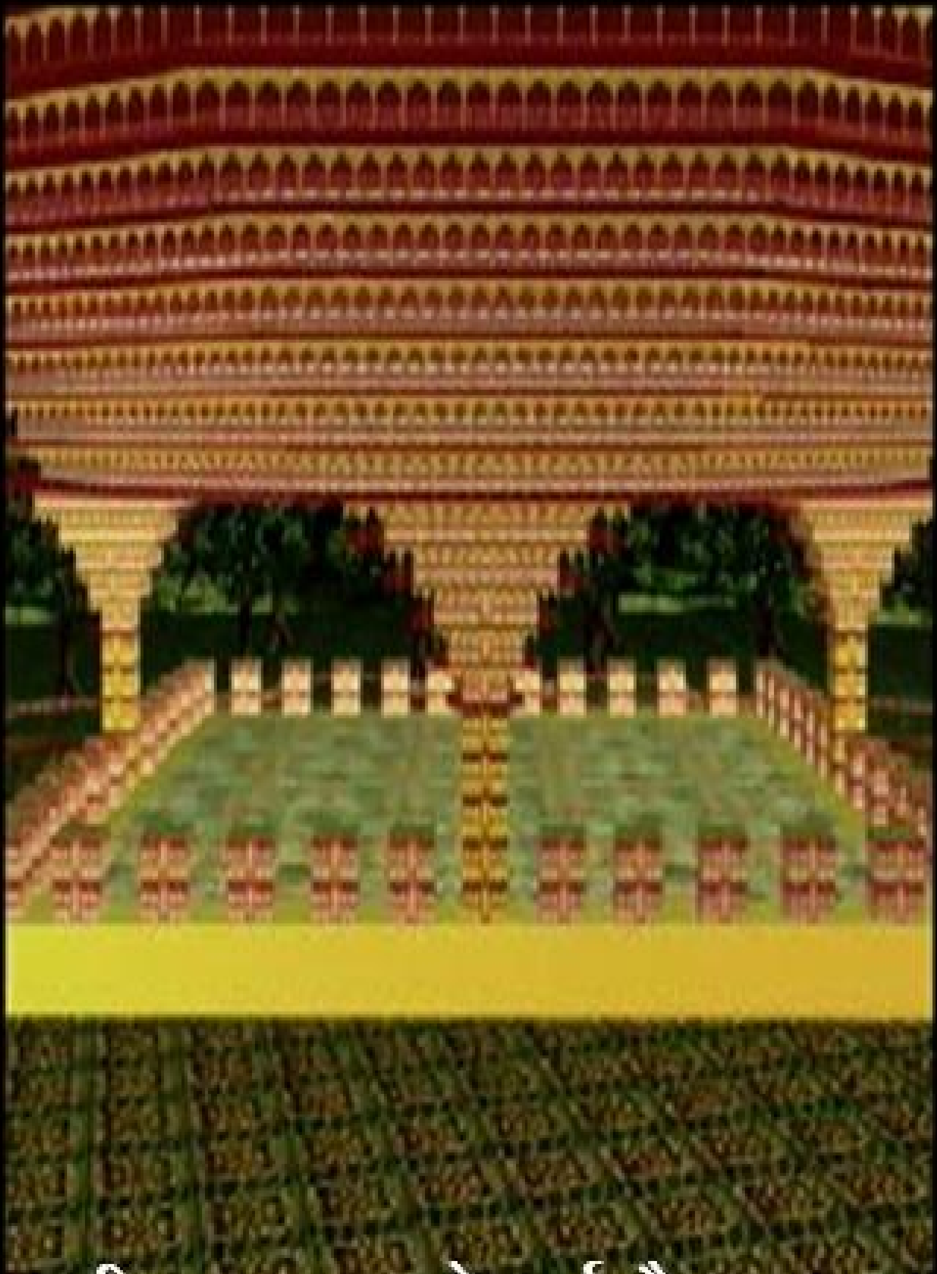

251 वां छज्जा और महावन की छत्री सब एक हो गई है
इससे आगे 750 भोम तक छज्जे गृदवाय बढ़ते गये हैं।

Nijanand App

1000 भोम ऊँचा उठने के बाद पुखराज की चांदनी के किनार पर हजार हांस की मोहलातों की शोभा आई है। चांदनी के बाहरी तरफ 400 कोस का छज्जा निकला है जिसके किनार पर कठेड़ा आया है।

छज्जे के अन्दर 400 कोस का चौड़ा और 1000 हांस की गोलाई में कमरभर ऊँचा चबूतरा आया है।

Nijanand App

एक हांस का ब्यान:– एक हांस में 4 की 4 हारें हवेलियों की

आने से एक हांस में में 16 हवेली आई हैं।

Nijanand App

एक हवेली में चारों दिशा में 200 मोहोलों की हार आई है। भीतरी तरफ थंमों की हार के आगे

बगीचों को पार करके कमरभर ऊँचा चबूतरा आया है। जिसके किनार पर थंमों में झूले आये हैं। अन्दर सुन्दर गिलम, सिंहासन,कुर्सियों की सारी शोभा आई है।

Nijanand App

पुखराज पहाड़ के पश्चिम और उत्तर में दो अति सुन्दर घाटियों की शोभा क बराबर ही आई है। एक घाटी के ब्यान में

घाटी का चबूतरा 400 कोस का चौड़ा और 4 लाख कोस का लम्बा आया है। सीढ़ियों का उतार चढ़ाव 6 लाख कोस का है।

Nijanand App

भोमभर की सीढ़ी चढ़कर चौक में आ गये जिसके आगे एक हांस की लम्बाई है और 400 कोस की चौड़ाई है। 40–40

कोस की दो रौंसे छोड़कर बीच में 320 की जगह बची, इस जगह चौड़ाई तरफ 29 और लम्बाई तरफ 36 मन्दिर आये हैं। यह एक हांस का बेवरा है।

Nijanand App

पश्चिम से पूर्व जब जाते है तो पहली हांस में मन्दिरों की एक ही भोम है दूसरे हांस पर दो भोम, तीसरें हांस पर 3 भोम,

हांस पर दो भोम, तीसरें हांस पर 3 भोम, इसी प्रकार 890 हांसों तक ऐसे ही शोभा बढ़ती गई है।

Nijanand App

5 भोम के बाद छज्जे निकलते हैं और

250 के बाद पुखराज के साथ सारे छज्जे एक सार हो जाते हैं।

Nijanand App

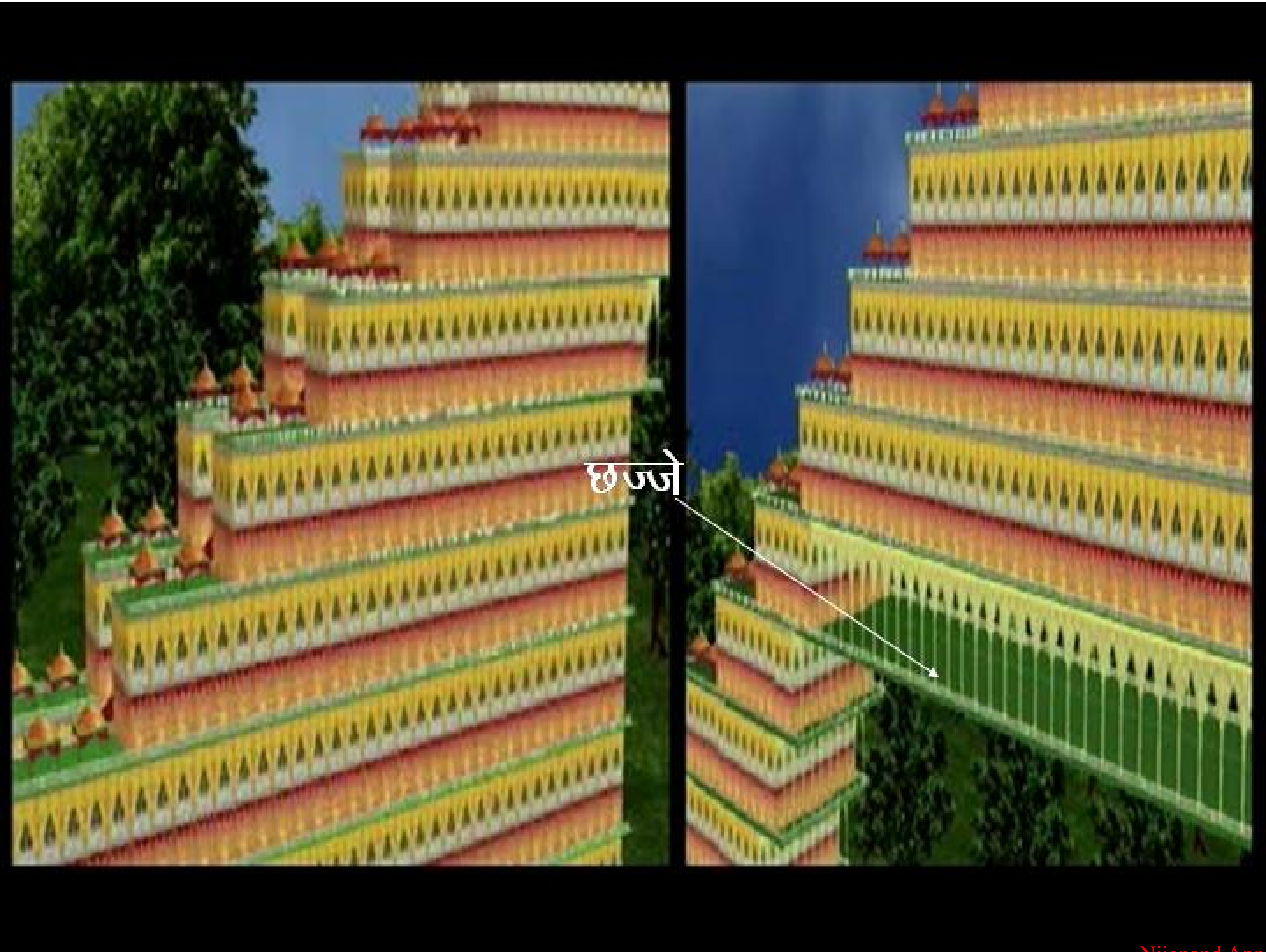

Nijanand App

पश्चिम और उत्तर की घाटी 1000 हांस की मोहलातों के पश्चिम और उत्तर के दरवाजों के साथ मिल जाती हैं।

Nijanand App

Nijanand App

1000 हांस की हवेलियों की ऊँचाई 5 भोम की है पर दरवाजों की 10 भोम और 11वीं चांदनी आई है। 11वीं चांदनी तक चबूतरों के ऊपर चबूतरे आते गए और

दरवाजों के ऊपर मोहोल आये हैं। 11वीं चांदनी के चारों कोनों पर 4 थंभ उठकर देहुरी की शोभा आई है जिस पर गुम्मट,ध्वजा,पताका लगे हैं।

Nijanand App

दरवाजों के साथ जो 5 भोम की ऊँची हवेलियां आई हैं उन सबकी एक छठी चांदनी हो गई जिस पर दोनों किनार पर एक एक भोम की दीवार उठकर ऊपर छत आ गई है।

बीच में जगह खाली है। जो गोल गुर्ज आये हैं वोह भी ऊपर दीवार की चांदनी तक गये हैं, दीवार पर सारी देहुरियों पर गुम्मट और ध्वजा पताका की सारी शोभा आई है।

Nijanand App

1000 हांस के दरवाजें के अन्दर जाने पर आगे बगीचों की शोभा आई है

नहरें चेहेबच्चे फुहारें सब अपनी आभा बिखेर रहे हैं।

Nijanand App

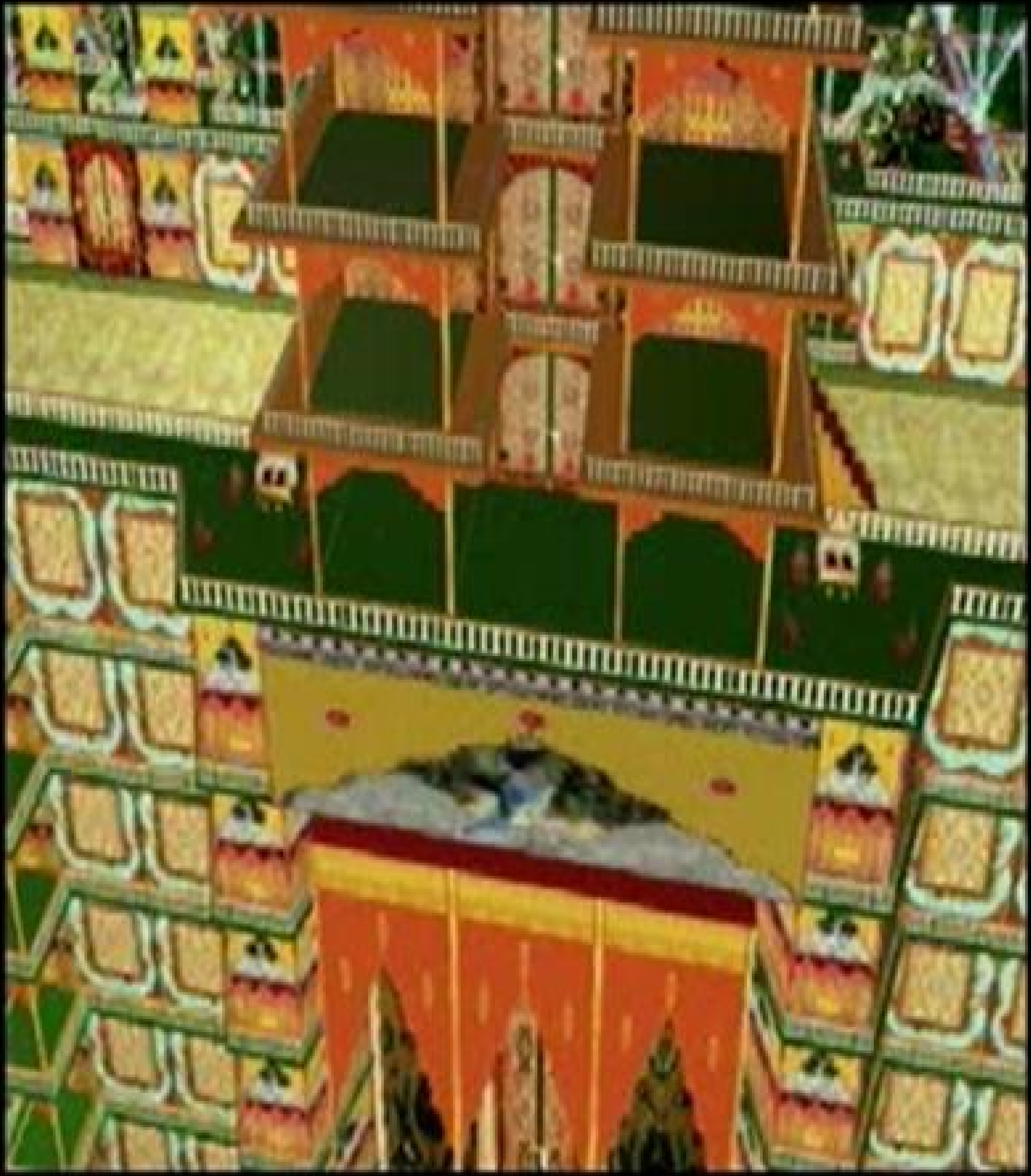

Nijanand App

1000 हांस की चांदनी के मध्य में 44000कोस का लम्बा चौड़ा कमर

भर का चबूतरा आया है। जिस पर आकाशी मोहलातों की शोभा आई है।

Nijanand App

चबूतरे पर 1000 कोस की रौंस के आगे 13 की 13 हारें हवेलियों की आई है।

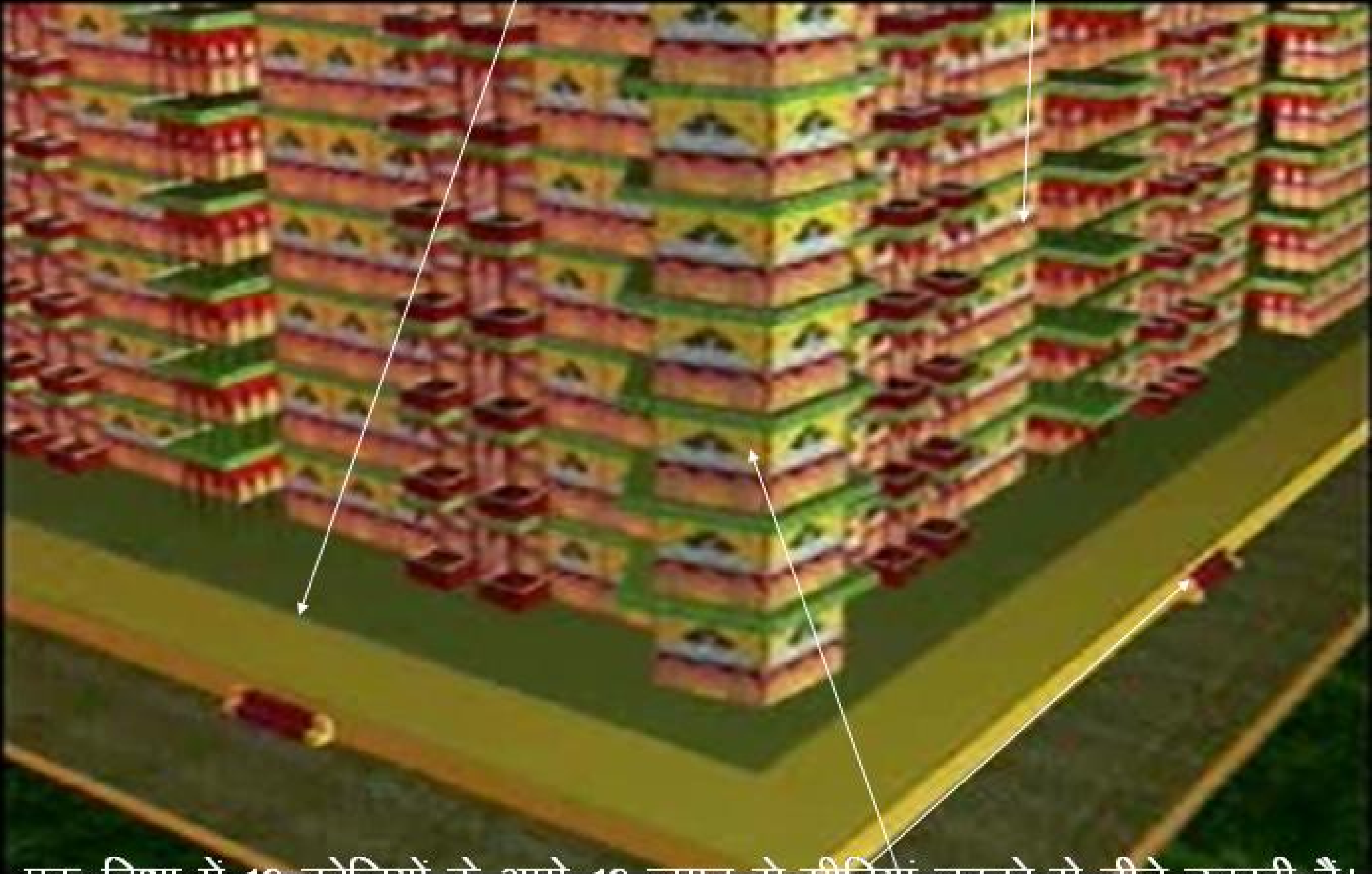

एक दिशा में 13 हवेलियों के आगे 13 जगह से सीढ़ियां चबूतरे से नीचे उतरती हैं।
कोने की हवेली के साथ 5 पहल का गुर्ज आया है।

Nijanand App

13 हार हवेली में एक हवेली से दूसरी हवेली में जाने के

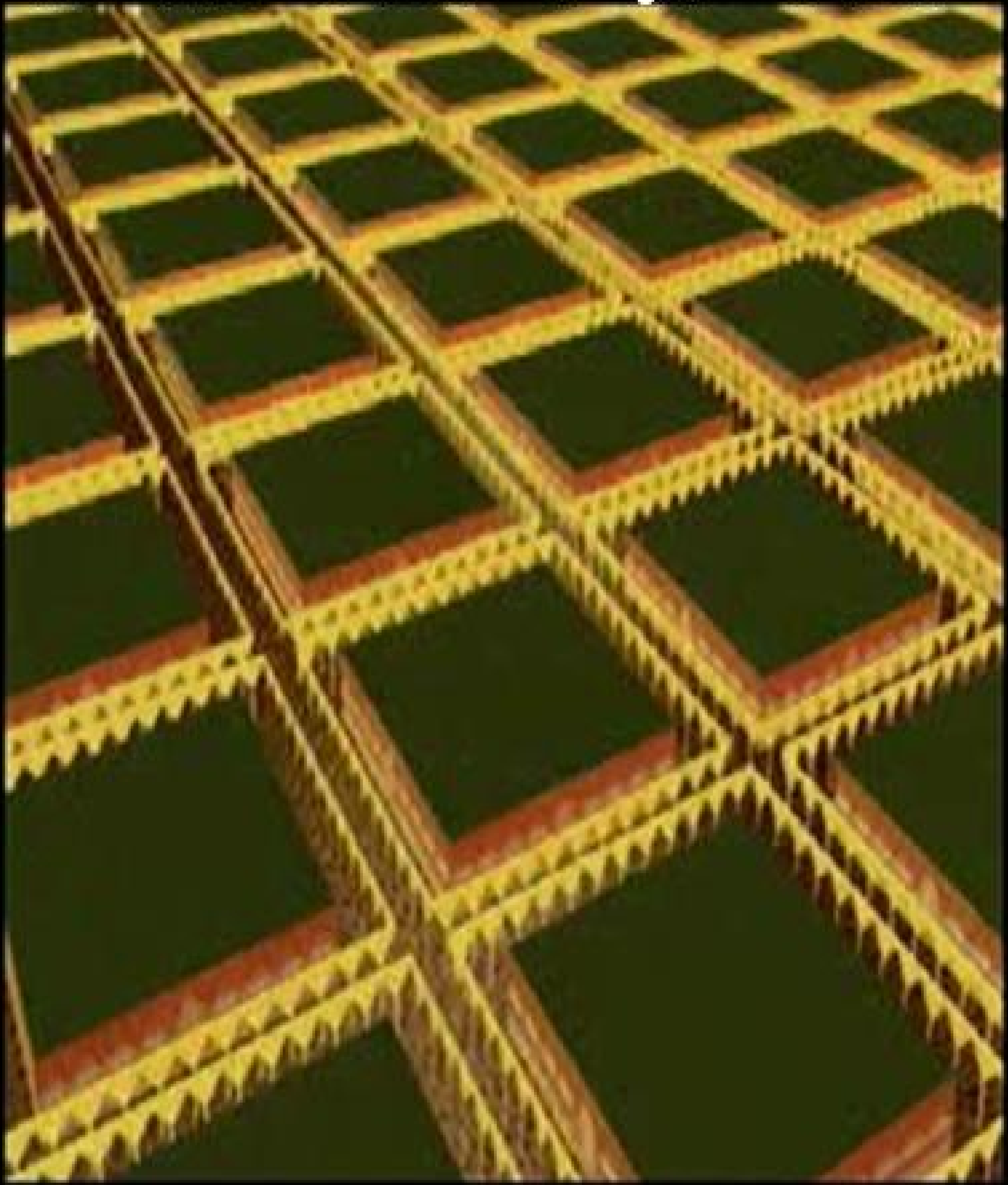

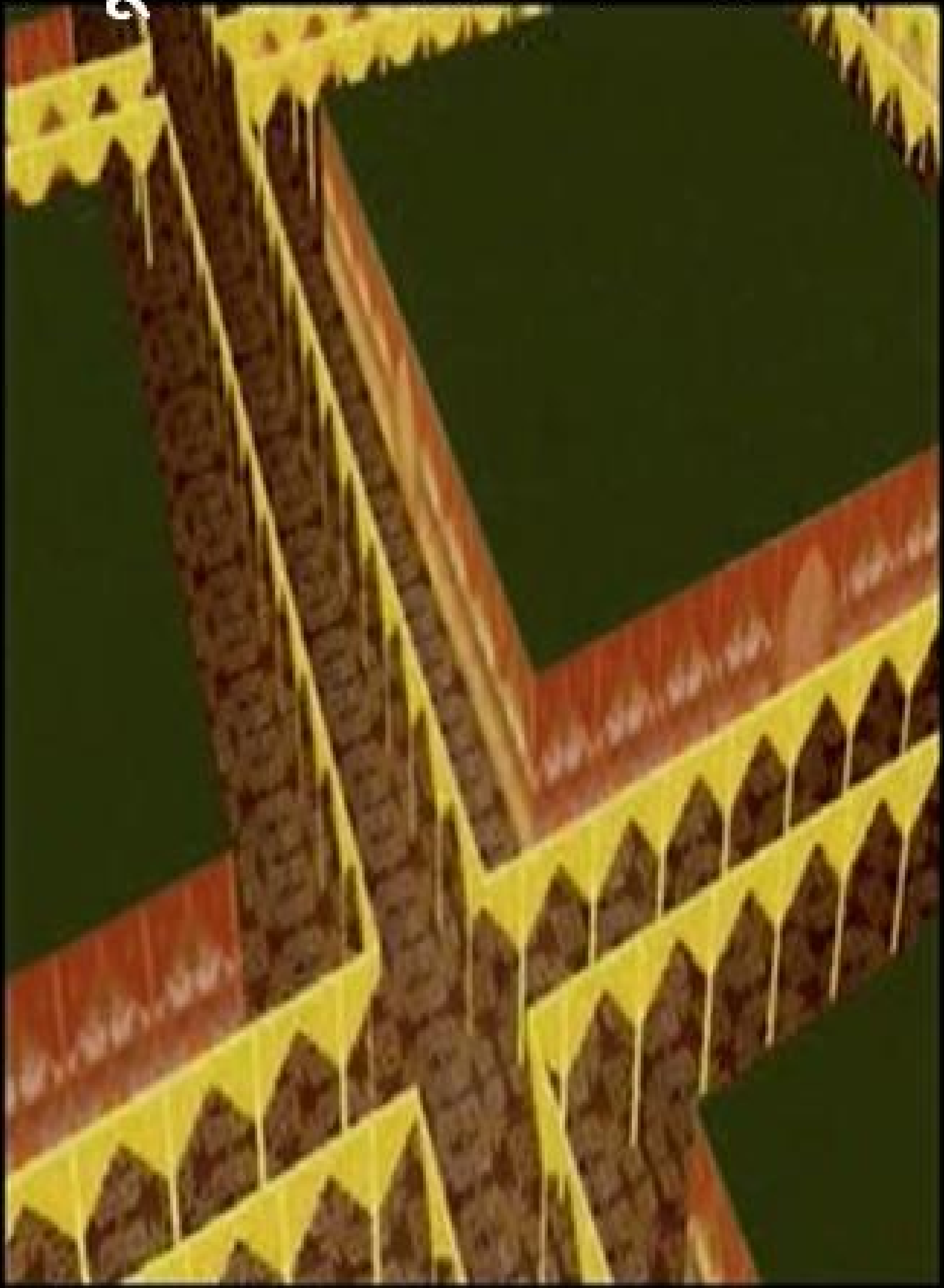

लिए दो थंभों की हार और तीन गलियों की शोभा आई है।

Nijanand App

एक हवेली के चार दिशा में 4 दरवाजे,दायें बायें 4–4 मोहोल और दरवाजे के दायें बायें दो चबूतरों की शोभा है। अन्दर एक थंभों की हार को पार करके कमरभर नीचे बगीचे

और फिर आगे कमरभर ऊपर चढ़कर मध्य में एक चौरस चबूतरे के किनार पर थंभों के बीच झूले और चबूतरे पर गिलम सिंहासन सब आये हैं।

Nijanand App

आकाशी मोहलातों की 1000 भोम की ऊँचाई आई है।

दरवाजे के चबूतरों के आगे से ऊपर जाने के लिए सीढियों की शोभा आई है जिससे ऊपर हर भोम में जा सकते हैं।

Nijanand App

Nijanand App

मध्य के चबूतरे के नीचे से जो 5 पेड़ों में से बीच वाला पेड़ स्तून के रूप में यहीं पर आकर खुला है।

चबूतरे के नीचे सारी बाग बगीचों की शोभा आई है।

Nijanand App

आकाशी मोहलातों की चांदनी पर मध्य में एक कमरमर का चबूतरा जिसपर गिलम सिंहासन सब आये हैं।

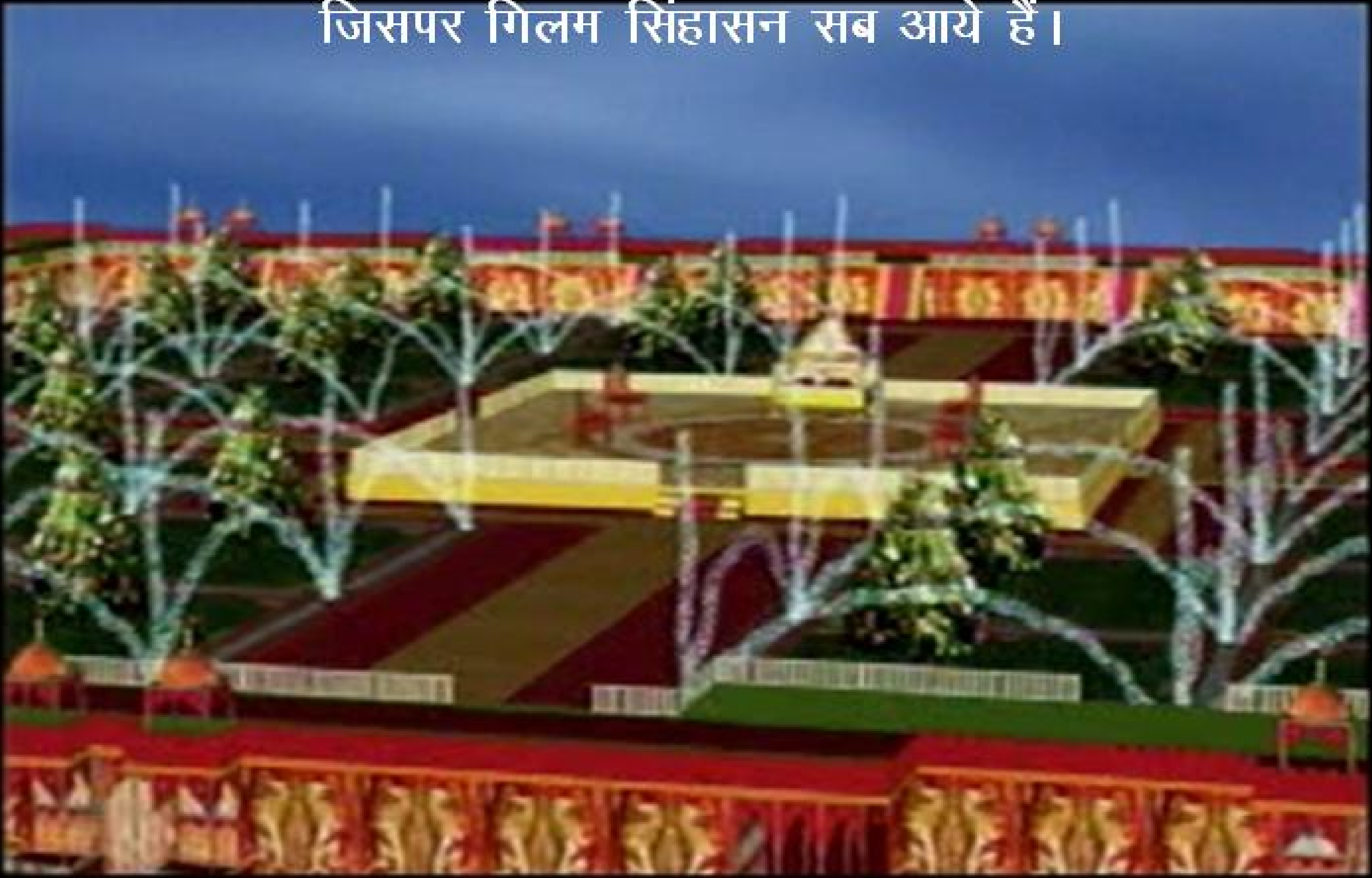

Nijanand App

चांदनी के किनार पर एक भोम भर की दीवार परिकरमा के लिए उठी है।
जिसपर 104 चौखुटे गुर्जों की शोभा है।

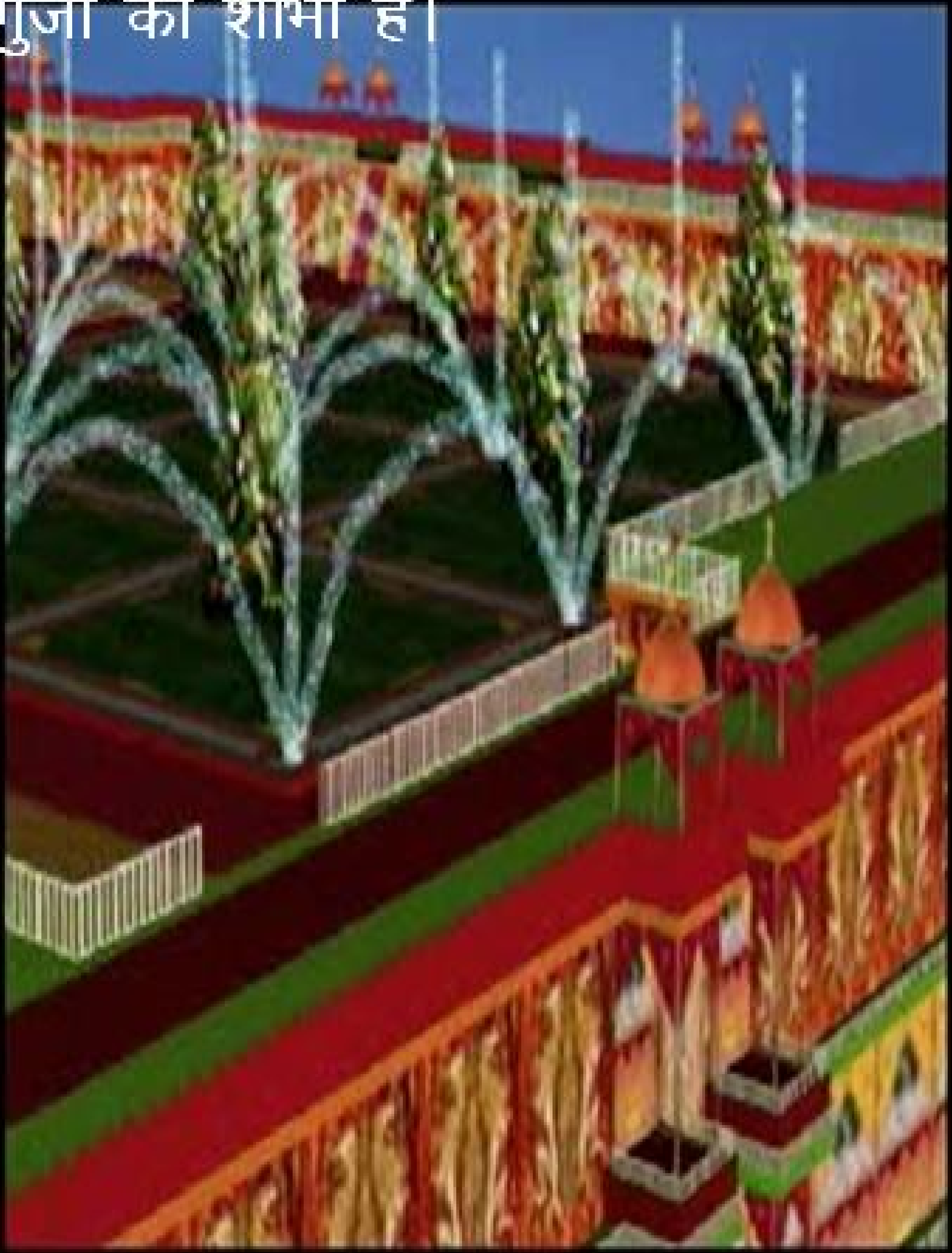

Nijanand App

पुखराज पहाड़ के पूर्व में बंगला की शोभा आई है

बंगले का भोमभर का एक चबूतरा 4 लाख कोस की गृद में 1000 हांस का चौरस उठा है।

Nijanand App

हांस हांस में गुर्जों के बीच में नीचे बंगला की

तरहटी में जाने के लिए दरवाजों की शोभा आई है।

Nijanand App

तरहटी में 400 कोस की रौंस पर सीढ़ियां उतरती हैं,

आगे कमरभर नीचे वन की रौंस के आगे गोलाई में 1000 और चौड़ाई में 38 बगीचों की हार आई है।बगीचों के मध्य में फीलपायों की शोभा आई है।

Nijanand App

बगीचों की रौंस के आगे कमरभर ऊँची मोहलातों की रौंस 400 कोस में आई है।
1000 की गोलाई में चौड़ाई तरफ 39 मोहलातों की हारें आई है।

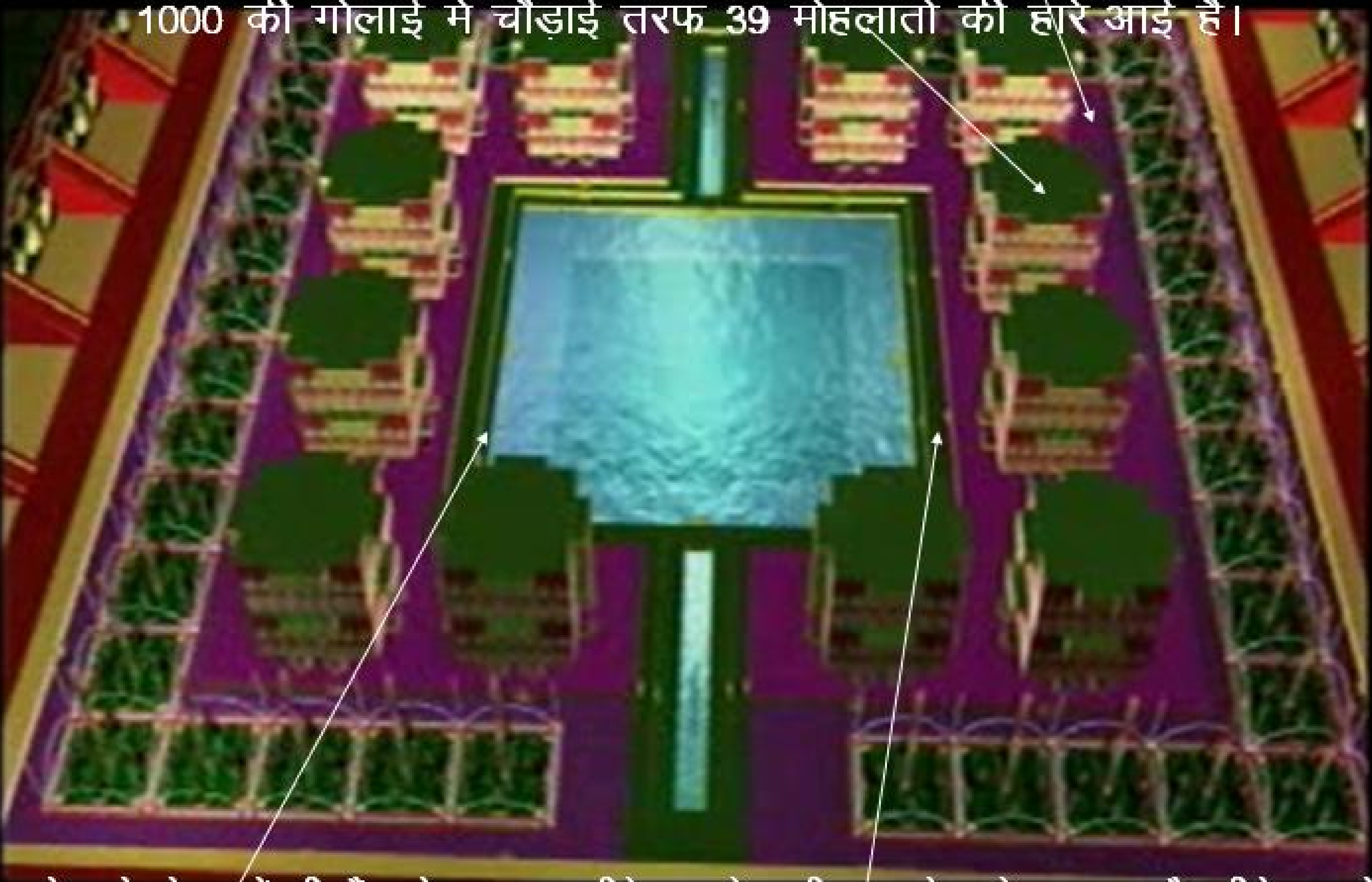

इससे आगे मोहलातों की रौंस से कमर भर नीचे 400कोस की पाल के आगे कमरभर और नीचे 100कोस
की ताल की रौंस आई है,आगे 33400 कोस में ताल की शोभा आई है,सारी शोभा 2 मोम की आई है।

Nijanand App

बंगला का चबूतरा 1 लाख कोस का लम्बा चौड़ा आया है। किनार पर कठेड़ा और आगे 400 कोस की रौंस चारों ओर फिरी है।

रौंस के आगे 5 वृक्ष बड़ोवन के फिर 4 वृक्ष फीलपायों के, फिर 5 वृक्ष बड़ोवन के यह सब 14 हुए जिनकी 13 सन्धें आती हैं।

Nijanand App

इन सबकी ऊँचाई एक ही भोम की है

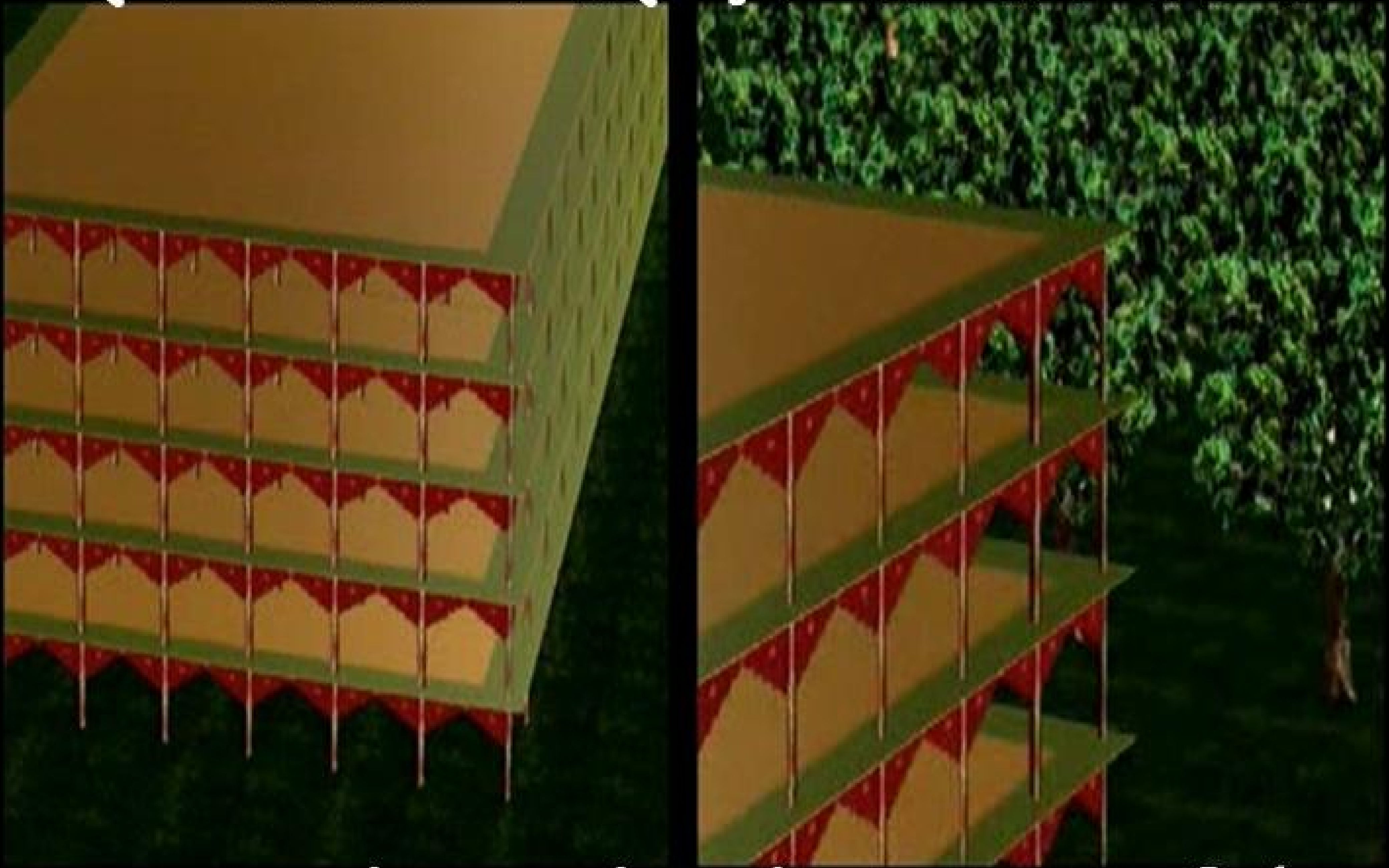

पर एक भोम 5 भोम के बराबर आई है।

Nijanand App

इससे आगे कमरभर नीचे बंगलों की जमीन 33400 कोस में आई है। पहले 125 कोस की रौंस पर सीढ़ियां उतरी है, आगे 320 कोस में बंगला आया है

फिर 25 कोस में नहर फिर 320 कोस में चेहेबच्चे की शोभा आई है। कुल 48 बंगले और 48 ही चेहेबच्चे आये हैं।

Nijanand App

एक बंगला 1600 मन्दिर का आया है। जिसमें 800 मन्दिर का लम्बा चौड़ा चबूतरा भोम भर का उठा है। चबूतरे के निार पर थंभों की हार आई है एक दिशा में 160 थंभ हैं।

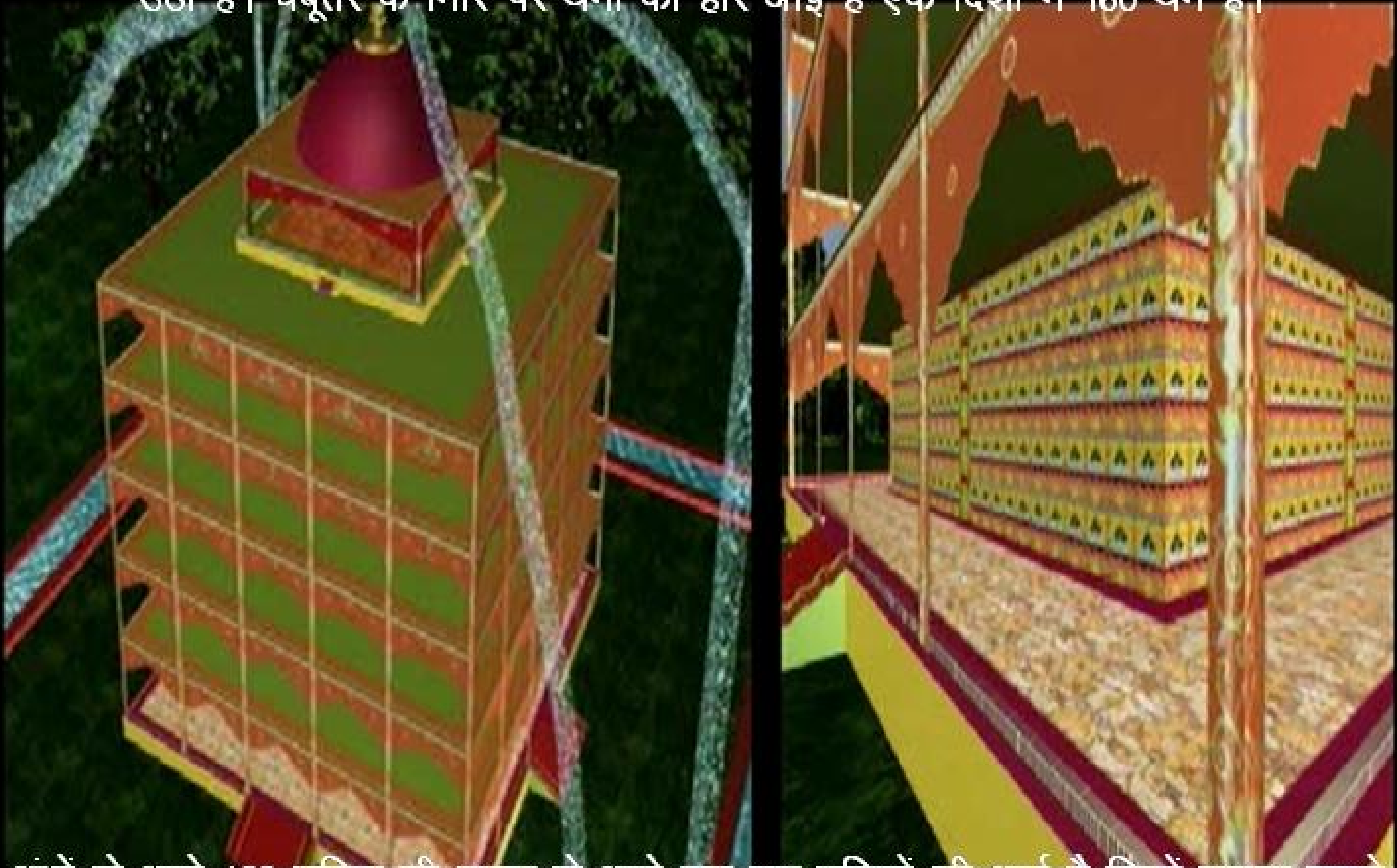

थंभों के आगे 100 मन्दिर की जगह के आगे एक हार मन्दिरों की आई है जिन्हें दरबार करके कहा है। मध्य में दरवाजे के दायें बायें 300–300 मन्दिर आये हैं।

Nijanand App

भीतर थंभों की हार पार करके कमरभर ऊँचे चबूतरे के किनार पर थंभ,

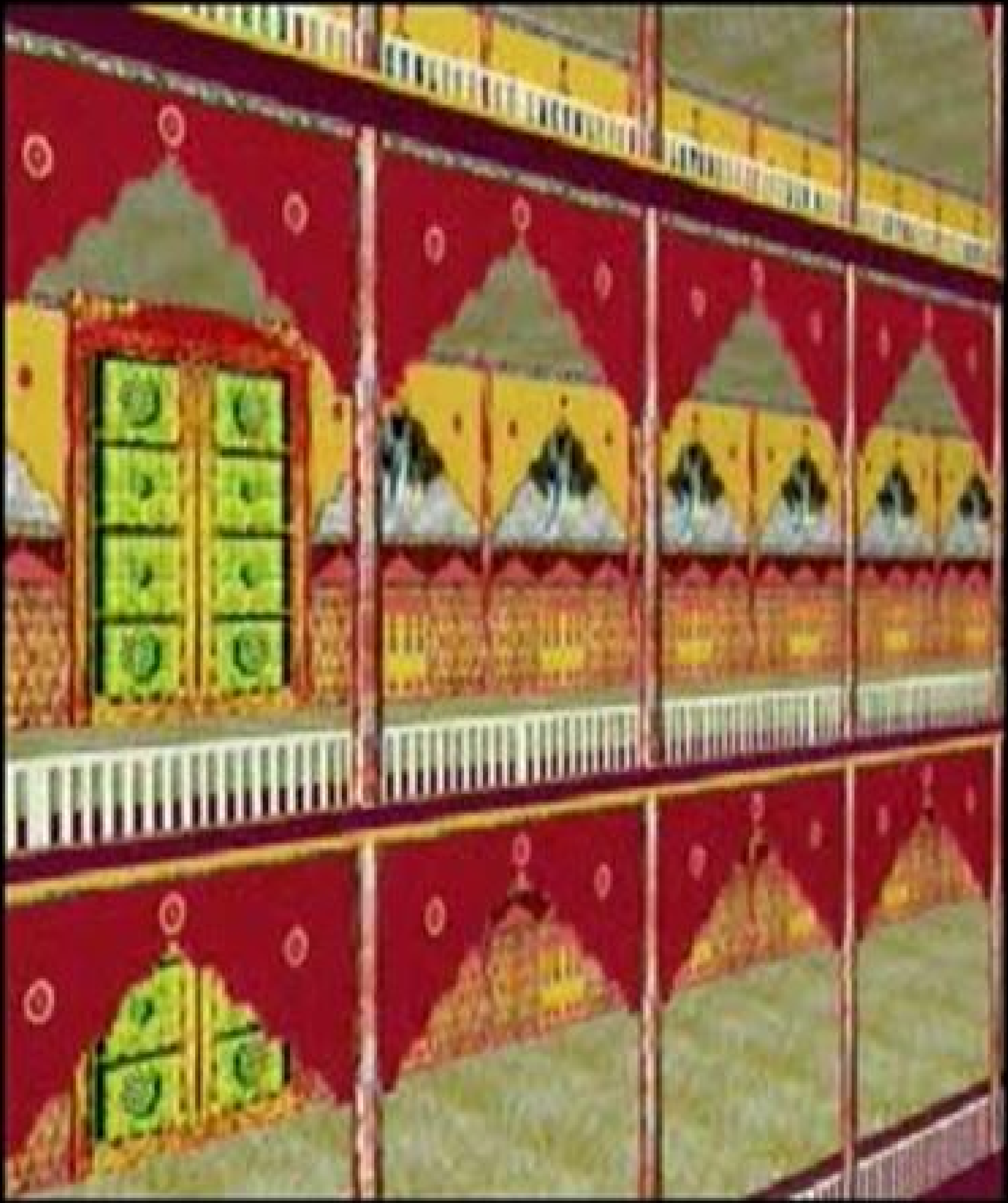

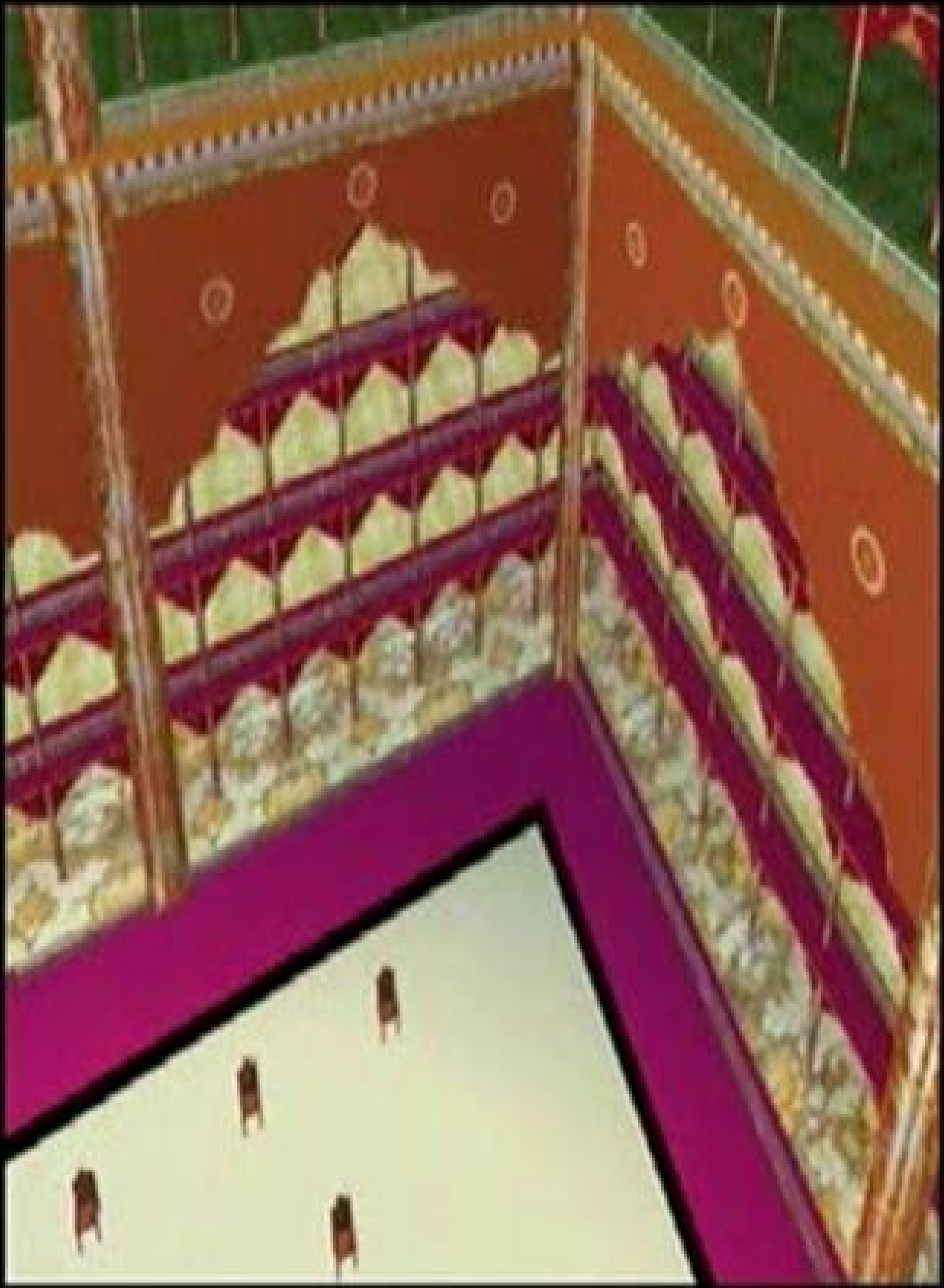

बीच में गिलम, सिंहासन सारी शोभा आई है।

Nijanand App

बंगलों की 5 भोमें आई है पर बंगलों की एक भोम में ही 5 भोमों की शोभा आई है

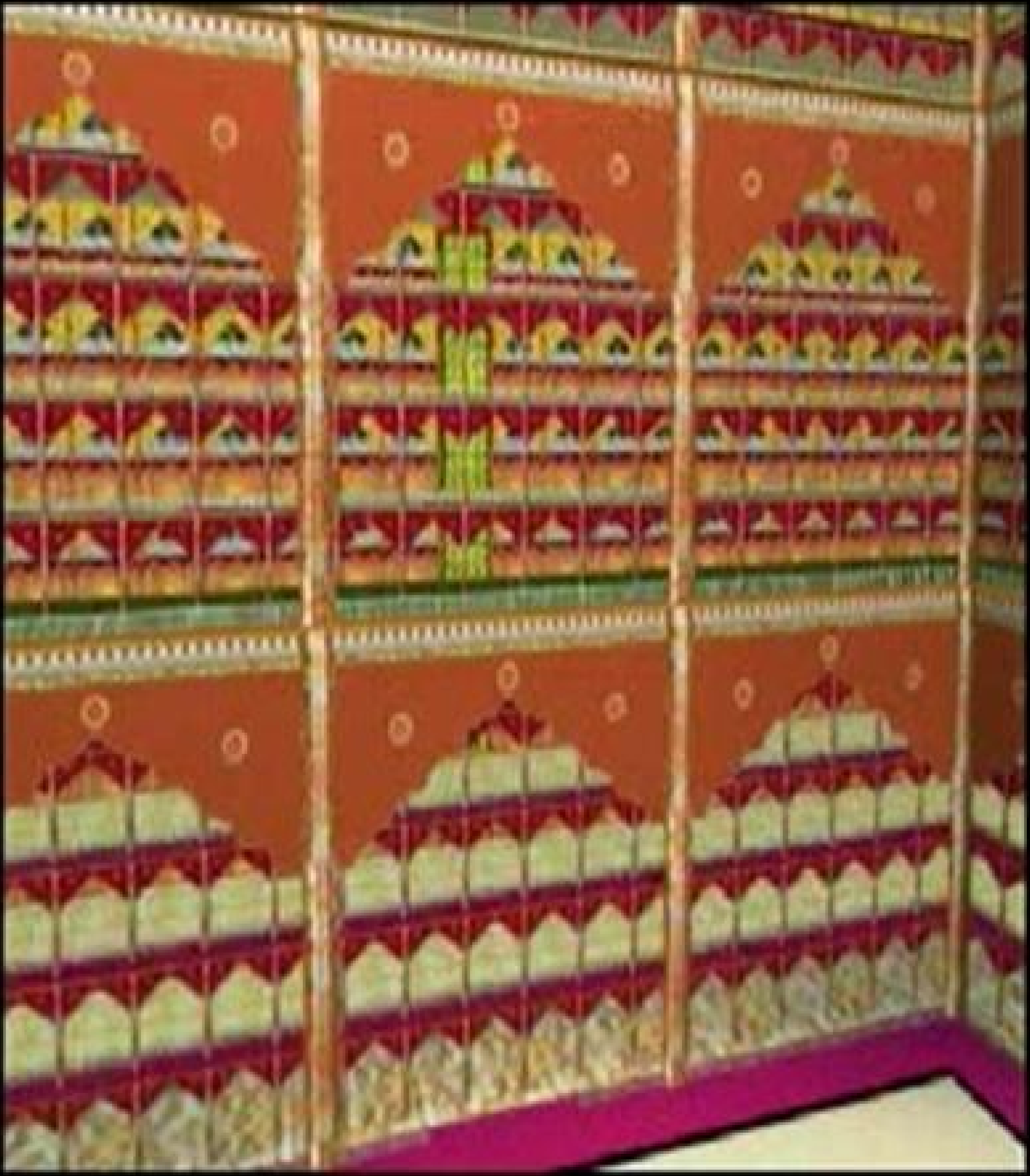

Nijanand App

बंगले के चारों ओर बाग बगीचों की शोभा आई है। इन सबकी और बंगलों की सब छत एक ही आई है।

बंगले की चांदनी के मध्य में 600 मन्दिर का चौरस चबूतरा कमरभर ऊँचा आया है चारों कोनों पर 4 थंभ ऊपर गुम्मट, कलश ध्वजा पताका सारी शोभा आई है

Nijanand App

एक बंगले के चारों कोनों पर 4 छोटे चेहेबच्चे आये हैं जिनके फुहारे चारों ओर से उठ कर

बंगला की चांदनी के चबूतरे के गुम्मट के कलश की नोक में कमान रूप से निकलते हैं

Nijanand App

एक चेहेबच्चा 1600 मन्दिर का लम्बा चौड़ा आया है। जिसके मध्य में 800 मन्दिर का एक भोम भर का चबूतरा उठा है

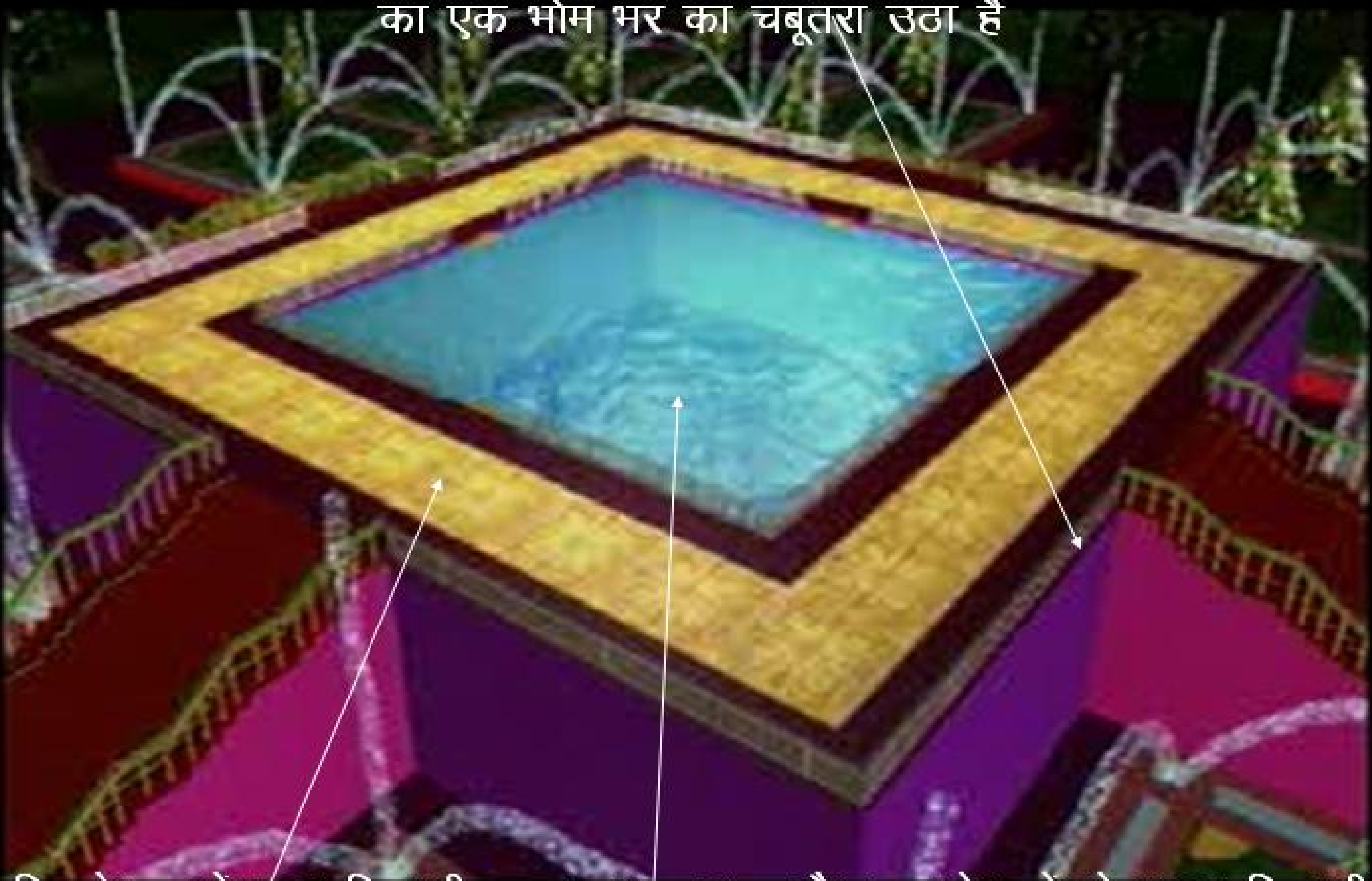

जिसके मध्य मे 600 मन्दिर की जगह पर ताल आया है। ताल के चारों ओर 100 मन्दिर की रौंस आई है। ताल के नीचे चारों ओर बगीचों की शोभा आई है।

Nijanand App

बंगले के चबूतरे के पूर्व में मध्य में देहेलान की शोभा आई है जिस कारण यहाँ वृक्ष और फीलपाये कम आये हैं।

यह देहेलान अधबीच के कुण्ड की पश्चिम में पाल के साथ तक गई है। देहेलान में चौड़ाई तरफ 8 थंम आये हैं,जिनमें 7 मेहराबें हैं एक मेहराब 1250 कोस की आई है।

Nijanand App

5भोम पर वृक्षो फीलपायो, बंगलो, चेहेबच्चों की सब एक छत आ जाती है। यहाँ चांदनी के मध्य भाग में 12000 कोस का लम्बी और 400 कोस की चौड़ी एक देहेलान की शोभा आई है जिसके बाहरी तरफ थंभ और भीतरी

तरफ दीवार आई है।इस दीवार के भीतर पानी का कुण्ड आया है। देहेलान की एक भोम की चांदनी से छज्जे निकलने शुरू होते हैं जो 250 भोम तक जाते है आगे थंभ पीछे मोहोलों की शोभा आती जाती है।

Nijanand App

देहेलान की शोभा भी ऊपरा ऊपर ऐसे ही पुखराजी ताल के पूर्व में आती जाती है।

Nijanand App

251 भोम पर देहेलान का और पश्चिम में पुखराज का छज्जा मिल सब एक हो जाते है। इस तरह से पुखराज का छज्जा पूर्व में देहेलान के साथ, उत्तर पूर्व में घाटी के साथ और पश्चिम में महावन के वृक्षों के साथ मिलता है।

देहेलान की 250 भोम के बाद 730 भोम तक सीधी दीवार उठी है जिसके किनारे पर छज्जे निकलते हैं 980 भोम के ऊपर ताल को छोड़ कर बाकी में सारी चांदनी की शोभा आई है।

Nijanand App

980 मोम के ऊपर पुखराजी ताल की चांदनी आई है 4 लाख कोस की गृद में किनार पर 400 कोस के छज्जे से कमस्मर सीढ़ी चढ़ कर पाल पर आते है। इससे आगे 400 कोस की रौस को पार कर 5 वृक्ष बड़ोवन के आते है,

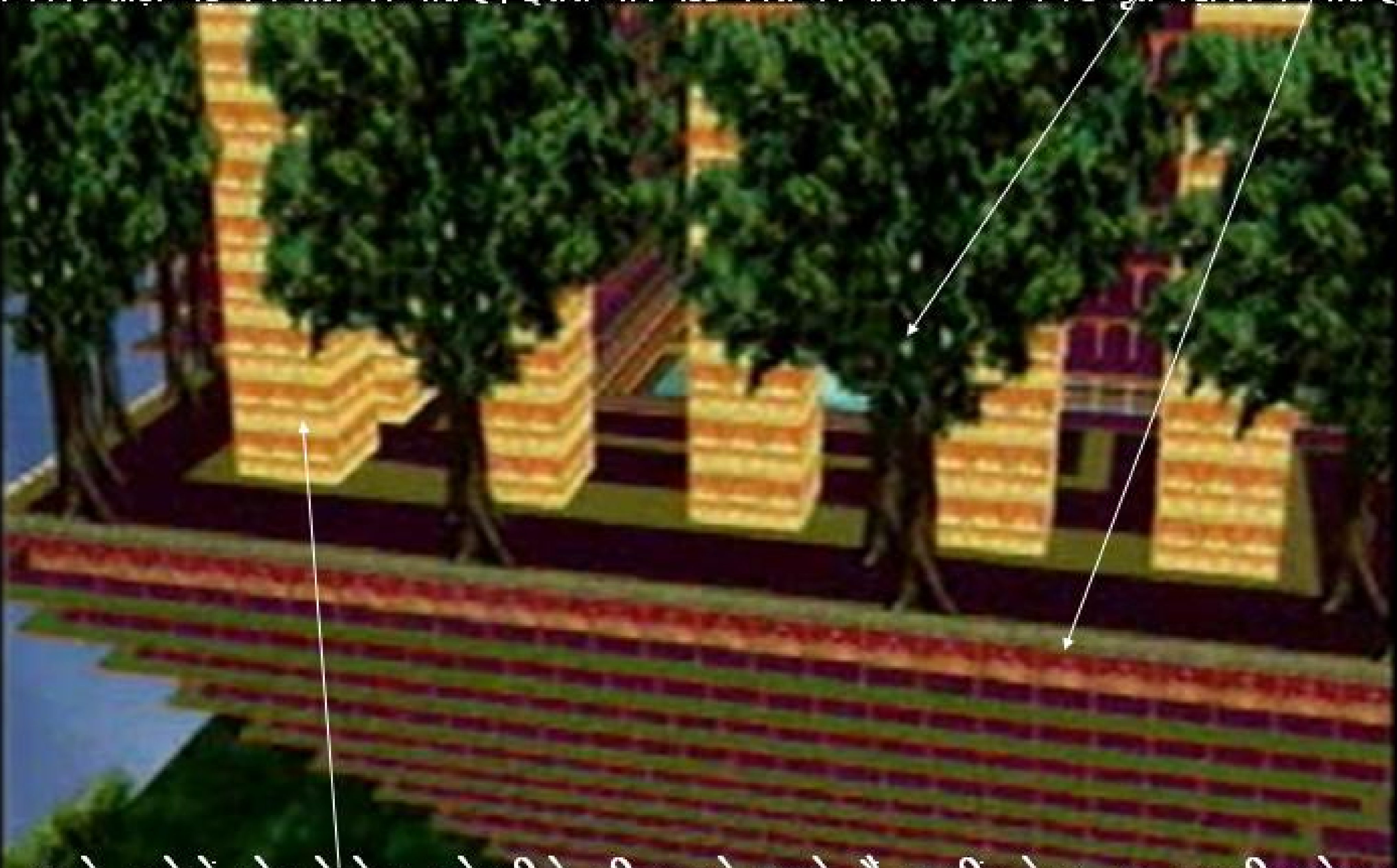

आगे जवेरों के मोहोल जो नीचे फीलपाये आये है उन्हीं के ऊपर इनकी शोभा आई है। दो मोहोलों के बीच दो थंभों की हार और तीन गलियों की शोभा है।

Nijanand App

हरेक मोहोल के अन्दर थंभों की हार, कमरभर ऊपर चबूतरे के किनार पर थंभ, गिलम, सिंहासन सारी शोभा आई है।

मोहालों के आगे फिर 5 वृक्ष बड़ोवन के आये हैं। इन सबकी 20 भोम और 21वीं चांदनी आई है।

Nijanand App

पुखराजी ताल की चांदनी के मध्य में 33200 कोस का ताल आया है।

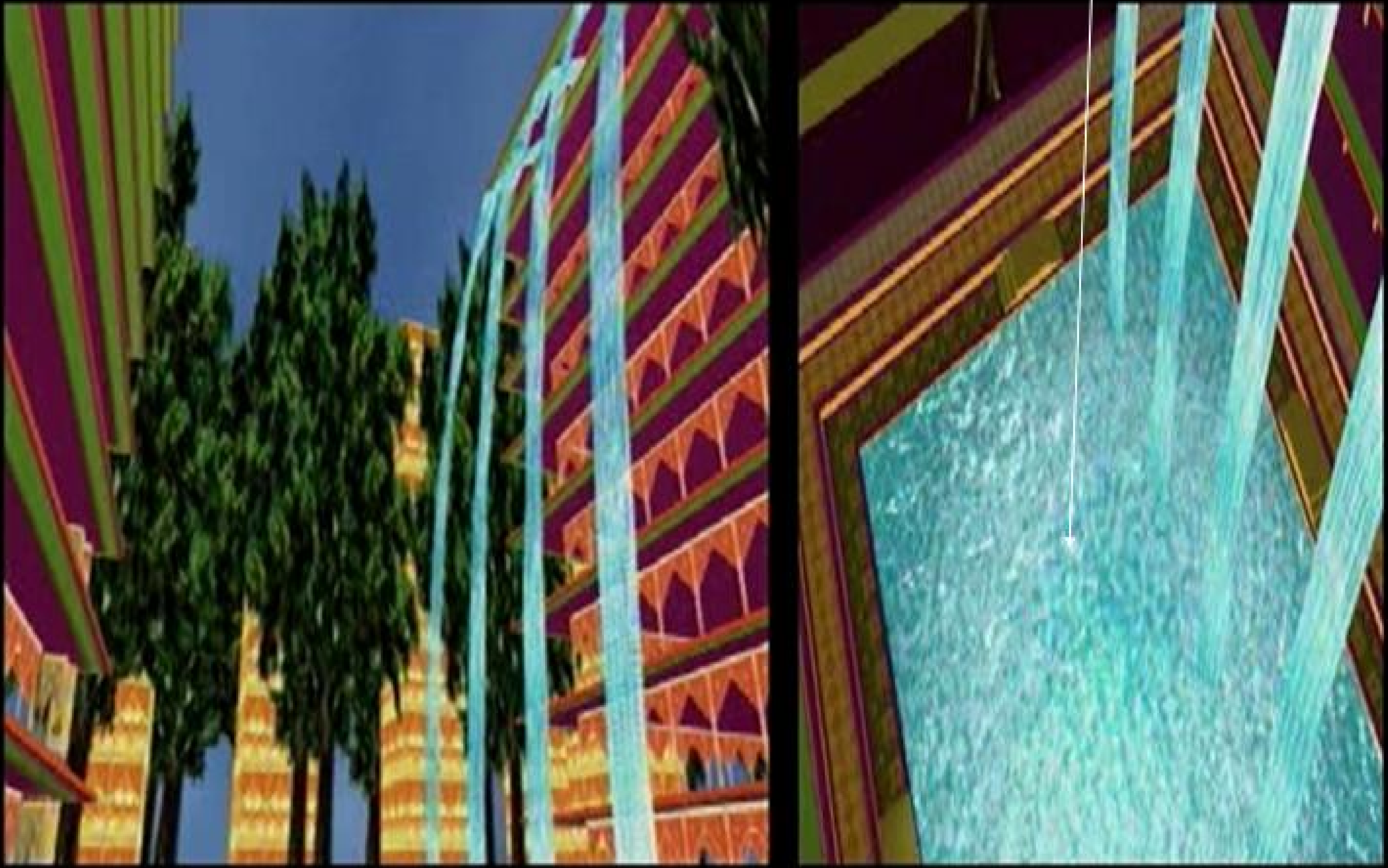

जिसमें 20 भोम ऊपर से पानी 4 धाराओं में गिरता है।

Nijanand App

ताल के पश्चिम में 32500 कोस की लम्बी और 8750 कोस की चौड़ी देहेलान आई है।

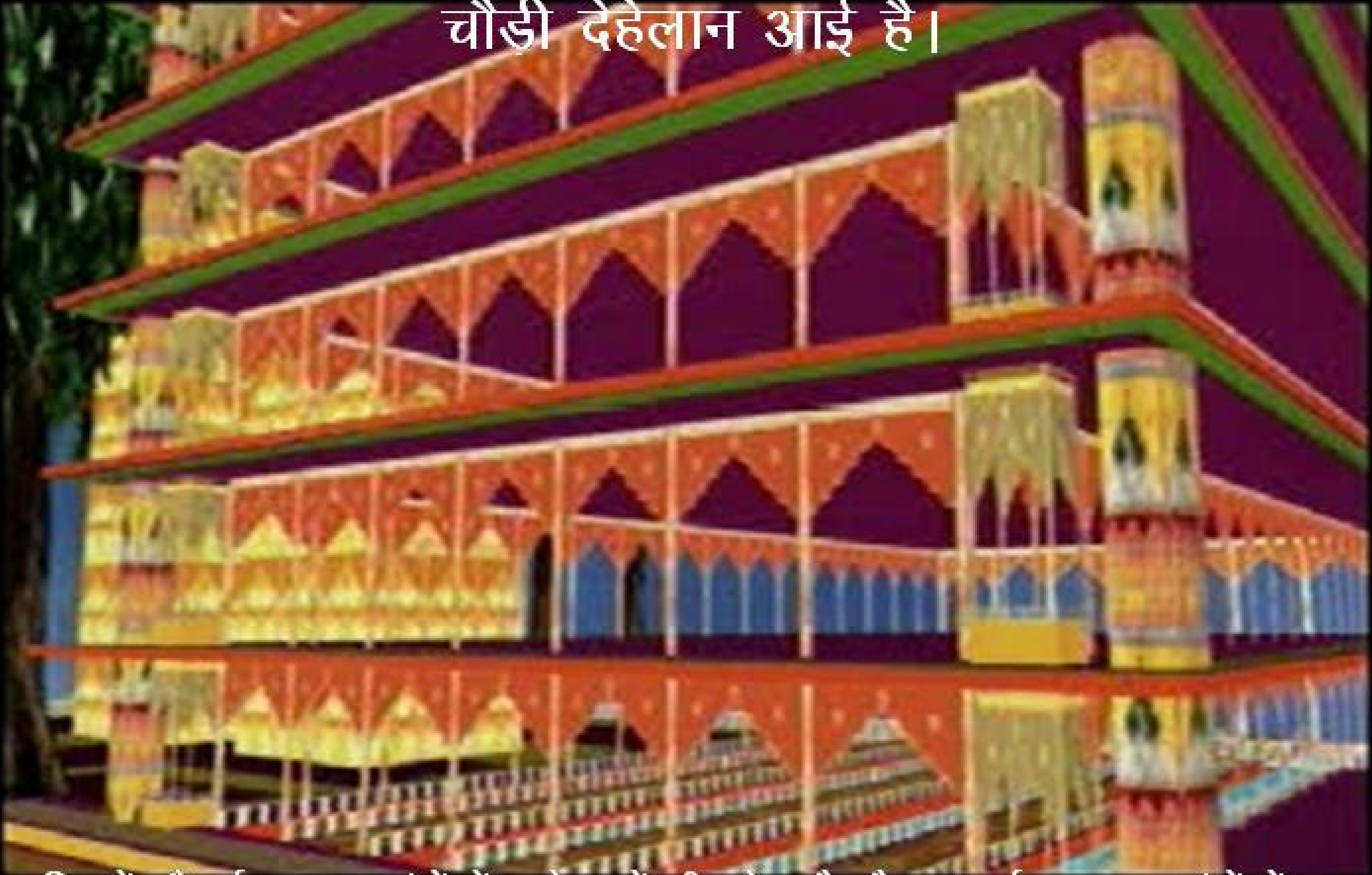

जिसमें चौड़ाई तरफ 8 थंभों में 7 मेहराबों की शोभा है और लम्बाई तरफ 14 थंभों में 13 मेहराबें आई हैं। 1250 कोस में एक मेहराब की शोभा है।

Nijanand App

इस देहेलान के आगे पीछे 400 कोस की रौंस आई है। देहेलान, वृक्ष और जवेरों के मोहोलों की सब एक ही छत आई है।

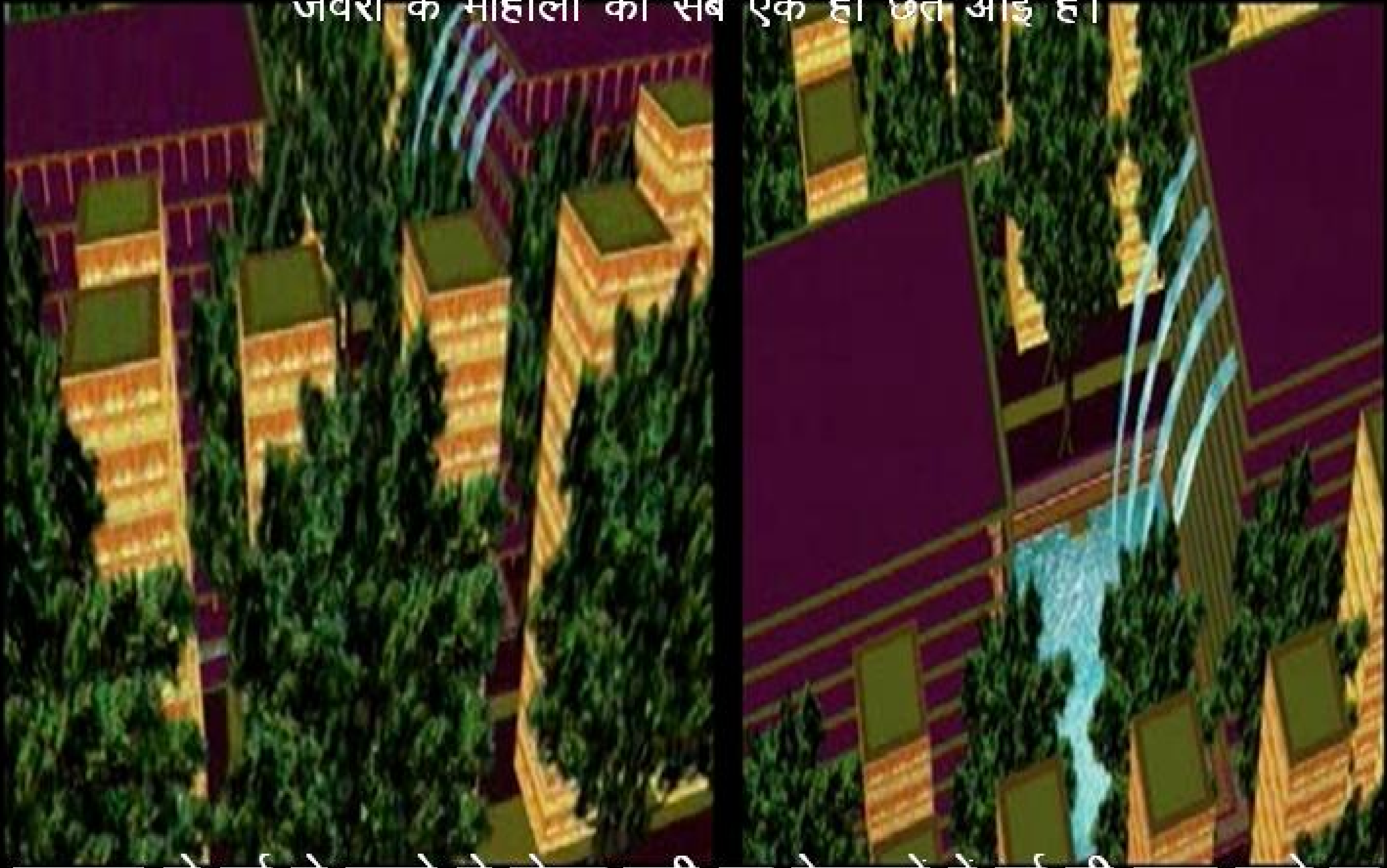

पुखराज के पूर्व के छज्जे से होकर पानी इन देहलानों में पूर्व की तरफ जाते हुए 20 भोम ऊपर से 4 चादरों के रूप में पानी पुखराजी ताल में गिरता है।

Nijanand App

पुखराजी ताल के पूर्व में भी ऐसे ही देहेलान आई है।

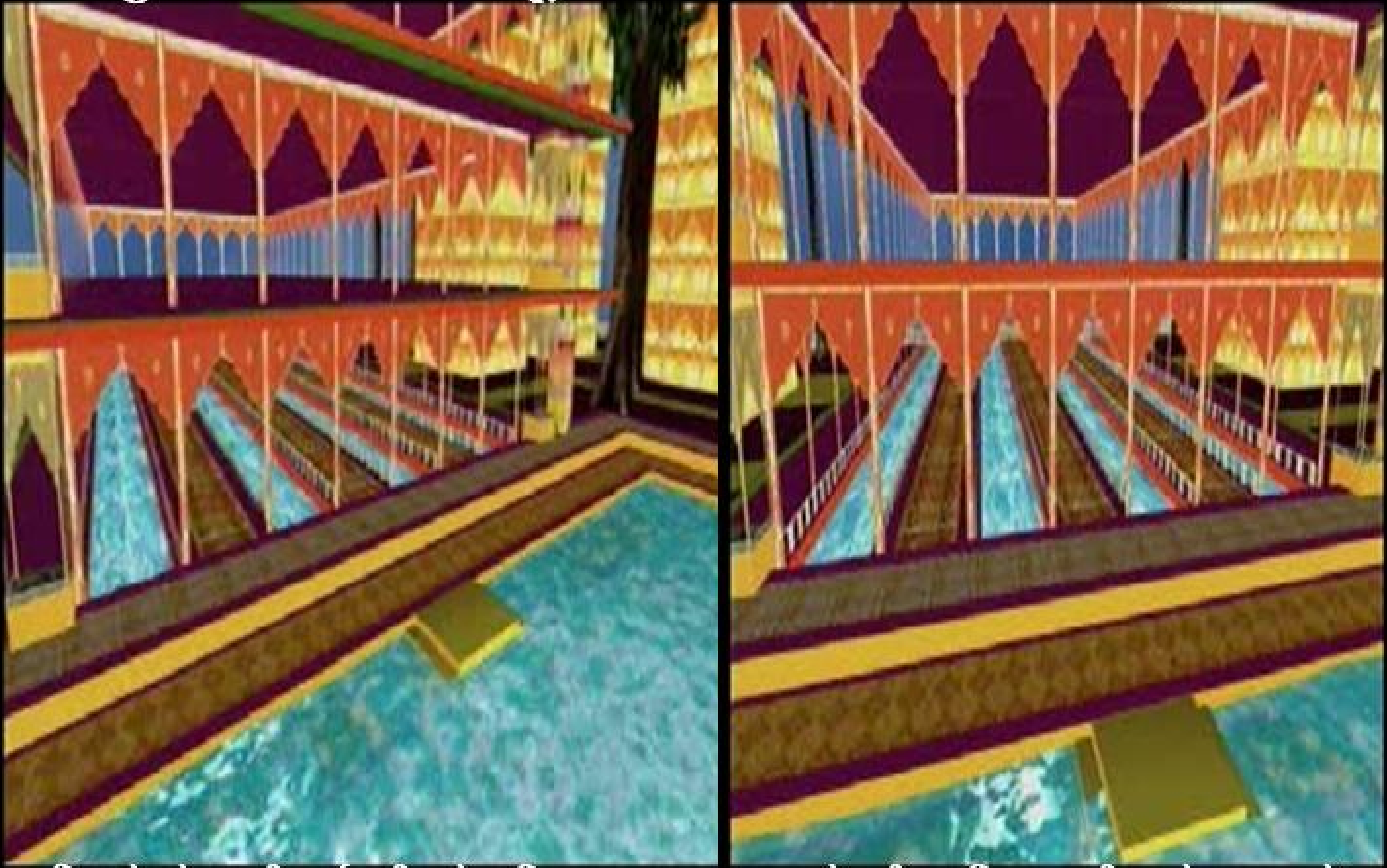

जिसमें से पानी पूर्व की ओर निकल कर 16 झरनों की भान्ति अधबीच के कुण्ड में गिरता है।

Nijanand App

पुखराज के छज्जे के पूर्व से पानी निकल कर पुखराजी ताल

में गिरता है फिर पूर्व की देहेलान से होते हुए अधबीच के कुण्ड में गिरता है।

Nijanand App

बंगला के पूर्व में भोम भर के ऊँचे चबूतरे पर अधबीच का

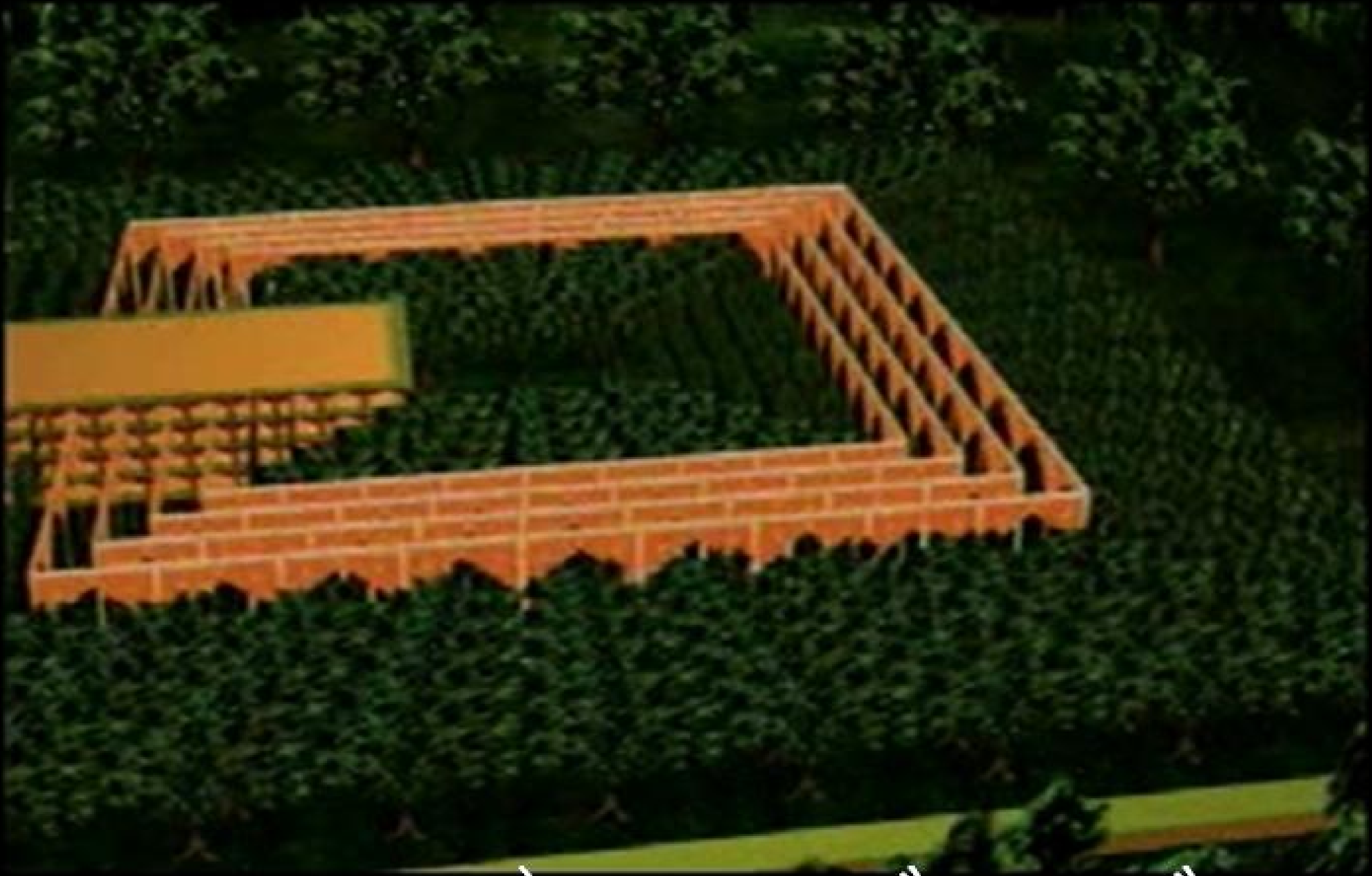

कुण्ड 33300 कोस का लम्बा चौड़ा आया है।

Nijanand App

हांस हांस के मध्य में दो गुर्जों के बीच तरहटी में जाने के लिए दरवाजों की शोभा आई है।

Nijanand App

सीढ़ियां 400 कोस कर रौंस पर उतरती हैं उससे आगे 400 कोस की मोहलातों की रौंस के आगे चौड़ाई तरफ 10 मोहोल आये हैं जिससे आगे मोहोल की रौंस से कमरभर नीचे उतर

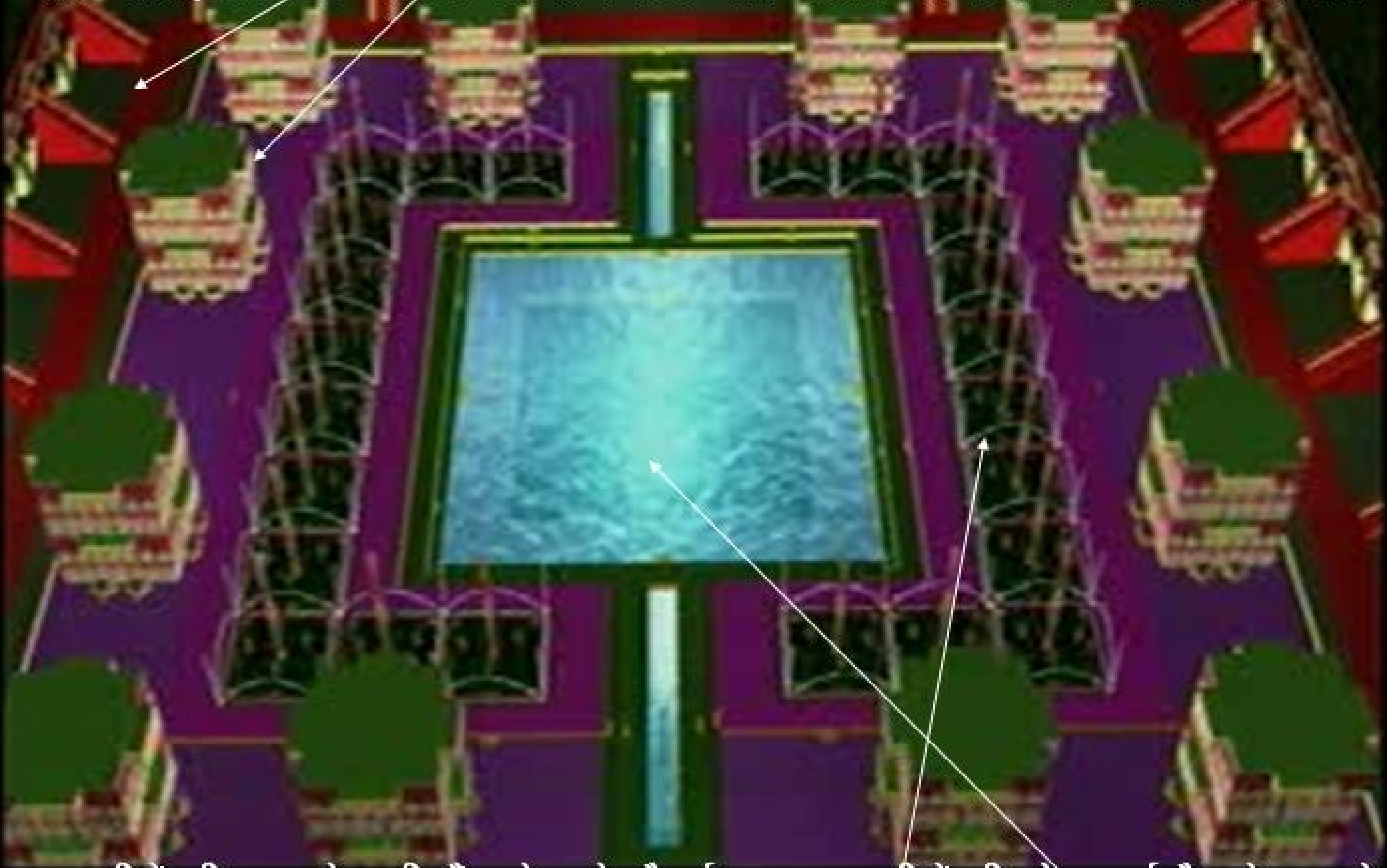

कर बगीचों की 400 कोस की रौंस के आगे चौड़ाई तरफ 11 बगीचों की शोभा आई है,आगे पाल से नीचे कमरभर 250 कोस में ताल की रौंस आई है बीच में 11200 कोस में ताल आया है।

Nijanand App

चबूतरे के किनार पर 75 कोस की पाल आई है आगे 5वृक्ष बड़ोवन के फिर 4 फीलपाये और फिर आग

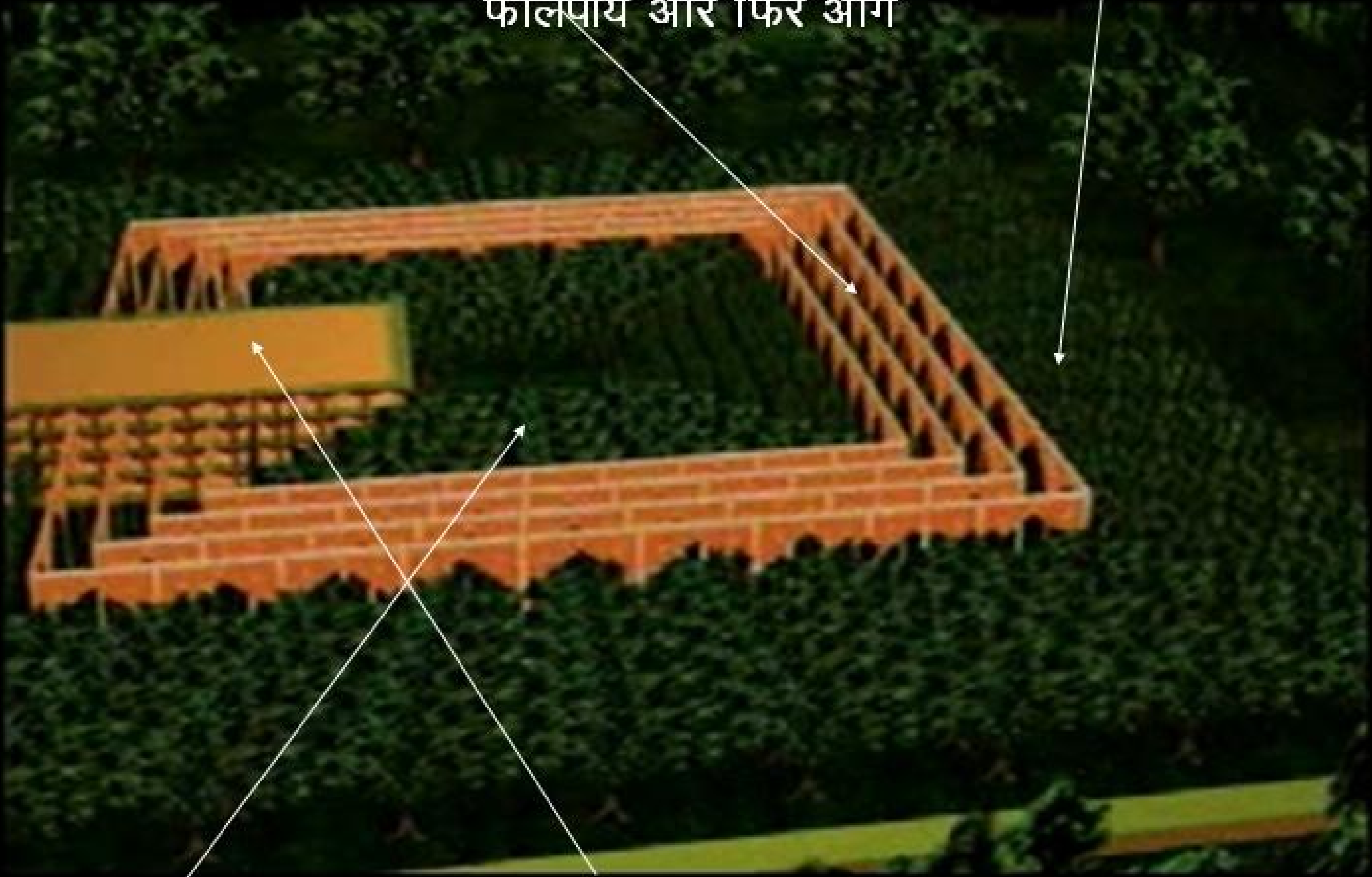

5 वृक्ष बड़ोवन के आये हैं। पूर्व में देहेलान आई है जो बंगला से ही होती हुई आ रही है

Nijanand App

चबूतरे के मध्य में 75 कोस की पाल के कमरभर नीचे 100 कोस की बगीचों कर रौंस आती है।

इससे आगे 28 नहरों की 28 हारें आई है। नहरों के कोनों पर चेहेबच्चे आये जिसमें फीलपाये की शोभा आई है।

Nijanand App

चार नहरों के बीच में एक बगीचा 400 कोस का लम्बा चौड़ा आया है।

जिससे 27 बगीचों की 27 हारें आई हैं।

Nijanand App

बगीचे के मध्य में कमरभर ऊँचा चबूतरा आया है। जिसके मध्य में एक बहुत बड़ा स्तून आया है।

बड़ोवन के वृक्ष, फीलपायों और इन बगीचों की शोभा 5 भोम तक गई है।

Nijanand App

चांदनी पर मध्य में 10800 कोस मे पानी का ताल आया है जो नीचे बगीचों के मध्य मे बड़ा पानी का स्तून आया था वोह यहीं पर खुला है।ताल के आगे 5 वृक्ष मधुवन के फिर फीलपायों की मोहलातें फिर आगे 5 वृक्ष मधुवन के आये है।

मोहलातें चौरस हवेली की तरह है। पश्चिम में देहेलान आई है। इन सबकी एक ही भोम आई है। 7वी चांदनी पर नीचे वाली ही बनक आई है जो 495 भोम तक ऊँची गई है।

Nijanand App

इस ताल में 28 थंभों की 28 हारें आई हैं जो पानी में डूबी हुई हैं।

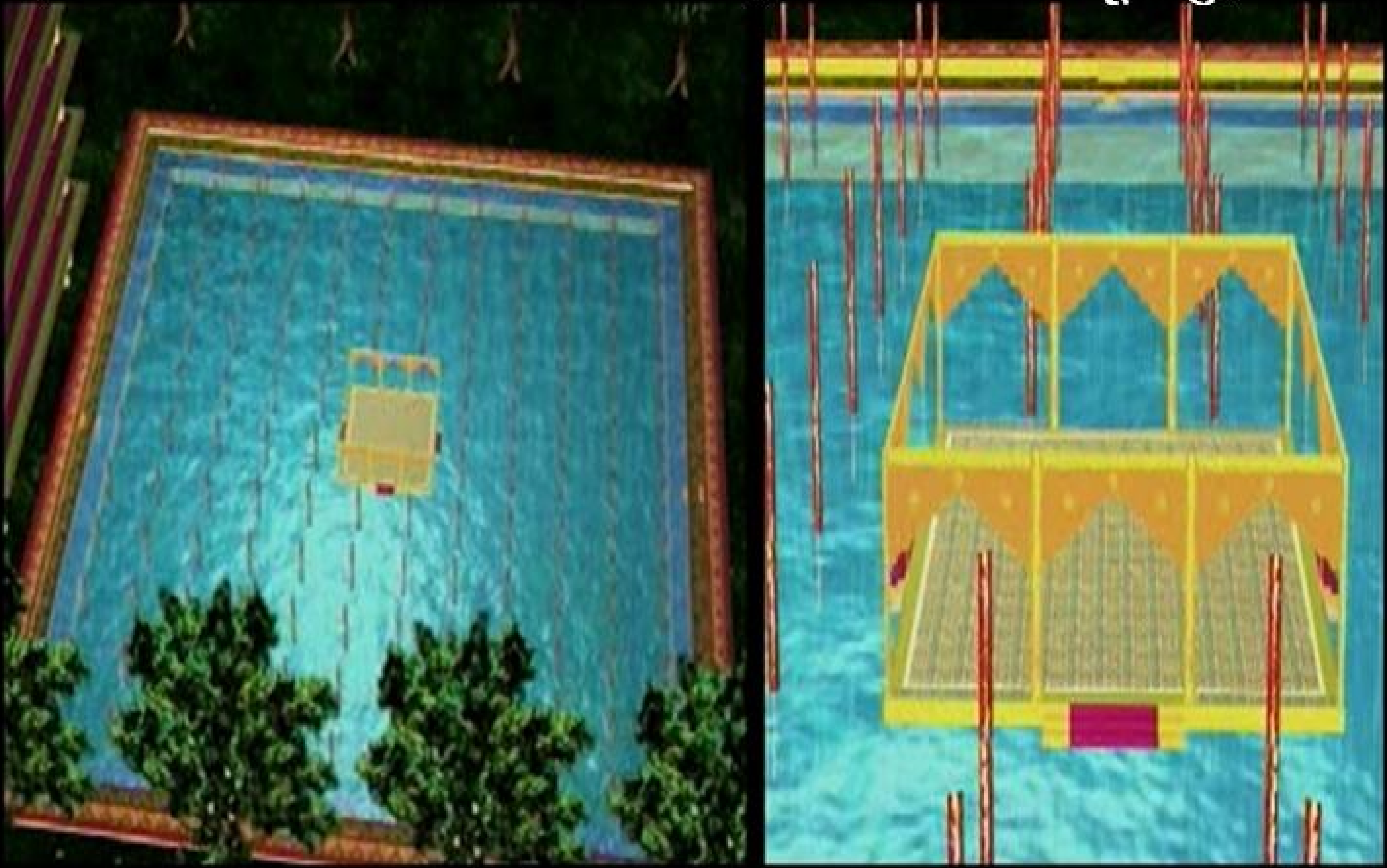

जो नीचे चेहेबच्चों में फीलपाये आये थें यह वहीं हैं।

Nijanand App

500 भोम तक जाकर छत आई है जिसके किनार पर कठेड़े के आगे 75 कोस की रौंस के आगे 5 वृक्ष बड़ोवन के फिर खास

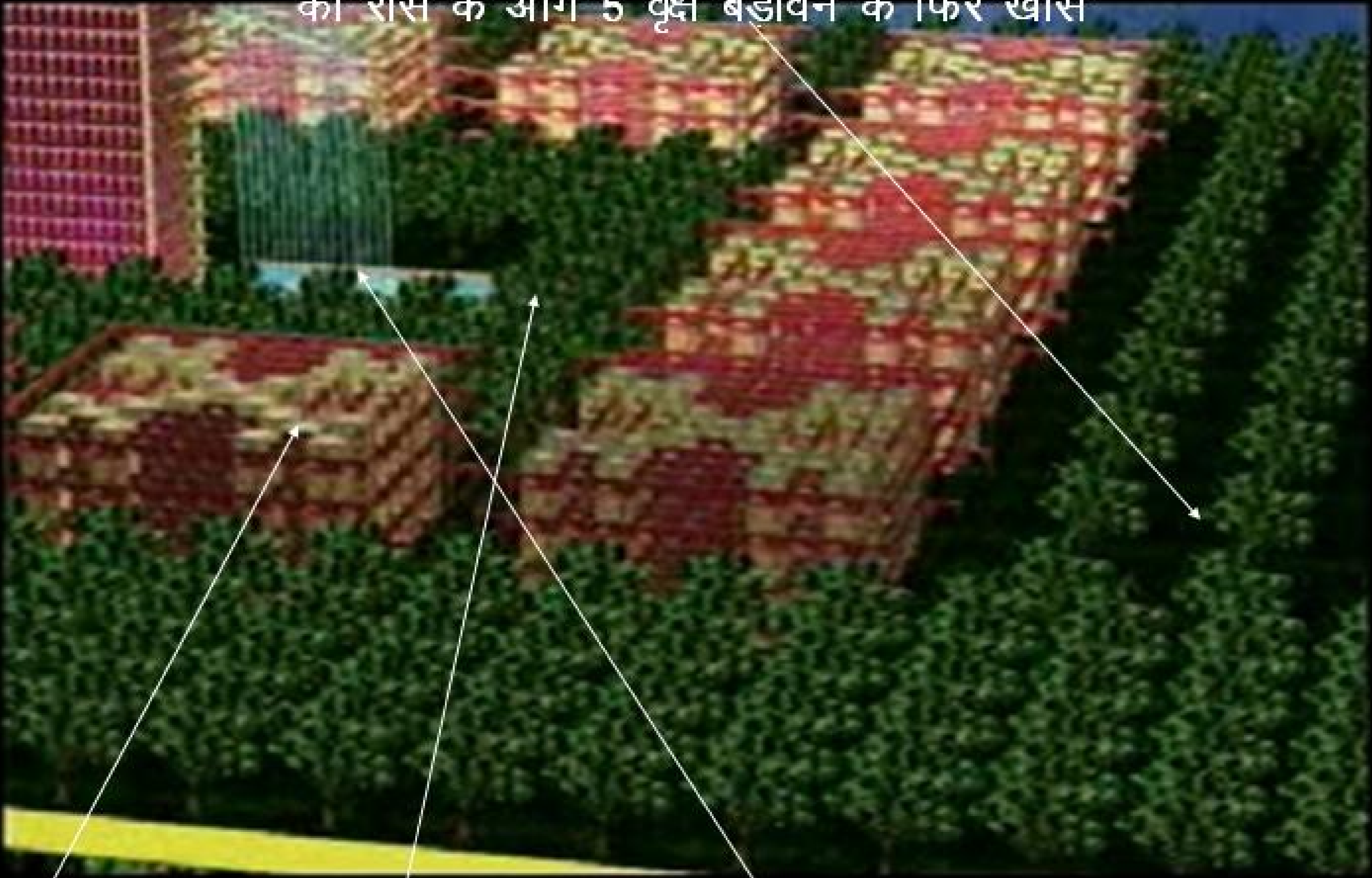

मोहोल फिर 5 वृक्ष बड़ोवन के आये हैं, आगे 74 कोस की रौंस से कमरमर नीचे ताल की रौंस 100 कोस के आगे ताल की शोभा है।

Nijanand App

एक खास मोहोल में 5 मोहोलों की शोभा है चार दिशा के और एक मध्य में।

इन सबकी और वृक्षों की 5 भोम की शोभा है।

Nijanand App

छठी चांदनी के पूर्व में बैठ कर पश्चिम में देखें तो सामने 480 मोम

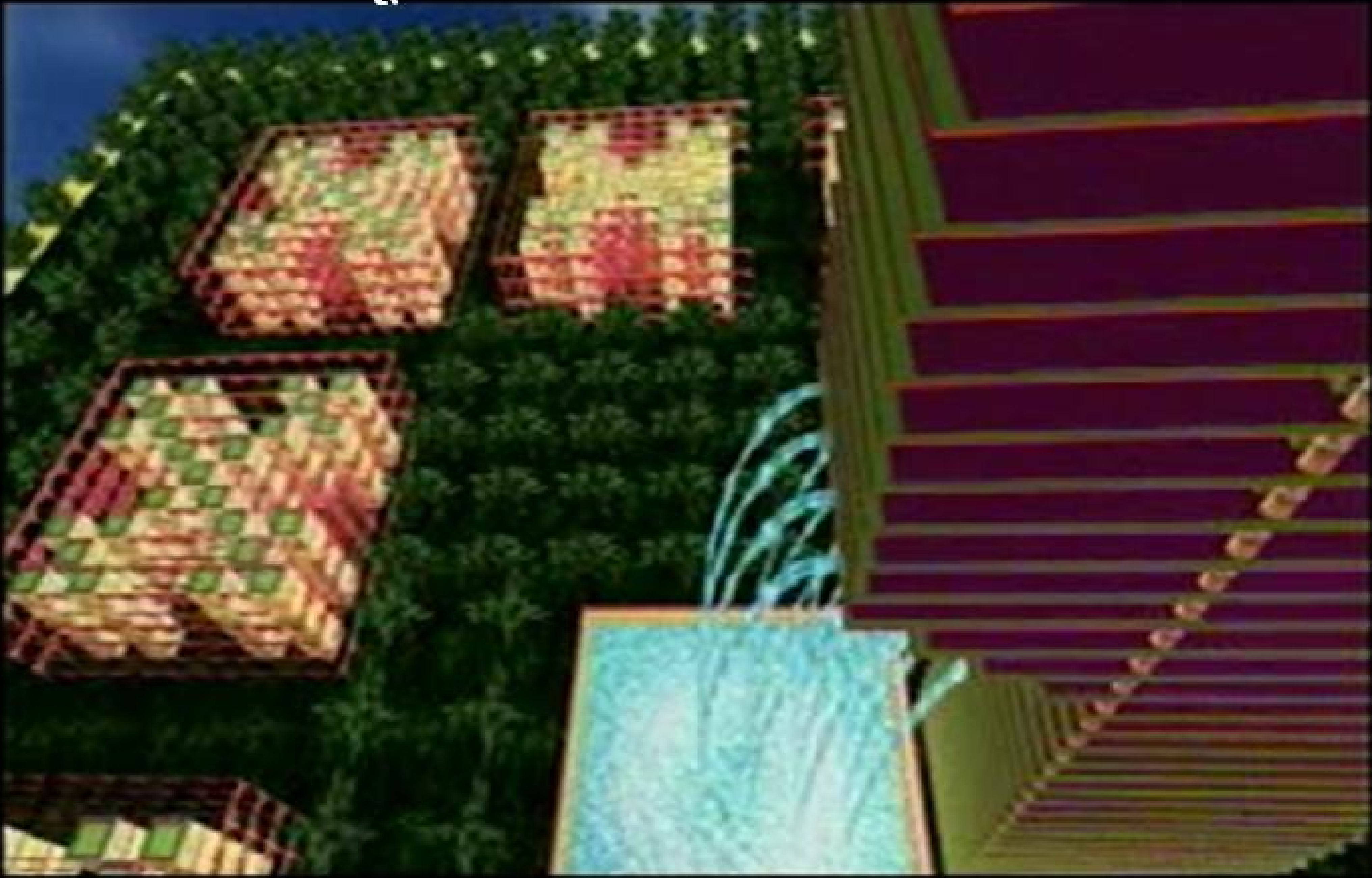

ऊपर से पानी देहेलानों से 16 झरनों के रूप में गिरता बहुत मनमोहक लगता है।

Nijanand App

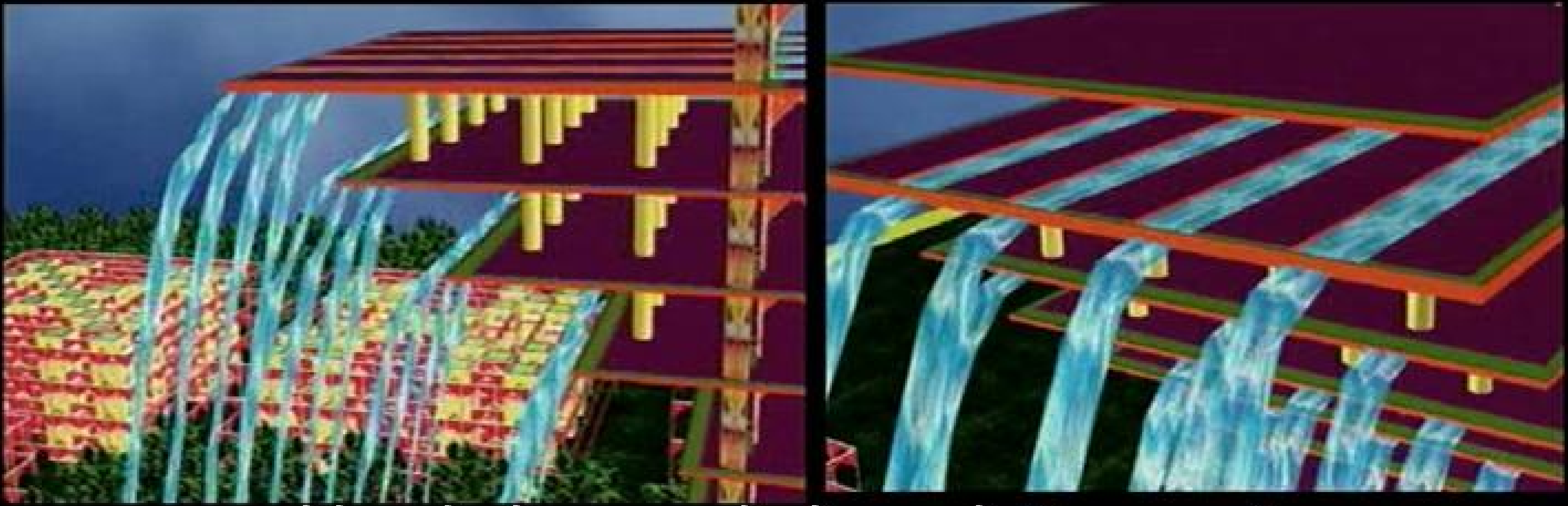

देहेलानों से 16 झरनों के रूप में गिरता पानी

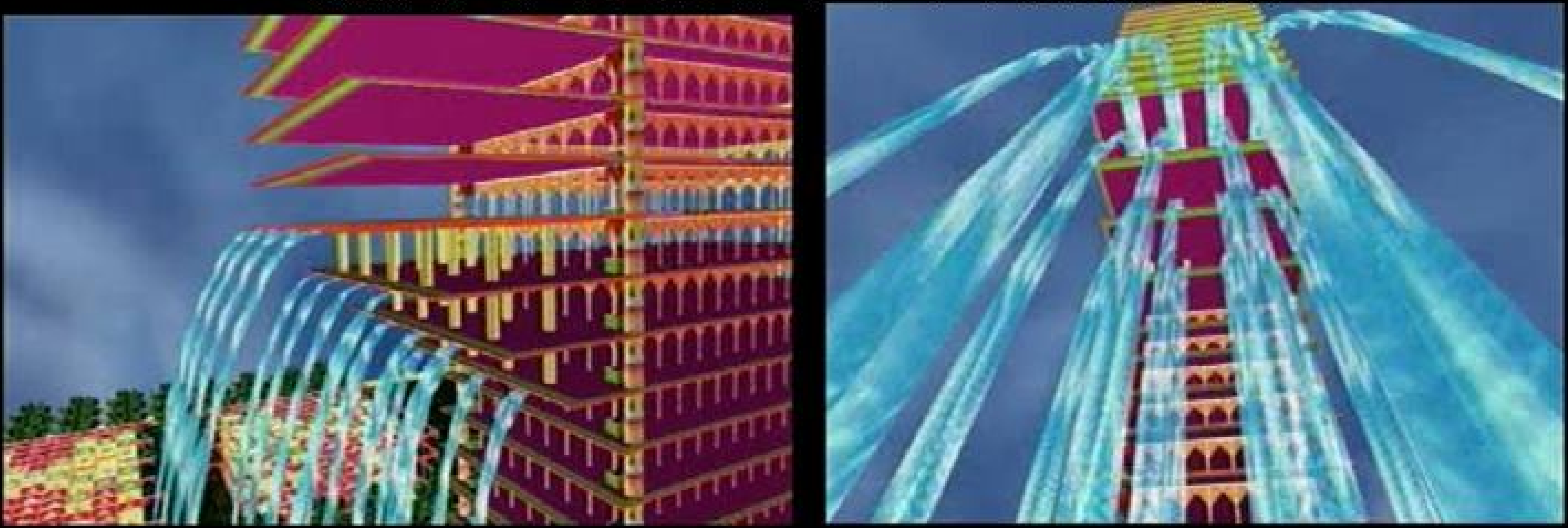

Nijanand App

अधबीच के कुण्ड पूर्व में ढपोचबूतरे की शोभा आई है। जिसकी भोम भर की दीवार 11100 कोस की लम्बी चौड़ी उठी है और जिसमें 400 कोस में गोल गुर्ज आये हैं

जिसके दोनों तरफ से भोमभर की सीढ़ियां चढ़ती हैं। गुर्जो के मध्य में तरहटी में जाने के लिए दरवाजा आया है। इसकी एक ही भोम है।

Nijanand App

तरहटी में 400 कोस की रौंस में सीढ़ियां उतरी हैं,आगे 100 कोस में मोहलातों की रौंस है फिर 400 कोस के लम्बे चौड़े 3 मोहोल चौड़ाई में आये है। इससे आगे कमरभर नीचे बगीचों

की रौंस के आगे ऐसे ही 3 बगीचों की शोभा है।बगीचों के मध्य में फीलपाये आये है, आगे 100 कोस की वन की रौंस से आगे 400 कोस की पाल आई है। इससे कमर भर नीचे 100 कोस की ताल की रौंस आई है।

Nijanand App

ढपोचबूतरे के पूर्व में मध्य में 3700 कोस का लम्बा चौड़ा भोम भर का चबूतरा मूलकुण्ड का आया है।

जिसके मध्य के तीसरे हिस्से में 1200 कोस के लम्बे चौड़े ताल की शोभा है।

Nijanand App

तरहटी में हांस हांस के मध्य में जाने के लिए सीढ़ियों की शोभा आई है जो नीचे 400 कोस की रौंस पर उतरती है।

आगे कमर भर नीचे मोहलातों की रौंस के आगे एक मोहोल और फिर कमरभर नीचे बगीचों की रौंस के आगे एक बगीचा आया है,मध्य में फीलपाये आये हैं,बीच में 1200 कोस में कुण्ड आया है

Nijanand App

कुण्ड यहाँ खुला नहीं है इसके चारों तरफ दो भोम की दीवार उठी है। कुण्ड एक भोम गहरा होने से इसकी तीन भोम की शोभा आई है।

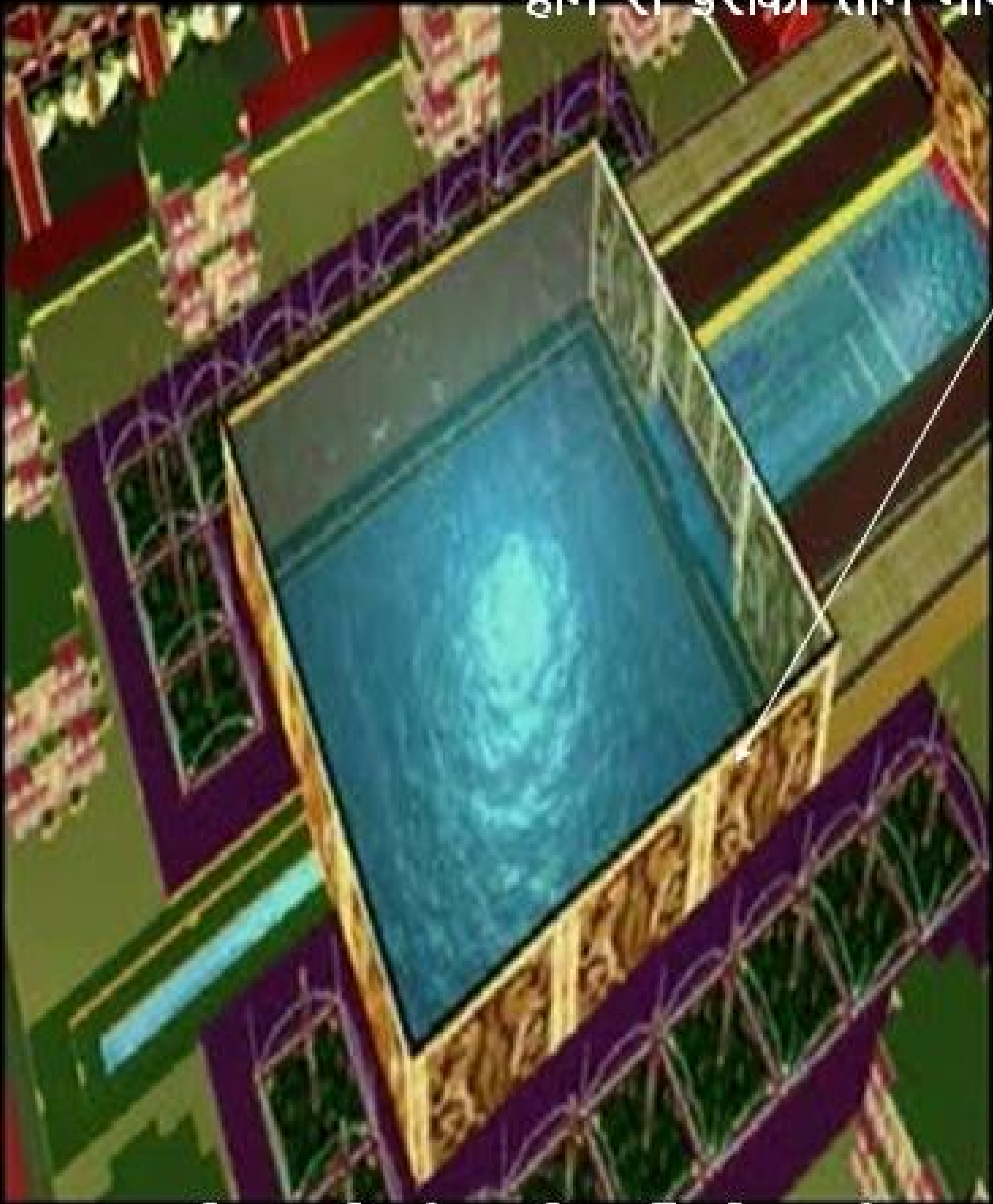

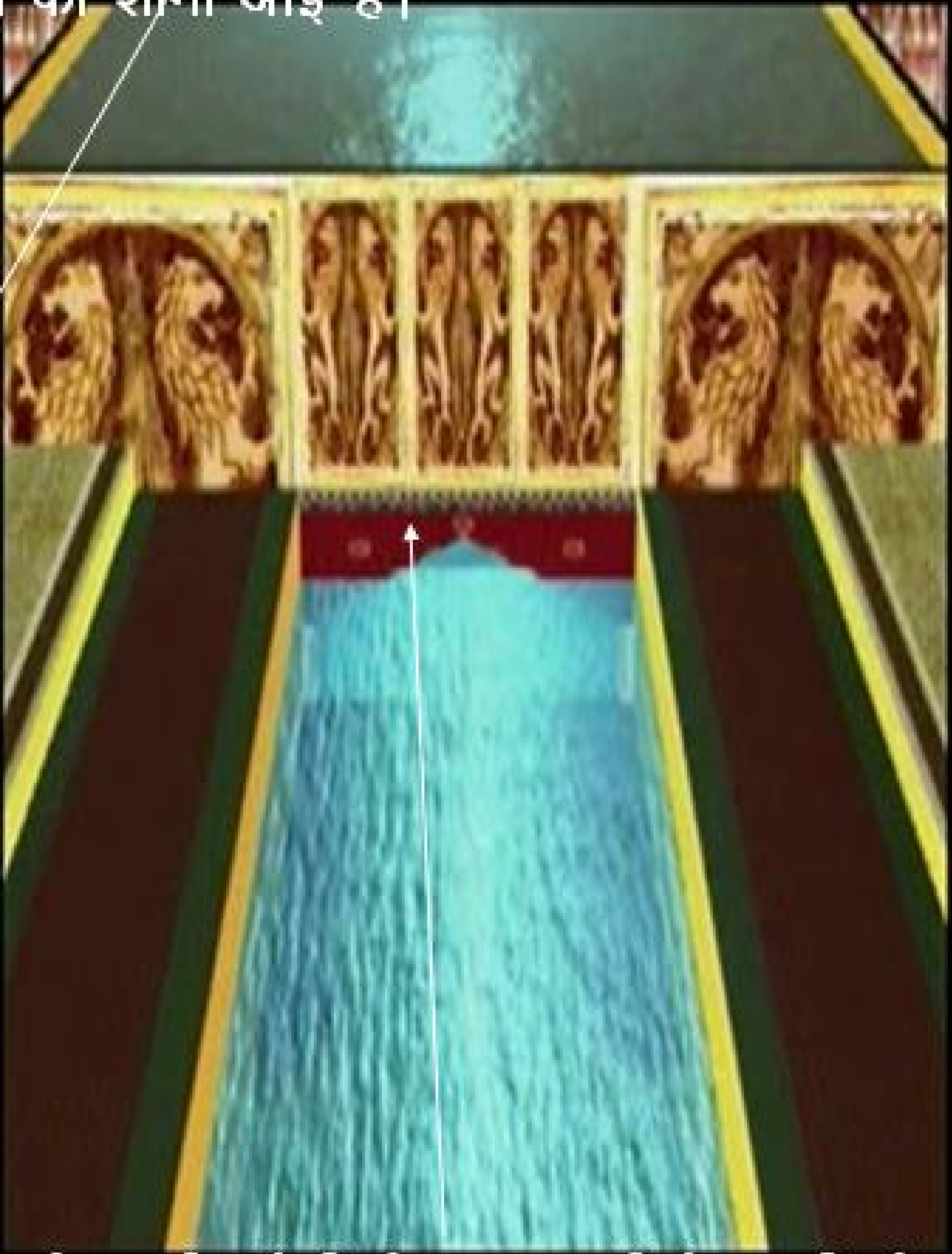

कुण्ड की दूसरी भोम की पूर्वी दीवार में 400 कोस की चौड़ी मेहराब आई है। यहीं से श्री यमुना जी बन कर निकलती है

Nijanand App

मूलकुण्ड के पूर्व में 400 कोस की मेहराब से होती हुई श्री यमुना जी निकलती है और मरोड़ तक आधी ढपी हुई है।

जिसकी छत पर गुम्मट ध्वजा,पताका की सारी शोभा आई है। इसके नीचे पाल पर दो दो थंभों पर मेहराबों की शोभा है।

Nijanand App

रंगमोहोल

Nijanand App

चांदनी चौंक के आगे एक भोम भर ऊंचे चबूतरे पर रंगमहल शोभायमान है।
इसकी ऊंचाई 9 भोम और दसमी चाँदनी है।

इसकी गृद 6000 मन्दिर की और लम्बाई चौड़ाई 2000 मन्दिर की आई है।

Nijanand App

रंगमहल के चारों कोनों में धाम रौंस के साथ लगता हुआ एक 16 हांस का चेहेबच्चा आया है

चेहेबच्चा दो भोम गहरा है

Nijanand App

मुख्यद्वार के साथ 6000 मन्दिरों की पहली हार आई है

फिर एक गली को पार कर 28 थंभ का चौक आया है।

Nijanand App

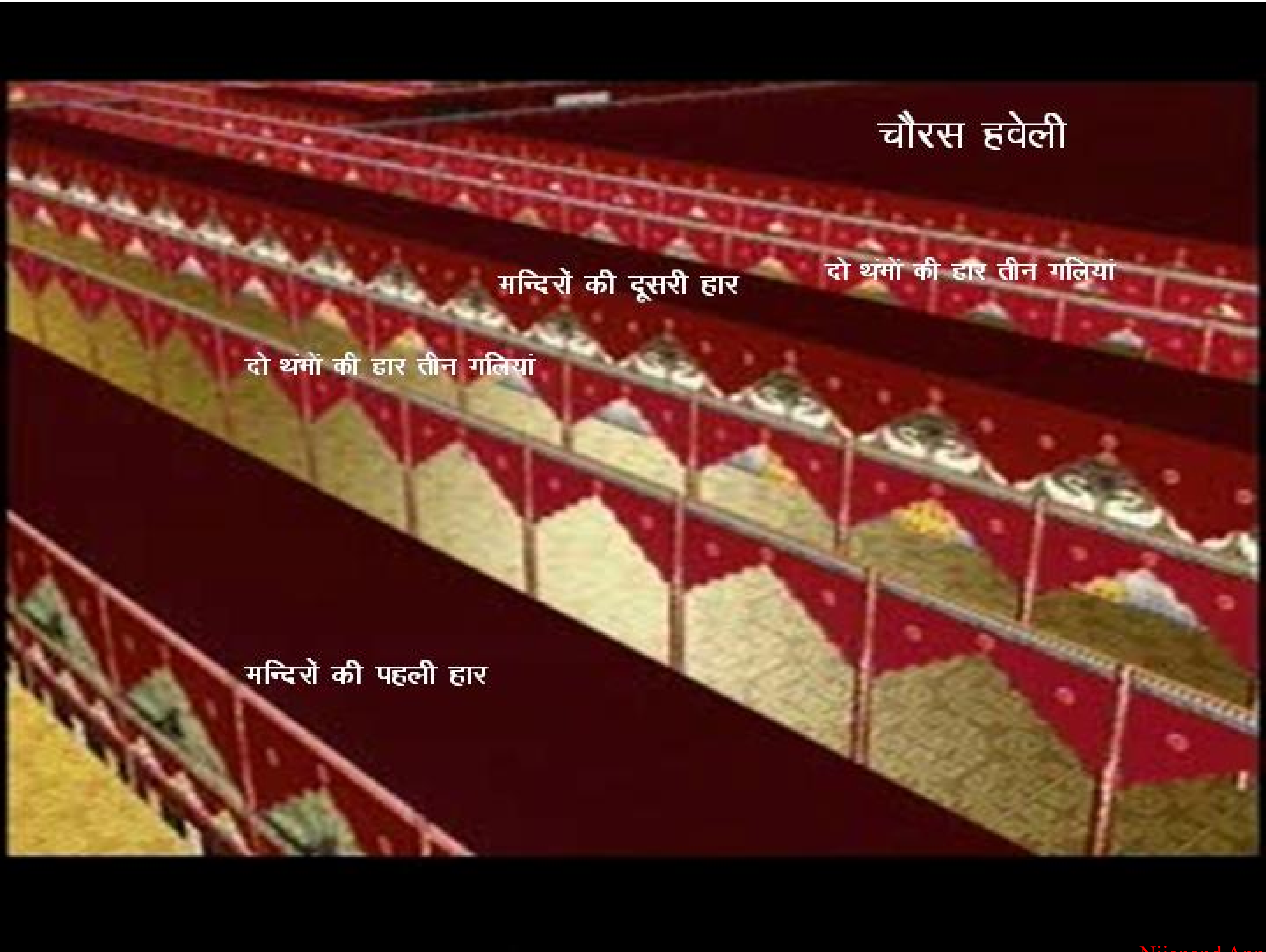

Nijanand App

28 थंभ के चौंक को पार कर, एक गली को पार कर फिर

प्रथम भोम की पहली चौरस हवेली की देहेलान शुरु हो जाती है।

Nijanand App

ऐसे ही चार चौरस हवेलीयां पार करके फिर पांचवी गोल हवेली मूलमिलावे की आती है

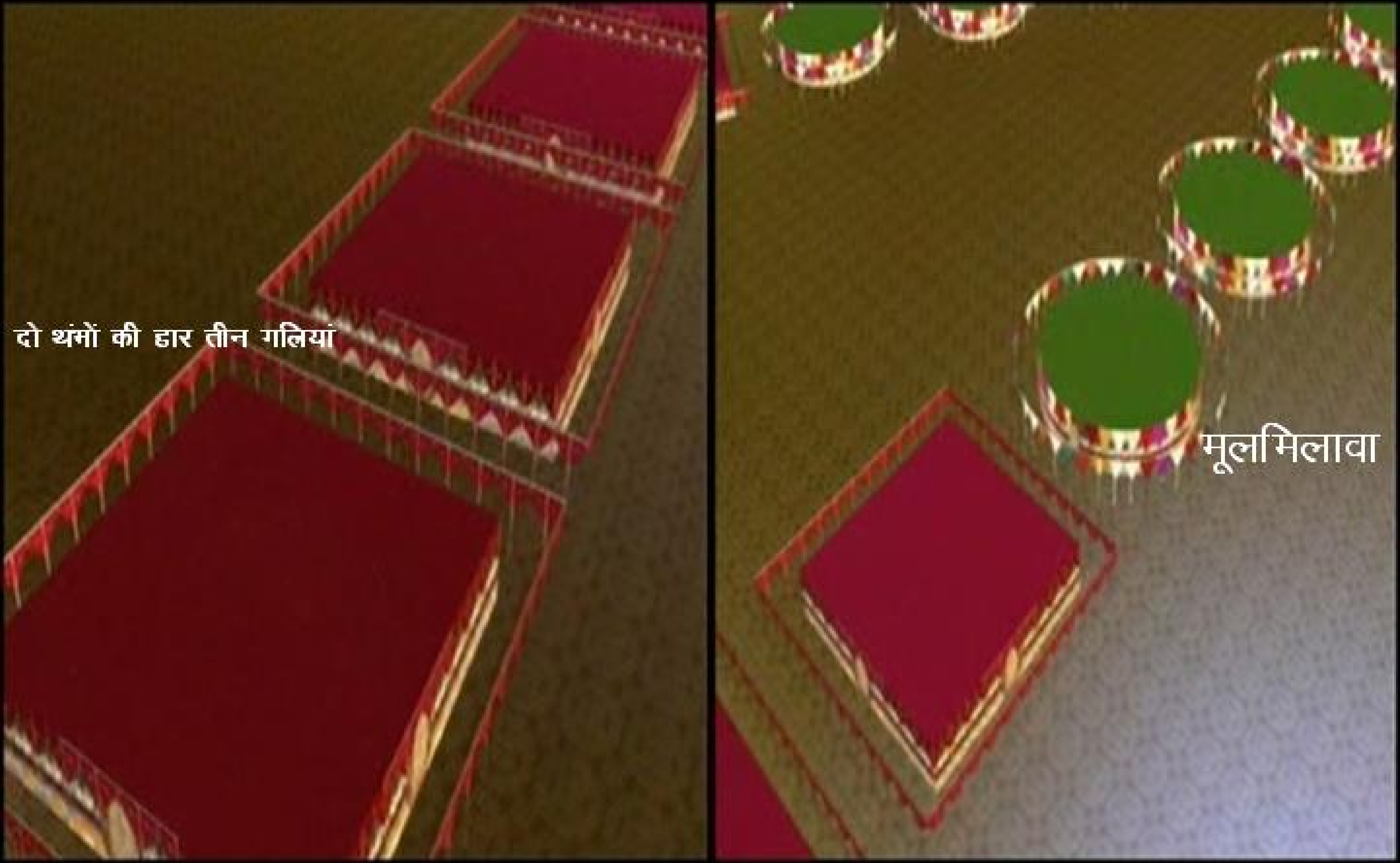

एक हवेली से दूसरी हवेली में जाने के लिए दो थंभों की हार तीन गलियों को पार करना पड़ेगा

Nijanand App

ऐसे ही चार गोल हवेलीयों को पार करेंगे तो पंचमोहोल आते हैं।

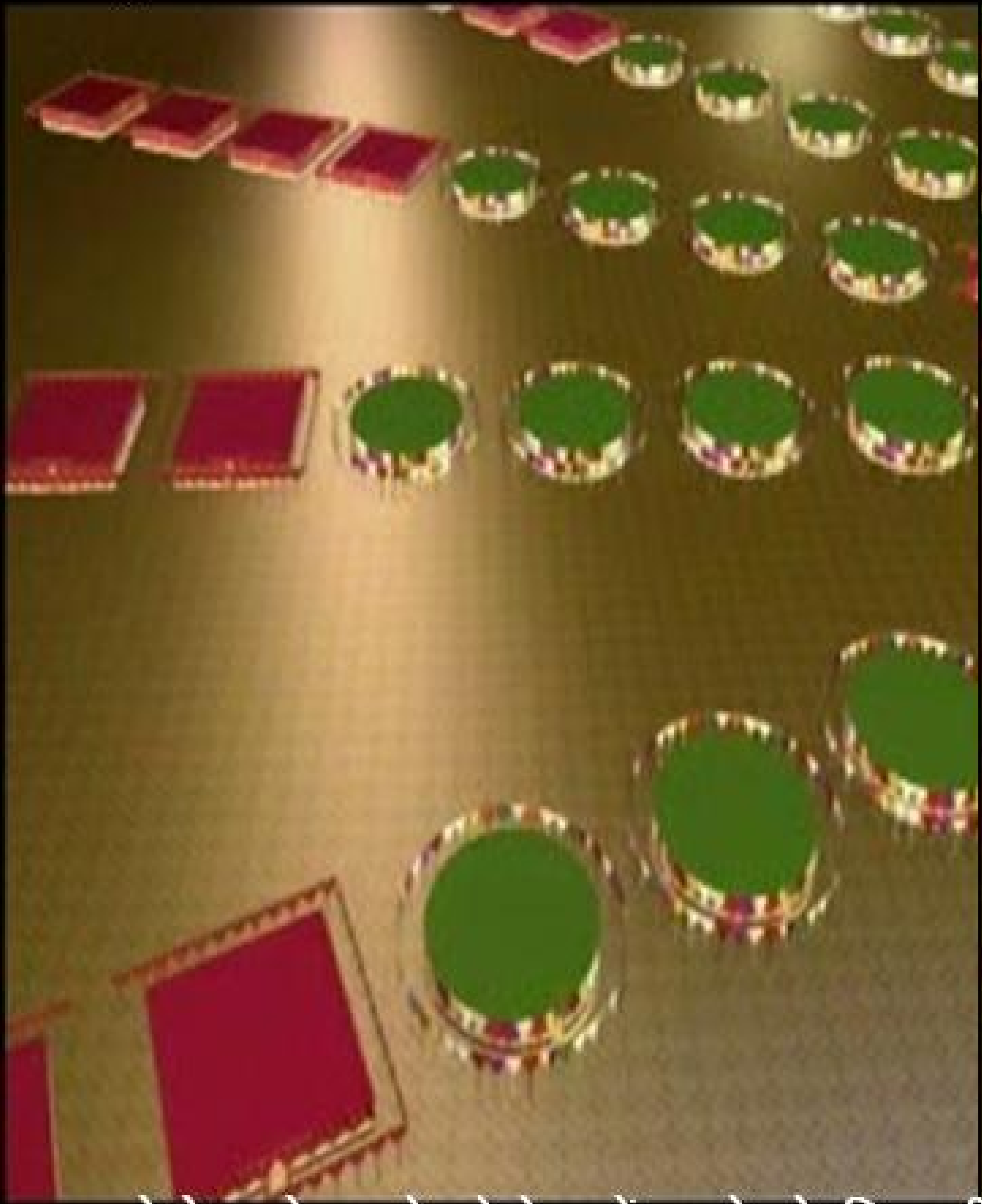

एक मोहोल से दूसरे मोहोल मे जाने के लिए भी दो थंभों की हार तीन गलियों को पार करना पड़ेगा।

Nijanand App

पंचमोहोल के आगे फिर बगीचे, नहरें, फुव्वारे शोभा ले रहे हैं।

आगे चार स्तून पानी के आये हैं जिनके बीच नौ चौंक शोभा ले रहे हैं।

Nijanand App

नौ भोम तक सारी शोभा ऐसे ही ऊपरा ऊपर तक गई है।
चार स्तून पानी ऊपर दसमी चांदनी के मध्य में जाकर खुले है।

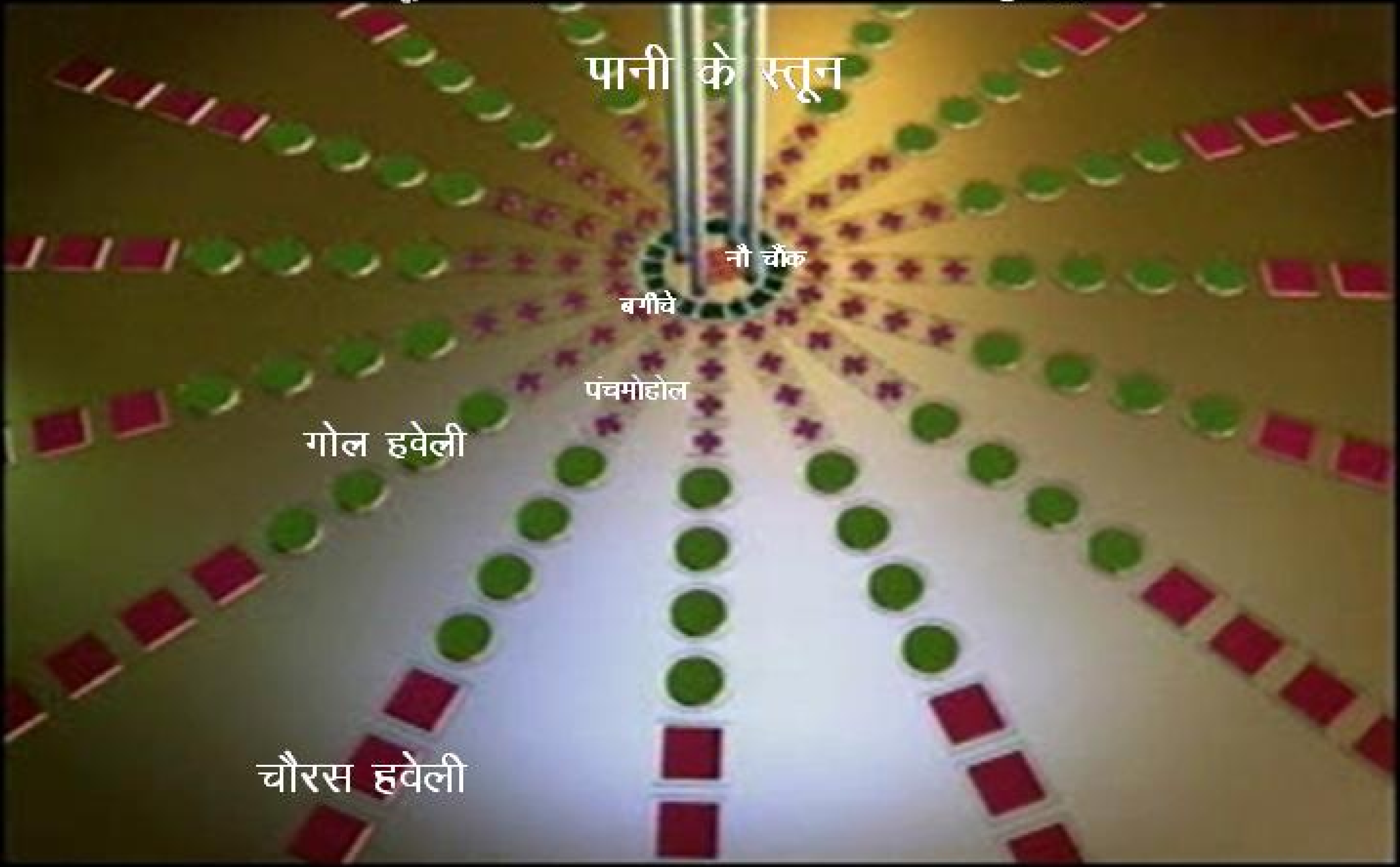

Nijanand App

पहली चौरस हवेली के पूर्व में 11 मन्दिर की लम्बी और एक मन्दिर की

चौड़ी देहेलान आने से हवेली का द्वार नहीं आया है बाकि तीनों तरफ द्वार आये हैं

Nijanand App

हवेली के दक्षिण के द्वार के आगे के

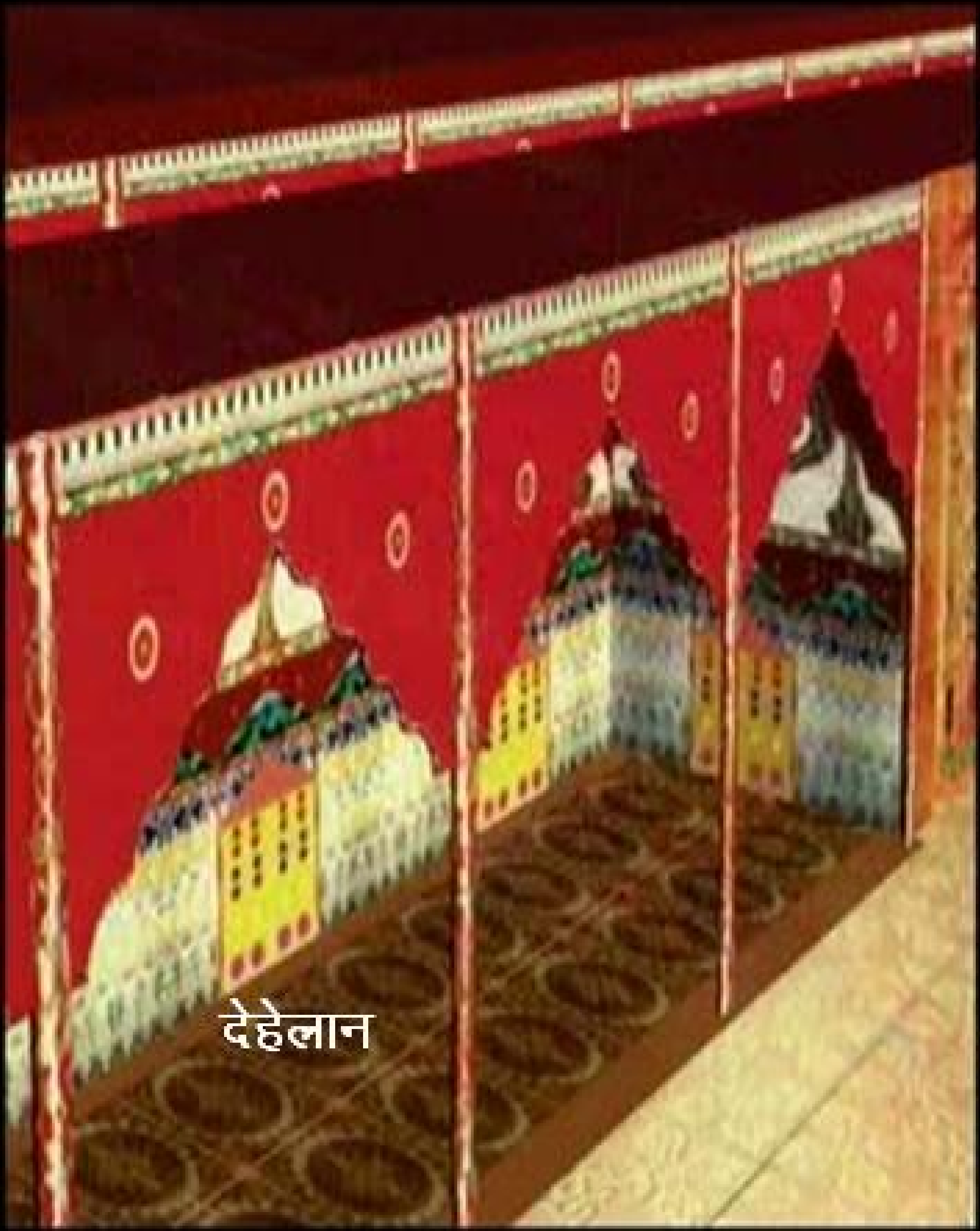

मन्दिरों की जगह पर भी देहेलान आई है।

हवेली के उत्तर के द्वार के आगे के मन्दिरों

की जगह पर भी देहेलान आई है।

Nijanand App

प्रथम भोम की प्रथम चौरस हवेली की शोभा रसोई और सीढ़ियों के मन्दिर की है

स्याम श्वेत के बीच में, सुन्दर सीढ़ियां शोभित।
बहुत साथ इत आये के, चढ़ उतर करत।।

Nijanand App

यहीं देहेलानों में बैठकर सब सखियां भोजन लेती हैं।

Nijanand App

जब रुह चौथी चौरस हवेली के पश्चिम के दरवाजे से बाहर निकली तो दो थंभो की हारे आई एक सीढी, एक

गोल और तीन गलियों को पार करके पांचवी गोल हवेली मूलमिलावे में पूर्व के दरवाजे से अन्दर गई

Nijanand App

Nijanand App

चबूतरे पर अति सुन्दर गिलम बिछी हुई है, और किनारे

पर 64 थंभ शोभायमान हैं, थंभों के बीच में तकिए लगे हुए हैं।

Nijanand App

64 थंभों के ऊपर बहुत ही सुन्दर चन्द्रवा शोभा दे रहा है

जिसकी नूरी किरणों से सारा मूलमिलावा जगमगा रहा है

Nijanand App

नूरी कंचन सिंघासन चबूतरे के पश्चिम में नीलवी के थंमो के साथ लगता हुआ आया है। सिंघासन में 6 पायों पर 6 डाण्डे है जिसमें 10 रंग जवेरों के झलकते हैं, ऊपर दो छत्री,6 कलश 6 डाण्डों पर

2 कलश ऊपर गुम्मटीयों में, सिंघासन की छत्री के चारों ओर रत्नों की झालर, अन्दर एक गादी दो आसन 5 तकिए हैं जहां नूरी युगलसरुप की बैठक है,ऊपर दो फूल लाल माणिक के भी लटक रहे हैं।

Nijanand App

मूलमिलावा खिलवतखाना

यहीं हम सब रुहें श्री राजस्यामा जी के चरणों में बैठकर खेल देख रही हैं।

Nijanand App

दूसरी भोम के उत्तर में ईशान कोना की तरफ बाहरी हार मन्दिरों के सामने भीतरी तरफ जो 4 चौरस हवेलीयों का पहला

फिरावा आया है उस जगह पर 16 हवेलियों की जगह पर 110 मन्दिर की 110 हारें भूलवनी के मन्दिरों की आई है।

Nijanand App

सारे मन्दिर दर्पण के हैं।

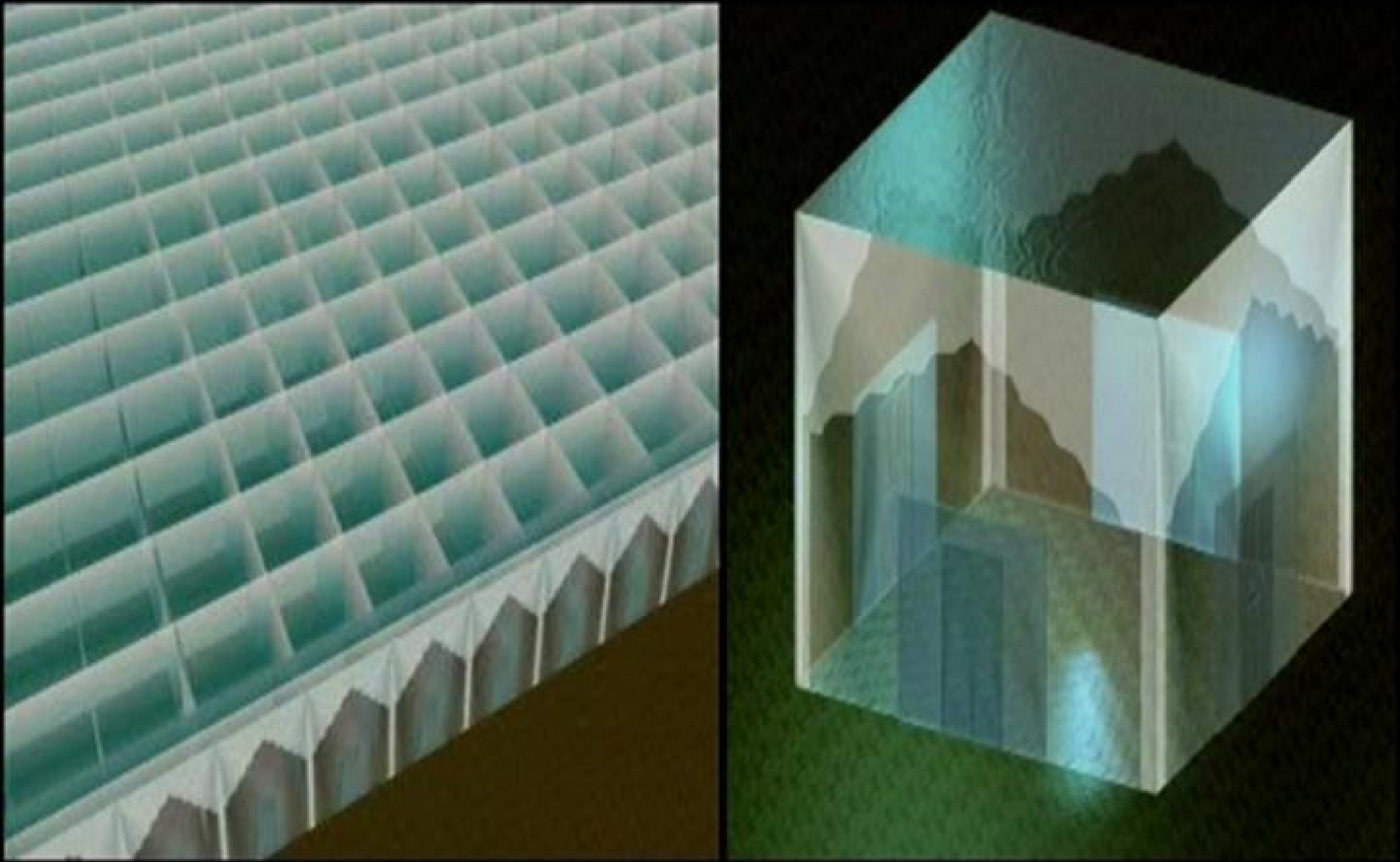

इनके किवाड़, महराबें, दीवारें, छतें ,फर्श सब दर्पण की ही आई

Nijanand App

इन मन्दिरों में खड़े होने से अपने असंख्य प्रतिबिम्ब नजर आते हैं
जिस कारण किसी को ढूंढना कठिन हो जाता है।

श्री राज जी यहीं पर ऐसी लुकाछिपी की लीला करके हम रुहों को आनन्द प्रदान करते हैं।

Nijanand App

भूलवनी के मन्दिरों के मध्य में 10 मन्दिर का लम्बा चौड़ा चौक आया है।

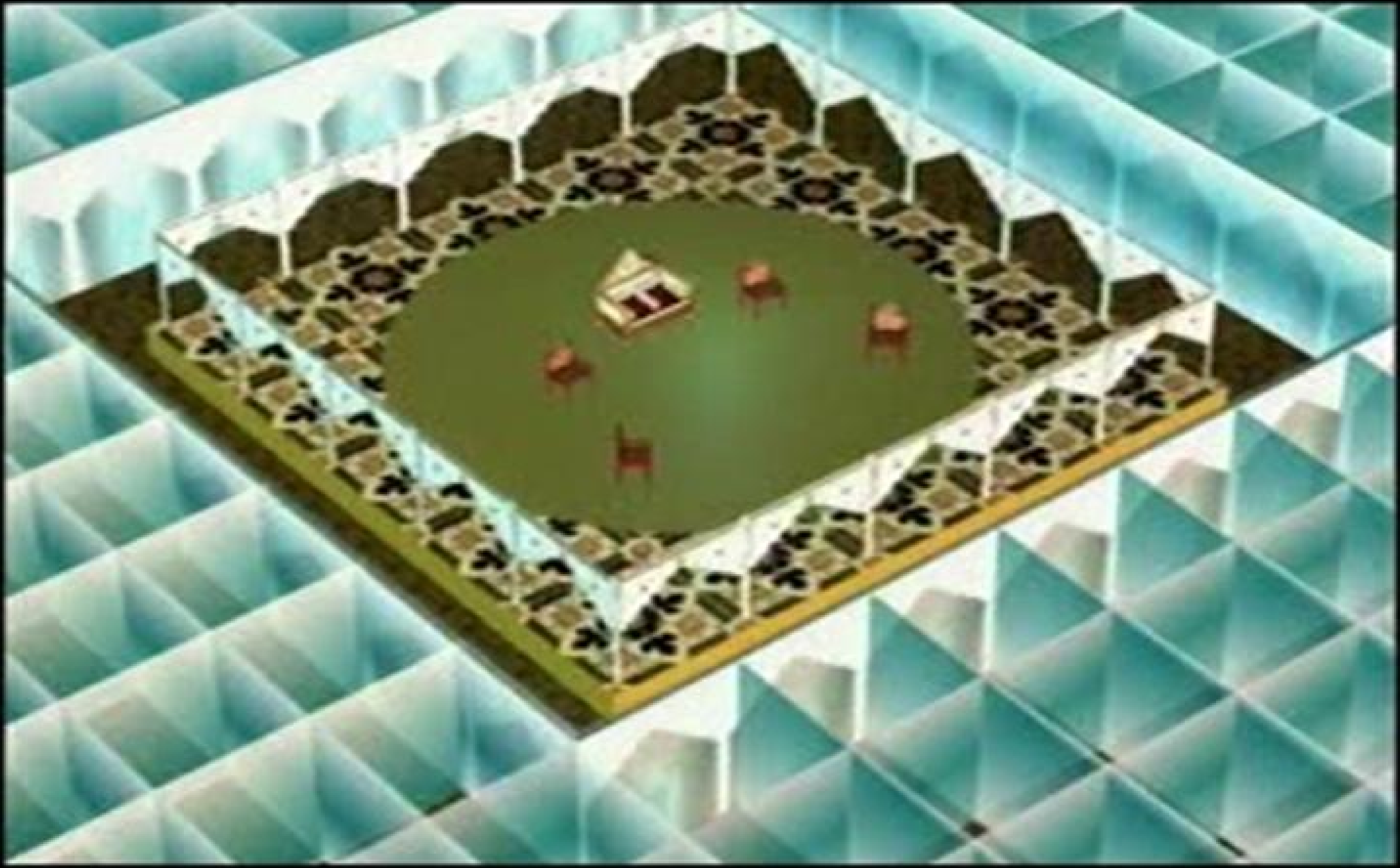

चौक के चारों तरफ रौस है उसके आगे फिर भूलवनी के मन्दिर शुरु हो जाते हैं।

Nijanand App

खड़ोकली इन्हीं मूलवनी के मन्दिरों से उत्तर को रंगमहल के बाहरी मन्दिरों की हार को पार करके बाहिर आये तो ठीक नीचे परमधाम की जमीन से एक

मोम ऊंची धाम रौंस के साथ लगती हुई 30 मन्दिर की लम्बी चौड़ी लाल चबूतरा के पूर्व 40 मन्दिर की दूरी पर ताड़वन की हद में दूसरी मोम के साथ लगती हुई आई है।

Nijanand App

दूसरी भोम के बाहरी मन्दिरों की हार से उत्तर को और खड़ोकली के दक्षिण से दोनों तरफ से

छज्जा निकल कर आपस में मिल जाने से दूसरी भोम से सीधा
सखियां खड़ोकली में झीलना के वास्ते आती हैं। खड़ोकली 3 भोम गहरी आई है।

Nijanand App

तीसरी भोम के 28 थंभ के चौक के पूर्व में जो गली आई है

वहां 4 मन्दिर का एक कमर भर का चबूतरा आया है

Nijanand App

चबूतरे के आगे मन्दिरों की हार में भी चार मन्दिर की लम्बी और एक मन्दिर की चौड़ी देहेलान आई है। जो मुख्य द्वार के ठीक ऊपर आई है।

चबूतरा चार मन्दिर का लम्बा और एक मन्दिर का चौड़ा आया है,जो पहली मन्दिरों की हार की देहेलान के साथ मिल गया है।

Nijanand App

देहेलान के पूर्व में आगे दो मन्दिर का चौड़ा और

दस मन्दिर का लम्बा छज्जा आया है जिसे पड़साल कहते हैं।

Nijanand App

यहाँ श्री राजस्यामा जी सुबह से लेकर शाम के 3 बजे तक
लीला करते है। सुबह आते ही पड़साल पर खड़े होकर सारे

परमधाम को अपनी इश्कभरी नजरों से सीचते हैं। फिर यही
सिनगार,आरोगना, नृत्य और अक्षरब्रह्म को भी यही पर दर्शन देते हैं।

Nijanand App

देहेलान की दक्षिण दिशा में जो पहली मन्दिरों की हार आई है उसका
पहला मन्दिर नीले रंग का है,दूसरा हरे रंग का और तीसरा पीले रंग का है।

देहेलान के दोनों तरफ जो 3–3 मन्दिर आये है वोह कमर भर ऊँचे आये है।

Nijanand App

आसमानी रंग के मन्दिर में श्री श्यामामहारानी सिनगार करती हैं।

जो 28 थंभ के चौक की दक्षिण दिशा का दूसरी मन्दिरों की हार का पहला मन्दिर आया है।

Nijanand App

तीसरी भोम की पड़साल

सब पशु पक्षी नीचे चांदनी चौक में खड़े होकर श्री राजस्यामा जी का दीदार करते हैं।

Nijanand App

रंगमहल की चौथी भोम में 28 थंम के चौक के पूर्व में जो

चौथी चौरस हवेली आयी है वोह निरत की हवेली है।

Nijanand App

इस हवेली के पूर्व में मन्दिरों की जगह पर देहेलान आई है दक्षिण की तरफ माणिक रंग की

दीवार आने से सारे थंभ भी लाल रंग के ही आये हैं ऐसे ही
पश्चिम में सफेद और उत्तर में पीले रंग की शोभा आई है।

Nijanand App

पूर्व की तरफ सिंघासन का मुख नीलवी थंभों के सामने आता है।

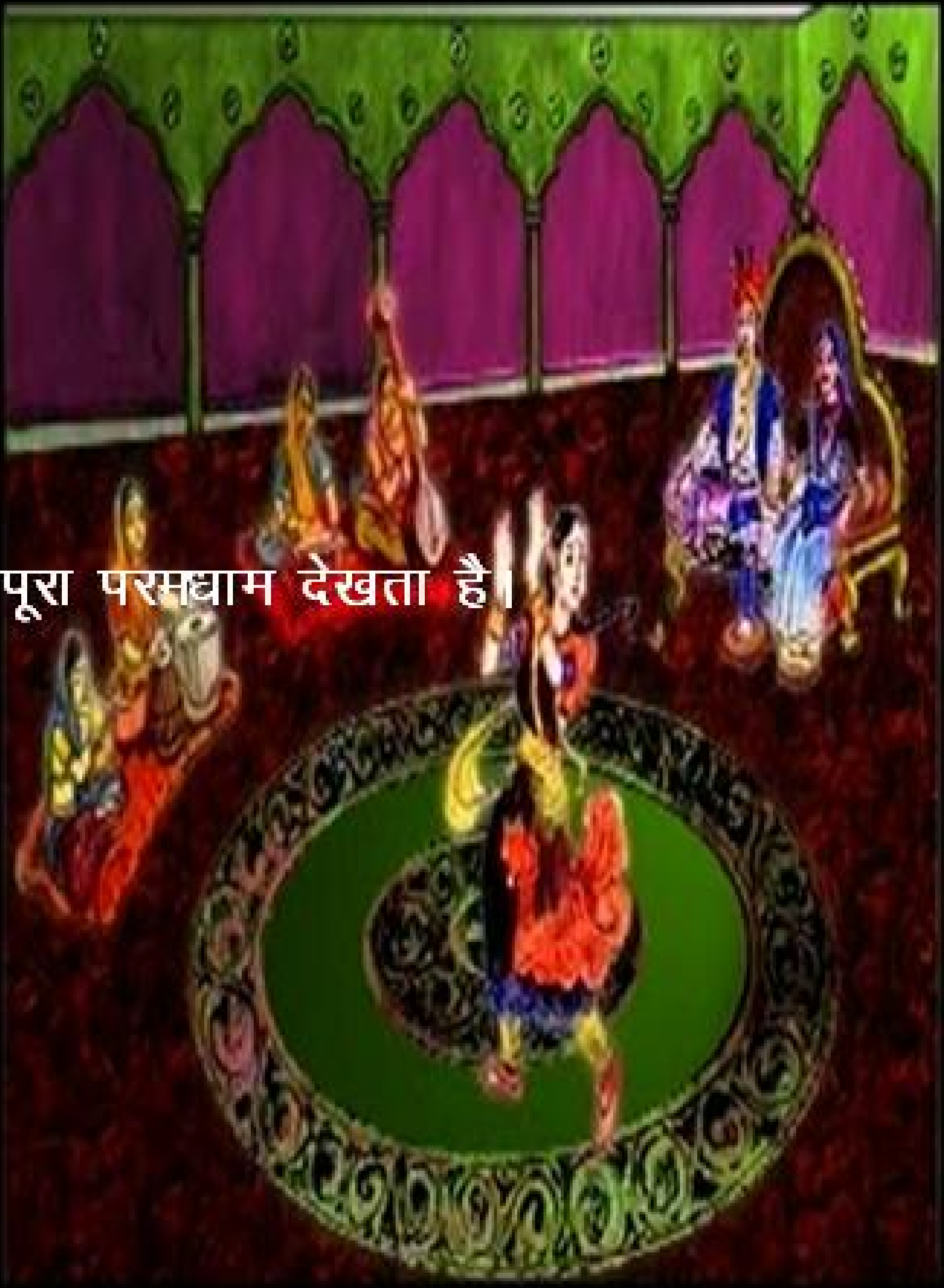

जब यहाँ नृत्य होती है तो इसे पूरा परमधाम देखता है।

जहाँ श्री राजस्यामा जी कृष्ण पक्ष में 15 दिन बैठ कर रुहों के साथ नवरंग बाई का नृत्य रात 9 बजे तक देखते है

Nijanand App

36 हवेलियों के 9 फिरावे पार कर नौ चौक आते है। नौ चौक की पूर्वी दीवार एक ही आई है और उसमें 24 दरवाजे आये है।अग्नि से ईशान कोना तरफ जो 12वें दरवाजे से सब अन्दर जाते है।

नौ चौक के मध्य वाले चौक के मध्य में रंगपरवाली मन्दिर है।

Nijanand App

मध्य वाले चौक के बिल्कुल मध्य में 2 मन्दिर का लम्बा चौड़ा शयनकक्ष लाल रंग का आया है

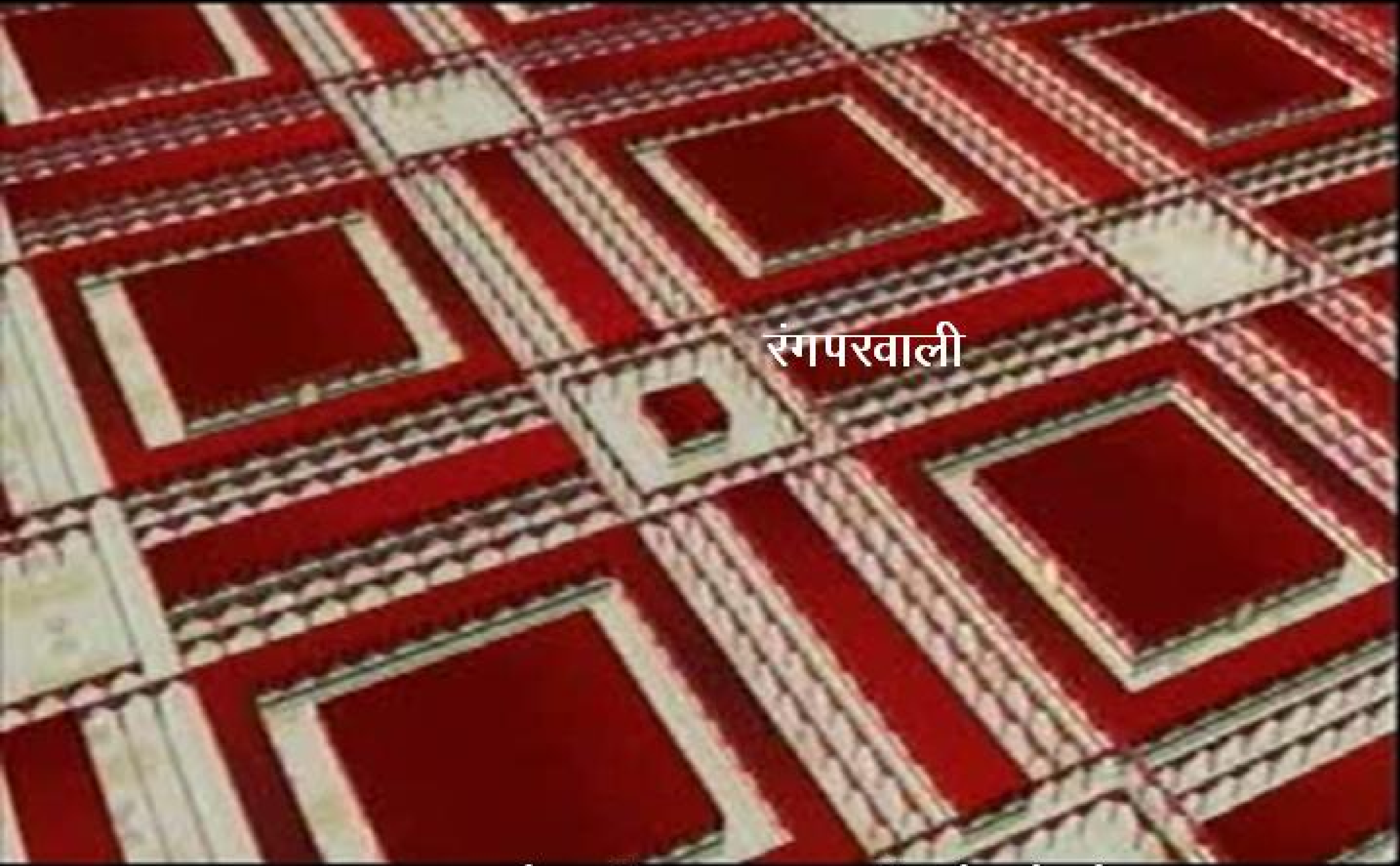

आस पास के मन्दिर सब सखियों के हैं।

Nijanand App

यहाँ श्री राजस्यामा जी शयन करते है। आपन सब सखियाँ आ आ करके श्री राज जी के स्वरुप को हृदय में लेकर सिर झुकाकर चरणो मे प्रणाम करती है और जैसे ही सिर उठाती है

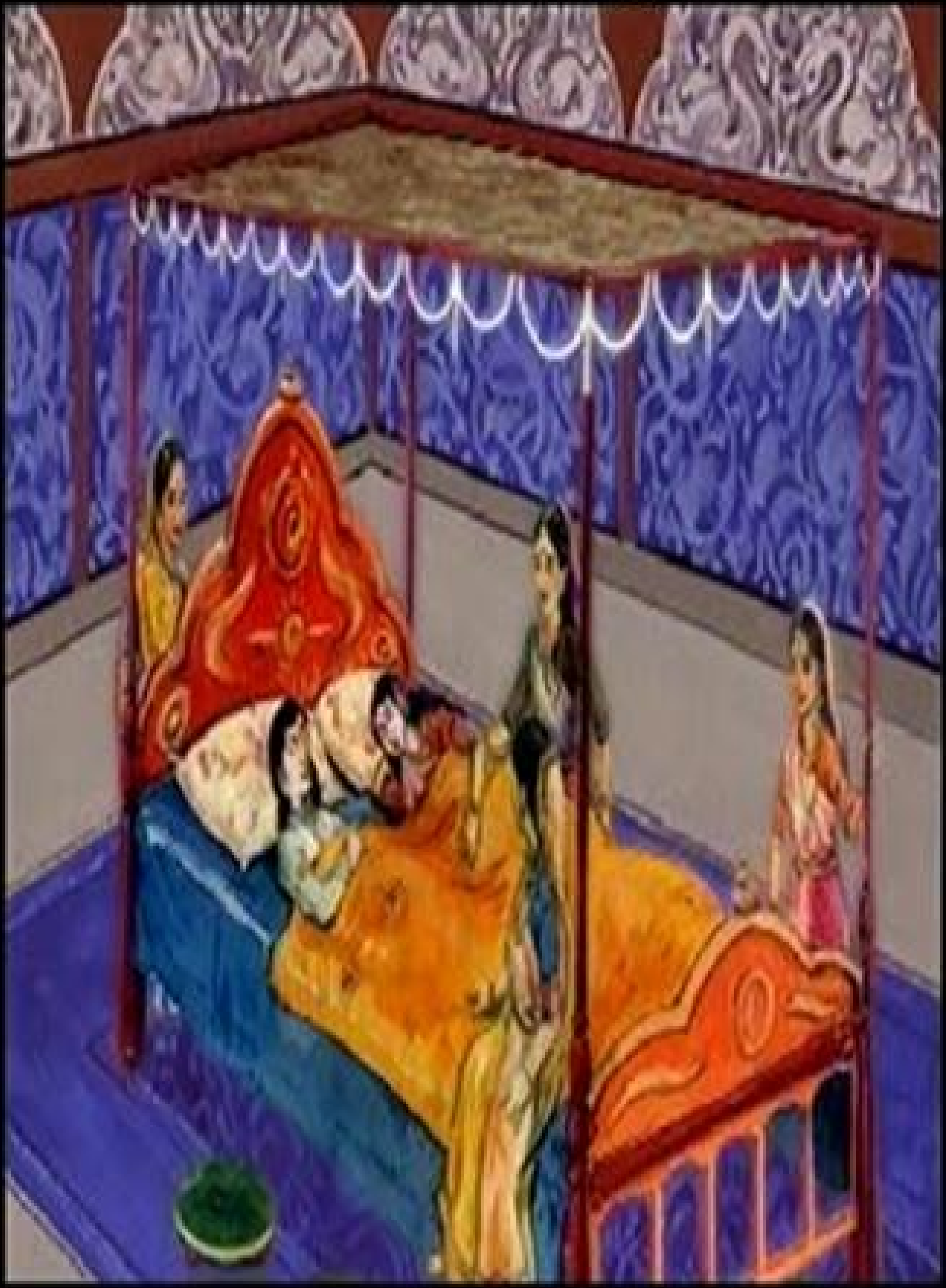

तो हम सब अपने अपने मन्दिर में अपने आपको श्री राज जी के साथ सुख सेज्या पर पाती है पलभर की जुदाई भी श्री राज जी नहीं देते।

Nijanand App

रंगमहल की छठी भोम में पूर्व की जो पहली 6000 मन्दिरों की हार आई है उसके आगे 6000 थंभों की जो हार आई है उसके

बीच की गली को देहेलान करके कहा गया है इसी देहेलान में मन्दिरों की दीवार के साथ लगते हुए 6000 सुखपाल आये हैं।

Nijanand App

रंगमहल की छठी भोम के 28 थंभ के चौंक में तखतरवा शोभायमान है। जब सब सखियों ने

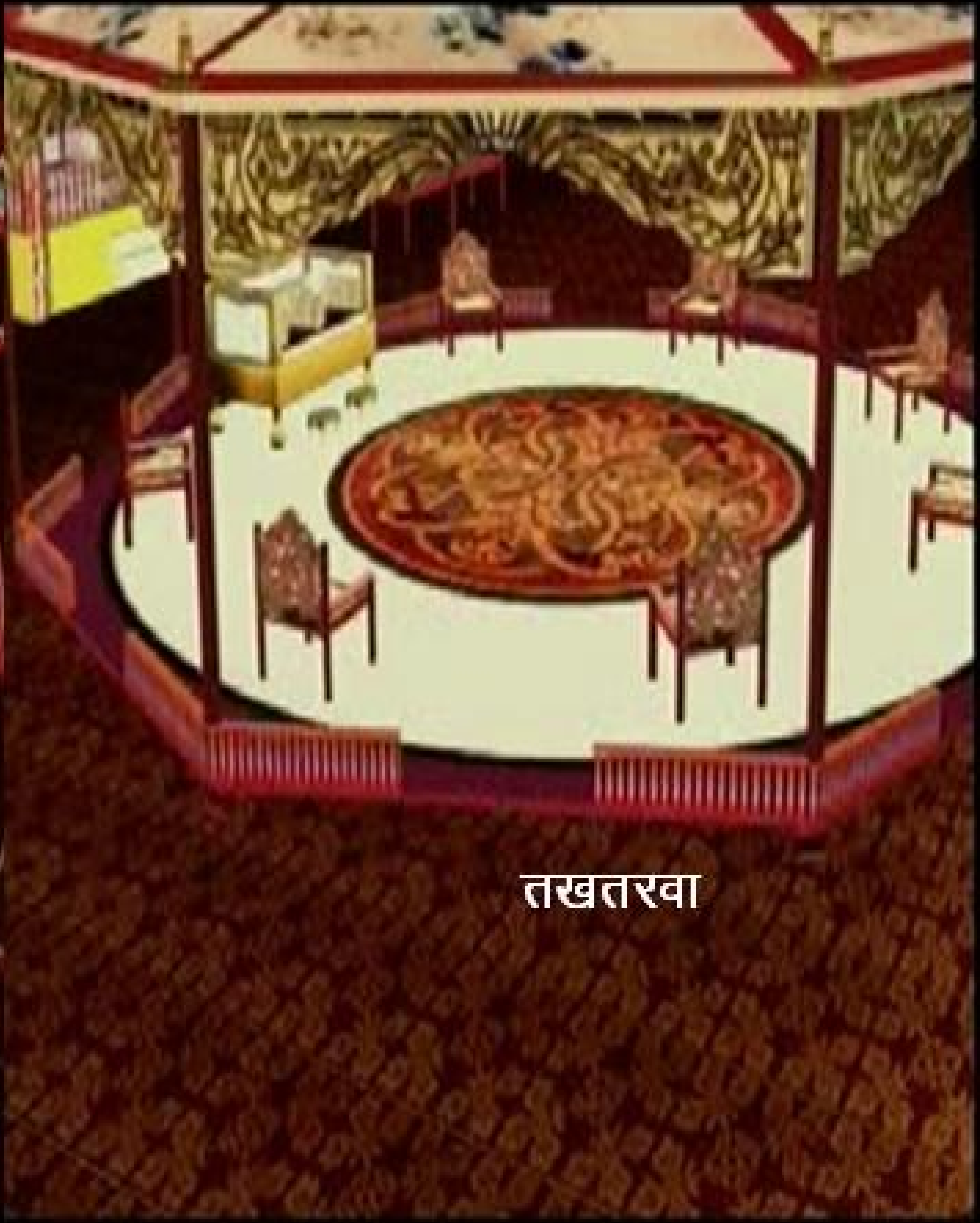

श्री राजस्यामा जी के साथ इकट्ठे ही सैर को जाना होता है तो सब एकसाथ तखतरवा में ही बैठकर जाते हैं।

Nijanand App

जब सखियों को जाना होता है तो एक एक सुखपाल में दो दो सखियाँ बैठकर सैर को जाती हैं

जब सबने इकट्ठे जाना हो तो तखतरवा में सब एकसाथ जाते हैं।
सुखपाल और तखतरवा मनवेगी चाल से उड़ते हैं

Nijanand App

रंगमहल की सातमी भोम में पहली मन्दिरों की हार के साथ जो दो थंभों की हार

आई है उनकी मेहराबों में दायें बायें एक एक हिंडोला लगा है।

Nijanand App

इन हिंडोलों की दो हाथ की ताली पड़ती है अर्थात् आमने सामने हिंडोला झूलते हैं

जब झूलने का समय होता है तो चकरी से जंजीरें यथास्थान तक खुलकर लटक जाती हैं।
तब श्री राजस्यामा जी सहित सब रुहें इन हिंडोलों में झूल कर आनन्द लेती हैं।

Nijanand App

रंगमहल की आठवीं भोम में भी इसी प्रकार थंभों की हार
के साथ हिंडोले आये हैं फर्क सिर्फ इतना है कि जो दो थंभों की

हार में गली में मेहराबें आई हैं उनमें भी हिंडोले आये हैं, इसलिए
यहाँ चार हाथ की ताली पड़ती है अर्थात् चारों तरफ से झूला झूलते हैं।

Nijanand App

रंगमहल की नौवीं भोम में बाहरी हार मन्दिरों की बाहरी दीवार

के साथ एक मन्दिर का चौड़ा छज्जा बाहर को निकला हुआ है। छज्जे के किनारे पर थंभ और कठेड़ा शोभा ले रहा है।

Nijanand App

201 हांसो के 201 छज्जे हुए और हरेक छज्जे पर एक सिँघासन और 6000 कुर्सियाँ आई है जिन

पर जिस दिशा में सब बैठते है तो श्री राज जी उधर की शोभा का ही ब्यान करते है।

Nijanand App

रंगमहल की नौवीं भोम के छज्जे के थंभों के ऊपर दसमी आकाशी में ऐसे ही छज्जा

आया है और भीतरी तरफ मन्दिरों की जगह पर देहेलान आई है। देहेलान की छत पर चार थंभों पर गुम्मट,कलश,ध्वजा पताका सब शोभायमान है और किनारे पर कगूंरे आये हैं

Nijanand App

आकाशी के पूर्व में 10 मन्दिर की लम्बी और 4 मन्दिर की चौड़ी 40 थंभों की देहेलान आयी है।

इसकी सारी एक ही छत 11 भोम की ऊँचाई पर आई है।

Nijanand App

छत पर वैसे ही सारी देहुरियों की जोगवाई आई है और किनार पर कांगरी शोभायमान है।

Nijanand App

देहेलान के आगे सब बाग बगीचों, नहरों, और चेहेबच्चों फव्वारों की शोभा आई है। जो 36 हवेलियों के नव फिरावे आये हैं

उनकी ही छत पर बगीचे आये है जो दो थंमो की हार और तीन गलियां आई थी उनकी छत पर नहरे और रौस आई है और चार हवेलियो के मध्य मे जो चौक आये थे उन की छत पर चेहेबच्चे शोभा ले रहे है।

Nijanand App

नीचे जो मध्य में नौ चौंक आये थे उनकी छत पर एक कमरभर ऊँचा चबूतरा आया है, चार कोनों पर चार चेहेबच्चे आये हैं यह वहीं चार पानी के स्तून हैं

जो नीचे पहली भोम से ही सीधे ऊपर आकर खुले हैं। चबूतरे पर गिलम,सिंघासन, कुर्सियाँ शोभायमान हैं। पूर्णिमा को श्री राजस्यामा जी सब सखियों सहित यहीं पर लीला करते हैं।

Nijanand App

जाग वन

Nijanand App

रंगमहल के पूर्व में सातवन शोभायमान हैं। यह पूर्व से पश्चिम

2000 मन्दिर लम्बे और उत्तर से दक्षिण 500 मन्दिर के चौड़े आये हैं।

Nijanand App

उत्तर से दक्षिण केल, लिबोई, अनार, अमृत, नारंगी, जाम्बू, बट

के वन आये हैं। बट के वन की जगह कुंज निकुंज आये हैं।

Nijanand App

इन वनों की ऊँचाई दो भोम की आई है।

Nijanand App

रंगमहल के सामने 3 वनों की शोभा आई है बीच में अमृतवन उत्तर में अनार और दक्षिण में नारंगी

अमृतवन के पश्चिम में 166 मन्दिर की जगह चांदनीचौक ने ले ली है

Nijanand App

सातों वनों के बीच में दो मन्दिर की रौंस आई है और रौंस के बीच में नहर चल रही है।

बट के वन की जगह कुंज निकुंज आये हैं।

Nijanand App

Nijanand App